

PUBLISHED BY AUTHORITY

नई विस्त्री, शनिवार, अप्रैल 7, 1984 (चैन्न 18, 1906) **29.** 14]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 7, 1984 (CHAITRA 18, 1906)

ैंस भाग में मिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संस्थलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filedine a separate compilation)

माम 111-वाच्य 1 PART III-SECTION

न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक 🌉 🕮 🗃 गा. रेल विभाग और सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसचनाएं deations issued by the High Courts, the Comptroller as Auditor General, the Union

blic Service Commission, the Indian Government Raffways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग नाई विस्ली-110011, दिनांक 16 फरवरी 1984 श्चि-पत्न

 19017/1/78-प्रशा ०-1-इस कार्यालय की अभिसूचना दिनांक 31 जनवरी, 1984 की तीसरी "तदर्थं आधार पर" शब्दों को कृपया हटा दिया

दिनांक 3 भार्च 1984 ∡016/1/84 प्रणा०--[I]---संघ लोक सेवा आयोग अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक · निर्विष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डैस्क ्र कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया

अवधि

12-1-84 से आग्रामी आवेशों तंक 12-1-84 से आनामी आदेशों तन

1 2	3
3. एन० के० ढींगरा	13-2-84 से 29-2-84 तक
 जीत राम 	14-2-84 代 29-3-84 代析
 एन० एम० एल० भटनागर 	14-2-84 से 29-3-84 तक
 ताम अवतार 	14-2-84 से 29-3-84 तक
7. सु दे ण कुमार	14-2-84 社 7-3-84 有布

उपर्यक्त अधिकारी कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का 0 जा 0 सं 0 12/1/74-सी 0 एस-1 दिनोंक 11-12-75 की मतों के अनुसार ए० 75/- प्र० मा० विणेष वेतन प्राप्त करेंगे

> एम० पी० जैन अवर सिचव (प्रशा०) संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंद्रालय

का० एवं प्र० सू० विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली; दिनांक 13 मार्च 1984

सं ० एस०-24/66-प्रशासन-5--निवर्तन की आय प्राप्त कर लेने पर श्री सत प्रकाश, धरिष्ठ लोक अभियोजक, केन्द्रीय (7227)

अन्वेषण ब्यूरो, विनांक 29 फरवरी, 1984 के अपालां से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत हो गए ।

सं० बी०-46/68-प्रशासन-5--निवर्तन की आयु प्राप्त करलेने पर, श्री बी० टी० वेंकटेशन्, उप-विधि-सलाहकार (तदर्य), केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, दिनांक 29 फरवरी, 1984 के अपराह्म से सरकारी मेबा से सेवा-निवृत हो गए।

सं० वी०-46/68-प्रशासन-5-समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 15-11-83 के कम में राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री वी० टी० वेंकटेशन को दिनांक 29-2-84 तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में तवर्थ आधर पर स्थानापन्न उप-विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19021/5/78-प्रणासन-5-प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री एल० सी० अमरनाथन्, भा० पु० मे० (उड़ीसा :1967) पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना भुवनेश्वर गाखा की सेवाएं दिनांक 29 फरवरी 1984 के अपराह्म से उड़ीसा सरकार को सींपी जाती है।

सं० ए०-20023/6/79-प्रशासन क्र-प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री के० एस० देशमुख, लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सा० अ० स्कन्ध, बम्बई की सेवाएं दिनांक 29-2-84 के अपराह्म से महाराष्ट्र सरकार को वापिस सौषी जाती हैं।

दिनांक 14 मार्च 1984

सं० एक-38/65-प्रशासन—-निवर्तन हो जाने पर, श्री एच० सेशाप्यैया ने दिनांक 29 फरवरी, 1984 के अपराधा से कार्यालय अधीक्षक/केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी, नई दिल्ली के पद का कार्यभार त्याग दिया ।

दिनांक 15 मार्च 1984

सं० जे०-14/65-प्रशासन-5-समसंख्यक अधिसूचना, दिनांक 15-11-83 के कम में, राष्ट्रपति अपने प्रसाद से भी जे० सी० ओक्षा को दिनांक 30 अप्रैल 1984 तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न उप विधि सलाह-कार के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं जे ०-46/66-प्रशासन-5-समसंख्यक अधिस्वना, विनौक 15-11-83 के कम में, राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री जे ० एल ० सरीन को दिनांक 30 अप्रैल 1984 तक के लिए, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में, तदर्थ आधार पर, स्थानापन्न उप विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-1/73-प्रशासन-5-समसख्यक अधिसूचना, दिनांक 18-11-83 के कम में, राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री ए० के० दत्त को दिनांक 31मार्च 1984 तक के लिए तदर्थ आधार पर, स्थानापन्न वरिष्ठ लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं। सं० बी०-1/73-प्रशासन-5-समसंख्यक अधिसूचना, दिर्नाक 20-1-84 के कम में, राष्ट्रपति अपने प्रसाद से भी बलजीत सिंह को दिनांक 31 मार्च 1984 तक के लिए सदर्थें आधार पर, स्थानापन्न विष्ठ लोक अभियोजने के रूप में नियुक्त हैं।

सं० सी०-5/73-प्रशासन-5-समसंख्यक अधिसूचना, विनाक 16-9-83 के कम में राष्ट्रपति अपने प्रसाद से, श्री सी० एस० गर्मा को विनाक 31 मार्च 1984 तक की और अवधि के लिए, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों में तदर्थ ग्रधार पर, स्थानापूनन वरिष्ठ लोक-अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एम०-6/73-प्रशासन 5-समसंख्यक अधिसूचना; धिनांक 11-1-84 के कम में राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एम०६ इमादुद्दीन को बिनांक 31-3-84 तक के लिए, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न वरिष्ठ लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते करते हैं।

सं० एस-8/73—प्रशासन-5—समसंख्यक अधिसूचना, विनांक 28-9-83 के कम में, राष्ट्रपति अपने प्रसाद से, श्री शिव प्रसाद सिश्र को दिनांक 31-3-84 तक की और अवधि के लिए, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों में, तदर्थ आधार पर, स्थानापन्न वरिष्ठ लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-20023/15/83-प्रमासन-5-निर्वेशक, केन्द्रीय अन्वेषण अपूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विवाष पुलिस स्थापना एसव्हारा श्री ठाकुर दास को, दिनांक 28 फरवरी 1984 के पूर्वाह्म से अस्थायी कप में लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण अपूरों के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19014/2/84-प्रणासन-5--राष्ट्रपति अपने प्रभाद से श्रो यू० एस० मिश्र भा० पु० से० (उड़ीसा-1968) को दिनांक 4 मार्च 1984 के पूर्वाल से अगले आदेश तक के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर केन्द्रीय अन्वेषण क्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते ह ।

आर० एस० नागपास प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)/ केन्द्रीय अन्वेषण

समन्वय निवेशालय (पुलिस के नई दिल्ली दिनांक 13 मार्च

सं० ए-12012/1/81-प्रशा०-इस ि ताल्य के 25-1-84 के कार्यालय आदेश भाग-II (सं० 63/84) के ध्रनुसार अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर नियुक्ति होने के फलस्वरूप निम्नलिखित अधिकारियों ने 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए े वेतनमान में अतिरिक्त वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक

(समूह "ख" राजपत्नित) के पद का कार्यभार उनके नाम के सामने दी गयी ारीख से एवं स्टेशन पर संभाल लिया है :--

% नाम सं०	दिनांक	स्टे शन
1. श्रीरक्षा द⊕ वी० चकवर्ती	27-1-84 (पूर्वाह्न)	
2. श्रीपी० आर० गंगीपाध्याय	8-2 -8 4 (पूर्वाह्म)	नई दिल्ली
श्री एन० सी० दास	24-2-81 (पूर्वाह्म)	मद्रास
4. श्रीजे० एस० ठाकुर	27-2-84 (पूर्वाह्न)	इम्फाल

बी० के० दुबे निदेशक पुलिस दूरसंचार

महानिदेशालय, के० रि० पु० बल,

निह दिस्ली-110003, विनांक 15 मार्च 1984 सं० ओ० दो-458/69-स्था०-1-क्समांडेंट सलेक्शन ग्रेड की नियुक्ति फलस्बरूप श्री एस० पी० सिंह जो कि इस समय आई० टो० डी० सी० में डेपुटेशन पर हैं, को कमांडेंट सलेक्शन ग्रेड के पद पर प्रोफार्मा प्रोन्तित दिनांक 27-10-83 से दिया गर्मा है।

यह गृह मंत्रालय यू० ओ० नोट संख्या 2210/जे० एस० पी०/ 84 दिनांक 1-3-84 द्वारा अनुमोदित करने पर जारी किया जाता है।

सं० ओ० दो-1036/72-स्था०-I--एन० पी० ए० में तदर्थ/डेपुटेशन आधार पर छ: माह की अवधि के लिए या यू० पी० एस० सी० द्वारा नियमित प्रवरण करने तक जो भी पहले हो सहायक निर्देशक (विधि) की नियुक्ति फलस्वरूप श्री आर० डी० शर्मा ने सहायक कमांडेट के पद का महानिदेशालय के० रि० पु० बल में, कार्यभार दिनांक 29-2-84 (अपराह्म) को त्याग दिया है।

ए० के० सूरी सहायक निर्देशक (स्था०)

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

2. श्री अरदमन सिंह का मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा। बी० एस० बर्मा भारत के महारजिस्ट्रार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग निवेमक लेखापरीक्षा, केस्द्रीय राजस्य

नर्ष दिल्ली-110002, दिनांक 1 मार्च 1984

सं० प्रश ० 1/क ० अ.० संख्या 503—निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व, निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी (ग्रुप "बी" राजपितत) के रूप में 1 मार्च 1984 पूर्वाल से 650-30-740-35-880-ई० बी०-40-1040 र० के वेतनमान में अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं :--

香の

सं० नाम

 $(1) \qquad (2)$

सर्व/श्री--

- 1 तिलंक राज साहनी
- 2 रिपुद्रम्न बाली
- 3. देवेन्द्र किशोर जोशी
- 4. राधा मोहन गौतम
- 5. रमेश चन्द कौशिक-I
- 6. श्रीकृष्ण जैन
- 7. जेतिन्द्र नाथ क्षिया
- 8. जागीर सिंह
- 9. इन्दर सिंह रत्ना
- 10. गजय सिंह नेगी
- 11 अविनाश चन्द कपूर
- 12. मधन लाल नरूला
- 13. प्रीतम सिंह
- 14. प्राणनाथ सहगल
- 15 रोशनलाल चौपड़ा
- 16. मदन मोहन गुप्ता-III
- 17. गोकुला नन्द पन्त
- 18. लखबीर सिंह
- 19. हरि सरन सारस्वत
- 20 सत्य प्रकाश मदान
- 21. जितन्वर प्रणाव माथुर
- 22. लखपत राम शर्मा
- 23. वेद प्रकाण गर्मा
- 24. अमलेन्द्र चऋवर्ती
- 25 राजेश चन्द्रा
- 26. राम नरायण लखनपाल
- 27. जबाहर लाल गुप्ता

 $(1) \qquad (2)$

 $(1) \qquad (2)$

सर्व/श्री

- 28. राजिकशोर मंडर
- 29. गोरखनाथ शर्मा
- 30 कौणल राय रस्तोगी
- 31 श्रीमती प्रेम कारता
- 32. सुदर्शन कुमार बब्बर
- 33. हरबन्स लाल सदाना
- 34. हरिमोहन गुप्ता
- 35. उमेश चन्द्र गुप्ता
- 36. सतिन्द्र पाल सिंह
- 37. राजिन्द्र पाल सिंह
- 38. राधेश्याम गुप्ता
- 39. ओंकार नाथ सक्सना
- 40. म्हनी लाल जैन
- 41. सुरेन्द्र नाथ गिरोना
- 42. श्याम सुन्दर
- 43. श्रीमती लीला अग्निबोबी
- 44. ओम बिहारी
- 45. जगवीम चन्द्र
- 46. सुमत प्रकाश जैन
- 47. रमेश चन्द्र कपूर
- 48. महेश पुरी गोस्वामी
- 49. मन्हेन्द्र प्रशाद माथुर
- 50. जोगिनद्र सिंह गांधी
- 51. जेठा नन्द
- 52. सुरेन्द्र मोहन कपूर
- 53. रामलाल खुराना
- 54. दीप महरा
- 55. सोम प्रकाश सेठ
- 56. २वीश चन्द्र
- 57. राजन्द्र कुमार अग्रवाल
- 58. हरसरन सिंह
- 59. ओम प्रकाश मदान
- 60. गंगा राम शर्मा
- 61. गौरी शंकर बंसल
- 62. आशाराम गर्ग
- 63. विमल प्रसाद जैन
- 64. एन० के० उचिला
- 65. नरिन्द्र सैन
- 66. चुन्नी लाल छीगर।
- 67. नानक चन्द मंगला
- 68. अमरनाथ-I
- 69. लेखराज
- 70. राजिन्द्र नाथ भार्गव

सर्वश्री

- 71. कृष्ण लाल कपूर
- 72. सुभाष चन्द वहल
- 73 राम निवस गुप्ता
- 74. अर्जुन दास
- 75. भीज प्रकाश
- 76. सन्त लाल मिशल
- 77. सुभाष चन्द्र भाटिया
- 78. राधे फ़ुष्ण सलूजा
- 79: वॉसदेव
- 80. हरि कृष्ण खुराना
- 81. ईण्यर दास मदान
- 82. हरपाल सिंह कपूर
- 83. नन्द कुर्मीर मस्होत्रा— II
- 84. यशपाल चन्द्रा
- 85 रविन्द्र नाथ वर्मा
- 86 श्रीमती ऊषा गोयल
- 87. मेठाराम
- 88. नरिन्द्र पाल सिंह गुजाटी
- 89 पवन देव दोवेदी
- 90. अरविन्द्र सिंह गम्भीर
- 91. अभिमन्यु वर्मा
- 92. सन्तोष कृष्णा
- 93 दिनेश चन्द्र पंत
- 94. रतीश मोहन गुप्ता
- 95. प्रीतम सूद
- 96. भगवान सरन गुप्ता
- 97. कृष्ण चन्द्र कटारिया
- 98. ओम नारायण मेहरा
- 99. इन्द्रपाल सिंह सहाय
- 100. बलदेव राज-III
- 101 स्याम सुन्दर वर्मा
- 102. गुरुदत्त लाल
- 103. राम किशन जैन
- 104. आनन्द राम
- 105 रणजीत सिंह माकन
- 106. हरभजन सिंह
- 107. टोकी राम
- 108. शिव कुमार गुप्ता
- 109 गुलमन राय
- 110 कुमारी प्रभा नेगी
- 111. अधिवनि कुमार क्रिंगन
- 112 अविनाश चन्द्र भनोट
- 113. चलजीत सिंह साहम्बी
- 114 राम कुमार सहरावत

1 2

सर्वंश्री

116. राम प्रवेश सिंह

116, कृष्ण सहाय शर्मा

117. होती लाल जाटव (अ० जा०)

118. राजकुमार दूआ

119. सतीश चन्द्र सिंघल

120. तिलक राज

121. रामेण्वर सिंह

122. रामस्वरूप (अ० जा०)

123. महाबीर प्रशाद सक्सेना

124 नन्द लाल भाटा

125, प्रीतम सिंह गाबा

126 ओम प्रकाश शर्मा

127. कुलतार सिंह पूस्नी

128 मदन मोहन

129. वेबेन्द्र मोहन

130. मदन मोहन वक्शी

131. रामेश्वर वत्त

132. कृष्ण लाल

133 विनोद कुमार जयरथ

134. मदन लाल जैन

135. होला राम चन्दानी

136 रामिकशन दास गुप्त

137. जयगोपाल दास पूरी

138 ज्ञान चन्द (अ० जा०)

139. श्री निवास गोयल

140 उमराव सिंह (अ० जा०)

141 चन्द्र शेखर त्यागी

142. बलदेव' राज-II

143. रमेश चन्द्र कौशिक-III

144 प्रमोद कुमारं मिश्रा

145 ईरवर प्रणाद माधुर

146. चन्द्र लाल विरमानी

147 जगदीश चन्द्र

148 रमेश कुमार बन्गा

149. अनुप सिष्ठ लाकड़ा

150 श्रीमती कमला हींगरा

151 प्रेमोवेश सबसेना

152. पूरण चन्द कस्याल

153. श्रीमती प्रभा मल्होला

154. याद राभ (अ० जा०)

155. अनिल कुमार सहगल

156. श्रीमती शशि प्रभा

157. श्री राम

158. श्रीमती कमलेण बन्शी

1 2

सर्वश्री

159. श्याम सुन्दर कपूर

160 मनमोहन सिंह

161. राम प्रकाश-II

162 विनीव कुमार

163. हरनाम सिंह (अ० जा०)

164 प्रेम लाल चावला

165 देवी निवास गुप्त

166. श्रीमती चरनजीत कौर

167. श्रीमती सुरेन्द्र चौपड़ा

168. हंसराज बुडेआ

169. सरवेन्द्र कुमार रस्तोगी

170 कुलबीप कुमार खन्न।

171. देशराज चौपड़ा

172. पी० एस० सक्सेना

173. भजना नन्द जुयाल

174. जीय टी० अग्राहम

दिनांक 13 मार्च 1984

सं प्रणा । पिका आ सं -825 - इस कार्यालय के एक स्थायी लेखापरीक्षा अधिकारी श्री रमाकांत शर्मा, बार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 31 मार्च 1984 अपराह्म से भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जाएंगे।

उनकी जन्म तिथि 5 मार्च 1926 है।

दिनांक 20 मार्च 1984

सं० प्रशा०-1/का० आ० सं०-526-इस कार्यालय के एव स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी श्री रणजीत सिंह जोशी बार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 31 मार्च 1984 अपराह्म को भारत सरकार की संवा से सेवा निवृत्त हो जाएंगे। उनकी जन्म-तिथि 2 मार्च 1926 है।

विनांक 21 मार्च 1984

第0

नाम

सं०

सर्व श्री

- 1. भ्रशोक कुमार
- 2. विजय कुमार वर्मा

(1) (2)

सर्वश्री

- 3. के० के० महर्षि
- 4. महेन्द्र पाल जैन
- 5 के० एन० अंग्रवाल
- 6 डी० आर० राजा
- 7 एस० पी० गुष्ता
- 8 एस० पी० मेहता
- 9. बलबीर सिंह मर्मा

मं० प्रणासन-1/का० आ० संख्या 521—निदेशक, लेखा-परीक्षा केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली ने इस कायिलय के निम्न-लिखित अनुभाग अधिकारियों की सहायक लेखा-परीक्षा अधिकारियों के ग्रेड (ग्रुप "बो" राजपितत) 650-30-740-35-880-ई० बी०-40-1040 ६० के समयमान में दिनांक 1-3-1984 पूर्वाह्म से और आगे आदेश मिलने तक मूल नियमावली 30(1) के दितीय उपबन्ध के अन्तर्गत प्रोफार्मा प्रधोननति के आदेश दिए हैं :--

क नाम

सं०

सर्घ/श्री

- 1. विवेशवर कुमार गर्ग
- 2. चरन जीत लाल गुलाटी
- 3. ओम प्रकाश बला
- 4. सरदारी लाल
- 5. ब्रयाम सिंह
- 6. सोमनाथ मेहरा
- 7. रामेश्वर दयाल गौतम
- रामनाथ अरोड़ा
- 9. प्राणनाथ लाम्बा
- 10. वासदेव एम० अहुजा
- 11. ओम प्रकाण बत्स
- 12. मोहिन्द्र नाथ केदार-11
- 13. सुभाष चन्द्र गुप्त
- 14. श्रीमती सरीजा वेनूगोपार
- 15. खरोप सिंह
- 16. मंजीत सिंह सचदेवा
- 17. गिरधारी लाल उत्पल
- 18 रतन प्रकाश गुप्त
- 19, ओ० पी० मल्होत्रा
- 20. राम सहाय मायुर
- 21. प्रदुम्न प्रसाद
- 22. महिन्त्र कुमार पाठक

(1) (2)

सर्वश्री

- 23. महिन्द्र नाथ उप्पल
- 24. रामानम्द गुप्त
- 25. विजेन्द्र नाम शर्मी
- 26. छट्टू प्रसाद
- 27. समीर चन्द्र घोष
- 28. मनोहर लाल
- 29. कुलबीप प्रकाश सूच
- 30. किशन लाल अरोड़ा
- 31. अमरजीत सिंह
- 32. मोहम्मद युनुस
- 33. रमेश भन्द्र कौशिक-II
- 34. बाबू लाल श्रीवास्तव
- 35. सतीश कुमार अग्रवाल
- 36. राजेन्द्र कुमार जैन-III
- 37 मनमोहन लाल धर्मा
- 38. ओम प्रकाश-IV
- 39. सोहन लाल शर्मा
- 40. रिआजुद्दीन
- 41. हरीश कुमार
- 42. रामेश्वर दास गुप्त
- 43. सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव
- 44. सतीम चन्द्र पंत
- 45. सत्य नारायण भारद्वाज
- 46. राज कुमार आर्य
- 47. तुलसी दास वरयानी
- 48. राजेन्द्र प्रसाद
- 49. कृष्ण मोहन महर्षि
- 50. दीन दमाल शर्मा
- 51. प्रेम नाथ भाटिया
- रविनद्र नाथ विश्वास.
- 53. सतीश कुमार शर्मा
- 54. मदन लाल भल्होझा
- 55. बिष्लब मजूमदार
- 56. राजेश कुमार (अ० जा०)
- **57. प्राणवत्त पांडे**
- 58. रधुकीर सिंह शर्मा;
- 59. विमल कुमार वर्मा
- 60. इन्द्र मोहन जोहर
- 61. शिव कुमार आजाद
- 62. कुलदीप सिंह इलामाबादी
- 63. भृषण प्रकाश जैन 🖁
- 64. दयानम्द शर्मा
- 65. प्रदमन सिंह दामन

1

सर्वेश्वी--

- 66 बसन्त कुमार
- 67. के० एन० के० आर० पोवरवाल
- 68. शेर सिंह
- 69. श्रीं निवास
- 70. सुखदेव सिंह नेगी

मंकर नरायण उप-निदेशक लेखा परीक्षा (प्रणा०)

कार्यालय, महालेखाकार (प्रथम) मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 24 फरवरी 1984

क्रमांक प्रणासन—एक/राजि विद्यालात/480—महालेखाकार (प्रथम) मध्य प्रदेश ने सहर्ष निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारी का स्थामापम्न लेखा अधिकारी के पद पर वेतनमान 840—40—1000—द रो०—40—1200 के अन्तर्गत अम्य कोई आदेश होने तक, उनके सामने दर्शाय दिनांक से प्रोफार्मा पदोन्नति की हैं। उनके निकटतम कनिष्ठ श्री वी० डी० गुप्ता इसी दिनांक से लेखा अधिकारी पद पर इस कार्यालय में पदोन्नत हुए थे :——

क्रमांक	नाम	स्थायी कमांक	<u>-</u>
1. श्री	यु० सी० भागेंव		19-9-83 पूर्वाह्न

[प्राधिकार---मह्त्लेखाकार (प्रथम) के आदेश दिनांक 21-9-83]

> ्एस० के० पोद्दार करिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार; सिकिकम

गान्तोक, दिनांक 13 मार्च 1984

सं प्रशाः पी एफ । एफ श्रोः एम जी पी ।

150--कुमारी माया देवी प्रधान अनुभाग अधिकारी कार्यालय,
महालेखाकार, सिक्किम की कार्यालय महालेखाकार (लेखा
परीका) सिक्किम में स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी
के पद पर ६० 650-30-740-35-880- द० रो०-40
1040 के ग्रेड में 1-3-1984 (पूर्वाह्म) से आगामी आदेश तक
नियुक्ति की जाती हैं।

ए० के० देव |महालेखाकार (लेखा परीक्षा) -*[सिक्किम, गान्सोक रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनैन्स फैक्टरियां सेवा जार्डनैन्स फ़ैक्टरी बोर्ड

कलकता, विनांक 12 मार्च 1984

सं 10/जी/84 वार्धक्य निवृति आयु प्राप्त कर श्री एस॰ पी॰ गोस्वामी, स्थानापन्न एस॰ श्रो॰ (मौलिक एवं स्थायी सहायक) विनाक 29 फरवरी, 1984 (अपराह्म) से सेवा निवृत हुए।

> वी० के० मेहता निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1984 आथात श्रौर निर्यात ज्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 1/2/84-प्रशासन (राज०)---राष्ट्रपति, श्री एस० कुजुर (केन्द्रीय सिववालय सेवा श्रेणी-I), वाणिज्य मंत्रालय में अवर सिवव को 8 फरवरी 1984 से अगला आदेश जारी होने तक मुख्य नियंतक, आयात एवं निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात एवं नियंत्र के रूप में नियुक्त करते हैं।

शंकर चन्धं उपन्मुख्य नियंत्रक, श्रायात एवं निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

इस्पात ग्रोर खान मझालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता, दिनांक 16 मार्च 1984

सं० 1806 बी/ए-19012(बी एम सी)/84-19 ए-भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेणक, भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (डी० ओ०) श्री बी० एम० चटर्जी को ऑटिस्ट के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द०, रो०-880-40-1000--द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आंवेण होने तक 8 फरवरी, 1984 के पूर्वाह्म से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

> अमित कुमारी निदेशक (कार्मिक) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान स्यूरो

नागपूर, दिनांक 13 मार्च 1984

सं० ए-19011 (342) /83-स्था० ए०--राष्ट्रपति, विभागीय पदोन्ति समिति की सिंफारिण पर श्री एम० वाय० फाझा, सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी को दिनांक 21 फरवरी 1984 के पूर्वाह्म से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप से सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर महर्ष पदोन्तित प्रवान करते हैं।

आशाराम कश्यव वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी कृते महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1984

मं० 3/138/60-एस-2-महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री पी० आर० शर्मा को उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र, मण्डी हाउस नई विल्ली में दिनांक .17-2-84 (पूर्वाह्र) से प्रशासनिक अधिकारी के पद पर सदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्रीमती रुक्मणी दास गुप्ता उप निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

सं० ए० 32013/4/81- (मुख्यालय) प्रशासन— राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में 4 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्म से आगामी आदेशों तक निम्नलिखित व्यक्तियों को वरिष्ठ वास्तुक के पद पर अस्थायी तौर पर नियक्त कर विया है:—

- 1. श्री बी० मी० मिस्त्री
- 2. श्री एंस० डी० मटंगें
- 3. श्री बी० बी० पंचल

पी० एन० ठाकुर उप निदेशक प्रणासन (सी० एण्ड बी०)

कृषि मंद्रालय

(कृषि श्रीर सहकारिता विभाग) वनस्पति रक्षा, संगरोध श्रीर संग्रह निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 14 मार्च 1984

इस निदेशाल्य में नियुक्त श्री डी० वी० नरसिंह बाबू, निगरानी अधिकारी की सरायक बनस्पति विकृत विज्ञानी के पद पर रु० 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के बेतनमान में 13 फरवरी 1984 के पूर्वाह्म से आगामी प्रादेश होने तक बनस्पति संगरोध एवम् प्रधुमन केन्द्र, बम्बई में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है।

2. श्री बाबू ने निगरानी अधिकारी, केन्द्रीय निगरानी केन्द्र गोहाटी के पव का 28 जनवरी 1984 (उत्तरार्ध) से कार्य भार छोड़ दिया है।

> के० डी० पहारिया वनस्पति रक्षा सलाहकार

ग्रामीण विकास मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक मार्च 1984

सं० ए० 19025/5/79-प्र० III- इस निदेशालय के अधीत कलकता में श्री एम० पी० जोर्ज, सहायक विषणन अधिकारी, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 48 ए के उपबन्धों की शतौँ के अन्तर्गत दिनांक 3-11-82 (पूर्वाह्र) से स्वेज्छा से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

विनांक 16 मार्च 1984

मं० ए 19025/6/84-प्र० 111-संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री पीताम्बर सिंह को विमाक 17-2-84 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश होने तक इस निदेशालय के अधीन बम्बई में स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग II) के रूप में नियुक्त किया गया है।

गोपाल शरण शुक्त कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

भारतीय वन सर्वेक्षण

वेहरादून, दिनांक 12 मार्च 1984

कर्माक 4-8/79-प्रशासन--श्री जैं० एन० भट्टाचार्य, पश्चिम बंगाल कनिष्ठ बन सेवा (स्थापन्न) जो कि भारतीय वन सर्वेक्षण, पूर्वी श्रंचल, कलकत्ता में सहायक निदेशक (पूर्व पदनाम सहायक बन संरक्षक) के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्य कर रहें थें, की सेवाएं पश्चिम बंगाल सरकार को 5 दिसम्बर 1983 की पूर्वाह्न से सींप दी गई हैं।

> एन० के० अग्रवाल निदेशक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 14 मार्च .1984

सं डी०/243/एक आरं डी०/स्था० /947— हुख: पूर्वक अधिसूचित किया जाता है कि इस केन्द्र के स्थायी ड्राफ्ट मैन 'सी और स्थानापन्म वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड 'एस० बी'० श्री गणिकांसगणेग देव की दिनांक 3~12-1983 को मृत्यु हो गई।

आर० एल० बन्ना उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग क्रय और भंडार निदेशालय

वम्बर्,-400001 विनांक 12 मार्च 1984

सं० डी० पी० एस०/2/1(26)/83-प्रणा०/5912---परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और संडार निवेणालय के निवेशक ने स्थायी ऋय राहायक श्री एन० राजगोपालन को रुपए 650-30-740-35-810-द ५ रो०-35-880--40-1000-द ० रो०-40-1200 के वेतनमान में तारीख 3-2-84 (पूर्वाह्म) से अगले आदेण होने तक के लिए नियमित आधार पर इसी निवेणालय में स्थानापन्न रूप से सहायक ऋय अधिकारी नियुक्त किया है।

> पी० गोपालन प्रशासनिक अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग इसरो उपग्रह केन्द्र

बेंगलूर-560058, दिनांक 12 मार्च 1984

सं० 020 | 3 (061) | प्र० अ० 84 — इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र बंगलूर के निम्नलिखित व्यक्तियों से प्राप्त त्याग पत्न उनके नाम के सामने दर्शाई तिथि से सहवें स्वीकार करते हैंं:---

ऋ० नाम पवनाम तिथि सं०

श्रीमती बी० एम० वैज्ञानिक/अभियंता 17-01-1984
 शैलज एस० बी०

2. श्रीबी०रमेण वैज्ञानिश/अभियंता 05-01-1984 एस० की०

्3 श्री के० कार्तिकेयन वैज्ञानिक/अभियंता 30-11-1983 . एस० बी०

> एच० एस० रामदास प्रशासन अधिकारी-II

महानिदेशक नागर विमानन का कायलिय

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1984

सं० ए 32014/7/82-ई० सी०-इम विभाग की दिनांक 23 मई, 1983 की अधिसूचना सं० ए-32014/7/82ई० सी० के क्रम में, महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एम० सी० डे० भौमिक की सहायक तकनोकी अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्य 2---6G1/84 नियुक्ति दिनांक 30-9-83 तक को अवधि के लिए और जारी रखने की स्वीकृति दी है।

जी० बी० लाल सहायक निदेशक प्रणासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 14 मार्च 1984

सं० ए 32013/13/82-ई०-I-राष्ट्रपति ने श्री आर० आई० सिंह, नियंत्रक विमान क्षेत्र को दिनांक 8-3-84 अपराह्म से 7-9-84 अपराह्म तक 6 मास की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, पालम एयरपोर्ट पर निदेशक विमान क्षेत्र के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

मंजीत सिंह निदेशक प्रशासन

नह विल्ली, दिनांन 22 फरवरी 1984

सं० ए० 19011/8/83-ई-I—महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय के श्री जे ० सी० पारथी, सहायक निदेशक विमान सरक्षा निवर्तन आयु प्राप्त कर छेने पर दिनांक 31-1-1984 अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त ही गए हैं।

दिनांक 8 मार्च 1984

सं० ए० 35014/1/821ई० — 1— - महानिदोशक नागर विमानन, नई विल्ली के कार्यालय के श्री बी० एन० गर्मा, लेखा अधिकारी, निवर्तन आयुप्राप्त कर छेने पर दिनांक 29—2—1984 अगराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 9 मार्च 1984

सं० ए-31013/1/83-ई--ा--राष्ट्रपित ने श्री वाईं० पो० बाबाको महानिदेशक नागर विमानन कार्यालय में दिनांक 4-12-1975 से वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

मं० ए 32013/7/83-ई०-1- इस कार्यालय की दिनांक 30-6-83 की अधिसूचना सं० ए 32013/7/83-ई० के कम में राष्ट्रपति ने श्रीमती नानकी असनानी की व रेउठ वैज्ञानिक अधिकारी के ग्रेड में की गई तदय नियुक्ति दिनांक 3-12-83 से 4-4-1984 तक ज(री रखने को स्वीकृति है।

दिनांक 12 मार्च 1984

मं० ए 12025/3/71-ई०- इस कार्यालय को विनां क 20-1-1984 की अधिसूचना सं० ए-12025/3/71-ई०-ा के कम में, महानिवेणक नागर विमानन ने श्री के० के० समी, की नागर विमानन विभाग में हिन्दो अधि कारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति दिनांक 30-6-1984 तक अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

> जे० सी० गर्ग उपनिदेशक प्रशासन

गई विल्ली, दिनांक 13 मार्च 1984

सं० ए 11019/1/77-ई० एस---महानिवेशक नागर विमानन ने निम्निखित अधिकारियों की हिम्बी अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति दिनांक 1-2-84 से आगे तीन मास की अवधि के लिए अथवा ग्रेड में नियमित नि युक्ति हो तथा. इनमें से जी भी पहले हो, सामान्य शर्ती पर जारी रखने की स्वीकृति दे दी है:--

- (1) श्री बी० आर० राजपूत
- (2) श्री बुज राज
- (3) श्री एम० पी० शर्मा
- (4) श्री जी० मणि

बि० भौमिक सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1984

सं० ए० 32013/3/83-ई० सी (.) -इस विभाग की विनांक 4 जनवरी, 1984 की अधिसूचना सं० ए० 32013/3/82-ई० सी० के कम में राष्ट्रपति ने निम्मलिखित आठ तकनीकी आधिकारियों कन दिनांक 11-1-1984 से और अन्य आदेश होने तक विराठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेट में नियमिन आधार पर नियुक्त किया है:--

कार नाम सं० तनाती स्टेशन

~

सर्वश्री---

1. वी० सी० रेड्डी

2. यू० के० सिह्ना

3. प्रभाकर गुप्मा

4. 🕏 ০ বন্মবুছন

5. वी गोवर्तेनन्

6. एन० आर० एन० आयंगर

7. ए० के० संघल

सी० एल० मलिक

वैमानिक संचार स्टेशन, हैदराबाद वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता वैमानिक संचार स्टेशन, गुबाहाटी रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्लो।

वमानिक संचार स्टेग्नन, सिलचर

वैमानिक संचार स्टेशन, बंगलौर । वमानिक संचार स्टेशन, नागपुर । वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई ।

> ्<mark>जी० बी० लास</mark> सहायक निर्देशय प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून दिनांक 14 मार्च 1984

कि सं व 16/416/83—स्थापना—Ï—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर अध्यक्ष वन अनुसंघान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून डा० सुभाष नौटियाल को दिनांक 23 जनवरी 1984 की पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक यन अनुसंघान संस्थान एवं महा-विद्यालय वेहरादून के अन्तर्गत वन मृदा एवं वनस्पति सर्वेक्षण, जबलपुर; अनुसंघान अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> हर एसर प्रभठनीय उप कुलसचिव, वन अन्संधान संस्थान एवं महाविद्यालय

विधि, न्याय और कस्पनी कार्य मंत्रालय
(कस्पनी कार्य विभाग)
कम्पनी विधि बोर्ड
कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स वी स्पून पाईप (सी० आई०) लिमिटेड इन्दौर के विषय में ! ग्वालियर-474009, दिनांक 23 फरवरी 1984

क्रमांक 273/पी० एस०/मी० पी०—2477—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदहारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स स्पून पाईप (सी० आई) लिमिटेड, इन्दौर का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई हैं।

कम्पनी अधिनियम्, 1956 और मेमर्स लखनऊपावर रिक्शा कम्पनी प्राक्ष्मेट लिमिटेड, गवालियर के सम्बंध ; !

गवालियर-474009, दिनांक 19 मार्चे 1984

सं 1381/पी एस | सिं पी | 2945 - कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदारा यह सूचना दी जाती है कि इस दारी ख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स लखनं के पायर रिक्णा कम्पनी प्राइवेट तिमिटेड, ग्वालियर का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जानेगा और उक्त नाम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

> सुरेन्द्र कुमार सक्सैना कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश, ग्वालियर

नम्पनी अधिनियम 1956 और जय किसान केंडिट एण्ड वेस्ट;ट प्रा० लि० के विषय में

पटना-800001, दिनांक 8 मार्च 1984

सं० (1150)/560/7357—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार में एतदद्वारा सूचना शीजाती है कि जय किसान केडिट एण्ड इन्वेस्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित ही गई है।

तम्पनी अधिनियम 1956 और मगध दूरिस्ट होटल प्राइवेट लिमिटेंड के विषय में

पटना-800001, दिनांक 8 मार्च 1984

संव 1151/56017360—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार ; एतदद्वारा सूचना दी जाती है कि मगध टुरिस्ट होटल प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियी के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विचटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956और मीलरतन साह एण्ड कम्पनी प्रा० लि० के विषय में !

पटना-800001, दिनांक 8 मार्च 1984

सं० (1168)/560/7363--कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार में एतदद्वारा सूचना दी ज़ाती है कि नीलरतन साह एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नामुआज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

> ए० वहाब अन्हारी कम्पनी रजिस्ट्रार बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियङ, 1956और मृैसर्स विधि सेवा पब्लिकेशन्स ृश्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 12 मार्च 1984

सं० संख्यिकी-1723-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतबद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स विधि सेवा पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज र्राजस्टर से काट दिया गया है औय उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

ण० प्र० दीक्षित कम्पनियों का रिजस्ट्रार, राजस्थान, जयपुर नवजीवन प्रिटिंग एण्ड पब्लिशिंग कम्पनी लिमिटेड के विषय में !

कोचीन विनांक मार्च, 1984

सं० 2942/लिध्य/560(3)/2995—सम्पनी अधिनयम धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण मैंएतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख इसे तीन मास के अवसान पर नवजीवन प्रिंटिंग एण्ड पिक्लिंगिंग कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जएगा और कम्पनी विषटिस कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बादसं चिटफण्डस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में !

कोचीन, विनांक 15 मार्च 1984

सं० 2288/लिक्वि/560 (3)/32981/84— कम्पनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण, में एतद द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अव-सान पर बादर्स चिट फण्डस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया ती रिजस्टर से काट दिया जाऊंगा अर कम्पनी विषटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सुरेश चिट फण्डस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ! '

कोचीन, दिनांक 15 मार्च 1984

सं 2030/लिक्वि/560(3)/2992/84— कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण एतदब्रह्मारा यह सूनचादी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सुरेश चिट फण्डस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से बाट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम 1956 और केरली चिट फण्डप्राह्वेट लिमिटेड के विषय में !

कोचीन, दिनांक 15 मार्च 1984

सं० 621/लिक्नि/560(3)(3)/2983—84 कम्पनी, अधिनयम 1956 की धारा 560 की उपवारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कैरली चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशान न किया गया तो रजिस्टर स काट दिया जाऊंगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और परूर क्यानिंग इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कीचीन, विनांक 15 मार्च 1984

सं० 2030/लिक्य/560(3)/2986/84-- सम्पनी अधिनियम
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्
हारायह सूचनादी जाती है कि • इस तारीख से तीन मास
के अवसान पर परूर क्यानिंग इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम
इसके प्रतिकूल कारण विधात न किया गया तो रिजस्टर से काट
विया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पंचापकेशन कम्पनियों का रजिस्ट्रार केरल

पूर्ति विभाग राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता, दिनांक 13 मार्च 1984

म ० जी०-65/एस० ओ०--महान्तिवेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता, राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता के निम्नलिखित वैज्ञानिक सहायक (विद्युत) को राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर कलकत्ता में दिनांक 18-2-84 पूर्वाह्न से अन्य आवेश के जारी

होंने तक वैज्ञानिक अधिकारियों (विद्युत) के पद पर नियुक्त करते हैं:---

क० सं० नाम

- श्रीमती उमा भक्त
- 2. श्री धीराज कुमार दत्त

के० एम० बनर्जी संयुक्त निदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता

आयकर अपीलीय अधिकरण

बम्बई-4000 020, दिनांक 12 मार्च 1984

मं० एफ-48 ए० डी०(ए०टी०)/84--श्री आर० के० घोष, सहायक पंजीकार, आयकर अपीलीय अधिकरण, कलकत्ता पोठ, कलकत्ता दिनांक 29 फरवरी, 1984 (अपराह्न) से अधि-वार्षिकी आयुप्राप्त हो। जाने पर शासकीय सेवा से निवृह हो गये।

> टी० **डी**० मुख्ला अध्यक्ष

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 दिसम्बर 1983

निर्देश मं० ए०सी०-90/रेंज-IV/कलक/1983-84---यतः मुझे, शंकर के० ब्यानार्जाः,

नायकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसका संख्या है तथा जो डोमजुर, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्द्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, डोमजुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-7-1983

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए बन्तरित की नृष्ट हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रसिवात से बिधक है और बन्तरक (बन्तरका) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बन्तरक के निए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की वावत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के निष्; और/वा
- (का) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों का, चिन्हुं आरतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए;

अक्ष. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री कालिपद घोष

(अन्सरक)

2. श्री अजय कुमार घोष, श्री अशोक कुमार घोष

अन्तरिती)

का यह सुचना चारी करके पृवांक्त सम्पृत्ति के अर्थन के हिन्छ् कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क), इस सूचना के राज्यन में प्रकासन की ताड़ी हा से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनु सुची

जमीन—1/2 सेयर 4 काठा पकर और 6 काठा जमीन का साथ मकान पता—मौजा, थाना—डोमजुर, जिला हाबड़ा । दलित सं०—1983 का 2288

> णंकर के० व्यानाजी सक्षम प्राधिकारी सहायक आरकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV, 54, रफी अहमद किववई रोड, कलकत्ता–16 ।

वारीख: 15-12-1983

मोहर:

प्रस्प आहें ही. एन. एस.-----

नायकर निधित्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सुवना

भारत नुरकार

आर्थानय, सहायक अध्यक्तर **माम्क्त (निरक्षिण)** अर्जन रेजि, पटना पटना, दिनांक 6 मार्च 1984

निर्देश सं ाII-920/अर्जन/83-84--अतः मुझं, प्रबोध कुमार दुवे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मूच्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या खामो सं० 387 एवं 76 है तथा जो खसरा मं० 2184/39108, 2185/39109 एवं 488 क्रमणः बनमद्रपुर, लहेरिया सराय, प्रो० जिला दरभंगा म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिकस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, किणनपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-7-83

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नायत, उनक निधित्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व म कभी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; नौर/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) टे प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्जारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः वर्तः चन्तः विभिनियमं की भारा 269-गं के वन्तरणं भौ, मौं उनतं विभिन्नमं की भारा 269-णं की उपभारा (1) चै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यां, वर्धात् ः—~ (1) श्री नन्द किसोर चौधरी, घल्द श्री महाबीर प्रसाद चौधरी ग्राम—गोदईपद्टी, थाना—हायाघाट, पो०/जिला दरभंगा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रूबी देवी, जोजे श्री ललितेष्वर चौधरी निवासी ग्राम माखनपुर, प्रो०/जिला दरभंगा। (अन्तरिसी)

को यह सूचना आर्डी कर्के पूचींक्त संपृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसाए;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा संधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

मन्स्ची

खुली जमीन जिसका रकका 2 कट्ठा 17 1/2 धुर है और बलभन्नपुर, लहेरिया सराय, पो०/जिला दरभंगा में स्थित है एवं पूर्ण रूप से बसिका संख्या 4951 से 4956 विनाक 6-7-83 में विणित है नक्ष अवर निबंधक पदाधिकारी किशानपुर के द्वारा पंजीकृत

प्रबोध कुमार दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, पटना

विनांक : 6-3-84

मोहर 🛭

प्ररूप मार्ड, टी. एन. एस्..----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 फरवरी 1984

निर्वेण आई-2/37 ई ई/361/83-84---अतः मुझे, एस० एच० अब्बास आबिवी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करवे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 4 है तथा जो नलमाला, सूर्य किरण सूर्यलोक को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 33 वां रास्ता, टी०पी०एस० 3, बान्धा, बम्बई-400050 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बॉणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है दिनांक 12-7-1983

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यशाए बोंकन संपत्ति ना उत्वित बाहान मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल में, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पांशा गया प्रतिफल, निम्नीसचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिबक रूप से किंगत नहीं किया गया है:——

- (क) जनसरण से हुई किसी जाय की बाब्स, उत्पर जिथितियम के अधीन कर दोने के जनसरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, दिल्पान में सुविधा के लिए।

अतः अत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकतयों, अधित् ः— (1 श्री श्री चंद्रमन लेखी रामल वाछानी

(अन्तरक)

2. थी अरुण दास और श्रीमनी गीत। दास

(अन्तरितीः)

3. श्री आर० पी० मित्रा, भाइव (टेनेंट)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित क हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुंबा हैं।

वन्त्रची

फ्लैट नं० 4, तलमाला, सूर्य किरण, सूर्य लोक को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 33वां रास्ता, टी पी एस-3, बान्द्रा बम्बई, 400050 में स्थित है। अनुसूची जैंमा कि क० सं० आई-2/37 ईई/3061/83-84 और जो मक्षम अधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-7-1983 को

> एस० एच० अब्बास आबिदी सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज. रेंज, बस्बई

तारी**व :** 14—2—1984 **भोहर** 3

रिजरुटर्ड किया गया है।

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. - -- -

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्षण)

जर्जन रेज-II, अम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 15 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई०-2/37 ई ई/3070/83-84---श्रतः मुझे, एस० एच० अब्बास आखिदी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी संख्या दुकान नं० 10 है तथा जो इलीगेट शापिंग सेंटर 26-38, हिल रोड, वान्द्रा, वस्बई-50 में स्थित है (और उससे उपाबंड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विपात है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन वस्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 12-7-83

को पूर्वोक्त संपरित के उणित धाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वासं करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण सं शुर्व किसी आय की बावत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए: और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भागतीय अधिकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-काण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अप्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए:

स्तः वद, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण कै वनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--

- (1) श्रो अखिल आर० लिखा, मिलका आर० लिखा और अनोज आर० लिखा (अन्तरक)
- (2) श्रीमती फातिमा अनवर जेठा और कुमार मुराद अनवर जेठा ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा। सम्पत्ति में हित- ब्रुध किसी अन्य व्यक्ति ब्राय, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकती।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

दुकान नं० 10, और जो इसीगेट शार्षिंग सेंटर, 26-38' हिल रोड, बान्द्रा, घम्बई 50 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम संख्या आई-2/37 ई ही 3070/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 12-5-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास आबिर्दा मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वस्बई

दिनांक: 15-2-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहर . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-म (1) के सुभी**न सुभना

मारत् सूरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 7 जनवरी 1984

निर्वेश सं० जी० आई० आर० सं० ए० 131/एक्यू---यतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-क. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फलैंट नं० 2 है तथा जो 3, गोखले मार्ग, लखनऊ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-7-1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उत्तर बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से स्वितिय

श्वतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
3—6 GI 84 (1) श्रीमशी प्रकाश मूर्ति

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अनीता जग्गी

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती अनीता जग्गी (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपक्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तस्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिबित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

जन्युकी

फ्लैट नं० 2 स्थित 3, गोखले मार्ग लखनऊ और सम्पति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडोड व फार्म 37- जो संख्या 8856 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रीर लखनऊ के कार्यालय में विनांक 18-7-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ

ता**रीख:** 7-1-1984

मोहर 🛭

प्ररूपं बाइं. टी. एम. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अ**धीन स्**चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ; दिनांक 7 जनवरी 1984

निर्वेश सं० जी० आई आर० सं० पी-113/एक्यू--यतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पर्लैट नं० 1 है तथा जो 3, गोखले मार्ग लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, 19-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उच्च अन्तरण लिनित में वास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मित्रधा के लिए: और/या
- (क) ऐंनी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां करि, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, किन्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती प्रभाश मृति

(अन्तरक)

(2) श्री प्रोतम सिंह ओबेराय

(अन्तरिती)

(3) थीं। प्रोतम सिंह ओबेराय (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीखा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्स व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नगुस्ची

पलैट नं० 1 (ग्राउन्ड फलोर), स्थित 3, गोखले मार्ग, लखनऊ और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड फार्म 37— जो सं० 8857 में वृणित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रीर लखनऊ के कार्यालय में विनाक 19—7—83 का किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख :-- 7-1-1984 मोहर ; प्रकृष बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 जनवरी 1984

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या आर 207/एक्वी---यतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाकार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान मय दुकान है तथा जो मौजा दिलवाली, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-7-1983 को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का विहर प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए सम पाया गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक कम से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधि-निवस के अधीव कर बोने के बन्तरक के दायित्य में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बीए/वा
- (ब) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती बोना बहल

(अन्तरक)

(2) (क) श्रीमती रामवर्ता देवी (ख) श्रीमती राजेश्वरी देवी

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त संस्पत्ति के वर्षन के किय कार्यनाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सधीहण्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

सम्पति जोकि मकान मय दुकानात, पैमाइसी 1000.02 वर्गमीटर, स्थित मौजा दिलवाली, मुरादाबाद और सम्पति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडोड व फार्म 37-जी सं० 4115 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार मुरादाबाद के दिनांक 7-7-1983 को किया जा चुका है (37-जी फार्म के अनुसार)

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायम आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीन,

तारीख: 5-1-1984

मोहर 🗈

प्रस्प आहें, टी. एन. एस्.=-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन हेंज, नागपुर

नागपुर, चिनांक 27 जनवरी 1984

निदेश सं० आई०ए०सी० एक्बी०/28/13-अतः मुझे, एम० सी० जोशी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाटस जो 18 तम्बर लेआइट में है और जो मौजा नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय अमरावती (डाकुमेंट सं० 4068/89) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-7-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह निश्नास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में धास्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है ु—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अभने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा छ जिए:

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् ह— (1) अब्दुलभाई मोखधून अली और नौ अन्य व्यक्ति नागपुरी गेट, अमरावती ।

(अन्तरक)

(2) अभियंता सहकारा गृह निर्माण संस्था चीफ प्रमोटर पी० सी० वानखेड़े राधानगर अमरावती।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पन
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होते हिं।, के भीतर पूर्वोकर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस र 4 5 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी । पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसची

प्लैट्स जो 18 नंबर लेखाउटर में है और जो मीजा : नवसारी में स्थित है जिसका कुल एरिया 58396 स्कबे॰ फी॰ है।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रोज, नागपुर

तारीख : 27-1-84

मोहर 🖫

प्ररूप आही. दी. एन . एस . - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांकः 27 जनवरी 84

निवंश सं० आई०ए०सी० एक्बी० 29/13/83-84---यत: मुझे एम० सी० जोशी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं ० बिल्डिंग जो बड़बेरा में है, जिसका प्लाट एरिया 17200 स्कवे० फीट और कंस्ट्र० एरिया 1800 वर्ग फुट नाजुल एस नं २ 31 एस नं ० 66 है जो बडवेरा में स्थित है और उसके उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अमरावती (डाक्स्मेंट सं ० 3939/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-7-83

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एमें रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण विकित मा बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य घारितयों को, जिन्हें पारतीय भावकर अविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घविनियम, या पन-कर घविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविछा के सिए;

अतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्श अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसत व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रूपचंद लच्छीराम पोपटानी और अन्य 3 व्यक्ति रा० अमरावती

(अन्तरक)

(2) श्री तेजूमल चंदीराम केशवानी कानपुर और श्री रूपचन्द लच्छीराम पोपटानी असरावती (अन्तरिती)

कां यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसची

बिल्डींग जो बडवेरा में स्थित है और जिसका एरिया प्लाट 17200 वर्ग फीट और कन्शद्रेक्शन एरिया 1800 वर्ग फीट नाजुल सीट नं० 31 और एस० नं० 66।

> एम० सी. जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 27-1-84

मोहर 🛭

प्ररूप आहैं. टी. एन. एस. ------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

-कार्यालय, सहायक बायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 28 जनवरी 1984

निदेश सं० आय० ए० मी० एक्यू/---30/13/83-84---यतःमुझे,एम० सी० जोशी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,065/- रह. से अधिक हैं

और जिसको नं 49/1/मौजा उमरी है, जो 2 एकड़ 26, गुँछा है में स्थिन है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आकोल (डाक्सेंट मं० 6170) में भारतीय रिजस्ब्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-7-1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यकान शितफल के लिए जन्तिरित को गई है और मूझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सम पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कः) अन्तरण स हुई सिक्सी बाय की बान्स, उसक अर्डिंगियम में अभीन कर दोने के बन्तरक में बाधित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विता के अब्द;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् ः— (1) श्री विजय कुमार एस० एस० तोतणवाल मुर्तीजापूर रोड, आकोस (म० राज्य)

(अन्तरक)

(2) प्रो० दत्ताश्रय को० आप० हो० सो० चीफ प्रमोटर श्री अरूण आर० श्रावगी सुभाष चौक आकोल

(भन्तरिती)

का यह स्थना जारी करके पृथा कर सम्पत्ति के कर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांग्रें भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन हो भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए आ सकोंगे।

पिक्टीक एक क्रमि प्रयुवत शब्दों और उदों का, जो उबस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

^{र ः नं}० 49/1/मौजा उमरी जि० आकोल 2 एकड़∽26 गुठा

एम० सी० जोगी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

ता**रीख** : 28-1-1984

मोहर

प्ररूप बार्ष. टी. एव. एस.----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 24 जनवरी 1984 निदेश सं० आर ए० सी० एक्यू — 27/12/838 — यतः मुझे एम० सी० जोशी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 141 न जि न 9 है, जिसका फ्लैट न 31 और जो क्यों जि वर्घों स्थित है (और उसके उपाबद्ध अनूस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वर्घी (डाक्सेंट सं 2583 में भारतीय र्जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय अस्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियमें, अर्थात् :--

(1) कुमारी आरमीती जे० कामा स्वयं तथा फिरोजा आर मानेकजी रा० कामा हाऊस, सदर नागपर

(अन्तरक)

(2) श्री जिसोन तथसुं भीमराव मा भिकारी पुत्र लक्षमण भेलदीर या जौसरखेडा जो जौतखेडा ता० मुलताई जी बेतुल मे० प्र० और श्रीमती कलावाई या कलावतीवाइ पत्नी श्री भैयासाल जोतखडाजि० वरैक मे० प्र०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लेला कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्मब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में धिया गया है।

वनस्वी

मकान नं 141 नस्र टिन 9 फ़्लैट नं 3/1 और जो वर्धा जिल्हा वर्धा में स्थित है।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 24-1-84

मोहर 🚁

प्ररूप बार्षे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालम्धर दिनांक 6 मार्च 1984

निदेश नं ० ए० पी० नं ० 5213-यतः मुझे • जे० एस०

गिरधर

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का ज्यारण है कि स्थागेर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25-000/- रा. से अधिक है

तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को प्रवेक्ति सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यगान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्ये से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या अससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्ल आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिक्षाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास्

(1) श्री सोहन सिंह पुत मुल्ला सिंह द्वारा मुख्तयार राम अवतार पुत भगवान दास वासी 8/19, जालन्द्यर छावनी

(अन्सरक)

(2) श्रो हरजीत सिंह जगदीण सिंह पुत तरलोक सिंह वासी लतीफपुरा नजटीक मांडल टाउन, जालन्धर

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षोप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जी उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्तितथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2335 विनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी जालन्छर ने निखा है।

> जे॰ एल॰ गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

तारीख:- 6-3~1984 मोहरः प्रस्प बाई , टी . एन . एस . ------

जायकर जीभीनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के जधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यातय, तहायक नायकार नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1984 निदेश सं० पी० ए० नं० 5215-यतः मुझे, जे० एस० गिरधर

नायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- एउ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपाधन अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)' रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे एश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उच्च अन्तरण जिल्हित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिष्ठित व्यक्तियों, अर्थात् :--4--6 GI 84

(1) हरहाकाम पुन्न मेहिंगा राम, मुख्तयार सिंह आफ गुरतेज सिंह, ई० एस० 3, मखदूल पुरा जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री तेजिन्द्र पाल पुत्र शादी राम वासी महल्ला सुदम नूरमहल जिला जालन्छर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए जा सक्ति।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे गरों का, जो उसक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मनसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2452 दिनांक जुलाई 83 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**च** :- 6-3-84

मोहर 🖫

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालम्बर जालन्घर, दिनांक 6 मार्च 84 निदेश नं०/ए० पी० नं० 2516—यतः मुझे, जे० एल०

गिरधर

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जो बूट में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिवाँ कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिश्विक व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री अमर प्रीत सिंह जोगिन्त्र सिंह 163/8 भारगनो केंप जालन्धर मुख्तयार सिंह खास सुभाष चन्द और रके पाल पुत्र राम सरूप वासी लाजपत राय नगर जालन्धर मुख्तयार सिंह धाम आफ चरणकौर पत्नी स्वर्ण सिंह वासी 11 लिंक रोड़ जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्री मनदीप सिंह पुत्र निर्मल सिंह आफ निर्मल कोल्ड स्टोर, नकरोद रोड, जालन्धर

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के हैं सह कार्यवाहियां सुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरों के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याब 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया पया है।

वन्स्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं 2670 दिनांक जुलाई 83 को राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालस्थर

तारीख: 6/3/84

मोहर 🖫

प्रकार कार्य 😅 टर्डे 🖟 एक् 🖟 पुरु

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के स्पीन स्पना

भारत हरकाड

कार्यालय, सहायक अगयकर आयुक्त (नि<u>द्रक्षिण)</u> अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1984

निवेश सं० ए० पी० नं० 5218 ---यतः मुझे, जे० एस० गिरधर

ह्मायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इस्के पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं). की भार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पृतित, जिसका उचित् बाजार मृस्य 25.000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जी किंगरा में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोकत संपत्ति के उपित बाजार मूस्य से कम् के दूरवान प्रतिष्ठल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उपित बाजार मूस्य उसके दूरवमान प्रतिफल से, ऐसे दूरवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्थित नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्तरण से हुई किसी आग्र की वाग्स, उक्स अधिनियम के अधीन कर पने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) स्ना हरापाल ।सह पुत्र उजागर ।सह वासी कोल्ड स्टोरेज गांव किंगरा तह० जालन्छर (अन्तरक)
- (2) श्री हरवन्स दास पुन्न बच्मीदास बासी गांव और डाकखाना खूरकन जिला जालन्धर (अन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वीक्त सुम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुै।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं इसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कृष् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पन्नीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उन्त अभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका ग्या हैं।

वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसः कि विलेख नं० 2738 दिनांक जुलाई 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जं गुला गिनधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

सतः अवः, उत्ततः अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, गक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख:- 6-3-84 मोहर ब

प्रथम अनुस्ति दी । पुन्ति पुन्ति ------

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के, बधीन सुभना

भारत सरकार

कायालय, सहायक जायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1984

निदेश नं० ए० पी० नं० 5219 ---यतः मुझे, जे० एस० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थाव्य सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- दुरु से अधिक है

और जिसकी सं है तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपात्रक अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिनारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाव की वाबस, खज्ज सिंपिनियम के संधीन कर दोने के अन्तरक खें दायित्व में कभी करने या उससे ब्यन में संधिया के सिए; ब्यूट/या
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी धन या बन्य बारितयों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, विश्वा विष्य विश्वा विश्वा विष्य विश्वा विश्वा विष्य विष्य विष्य विश्वा विष्य विष्य विष्

मत: नन, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसर्भ में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री हरीपाल सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह वासी कोल्ड स्टोरेज गांव किंगरा तह० **जालन्यर** (अन्तरक)

ती चनन कौर परनी भूम राज नासी रामेश्वर कालोनी, नकोदर रोड, जालन्धर (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वा क्या संस्पृत्ति के वर्षन के सिष्

जबत् सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन की जनभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिय, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख के 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हित. बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्तकीक रणः -- -- इसमें प्रयुक्त सम्यों और पदों का, को उसत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाविद है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

मन्सूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2738 दिनांक गुलाई 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्छर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

ारींख : 6-3-84

ोहर 🗈

प्ररूप आहरे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1984

निवेश सं० ए० पी० नं० 5220-- यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाग्रद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांग जुलाई 1983

को पूर्विक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिलित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रगोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानर चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री इन्द्रजीत बस्सी पुल बच्या सिंह स्वयं और मुख्तयार सतवंत कौर बस्ती और बलराज बस्ती और अमृत बस्सी और इकबाल बस्सी बच्या सिंह पता पटेल अस्पताल स्विल लाइन जालन्धर। (धन्तरक)
- (2) मैं ० पटेल निसंग होम , स्विल लाइन्स जालन्धर द्वारा डा० एस० के० शर्मा और डा० बी० एस चोपड़ा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीसः सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए का सकेगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितं हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विचाः गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 476 दिनांक जुलाई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-3-1984

मोहर :

भूक्ष बाहै, टी. एव्.: एस्.------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के नभीत सुभवा

भारत सरकार

कार्याजय. सहायक अध्कर आयुक्त (निर्देश्ज)

अजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5221---यतः मुझे, जे० एल०गि र

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाव्द सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० जैसा कि प्रनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती परीदाद खान जालन्धर

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री ती अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निचिसित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, या धनक र अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः, अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण कों, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीम्, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) श्रीमती हरनाम कौर पुत्नी राधा सिंह वासी 228 आदर्श नगर जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्रीमित संघल रानी पत्नी जनक राज वासी 411 आदंश नगर जालन्धर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस पे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पव्योकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2270 दिनांक, जुलाई 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे॰ एल॰ गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख :- 6-3-1984

मोह्य 🕹

प्ररूप. बार्ष: टी. एन्, एस., -----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत' सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्छर जालन्छर, विमांक 6 मार्च 1984

निदेश नं ० ए० पी० नं ० 5222—अय: मुझे, जै० एल० गिरधर,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत् मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसाकि धनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाधक अनुसूची में और पूण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संस्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री यादव लाल पुत्र रामचन्द वासी सदर बजार मुक्तसर

(मन्तर)

(2) श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र रोशन लाल भीर श्रतरी देवी परनी सुरिन्द्र कुमार वासी 379, सदर बाजार मुक्तसर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सुम्पृत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुई (i)

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोड भी बाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीय सें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीक रण: ----इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसानि विलेख नं 1246 दिनांक जुलाई 84 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने सिखा है।

> जे॰ एल॰ गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जासम्बर

तारो**ख** : 5-1-84 मोहर ः प्ररूप चाइ .टी . एन . एस ु------

.मायकर अधिनिषम, 1961 (1961 का 43) की काटा 269 म (1) के घडीत सुचना

भारत सरकार

श्रमलिय, सहायक आयक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1984

निदेश नं ० ए० पी० नं ० 5,223--- यतः मुझे, जे० एल० गिरधर.

कावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम श्रीधकारी को, यह विश्वास करने का कार्य है कि स्थावर संपरित जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० जैसाकि श्रनुसूर्या में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में रजिस्ट्री-सरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक जुलाई 83

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चेष्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिसियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायिस्य में कभी करने वा उससे बचने हैं सुविधा के जिए, और/मा
- (ख) स्ती किसी भाग था किसी धन या भन्य भास्त्यों को, जिन्हें भारतीय भाग कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भ्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुक्रिक्षा के किए;

बार: बाब, उनत अधिनियम की भारा 269-ग को जनसरक बाँ, माँ, उनत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:— (1) श्री जेथा नन्द्र पुत्र राम चन्द वासी सदर बाजार मुक्तसर

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश चन्द्र जग्गा पुत्र हरचरण दास जग्गा बासी नजदीक सब-जेलमुक्तसर और श्रीमती सबीली जग्गा पत्नी जगदीश चन्द्र जग्गा वासी जैसा ऊपर लिखा है।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के बुधन क सम्बन्ध मा काइ भा बाक्षप:---

- (क) इत सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भवधि या तस्तम्बन्धी प्र्यानितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविक, को बी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांकतयों, में ले किसी क्यांकत हारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी बन्द स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी बन्द स्थावर वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्थित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्ते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1247 दिनोक जुलाई 83 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख :- 6-3-84 मोहर छ प्ररूप बाड°. टी. एन. एस.-----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्द्रर, दिनांक 6 मार्च 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5224---अत: मुझे, जे० एल० गिरघर,

अगयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हुसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिन्नकी सं० जैसाक ग्रानुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यावय, मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से एसे रूर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्ह⁷ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्रोमिति लेजियाक्ती अलीयास लाजवन्ती पुद्र गोविन्द लाल (पत्नी प्रकाण चन्द) 3064, मैवटर 22 डी, चण्डीगढ़

(अम्तरक)

(2) श्री बाबू राम पुत्न चन्दु लाल जनरल भर**नै**न्ट 3797, सदर बजार मुक्तसर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1455 विनांक जुलाई 84 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर् सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-3-84

क्रोहर :

प्ररूप आर्ष्ट्.टी.एन. एस. -----

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्प्रर, दिनांक 8 मार्च 1984 निदेण सं० ए० पी० नं० 5225--- यतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसाहि अनुसूची में लिखा है तथा जो मण्डी अबोहर में स्थित है

(और इससे उपबाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोक्तर्ता अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया प्रया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित गं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) मंतरण से हुइ किसी आय काँ बाबत, उकत अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिल्पाने हो स्विभा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म क्रें अन्सरण में, में, ाक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों. अधीत:---- (1) श्री णिव कुमार पुत दुर्गा प्रसाद वासी गली नं० 4, मंडी अबीहर

(अग्तरक)

(2) श्रीमती सुषमा रानी पत्नी कंवल जीत वासी गली नं० 4 मण्डी अबोहर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- त्रव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

BRUT

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1423 विनांक जुलाई 83 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी अबोहर ने लिखा है।

> जं० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालक

नारीख : 8--3-84

मोहर:

श्रक्षय कार्द्र हो.. एवं . एस् . ------

बास्कर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 8 मार्च 1984 निदेश सं० ए० पी० नं० 5226—यतः मुझे, जे०एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का सारा हैं। कि स्थावर सम्पति, विश्वका अधिक वाजार भून्य 25,000/-रु से अधिक हैं

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूधी में लिखा है तथा जो जगतपुरा होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के अधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिसिक्त के लिए अन्तारित को गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योगों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे सचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (ख) एसी किसो नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनयस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयस, या भन-कर निधिनयस, या भन-कर निधिनयस, -1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृश्विभा के सिष्;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, सकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः— (1) श्री रमेश कुमार पुत्र बासदेव वासी 314 जगत पुरा होशियारपुर

(अन्तरक)

(2) श्री हर प्रकाश पुत्र वासदेव 314 जगत पुरा होशियारपुर

(अस्तरितो)

करे यह सूचना जारी करके प्रशेषक संपरित के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 विन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में अकाशन की तारीस से 45 चिन को भीतर उथत, स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उचत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3326 दिनांक अक्टूबर 83 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियार-पुर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 8-3-84

मोहर 🖟

प्रक्रम माह⁴.टी.एन.एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) है। भारा 269-व (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर, जालन्धर, दिनांक 8 मार्च 1984 निवेश सं० ए० पी० नं० 5227—यत: मुझे, जे०

ानवण स० ए० पा० न० 5227—यतः मुझ, ज

आयकर अधिनियंम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- का से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो होणियार पुर में स्थित है (और इससे उपबाद अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, होणियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रितफल से एसे स्थ्यमान प्रितफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर अभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (भ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती रंजना पत्नी अजीत सिंह महत्ला रमेश नगर, होशियार पुर

(अन्तरक)

(2) गुरदीप सिंह पुत्र सीहन सिंह बासरा वासी इलाहाबाध मुशमुला बजवाड़ा तह० होशियार पुर

(अन्तरिती)

को यह सूचमा आरी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी गे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित रूँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वम्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3349 विनांक अक्टूबर 83 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियार पुर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालकार

तारीख: 8-3-84

मोहर :

प्ररूप बाइं: टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक वायकर वायकत (निर्धिक)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 8 मार्च 1984 निदेश नं० ए० पी० नं० 5228-यतः मुझे, ज़े० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि प्रनुसूची में लिखा है तथा जो धाकचा चौकी फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने सें सृविधा के सिए; और/या
- (क) एमी किसी आयं या किसी धन या अन्य असितयों को जिन्हें भारतीय आयं कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयास्था अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती तारो डरफ रेशम कौर जी० ए० मोहन सिंह गांव खोथर तह० नवा शहर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भजन कौर पत्नी मक्खन सिंह मखन सिंह पुत्र मोहन सिंह गांव खोथर तह० नवाँ शहर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस ं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सेंबंधी ंव्यक्तियों ंपर स्चेना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के शक्ष निष्ति में किए जा सकेंगे।

्रस्यष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

वन्स्ची

सम्पृति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1035 दिनांक जुलाई, 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> जै०एल०गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 8-3-84

मोहर 🗓

प्ररूप बाइ े ही ् एन्. एस

भायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, विनांक 28 जनवरी 1984 निदेश संक्ष्याई० ए० सीक्जन/भोपाल/4285—अतः मुक्षे, देवप्रिय पन्त,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 16/1 पर निर्मित सुषमा अपार्टमेंट का प्रथम मंजिल का भाग कमांक 5 है, तथा जो रेस कोर्स रोड़, इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जलाई 1983

हो पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान तिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार द्व्य उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और न्त्रिति (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा या गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त मन्तरण सिसत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं शुद्ध किसी याम की वानत, उक्त जीभिमयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, मा धन-इ. इ. अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिभा की शिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, में, उक्त । प्रधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधी न, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अर्थात —

(1) श्री अशोक कुमार पिता प्रतापसिंह वायस पार्टनर और वास्ते सुषमा अपीटमेंट्स 16/1, रेस कोर्स रोड़, इंदीर।

(अन्तरक)

(2) डा॰ उषा नवेद पति श्री खुर्सीद नवेद, बी-32, एम॰ आई॰ खी॰ कालोनी, इंदौर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकत्ये।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस गध्याय में दिया गया है।

मनुसुधी

प्लाट नंबर 16/1 पर निर्मित सुषमा अपार्टमेंट्स का प्रथम मंजिल का भाग ऋमांक 5, रेस कोर्स रोड़, इंबौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, संक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी॰ टी॰ मगर, भोपाल

विनोक: 28-1-1984

मोहर 💤

प्रत्य बाह् . हो . एन . एस . -----

नायकर मिथिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

सार्व गरकार

कार्यासय, सहायक जायकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 28 जनवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4286—अतः भृष्को, देवप्रिय पन्त,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नंबर 16/1 पर निर्मित सुषमा अपार्ट-मेंट्स का तल मंजिल का भाग कमांक 8 है, तथा जो रेस कोसें रोड़, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20 जुलाई 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुश्रिधा के भिष्: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, जिल्लाने में वृतिया के सिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ंग के अनुसरण में, में, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-य की उपधारा (1) के सभीन निम्मिलिकित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री अशोक कुमार पिता प्रतापिसह जी वायस पार्टनर फ्रीर वास्ते सुपमा अपाटमेंट्स,
 16/1 रेस कोर्स रोड़,
 इंदौर म० प्र०

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर लाल पिता जड़ावचद जी जैन, निवासी-25, मधुकुंज वीर सावरकर मार्ग, रतलाम, म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह तुषना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कांड्री भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्तिस में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त निष्-निवम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

जन्सूची

प्लाट नंबर 16/1 पर निर्मित बहुमंजिला भवन सुषमा आपटमेंट्स का तल मंजिलें का एक भाग क्रमांक 8, रेस कोर्स रोड़, इंबीर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगीकी विल्डिंग चौची मंजिल, टी॰ टी॰ नगर, भोपाल

दिनांक: 28-1-1984

मोहर 🗀

प्ररूप आहर् , ट्री , एन , एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 28 जनवरी 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4287---अतः मुझो, देवप्रिय पन्स,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परेकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000′- रु. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं क्ष्मपत्ति, खावनं व 223/1 जी, 225/1, 306/1 है, तथा जो ग्राम लक्ष्मीपुर में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1 जुलाई 1983

का प्रशंकत संपरित के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के आयित्व में कमी करने या उससे बचने में मृजिधा के लिए;
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

ं अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रामलाल पिता जोरामल, निवासी-उपरेनगंज, जबलपुर।

(असरक)

(2) रिव किरन को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 70-बी, किचयाना, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

म्पारतीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विय गया हों।

अनुसूची

सम्पत्ति, ख० नं० 223/1 जी, 225/1 एवम् 306/1, ग्राम लक्ष्मीपुर में स्थित है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल गंगोती विस्डिंग, चोशी मंजिल, टी॰टी॰ नगर भोपाल

दिनांक: 28-1-1984

मोहर

भक्तप कार्<u>य</u>्दी क्तुःएड:,-----

भायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 जनवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4288—अनः मुझे, देवप्रिय पन्त,

वायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- क. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० खुला प्लाट ख० नं० 531/1 है, तथा जो मौजा गढ़ा, जबलपुर में स्थित है (भ्रौर इससे , उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की बढ़ हैं और मुफ्तें यह बिहबास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रिनिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त मीधिनियम के अधीन कर देने के मृत्तरण के बामित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के ब्रिए: और/श
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय साथ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए:

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--6GI/84

(1) श्री प्रभवंद आत्मज शमकृष्ण नाल, निवासी—मकान नंबर 238, बार्ड गढ़ा फाटक, नहसील व जिला जबलपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रामी परसनेल रिसेटलमेंट गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित जबलपुर द्वारा अध्यक्ष मेजर आर० के० दिवेदी 14/4, एव आखरन्स, केंट जबलपुर एवं सचिव श्री आर० पी० बाजपेयी. 713, दीक्षितपुरा, जबलपुर।

(अन्तरिती)

न्त्रे यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

एक्ट सम्मत्ति के बर्चन कें सम्बन्ध में कोड़ों भी बाह्येप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्भ सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभ गाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्थावत में से किसी स्थावत बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिबित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकेंद्ण:--इसमें प्रयुक्त सम्बंगिर पदों का, वो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नपुत्रुची

खुला प्लाट, ख० नं० 531/1, मौजा गढ़ा, जबलपुर में स्थित है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोषाल गंगोत्री बिस्डिंग, चो**की** मंजिल, टी० टी० नगर, भोषास

दिनांक: 28-1-1984

प्ररूप आहू . टी . एनं : एख . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 16 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी.०/अर्जन/भोपाल/4289- अतः मुझें, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 37/28 है तथा जो मौजा खम्हारिडह उर्फ गंकर नगर तहसील जिला रायपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक जुलाई 1983।

को पूर्शीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्त्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिवधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

(1) श्री टेकचंद पिता चुह्र्यमल सिंधी बेंक्र, निवासी-सिविल लाइन्स नलधर के पास, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री संजीव पिता टी॰ सी॰ जैन, निवासी-कम्हारी तहसील व जिला रायपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकरि।

स्पष्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि ख॰ नं॰ 37/28, मौजा खम्हारडिह उर्फ शंकर नगर, ब्लाक नंबर 2 सहर्म ल व जिला रायपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) गंगोस्त्री बिल्डिंग, चोधी मंजिल, टी०टी०¶नगर, भोपाल

दिनांक: 16-2-1984

मोहरः

शा**६**° , क्षी , **एन् , एन**् ,,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना आरक्तर

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 16 फरवरी 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4293—अतः मझें, देवप्रिय पन्त,

नायकर मिंपिनगर, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित नाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं विल्डिंग (दुकान) म्यु० वार्ड नंबर 3 है, तथा जो सुभाषगंज, इबरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इबरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

करे पूर्वे कित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम से धरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुत्रों कित संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल कित निम्निलिखित उद्दर्शिय से उसत अन्तरण निम्निखित में बास्तिक रूप से किश्वान हों विश्वास एसा हैं।

- (का) अन्तरण संहुर्य किसी बाय का बाबत, उक्त अभिनियम की अभीत कर दोने के उन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; कार/बा
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसूरण में, मैं, उक्त अधिनियम की जारा 269-ण की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तिस्थी, अधीन क्ष्रीन

- (1) 1. श्री हरीशंकर पिता रामचरनलाल ।
 - 2. श्रीमती प्रेमवती पत्नी स्व० आनंदीप्रसाद।
 - श्री हरीकृष्ण पिता श्रीलाल, निवासी—ग्राम भौमो परगना डवरा, जिला ग्वालियर ।

(अन्सरक)

- (2) श्री बंसत लाल पिता भैयालाल, निवासी-ग्राम जोनियापरगना सेवढ़ा, जिला दितया
 - (ब) भ्रोमप्रकाम पिता नाथूराम वैद्य, बड़ानीपुर।

(अन्तरिर्त)

को यह स्वना जारी करके पृथेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

स्वत सम्परित के वर्जन के सम्यन्ध में कोई भी वासीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्स्वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थित्यों में से किसी स्थित द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

बिल्डिंग (दुकान) नंबर म्यु० वार्ड नंबर |3, सुभाषगंज इबरा में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 16-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप भाष् .टी. एन .एसं. -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर बायूक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भीपाल भोपाल, दिनांक 16, फरवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी॰/अर्जन/भोपाल/4294—अत: मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं बिल्डिंग म्यु वार्ड नंबर 3 है, तथा जो सुभाषगंज, डबरामण्डी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्ण में भीर पूर्ण रूप से विशत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्स सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाग ग्या प्रतिफल निम्निलिचित उद्योदय से उन्त अंतरण सिचित में बास्तविक स्त्र से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आम की मानत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (।) के अधीम, निम्निजिसित व्यक्तियाँ, जुभित्ः—

- (1) 1 श्री हरीशंकर पिता रामचरन लास,
 - 2. श्रीमती प्रेमवती पत्नी आनंदी प्रसाद,
 - उ. हरीकृष्ण पिता भीलाल, निवासी—ग्राम चौमो परगना इंबरा, जिला, ग्वालियर ।

(अन्तरक)

(2) श्री अण्विती कुमार (माइनर) पिता श्री चन्द्रप्रकाण, संरक्षक माता अन्तपूर्णा पत्नी चन्द्रप्रकाण, निवासी-प्राम बड़ानी, जिला दितया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति हवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थानिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्द्रची

बिल्डिंग म्यु० वार्ड नंबर 3, सुभावगंज, ड्बरामण्डी में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपास

दिनांक : 16-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप वाई.टी.एन.एस.-----

नायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के वभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 फरबरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4295—अतः मुझे, देवप्रिय पत्त,

आयकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें टूइ के परचात् 'उक्त श्रिवित्यम' कहा गया ३३, की बारा 269-खें के श्रिवित सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से श्रीका है

स्रोर जिसकी सं विल्डिंग म्यु वार्ड नं 3 है, तथा जो सुभाषगंज, डबरामंडी में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डबरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से, एसे उश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षाल किम्निलिखत उश्वंक्य से अन्तरण लिखित में बास्तिक इस से अन्तरण लिखित में बास्तिक इस से अन्तरण लिखित में बास्तिक

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा में जिए। गौर / या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उप्तत अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा वा किया जाना जाहिए था, जियाने में सीयभा के रिएए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री हरीशंकर पिता रामचरणलाल,
 - 2. श्रीमती प्रेमवती पत्नी आनंदीप्रसाद,
 - श्री हरीष्ण पिता श्रीलाल, निवासी-प्राम चौमो परगना डबरा, जिला ग्वालियर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गोमतीबाई पत्नी स्व० अवालाप्रसाद, निवासी—ग्राम बड़ानी परगना, जिला दितया (म॰ प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई औं बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी व्यक्तिय आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्ति में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए आ सकोंगे।

स्पव्दीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त बाँभीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मन्त्रवी

बिल्डिंग म्यु० वार्ड नंबर 3, सुभाषगंज, **इवरामंडी में स्थित** है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 16-2-1984

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकार आयुक्त (निर्क्षिण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/4296—श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि ख०नं० 5/1, 6, 7, 8/2, 9 है, तथा जो ग्राम पिपल्या, 35/17 टिमरनी जिला होशंगाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, हरदा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जुलाई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वायत उक्त अधि-निष्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी कर्ने या उससे वचने में स्विधा के लिए। वार/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाष्टिए था. खिणाने में सुविधा के लिए;

नतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्रीमती इन्द्राबाई विष्णुपंत दामले, जामनेर।
 - श्रीमती एस० डब्ल्यू० सुनंदाबाई, पत्नी श्रनंतराव साठे, पुणे
 - श्रीमती शालिनी पत्नी यशवंत रात्र जोशी, पुणे इारा श्राम मुख्तार चंतामण ए० रामचंद बापट, हरदा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रविनाश पिता रमेशचंद जैन, निवासी-टिमरनी ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप 🖫--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या त्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ट्रीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधि-नियम से अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख \circ नं \circ 5/1, \circ , 7, 8/2 एवम् 9, ग्राम पिपल्या, 35/17 टिमरनी जिला होशंगाबाद में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), शर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 16-2-1984

प्ररूप आहूं. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

बारत सरकार

कार्यालय-, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 फरवरी 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4297--श्रतः सझे, देवप्रिय पन्त,

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्रारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृन्व 25,000/- रा. से अधिक है

न्नीर जिसकी सं० भूमि ख०नं० 5/1, 6, 7, 8/2, 9 है, तथा जो प्राप्त पिपल्या, 35/17 टिमरनी जिला होणगाबाद में स्थित है (भीर इसमे ज्याबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ला स्रधिकारी के कार्यालय, हरदा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जुलाई 1983।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तुविक रूप में कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आहि/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में स्विधा के हिसए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- (1) 1. श्रीमती इन्द्राबाई विष्णुपंत दामले, जामनेर
 - श्रीमती एम० डब्ल्यू० सुनंदाबाई, पत्नी अनंतराव साठे पुणे।
 - अभिती णालिनी पत्नी यशवंत राव जोशी, पुणे द्वारा सुखत्यार स्नाम, श्री चंतामण पिता रामचंद बापट, निवासी—हरदा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रनिल कुमार पिता रमेशचंद जैन, निवासी--टिमरनी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के शिक् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्ठीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और धर्में का, जो उनक अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया सवा है।

जनसर्ची

भूमि ख० नं० 5/1, 6, 7, 8/2 एवम् 9 ग्राम पिपल्या, 35/17, टिमरनी जिला होशंगायाद में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 20-2-1984

मोहर 🧓

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस्.------

आयकर ज़िंभनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूभना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 20 फरवरी 1984

मिर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4298—-ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के नधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवित्त जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं भूमि खं नं 5/1 है, तथा जो ग्राम पिपल्या तहसील टिम्पनी जिला होशंगाबाद में स्थित है '(भौर इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है (रजिस्ट्रीकर्ता भिष्कारी के कार्यालय, हरदा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जलाई 1983।

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमाण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रसु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या केन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः नग, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ण के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल :---

- (1) 1. श्रीमती इन्द्राबाई विष्णु पंत वागले, निवामी जामनेर ।
 - 2. श्रीमती सुनंदाबाई पत्नी ग्रनंत राव साठे पूर्ण
 - श्रीमती मुलभा पत्नी अनंतराव मराठे, निवासी-बस्बई ।
 - श्रीमती शालिनी पत्नी यशवंतराव जोणी, निवासी-पुणे श्राम मुखत्यार.
 श्री चंतामणं पिता रामचंद बापट, निवासी-हरदा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रानिल कुमार पिता रमेण अन्द्र जैन. निवासी--टिमरनी।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिला कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बासे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पार्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों बीर पदों का, जो उक्त विधिनियम के बच्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया है।

गगत्त्रची

भूमि ख॰ नं॰ 5/1, ग्राम पिपल्या तहमील टिमरनी जिला होशंगाबाद में स्थित है।

देवप्रिय पन्त. सक्षम प्राधिकारी, सहायंक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, भोषाल

दिनांक: 20-2-1984

मोहर

मुक्त नार्व . टी . एन . एस . ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

नाइस बरकार

कार्यालय, सहायक नायकार नायुक्त (निद्रीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 20 फरवरी 1984

मिर्देश स० माई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4299—म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर सिंभित्यम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इतनें इसके परचात् 'उस्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के जभीन सर्का प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अभिक हैं

धौर जिसकी सं० भूमि ख० नम्बर 159/2 है, तथा जो ग्राम पिपरया में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हरदा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संबर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकास से, ऐसे स्वयमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्मलिखित उद्वेषय से उस्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में सुविधा के निए;

नतः भव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—
7—6G1/84

 (1) श्री णिवनारायण पिता हरीशंकर रघुवंशी, निवासी-हथवास, तहसील पिपरिया । जिला होंशगाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री धनीराम पिता सीताराम रघुवंशी, निवासी-हथवास, तहसील पिपरया, जिला होशंगाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह तुषमा बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के विष् कार्यवाहियां करता हो।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत् :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नवीं या तत्सवंधी व्यक्तियों पर बूचना की तामील से 30 दिन की नवीं , को भी नवीं वाद में समाप्त होती हो, के मीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकी।

स्थल्यकरणः -- इसमं प्रयुक्त सन्दों और पदों कां, को उनत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यहीं वर्ष होगा को उस कथ्याय में क्रिका पदा है।

बनुसूची

भूमि ख० नं० 159/2, हथवास, पिपरिया तहसील व जिला होशंगाबाद में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, क्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 20-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीम स्मना

बारव व्दकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 20 फरवरी 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4300--ग्रतः महो, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पिश्च जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,,000/- रु. से अधिक हैं

धीर जिसकी सं अपनान नंबर 26/127 का भाग है, तथा जो रतन कालोमी, लश्कर, ग्वालियर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीम, दिनांक जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जान की बाबत उसत विध-नियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने वा उससे बचने में सुविधा के तिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों करे, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27)) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-अ की उपभार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री काणीराम पिता दाताराम राठौर, निवासी-जीवाजीगंज, लक्कर, ग्वालियर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भगवानदास पिता फतेह चंद मलिक, निवासी--रतन कालोनी, लक्ष्कर, ग्वालियर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिस्क कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संस्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त- व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितने बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा उपाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरों।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उन्तर बिजिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

नम्सूची

भूमि एवम् मकान नंबर $2\theta/127$ का भाग, रतन कालोनी, लक्ष्कर, ग्वालियर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 20-2-1984

महिरः

प्रकप काइ. टी. एन. एस. -----

बायकर् अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 फरवरी 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4301—ग्रतः मुझे, देशप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्कूले परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नंबर 173 ए० सी० है, तथा जो इन्द्रपुरी, भोपाल में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के शरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया मृत्य प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिश्वित में बास्तयिक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्य में कमी करने या उन्हों यंघने में सुविधा के लिए; बौद/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुनिधा के सिए;

नतः नव, उक्त निधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, बक्त निधीनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सुखर्चन ग्राहूजा, पत्नी श्री वाई० पी० ग्राहूजा, निवासी—क्वा० नं० 169 डी—2, सेक्टर "डी" पिपलानी, भोपाल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोह० साहब मंसूरी पिता श्री शेख वाहिद निवासी-शि० ई० एम० पी० विद्युत मंडल, सारनी ।

(अन्तरिती)

की वह अभाग भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्मित्यमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

एक किता ^६लाट नंबर 173, ए० सी०, इन्द्रपुरी भोपाल में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्रधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजैन रैंज, भोपाल

दिनांक: 20-2-1984

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

शारेत् त्रुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) क्रजैन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 फरवरी 1984

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4292—म्प्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं मकान नंबर 21/460 (घोल्ड) एवम् नंबर 30/88 (नया) है, तथा जो कदम साहब का बाड़ा, जनकगंज, लक्कर, ग्वालियर में स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वॉणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, विनांक नवम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्त निम्नसिदित उब्बद्ध से उक्त अन्तरण विविद्ध में वास्तिक क्य ने कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी भाग या किसी धन वा अभ्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्रीमती सुलोचना नाई कृषम, पत्नी स्व० सरदार लखनम राव कदम,
 - 2. श्री उदयसिंह राव।
 - इन्दनीलराव कदम निवासी—कदम साहब का बाड़ा, जनक गंज, लक्ष्कर, ग्वालियर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कलाबाई पत्नी धनीराम कनौजिया, निवासी—कदम साहब का बाड़ा, जनकगंज, लश्कर, ग्वालियर ।

(अन्तरिती)

को सह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति से वर्षन के तिह. कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, वो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

वनसूची

मकान, म्यु॰ पुराना नंबर 21/460 एवम् नया मंबर 30/88, कदम साहब का बाड़ा जनकगंज, लश्कर ग्वालियर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (मिरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनोष : 16-2-1984

प्ररूप आई: टी. एन. एस.-----

भायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, अंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 फरवरी 1984

निर्वेण सं० 38817/83-84-यतः मुझे, मंजु माधवन, नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे । इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करकारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार 25,000/- एउ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 24 है, तथा जो VIII कास रोड़, एव० सिद्धस्या रोड़, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है, (रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनगृक्षी में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1 जुलाई 1983.

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह 'तिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्ग (तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिन्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सजिधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा हो सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री जे० पी० संगाल, सन/आफ शम्बुनाय, नं० 345, बिलाक, जयनगर, बंगलूर-1।

(अन्सरक)

(2) सैनभी हसमत भी,
श्रीमती सहीदा बेगम, श्रीमती सजीदा बेगम,
नं० 13, कसुरियाना स्ट्रीट,
बगसूर-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

196/83-84 RTO 1-7-1983)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 24 जो VIII कास रतड़, एच सिद्धस्या रोड़, बंगलूर 27 में स्थित है।

> मंजु माधवत, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांगः: 13-2-1984

मोहर 🕄

प्ररूप बाइ . टी., एन्., एस्.,-=----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांकः 21 फरवरी 1984

निर्वेश सं० 383 75 | 83 - 84 - यत. मुझे, मंजु माधवन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269 - स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1711—1 और 1711—2 (पुराना) नया सं० 2116 है तथा जी चिक्कपेट रोड़ मेडिपेट, तुमकूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तुमकूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उच्चेस्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गर्या है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसीं आय की शायत उक्त विधिनयम के अधीन कहु दोने के अन्तरक को वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए;

नतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीम, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नागतजा, सने/आफ श्री मनमोहन, अलियास मन्ने, नं० 2, II मेन, गांधीनगर, तुमकूर टीन

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री टी० ए० प्रसन्न कुमार,
 - 2. श्रीमती टी० पी० प्रमिला,
 - 3. श्री टी० पी० अमरनाथ,
 - 4. श्री टी० पी० किरण कुमार पारटमंस मेसर्स दोन्ती एजेंसीस, धर्च स्केवर, तुमक्र टौन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध के कोई भी बाओप :---

- ्क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्सि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1534/83-84 ता० 4-7-1983) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 1711:1और 1711:2 (पुराना) नया सं० 2116 जी चिक्कपेट रोड़ मेडिपेट तुमकूर में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर

दिनांकः: 21-2-1984

शक्य वार्च<u>ं टी.एन.एस.----</u>--

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मुभीन सुम्ता

शारत चुडुकान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 फरवरी 1984

निर्देश सं० 38866/83-84-यतः मझे, मंजु माधयन, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 52 पुराना सं० 94 है तथा जो टयान्त रोड़ काटनपेट बंगलीर—53 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन अपर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी अय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

जतः अब, उत्पत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती एस० जयम्मा, नं० 52 (पुराना नं० 94) टैंक रोड़, काटनपेट, बंगलूर-53।

(अन्तर्क)

- (2) 1. श्री दाकू बाई,
 - 2. श्री केमराज पाटवा
 - 3. श्रीबवर लाल
 - 4 श्री सोहनलालः
 - 5 श्री एस शांतिलाल
 - श्री राजेन्द्र कुमार
 - 7 श्री हेमराज
 - 8 श्री पन्नालाल नं 57 पुरानामं 94,टैंक रोध, काटनपेट, बंगलूर—53 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षपः ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है। यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

(दस्तावेज सं० 935/83--84 ता० जुलाई 1983) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 52, पुराना सं० 94, जो टैंक रोड़, काटनपेट, बँगलुर-53 में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक: 20-2-1984

मोहर 🎤

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांस 18 फरवरी 1984

निर्वेश सं० 38914/83-84-यतः मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 349 है, तथा जी वोमलूर लेआ कट (अब) भगतिंसह नगर बंगलूर—71 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1 अगस्त 1983 को पूर्वें कत सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उिचत बाजार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितगों) और अन्तरिती (अन्तरितगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिकल रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अखने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री आर० आर० गुड राव, सन/आफ आर० एम० राव, 349, 2ए नैन रोड़, दोमलूय लेआऊट । वंगलूर-560071।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीनाक्षी जैकब, आफ पी० जे० जैकब, नं० 380, दोमलूर लेआऊट। बंगलूर-560071

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

(दस्तावेज सं० 1112/83-84 ता० 1-8-1983) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 349 जो वोमलूर लेआऊट (अब भगतसिंह नगर), बंगलुर में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी, सह्यात आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बैंगलूर

विनोक: 18-2-1984

प्रकप माई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 फरवरी 1984

निर्देश सं० 38793/83-84-यतः मझे मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है, की धार्य 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 408 है, तथा जो मह्दाहल्ली ब्लाक, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीक्ररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 15 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्विश्य से उक्त अन्तरण सिसित में यास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वंतरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा अहे लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए:

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाह् ः---8---6GI/84 (1) श्रोमती उषा वी० राव, नं० 793, एम्० ए० जी० विल्डींग, आसटिन टौन 1 स्टेज लेआऊट, पी० ओ० विवेकनगर, बंगलूर⊶47 ।

(अन्तरक)

(2) श्री तालापाडी प्रकाण सेठी, कारकला टीन, कारकला लालूक डी० के० पावर आफ अटारनी, होलंडर रत्नाकर एस० सेठी, नं० 3302-के एच० ए० एल० II स्टेंज 13 ए मैन, इंदिरा नगर, बैंगलूर-58।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बृबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्थित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार्ध सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वर्त्य

(दस्तावेज सं० 1114/83-84 ता० 15-7-1983) सब सम्पत्ति है जिसको सं० 408 जो महदाहरूली I ब्लाक बैंगलूर में स्थित हैI।

> मंजु माधवन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 21-2-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यौलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 फरवरी 1984

निर्देश सं० 38989/83-84-यतः मुझे, मंजु माधवन, षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ंउक्त अधिनियम' कहा गया ह°), की धारा इसके पश्चात 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसंका उचित बाजार सूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं और जिसको सं० 1319 है, तथा जो 24 वीं कास 27वीं मेन, धनर्शकरी Uस्टेज बंगलूर-70 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यात्रय जयनगर में रजिस्ट्रोक्यरण अधिनियम (1908का 16) के अधीन दिनांक 20 जुलाई 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के ऋष्यमान प्रतिकल के लिए अतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेकित सम्पत्ति का उत्तित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्दोश्य से उक्त बंतरूण लिखित में वास्तविक 🖛 प से कथित नहीं कि या ग्या 🗗 :----

- (क) मंतरण से हुई किसी नाम की नानत, उनत जिभिन्यम के जभीन कर दोने के मंत्रक की वायित्य में कभी करने या उससे नचने में सुविधा की लए; ऑर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-यार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरितो द्वारा प्रज्ञाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री ए० एस० मोहन नं० 63, बी० एस० के० र स्टेज, र ब्लाक, 24वींमे न श्रीनगर, बंगजौर-50।

(अन्तरका)

(2) श्री विजय कुमार गोयल, श्रीमती उमिला गोयल, नं० 1319, II4वीं कास, 27वीं भेन बी० एस० के 2 स्टेज, बंगलूर-70

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त काक्यों और पदों का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रची

(दस्तावेज सं० 1335/83-84 ता० 20-7-1983) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 1319 जो 24वीं कास, 27वीं मेन बी० एस० के II स्टेज, बंगलूर-70 स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वंगलूर

अतः, अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्नत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

दिनांका: 21-2-1984

मोहर 🤙

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सःरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 21 फरवरी 1984

निवेश सं ० नोटिश नं ० 83773/83-84—यतः मुझे, माधवन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है') की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

म्रौर जिन्न हो सं 27-वै2: ो, 27-2एफ है, तथा जो कुतपाडी विलेज उडीपी तालुक में स्थित है (म्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उडीपी में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, विनोक 19 जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुर्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे ब्यने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात ---

- (1) श्रीमती, यमुना डाटर/काफ यल्ली ऋलियाल दोडुक्का रीडता।
 - 2. श्री उदयशंकर शेट्टी,
 - राजीवी मोट्टी,
 - श्रीमती आशा शेट्टी,
 नं० 1 के बेटे मदाम्बु होसमने,
 इमन्जी विलेज ।

(अन्सरक)

(2) श्री उडुपी तास्क, श्रीमती मुत्तु सिलयान, डाक्टर/आफ सीतु माराकालती काडेंकर, विलेज उडुपी तालुक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में आई भी आक्षेप 🛶

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए जा सकोंगे

स्यक्टिकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम के अध्याय, 20-कं में यथापरि भाषित है, वही अभे होगा को उस अध्याग में दिया गया है।

ननुभूची

(दस्तावेज सं० 196/83-84 ता० 19-7-1983) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 27-2डी, 27-2एफ जो कृतपाड़ी विक्षेज उडुपीुतालुक डी० के० में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर

दिनांक: 21--2-1984

प्रकर बाहें . टी . एव . एस . --------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मुधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलीर, दिनांक 14 फरवरी 1984

निर्देश सं० 38916/83-84-यतः मुझे, मंधु माधवन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

औय जिसकी सं० 5/2 है, तथा जो जीनर रोड बालाजी लेशाऊट काक्स टौन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, दिनांक 31 जुलाई 1983

को प्वास्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती 'क्रंतरितियों') के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) जलारण से हुई जिसी बाब की वावस, उपत जीवतियंत्र के जभीन कर दोने के जन्तरक के बाबिएक में कमी करने या उससे अचने में स्वृतिका औं सिए; खाँद/का
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने सें स्विधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269- के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, बर्थात् :-- (1) श्री ए॰ सी॰ एल॰ पारेस, 5, बालाजी लेआऊट, देवीस रोड़, बंगलीर-5

(अन्तरक)

(2) श्री जे० एम० राड्रिक्स, V मैल, हेसूर रोड़, सैंट लामस टीन, बंगलीर-560084।

(अन्सरिती)

को यह सूचना धारी करके पृत्रों क्स सम्परित के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से \$5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंचे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गन्सूची

(दस्तावेज मं० 1095/83-84 ता० 31-7-1983) सब सम्पत्ति है जिसकी मं० 5/2 जो वीलर रोड़ बालाजी लेआऊट बंगलीर में स्थिय है।

मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर

दिनांक: 14-2-1984

मोहरू 🖫

प्ररूप आई.. टी. एन., एस.-----

जाग्रकर मीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलीर, दिनांक 15 फरवरी 1984

निर्देश सं० 38795/83-84---यतः मुझे, मंजुरमाधवन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार्य 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० 189 है तथा जो स्थान्की रोड़ बंगलौर में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्राँर पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 15 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्दु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिक्ष कि निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नसिक्त में, शस्तिक रूप ते कांचत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उभसे बचने में मृजिभा के लिए; बीर/वा
- (च) एंसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय सायकर सिधनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस या धन-कर अधिनियस या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा रा किया जाना चाहिए था, छिपाने में भृविधा के लिए;

अतः अयः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुमरण भैं, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं कौ उपधारा (1) के अधीनः, निम्निखिसित व्यक्तियों, अर्थातुः :--- (1) श्री के० के० नायकू, सन/श्राफ जी० कृष्णामूर्ति, नं० 760, इंदिरानगर, बंगलौर-38।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती शैला दस श्रीर कुछ लोग, नं० 189, सेक्य रोड़, श्रष्पर प्लेस ग्रारचरङ्स, बंगलीर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्राॉधत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकासन की तारी ह सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास सिचित में किए जा सकरी।

स्मक्किरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

सनस्यो

(दस्तावेज सं० 1150/83-84 ता० 15→7-1983) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 189 जो स्यांकी रोड़ प्रप्पर प्लेस ग्रारचरड्स बंगलौर में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बंगलीर

दिनांक: 15-2-1984

मोहर 🥲

प्रकप् आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलौर, दिनांक 15 फरवरी 1984

निर्देश सं० 38934/83-84-यतः मझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसको सं० पुराना सं० 4/12 नया सं० 4/4 है तथा जो किसेंट रोड़ बंगलौर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्राधीन, दिनांक 31 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, 'जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गै के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों. अर्थात्:--- (1) श्रीमती ए० एस० राजेम्बरी, नं० 3, प्रसपूर्णा, ^I ऋास कुमाराकाट लेग्राऊट है ग्राउन्डस्, बंगलीर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लक्षमन रंगप्पा कामत, केयर/ध्राफ होटल कामत, शेशाद्रीपुरम, एस० सी० रोड़, बंगलीर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई अन्य आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीक से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवष्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1/179/83-84 ता० 31-7-1983) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० पुरानी सं० 4/12, नया सं० 4/4 जो क्रिसेंट रोड बंगलौर में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी, सहाथक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलौर

पिनांक: 15-2-1984

प्रकण नाइं, टी. एन्, एस.

नाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 27 फरवरी 1984

निर्वेश सं० सी० भार० 62/39034/83-84--यतः मुझे, मंजुमाधवन,

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 3347/सी, है तथा जो एच० ए० एल० 2 स्टेज, इंदिरानगर बंगलौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्मा ग्रिधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 15 जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
बुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
बितिकत, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित
बें वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत उक्त मिंध-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अविभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अर्थात् हि— (1) श्री सी० वेन्, चिंतामणि, कोलार डिस्ट्विट.

(अन्तरक)

(2) श्री बी० जी० सोमाशेखार, कट्टारिपाल्या, कोलार।

(ग्रन्तरिनी)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकर्णः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पवीं का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गणा है। एसा है।

पग्तुपी

(दस्तावेज सं० 1362/83-84 ता० 15-7-1983) सम्पत्ति है जिसकी सं० 3347/सी० जो एच० ए० एल० 2 स्टेज, इंदिरानगर, बंगलौर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलीर

दिनांक: 27-2-1984

मोहर ः

प्ररूप आहूर, टी. एस. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-घ (1) के ग्रधीन सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 27 फरवरी 1984

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/38915/83-84--यतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उिचत वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 498 है, तथा जो एच० ए० एल० 2 स्टेज, इंदिरानगर, बंगलौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 31 जुलाई 1983

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्बलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नामतः, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अकने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के निए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री प्रविनाश मनगरान्तु, नं० डी-3, पुराना टाऊनशिप, एच० ए० एल० कालोनी, विमानपुरा पोस्ट, अंगलीर ।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1 श्री के० हमीव खान, 89, श्रामेंस्ट्रांग रोड, बंगलीर।
 - श्री संयद श्रब्युल लतीफ,
 नं० 48, बेनसन क्रास रोड,
 बेनसन टाऊन,
 बंगलौर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ंउक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा नकींगे।

स्थव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1093/83-84 ता० 31-7-1983) सम्पत्ति है जिसकी सं० .498, जो एच० ए० एल० 2 स्टेज, इंदिरानगर, बंगलौर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बंगलौर

विनांक: 27-2-1984

प्ररूप आह्र .टी . एन . एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकृर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

बगलौर, दिनांक 24 फरवरी 1984

निर्वेश सं० सी० ग्रार० 62/38736/83-84---यतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क. मे अधिक है

श्रीर जिसकी सं 703 है तथा जो एच० ए० एल० 2 स्टेज, 7 मेन इंदिरानगर बंगलीर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण स्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्जा श्रिष्टिन्कारी के कार्यालय, शिवाजीतगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्टिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्टीन, दिनांक 15 जुलाई 1983। को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गर्द्ध है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथाप्त्रोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे इस्त्रमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देवक्य से उक्त अन्तरण लिखित में धम्तिबक क्या से किश्व नहीं किया गया है :—~

- (क) अन्तरण में हुई िक मी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकार अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिएने से मुकिश के निए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की थारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपपारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 9--601/84

(1) श्रीमती गौगम्मा,नं० 700, एच० ए० एल० 2 स्टेज,इंदिरानगर, बंगलौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जी० राजू, नं० 37/7, मीने एवेन्यु रोड, बंगलौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हाप

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस गुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगसर्वा

(दस्तावेज सं० 974/83-84 ता० 15-7-1983) सम्पत्ति है जिसकी सं० 703, जो एच० ए० एल० 2 स्टेज, 7 मेन, इंदिरानगर, बंगलौर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

विनांक: 24-2-1984

मोहार ह

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भावकर जीपीनवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्पीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलौर

षंगलौर, दिनांक 1 मार्च 1984

निर्वेण सं० 39084/83—84—यतः मुझे, मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 633 है तथा जो बसन्त महल रोड, नजरबाद मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय मैसूर सिटी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 15 जुलाई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के दरसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरसमान प्रतिफल से, ऐसे दरममान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्यिक कम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण हे हुई जिस्ती बाय की बायत उक्त विध-नियम को अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किश आना चाहिए था, छिपान में स्विधा के सिद्

कतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एम० वीरराज ऋर्स, नं० 9, किंगस्टन रोड, रिचमन्ड टाऊन, बंगलौर।

(भ्रन्तरक)

(2) डाक्टर एम० बी० गौडा, 2, इडीगा, पुलिकेशी रोड, मैसूर।

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचे आ की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यान्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन को तारीच है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी कर्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्यो

(धस्तावेज सं० 1452/83-84 ता० 15-7-1983) सम्पत्ति है जिसकी सं० 633 जो बंसतमहल रोङ, नजरबाद मैसूर में स्थित है।

> मंजु **माधवन** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक: 1-3-1984

प्ररूप नाई.टी.एन.एस.------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलीर, दिनांक 28 फरवरी 1984

निर्देश सं० 38937/83-84-यतः मुझे, मंजु माधवन, भौगकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 135 (पुराना) नया सं 8, 9 है, तथा जो III कास नेहरूनगर गोणाद्रीपुरम बंगलीर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाध्रद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 31 जुलाई 1983। को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वे हुई जिल्हों बाव की बावत, उपल अभिनियम के ब्राधीश कहु दोने के बन्तरक के दाकित्व में कभी करने या उससे व्याने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः अबः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की लपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् हु—— (1) 1. श्री बी० एस० नागेन्द्र प्रसाद, 2. श्रीमती पुष्पा विश्वनाथ, नं० 23/1, श्रादिपम्पा रोड, वी० बी० मोहल्ला, मैंसूर।

(धन्तरक)

(2) श्री वी॰ सी॰ रंगास्वामी, नं॰ 66, नेहरूनगर, शेशाद्रीपुरम, बंगलौर-20।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वाक्त सम्मास्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

पक्त सुम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में सोई भी बासेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताअरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं र्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

वन्त्र्यो

(वस्तावेज सं० 1207/83-84 ता० 31-7-1983) सम्पत्ति है जिसकी सं० 135 (पुरानी) नयी सं० 8 श्रीर 9 III क्रास नेहरूनगर, शेशाद्रीपुरम, बंगलीर में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, बंगलौर

दिनांक: 28-2-1984

प्ररूप नार्दः टौ. एन. एत्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलौर, दिनांक 28 फरवरी 1984

निर्देश सं० 38936/83-84—यतः मुझे, मंजु माधवन, आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की., यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 135 (पुरानी) नयी सं० 8 श्रौर 9 है, तथा जो III कास नेहरूनगर णेणाद्वीपुरम बंगलीर-20 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ची श्रिधिकारी कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 31 जलाई 1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य सं कम के इष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब्, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्र— (1) 1. श्री बी० एस० नागेन्द्र प्रसाद, 2. श्रीमती पुष्पा विश्वनाथ, नं० 23/1, श्रादि पम्पा रोड, वी० वी० मोहल्ला, मैसूर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री बी० सी० पुट्टराजू, नं० 66, नेहरूनगर, णेशाद्रीपुरम, बंगलीर--20।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से, 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधी गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1206/83-84 ता० 31-7-1983) सम्पत्ति है जिसकी सं० 135 (पुरानी) नई सं० 8 ग्रीर 9 जो III कास नेहरूनगर, शोगाद्रीपुरम, बंगजीर में स्थित है।

> मंजु माधवन,, नक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक: 28-2-1984

भोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

भागांत्रम, सहायक आयकार आम्बत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलार, दिनांक 24 फरवरी 1984

निर्वेश नं० 38918/83-84-अत:, मुझे, मंजु माधवन, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रापए से अधिक हैं

ग्रोर जिसकी संख्या 9/13 है तथा जो 1 फ्लोर लायड्स रोड, कुकटौन बंगलाँग में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 31-7-83

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाग्विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण मं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में मुनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ राजारिती द्वारा प्रयट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूजिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मॅं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्हलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- कुमारी मिलमे ब्रिट्टो,
 नं० 11, क्लैय रोड, कुक टाउन,
 त्रंगलीर ।

(भ्रन्तरक)

लेलिटिया ब्रिट्टो,
 नं० 11, क्लैंब रोड,
 कुक टाउन, बंगलीर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उदत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस ग्नना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य त्र्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर्य के पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमी प्रयुक्त कव्दों और पद्मों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हो, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया हो।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1030/83-84 दिनांक 31-7-83) सम्पत्ति है जिसकां० 9/13, जो लायड्स रोड, कुक टाउन, बंगलौर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुर्जन रेंज बंगलौर

दिनांक 24-2-84 मोहर: प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 14 फरवरी 1984

निदेश सं० 39007/83-84-श्रतः मुझे, मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या 73 पुराना संख्या 46 है तथा जो चार्ल्स क्यापवेल रोड, कावस टाउन बंगलौर-5 में स्थित है (भ्रौर इसे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 15-7-83 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की साबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) 1. श्रीए० रामा शास्त्री
 - 2. श्री ए० ग्रार० श्रीनिवासन
 - 3. श्री भार० सत्यनारायणन,
 - 4. श्री धार० प्रभाकर
 - श्री श्रार० श्रीधर, नं० 73, चार्ल्स क्याम्पवेल रोड, बंगलौर-- 5।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. सैयद फारुक अहमद .
 - डाक्टर सैयद रफीक ध्रहमद
 8/2, चार्ल्स क्याम्पबेल रोड, बंगलीर-5।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविभ, जो भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुस्ची

(दस्तायेज सं० 1122/83-84 दिनांक 15-7-83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 73 जो चार्ल्स क्याम्पबेल रोड, काक्स टाउन, बंगलौर-5 में स्थित है।

> मजु माधवन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, बंगलीर

तारीख: 14-2-84

मोहर 🥲

प्रकृष बाह्ये, टी., एत्., एस्.------

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलीर, दिनांक 20 फरवरी 1984

नोटिस न० 699--यतः मुझे, मंजु माधवन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म् के ब्रधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वान करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. में अधिक है

भौर जिसकी संख्या खुला जगह (प्लाट नं० 4) है जो पोरवोरिम बारडेइस ताल्लुक जिला गोवा में स्थित है (भ्रौर इसमे उपावड़ भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इल्हास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29-8-1983

को पूर्वोक्रत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कर्भ का कारण है कि यथापृश्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) जन्तरण के हुन्द किसी नाय की बावत, उक्त किशिनयम के अभीन कार दोने के जन्तरक के बाबित्व में कमी कारने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के कधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री एसवीन्ता बाबोनी चोधनकर
 - 2. श्रीमती एसवीन्ता चोदनकर
 - श्री विकास एसवोन्ता चोदनकर पार्टनर मेमर्स एप्रेसा इंडस्ट्रियल चोदनकर पोरवोरिम श्रोल्टो बेतीम, बारडेइस गोवा

(भ्रन्तरक)

(2) 2. श्री शोफाली जयेंद्र दासानी

"सोनल" गुल मोहर मार्ग, 64, बल्लभ नगर,
को श्रापरेटिब हार्जीमंग सोमायटी लिमिटेड,
जुहु विले पारले डेबलपमेंट स्कीम
विले पारले, बेस्ट बम्बई-400056।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 645/83-84 दिनांक 29-8-1983) द्योपन प्लाट जिसका नं० है, 4 प्लाट पोरवोरिम, बारडेइस ताल्लुक, गोवा जिला में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम **प्राधिका**री, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बंगलौर

विनांक: 20-2-1984

प्ररूप आर्डें दी. एन, एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, अंगलीर

बंगलौर, दिनांक 20 फरवरी 1984

नोटिस नं० 700-पन मुझे, मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 6 है तथा जो पोखोरीम, बारडेस, ताल्लुक, गोवा जिला में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. इल्हास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विद्वाग करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्री यणवंत बाबोनी चोइनकर
 - 2. श्रीमती यशवंत चोदनकर
 - 3. श्री विक्स यशयंत चोदनक पार्टनर 06 मेसर्स इंग्रेसा इंडस्ट्रियल चोदनकर निवासी पोखोरिम बारडेस ताल्लुक, गोवा जिला । (श्रन्तरक)

(2) 1 श्री जयेन्द्र धारसी दासानी "मोनाल" गुल मोहर मार्ग, 64, बल्लभ नगर, को आपरेटिव हार्जामग सोसायटी लिमिटेड, जुहु विले, पारले डेबलपमेंट स्कीम, बिले पारले, बेस्ट बम्बई-400056।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से .15 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा., जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तायेज सं० 647/83-84 दिनांक 30-8-1983) प्लाट जिसका नं० है, 4/3 प्लाट पोरवोरीम बारडेम ताल्लुक, गोवा जिला में स्थित है।

मंजुमाधवन सक्षम प्राधिकारीः, सद्गयक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बंगलीर

तारीख: 270-2-1984

प्रकप्_र का<u>ई.</u> डी<u>..</u> प्रम्_र एस_{..} -----

शायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन **रें**ज, बंगलौर

बंगलौर, दिनां क 20 फरबरी 1984

नोटिस नं० 701—यतः मुझे, श्रीमित मंजु माधवन, गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इंग्रिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट न० 3 है तथा जो पोरवोरिम, बारहेश तास्लुक, गोवा जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूग से विणित है), रिजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इल्हास में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक 27-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिखत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बंतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है ह---

- (क) अंतरण से हुइं किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के ब्यीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

वतः वव उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीग, निस्तिविक्त स्पवित्तयों, अवृति :----10---6GI/84

- (1) 1. एसबोंता बोदनकर
 - श्रीमति एसवोंता चोदनकर
 - 3, श्री विकास रसवोंता चोवन्कर पार्टनर मैंसर्स एंप्रेसा इंडस्ट्रियल चोदनकर, निवासी पोरवोरीम, बारडेज़ ठाल्लुक, गोवा जिला। (अन्तरक)
- (2) कुमारो सोनाली जयेन्द्र दासानी

 "सोनाल" गुल मोहर मार्ग, 64 वस्लभ नगर,
 कोआपरेटिव हार्जीसंग सांसायटी लिमिटेड,
 जुहु विले पारले, डेबलपमेंट स्कीम, विले पारले वेस्ट, बम्बई400056।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्हरीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस् अध्याय में दिया गया है।

नगुसूचा

(वस्तावेज सं० 644/83-84 विनांक 27-8-1983) ण्लाट जिसका नं० है 3, माप 373 वर्ग मीटर जो पोरवोरिम, बारडेज तल्लुक, गोबा जिला में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन (न), बंगलीर

तारीख: 20-2-1984

प्रस्प साई० टाउँ एउ० एउ०---

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत, मुखना

भारत सरकार

कार्यालयः. सहायकः अगयकर आयुक्तः (निरक्षिण) अर्जनः रेज, वंगलीर

बंगलीर, दिनांक 20 फरवरी 1984

मोटिस नं० 702—अतः मुझे, श्रीमिती मंजु माधवन, आयकर पिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रक्षितियम' कहा गया है,) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से द्वधिक है

और जिसका संख्या प्लाट नं० 5 है तथा जो पोरवोरिम, धारडेज नालुक, गोवा जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रंजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के वार्यालय, इस्हास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वर्ष 16) के अधीन, दिनांक 29-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके. दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (कं) . अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

प्रतः अब; उक्त पश्चितियम की धारा 269-ग के, प्रनुसरण में', मैं', उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री एसवोंता बाबोनी घोदनकर
 - 2. श्रीमती एसवोंसा चोदनकर
 - श्री विकास एसवींता चोदनकर पार्टनर मैंसर्स एंप्रेसा इंडस्ट्रियल चोदनकर निवासी पोरवोरिम, आल्टो वेतिम, बारडेज, गोवा जिला ।

(अन्तरक)

(2) लता जयेन्द्र देसानी "सोनाल" गुल मोहर मार्ग, 64, बल्लभनगर. कोआपरेटिय हाउंसिंग सोसायटी लिम्टिक जुहुविले पारले, बेक्लपमेंट स्कीम, विले पारले वेस्ट, बम्बई-400056।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूजानक त्यानक जार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थाव्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

वनसची

(वस्तावेज मं० 646/83-84 विनांक 29-8-1983) ण्लाट जिसका नं० है 5, पोरबोरिम, बारडेका नास्लुक, गोबा जिले में स्थित है।

> म्जु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगल**ौर**

तारीख: 20-2-1984

मोहर 🏂

प्रकृष बाह्र .टी.एन.एस. ------

नायकर निपित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगुलौर

बंगलौर, दिनांक 20 फरवरी 1984

नोटिस नं० 704—अतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन आयकर बिंबनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उनत बांबनियम' कहा गया है), की धारा (269-श्व के भंधीन सम्भाषाकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ३० से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 53 बी है तथा जो पिलेरने ग्राम बारडेंचा ताल्लुक गोवा में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इल्हास में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्द्रह प्रतिग्रत से घधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त मिछ-निगम के मजीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के सिए: भीर/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1972 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काला चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

जतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-य के जनुसरण जो, मी उक्त विभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के जभीत, निम्नीलिक्ति व्यक्तियों, स्थात् हु— (1) श्रीमती पारवोता बाई गोवेंकर, निवासी पिलेरने, बारडेज ताल्लुक, गोवा ।

(अन्तरक)

(2) श्री रोनाल्ड जोस मैनेजेस, द्वारा गार्डियन रोमियो डोमींगोड निवासी एस० मादिआस (दिवार) ताल्लुक तिसवाड़ी गोवां जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार. लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पद्धकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिन्या गया है।

नगुसची

(दस्तावेज सं० 541/83-84 दिनांक 6-8-1983) ण्लाट नाप 500 वर्ग मीटर जिसका सब प्लाट नं० है 53 बी जो पिलेरने, बारबाडेज ताल्लुक, गोघा में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्रर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख: 20—2—198⁴

मोहर ः

त्रक्ष्य वाद⁴्टी. एव . एस् . ------

नायकर अभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, बंगलीर

बंगलौर, दिनांक 20 फरवरी 1984

नोटिस नं० 705—यतः मुझे श्रीमती मंजु माधवन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्रत बाबार मुख्य 25,000/- से अधिक हैं

और जिसकी संख्या सब ण्लाट नं 53 ए है तथा जो पिलेरने ग्राम, बारडेज तुंख्लुक, गोवा में स्थित है (और इससे उपाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रेशकर्ता अधिकारी के कार्यालय इल्हास में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनोक 10-8-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) मृत्यहण से हुई किसी नाथ की बाबत, उनत विधिन्दम के अधीन कर देने के अभारक के शायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; शर्र/या
- (च) एंसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत् अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वें सिए;

बतः, अब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण बों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन_{ार} निम्नकिश्चित अधिनारों अधीत् ६—— (1) श्रीमती पारवोती बाई गोवेंकर, उर्फ पारवोतीबाई बोगोवेंटा गोवेंकर निवासी पिलेरने, बारडेज माल्लुक गोवा।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री रोमियो डोमीगोस मेंनेजेस

 श्रीमती भाल्डा, फिलोमेना कावल फरनांडेस ए मेनेजेस, दोनों निवासी (दिका) तिसवाड़ी ताल्लुका । गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारा करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन् के विषय कार्यनाहियां करता हुं।

उत्त संपत्ति के वर्षम के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व स 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के रावपन में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति वृतारा नभोहस्ताक्षरी के सिवित में किए जा सकरो।

स्वक्योकरण:--इसमें प्रयुक्त कर्ना और पदों का, को अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ ह^व, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में गया ह^व।

मन्स्ची

(दस्तावेज सं० 537/83-84 विनाक 10-8-1983) ण्लाट माप 500 वर्गें मीटर जिसका नं० 19 सब ण्लाट 53 ए संपत्ति पिलेरने ग्राम; बारडेज ताल्लुक में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलीर

ारीख 20--2-1984 मोहर ध

प्रकृष बार्ड . टॉ . एन . एच . -----

भायक<u>र</u> मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के म्पीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलौर, दिनांक 20 फरवरी 1984

नोटिस नं० 03----यतः मुझे, श्रीमित मंजु माधवन, कर जिथिनियम , 1961 (1961 का 43) **(जिसे**

बाय्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269- व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर संपरित जिसका उचित वाजार मून्य 25,000/- र. सं अधिक हैं

और जिसकी संख्या हाउस प्रॉपर्टी चलता नं० 99 है तथा जो डाक्टर कुन्हा गांन्सावलवेस रोड, पणजी गोवा

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इल्हास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापनाँक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से जिथक है और नंशरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नीसिंबत उद्देश्य से उस्त बन्तरण कि बिकत के बास्तीयक अभ ने करियत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की यावत उक्त विभ-नियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ब) इंबी किसी अाय या किसी भग या अन्य जास्तियों को, चिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सूविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र---

- (1) 1. श्रोमती मारिया युक्तेमीता अलबीना फरनांडीस
 - श्रीमती अंगे लिसा अगुस्टा फ्लोरेन्टीना इस्मलिया फरनंडिस, वोनों निवासी डान्टर कुन्हा गोन्सात्मेस रोड, पणजी, गोत्रा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित रीटा गांम्स ए वाज, रजावोरी वार्ड, वेलकोय मार्मेगोवा ताब्लुक, गोवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर संपत्ति में हित-वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के वास जिक्ति में किए जा सकागे।

स्थाधीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्यों कीर पर्वों का, वा विका जिथानियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अभ्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 501/83-84 विनांकः 19-7-1983) हाउस प्रापर्टी जिसका चलता नं० 99 है जो डाक्टर कुन्हा गोन्साल्वेस रोड, पणजी गोवा में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर

तारीख: 20-2-1984

मोहरू 🕍

प्रस्प भाषे. टी. एन. एस.------

नायक र नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन स्चना

भारत सरकार

भाषांलय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलौर, दिनांक 28 फरवरी 1984

नोटिस नं० 706--यतः मुझे, श्रीमति मंजु माधवन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या सर्वे नं० 155 है तथा जो उनकल ग्राम, हुबली ताल्लुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबली में रजिस्ट्रीकर्रा अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, ससके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिसियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत: श्रम, उत्पत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिक्सित व्यक्तियों. अधीत :---

 श्रीमती गिङ्गध्या पत्नी रामप्पा बङ्गर मार्फत श्री बी० एन० बङ्डर, तोरवीहनकल, हुबली।

(अन्तरकाँ

 श्री हनुमंथप्यार बाबन्ना बड्डर निवासी होस्र, हुबसी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

नगुलुकी

(वस्तावेज सं० 1542 दिनांक 3-10-1983)

शेतकी अभीन जिसका सर्वे न० है 155 संपत्ति उनकल ग्रान, हुबली ताल्लुक में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलौर

वारीख: 28-2-198**4**

प्रकप बार्ड, टी. एन. एस.,-=-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकार आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलौर

वंगलौर, दिनांक 28 फरवरी 1984

नोटिस नं० 707—यात मुझे, श्रीमित मंजु माधवन शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुं. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे नं० 94/I है तथा जो कृष्णापुर ग्राम, हुवली ताल्लुक में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुवली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2-7-1983

कः पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वासित्व में कमी करने या उससे अधने में सृत्विधा के सिए; और/था
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्लारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृतिधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——

- (1) श्रीमती भीमस्या पत्नी तिरकप्पा दिवतगी निवासी विवटगेरी गली, ओल्ड हुबली, हुबली। (अन्तरक)
- (2) जयनगर कोआपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, विडी गली ओल्ड हुबली रिप्रेजैंटेड बाई सेकटरी श्री अल॰ रेड्डी, दिल्ली गली, ओल्ड हुबली, हुबली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिभ, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45. दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

(दस्तावेज सं० 820/83-84 दिनांक 2-7-1983) खुल्ला जगह जिसका सर्वे नं० है 94/[संपत्ति कृष्णापुर ग्रामर हुबली ताल्लुक में स्थित है।

> मंजु म*्झान* सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोज, बंगलीर

तारीख: 28-2-1984

प्रेंस्प_ बार्ड_ दी, एन्, एस्, -----

आयर्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

हार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 फरवरी 84

नोटिस नं० 708—यत: मुझे, श्रीमती मंजु माधवन. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आर एस नं० 360/1-B+1-C है, तथा जो बेटागेरी, गंदग तालूक में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गंदग में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 20-7-83

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित् बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निकत में वास्तविक क्य से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) से लधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्धात् %~~

- (1) 1. श्री शिवष्पः येलल्प्पा कोंडीकोप्पा, रेसिडेन्स आफ वक्नगेरी, गवग,
 - 2. श्री बसप्पा यल्लप्पा कोंडीकोप्पा,
 - 3. अशोक.
 - 4. बालणा,
 - कुमारी नितगावा एम/जी,
 श्री बसप्पा कोंडीकोप्पा,

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती गंगाबाई वाहफ आफ, श्री बेस्लप्पा जाधव,
 - 2. श्री रंगनाथ,
 - 3. परमुराम,
 - 4. कृष्णाजी,
 - नारायण सन आफ,
 येल्लप्पा जाधव,
 रेसिडेन्स आफ मसारी पिंगे चाल बेटगेरी;
 तालुक गदग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- वक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

वन्स्यी

(वस्तावेज सं० 801 ता० 20-7-1983) खेतकी जमीन जिसका आर एस नं० है 360/1-की + 1-सी जमीन बेटागेरी, ग्राम गदग तालूक में स्थित है।

> मंजु भाधवन सक्षम शाधिकारी सहायक आग्रकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज, बंगलुर

तारीख: 28-2-1984

पृक्षप् बाइं. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 मार्च 1984

सी० आर० 62/709/83-84--यत: मुझे, मंजु माधवन,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी गं० सी ० टी० एस० नं० 842 और 844 उसका नापना 27 और 463 स्केर यार्डम् है, तथा जो दुर्गाद वैल, वार्ड नं० 2, हुबली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्स्ट्रान्सर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबली में रिजर्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-7-1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यशान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृबोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथा गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमित्यम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— 1—6GI/84 (1) श्री हष्ण तीडा, गुन आफ (अडापटेड) श्री कृष्ण गीडा, अदुगीडर-रेसिडेंट आफ रामनगर, दारवाड।

(अन्त्रम्)

(2) भिसेस चन्नाव्वा, बाइफ/आफ चंद्राणेकारणा अब्बिगरा अलियास बेनडिगै, दुर्गांद बैल, हबली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन क्रे भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे i

स्पष्टींकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 960/83-84 ता० 22-7-83) 3/4 भाग सम्पत्ति है जिसकी सं० सी० टी० एस० 842 और 844 है जो दुर्गांद बैंल, वार्ड नं० 2, हुबली में स्थित है।

मंजु माधवन मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 6-3-84

मोहर ध

प्रकृप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक सायकर जायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 29 फरवरी 1984

निर्देश सं० 710—अत: मुझे, श्रीमती मंजु माधवन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु...से अधिक है

और जिसकी मं० सर्वे नं० 173/1 और 173/3 है, तथा जो विख्लर शाम, रायचूर तालुवः में स्थित है, (और इस से उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीन कर्ता अधिकारी के वार्यालय, रायचूर में रजिस्ट्रीकरण अधिरियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी ख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक क्ष्य में क्षिण नवीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथितियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसम अवने वा भीवधा के निए; जॉर/वा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 किया।) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) 1. श्रं: सैयाद जब्दुल खादर खाई।,
 - 2. थीं मैध्यद अब्हुत अजीज खारी,
 - 3. था मैध्यद अब्दूल हर्काम खादी,
 - 4 श्री सैय्यद अब्दुल रज्जाक खादी, सब सब सुपुद श्री सैय्यद अब्दुल रहाम खादी, रेसिडेंट/आफ कडलूर ग्राम, तह ग्रीर जिला रायचूर

(अन्तरक)

(2) श्री गंगणा, मन/आफ तिप्पना, रेसिडेंट आफ कडलूर ग्राम, तह० और जिला रायचूर,

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओष: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ब्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ਲਜਸਦੀ

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी तहायक द्यायंकर स्रायुंक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख: 29-2-1984

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एखः ------

जायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायंकर ग्रायंकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 फरवरा 1984

निर्देश सं० 711—अतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन, ब्रायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह चिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 173/2 और 173/3 हैं तथा जो कडलूर ग्राम, रायचूर तालुक में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के वार्यालय, रायचूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान तारीख 25-7-83.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बोजार मृल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तैय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धर्मका अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री सैय्यद अब्दुल खादर खाई।,
 - 2 र्था मैयाद अन्दुल अजीज खाद्रां,
 - 3. श्री सैय्यद अब्दुल हकाम खाद्री,
 - 4 श्रं। सैय्यद अब्दुल रज्जाक खाद्रं। सब सन/आफ सैय्यद अब्दुल रहं।म खाद्रंः, रोसडेंट/आफ कडलूर ग्राम, तह० और जिला रायचूर,

(अन्तरक)

(2) श्रं.मतः बसम्मा, वाइफ/आफ वसप्पा, रेसिडेंट/आफ कडलूर ग्राम, रायचूर तालुक, तह०

(अन्तरिर्त_ि)

को गह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्प्रीत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर ध्रम्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पदों का, चो उक्त विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्या हैं।

अन्सू ची

(दस्तावेज सं० 515/83-84 ता० 25-7-83) शतकी जमीन जिसका सर्वे नं० है 173/2 और 173/3 जमीन कडलूर ग्राम रायचूर तालुक तह० में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 29-2-1984

भोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलौर, दिनांक 29 फरवरी 1984

नोटिस नं० 712—-ग्रत: मुझे, श्रीमती मंजु माध आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 224/3/ए है, तथा जो गंगावती रायचूर जिला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय. गंगावती में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 22-7-1983.

का पूर्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की पी) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों., मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखित व्यक्तियों. अर्थात :---

- (1) 1. श्रीमती वेक्ंबाई, पति देवीसिंह,
 - (2) श्रीमती ग्रनंताबाई, रामसिह, दोनो निवासी गंगावती, जिला रायचर.

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री एवं० यमनप्पा पुत्र एच० राजप्पा,
 - श्री एच० मल्लेशप्पा, पुत्र एच० हुलगप्पा,
 - श्री एच० ईरप्पा
 पूत्र एच० कलिंगप्पा,
 सभी निवासी गंगावती,
 रायचूर जिला

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में स्ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खर 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 899/83-84 ता० 22-7-1983) शेतकी जमीन जिसका सर्वे नं० 224/3/ए है जमीन, गंगावती. रायचर अजिले में स्थित है।

> मंजु : माधवन सञ्जम प्राधिकारी सहायंक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख: 29-2-1984

प्रॅरूप आई. टी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 फरवरी 1984

नोटिस नं० 713—ग्रतः, मुझे, श्रीमती मंजु माधवन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहः से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 224/3/ए है, तथा जो गंगावती में स्थित है (ग्रौर इसचे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गंगावती में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख० 22-7-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित दाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का दारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 विश्व की 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विध्या नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्रीमती वेक्वाई पत्नि देवीसिह,
 - श्रीमती स्रनंताबाई याइक/प्राफ रामसिह निवासी गंगावती, हुँजिला रायचूर ।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1 श्री एच० यम्मन्ना, सुपुत्र श्री एच० राजप्पा,
 - श्री एच० मल्लेशप्पा, सुपुत्र श्री एच० हुलगप्पा,
 - श्री एच० रप्पा, सुपुत्र श्री एच० कलिंगप्पा, सिभ निवासी गंगावती जिला रायचूर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 898/83-84 ता० 22-7-83) खेतकी जमीन जिसका सर्वे नं० 224/3/ए. है जो गंगावती, रायचूर जिले में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 29-2-1984.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

अध्यकर अधिनियमें, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंग्लूर बंगलूर, दिनांक० 29 फरवरी 1984

मंजुं माधवन नोटिस नं० 714—अत:, मुझे, श्रीमती बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् रेडक्त, अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 153/ए है, तथा जो बेविनहाल कैंप ग्राम, गंगावती तालूक, रायचूर जिला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गंगावती में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख० 18-7-83

को प्रतिकत सम्पन्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे उचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या, अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्री सवाराज, स्पृत्र श्री शिवप्पा,
 - 2. श्रीमती नागम्मा,
 पत्नी श्री शिवप्पा,
 निवासी बेवीनहाल कैंप ग्राम,
 गंगावती तालूक, जिला रायघूर

(अन्तरक)

(2) श्री के० प्रभाकर राव सुपुत श्री बुरटया निवासी बेबीनहाल कैंप ग्राम तालूक गंगावती जिला रायचूर, ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए ार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 847/83-84 ता० 18-7-83) शेतकी भूमि जिसका सर्वे नं० 153/ए. है जो शेवीनहाल कैंप ग्राम, गंगावती तालूक, रायचूर जिला में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज. बंगलर

तारीख: 29-2-1984

परूप आहाँ. टी एन. इस. -----

कायवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सं**च**ना

भारत सरकार

कार्यावयः, महाययः आयकर आयुक्तः (निरक्षिण) प्रजीन रेजः, वंगलुर

वंगलुर, दिनांक 29 फरवरी 1984

नोटिय नं० 715—ग्रत:, मुझे, श्रीमती मंजु साधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार भूल्य 1925,000/- रहे. सं अधिक है

भौर जिसकी संव सर्वे नंव 153/ए है तथा जो **भ**यीनहाल कैंप ग्राम, गंगावती तालुक में स्थित है (श्रीर इससे ∫उपाबढ़ ग्रतृश्ची में श्रीर पूर्ण रूप से यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षिकारी के कार्यातय, गंगावती में रजिस्ट्रीकरण प्रिधितियम, 1908 '(1908 का 16) के श्रवीन तारीख 18-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में काम के दृश्यभान प्रतिकल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यभान प्रतिकल में, एमे दृश्यभान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पायां गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मी स्थिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) को अधीर निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री संजाराज, गुपल श्री णिवणा,
 - श्रीमती नागम्मा,
 पत्नी श्री थाफ श्रिवण्या,
 तोनो निवामी येगीनहाल कैंग ग्राम,
 गंगावती तालूक,
 रायचूर जिला ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कें पल्लेण्यरी.
राव, पत्नी श्री संबाणिया तिवासी→
बेवीनहाल कैंप ग्राम,
गंगावती तालूक,
रायचर जिला.।

(श्रन्तरिती)

को यह मुनना जारी करके पूर्वीक्त संगति के अर्जन के लिए कार्यक्षिति करता हुए ।

उवत सम्मत्ति के अर्जन के गम्बन्ध में जार्ड भी आक्षंप :---

- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पत्तिकरण: --- हमभी प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें दिया गया हाँ।

अनसची

(दस्तावेज सं० 845/83-84 ता० 18-7-83) शेनकी जमीन जिसका सर्वे नं० 153/ए हैं जो बेबीनहाल कैंप ग्राम, गंगावती ताल्क, रायच्र जिले में स्थित है।

मंज् साधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भाग्यकर ग्रायुवन (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बंगलूर

तारीख: 29-2-1984

प्ररूप आर्ष: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-थ (†) की अधीर स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायत आगकर आध्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 29 फरयरी 1984 नोटिस नं० 716—श्रव' मुझे, श्रीमती मंजु साधवन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रीधकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका एचित बाजार मुख्य 25,000/- रहा से अधिक ही

श्रोर जिसकी गं० सर्वे नं० 153/ए है, तथा जो वेगीनताल कैंप गंगायती तालूक में स्थित है (श्रीर एसमे उपायद्व श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण व्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गंगावती में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 18-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति एत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का खिंचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित है अस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिवस अक्तिस्यों, अर्थात् :--

- श्री त्रावाराज,
 स्पुत्तश्री शिवष्पा,

 श्रीमदी नागम्ना
 पत्नी श्री शिवष्पा,
 निवासी भेवीनहाल कैंप ग्राम,
 गंगावनी नालुक, जिला रायनुर,
 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री के० संबाधियारायः सुपुर्श्वा बुरय्याः निवासी- येविनहाल कैप ग्राम तालूक गंगावतीः, जिला रायचूरः।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृथांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन की संबंध मी कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स् से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तरां पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्री कत ज्यक्तिण में में विसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्वाचन में किए जा सकेंगे।

स्पञ्चीकरण:--इसमों प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

(यस्तावेज सं० 846/83-84 तारीख 18-7-83) शेतकी भूमि जिसका सर्वे नं० 153/ए. है जमीन वेवीन-हाल कैंपं ग्राम, गंगावती ताल्क, रायचूर जिल्ला में उपस्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम् प्राधिकारी सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

'तारीखा: 29-2-1984 `

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यादग, सहायक आयकर आयवत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगल्र

वंगलूर, दिनांक 29 फरवरी 1984

नोटिस नं० 717—ग्रतः, मुझे, श्रीमती संजु माधवन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/-रु. सं अधिक है

थीर जिसकी सं० सर्वे नं० 173/2 ग्रीर 173/1 है, तथा जो कड़लूर ग्राम, रायचूर जिले में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, रायचूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-7-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की रृष्ट्र हैं और मृश्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अपने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाने वाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) 1 श्री रौपद ग्रह्नल खादर खाद्री,
 - 2. थी मैथ्यद ग्रब्दुल ग्रजीज खाद्री,
 - 3. श्री भैरयद भ्रब्दुल हकीम खाद्री,
 - 4. श्री सैय्यद ग्रब्दूल रजाक खाद्री सभी स्पृत्र श्री-सैय्यद ग्रब्दुल रहीम खाद्री, निवासी—कडलूर ग्राम तालूक ग्रौर जिला रायचुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री तिष्पन्ना
सुपुत्रश्री त्रमणा,
निवासी--कडलूर ग्राम,
तालक ग्रीर जिला रायभुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोहू भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 513/83-84 तारीख 25-7-83) शेतकी जमीन जिसका सर्वे नं० 173/2 श्रीर 173/1 है जो कडलूर ग्राम, रायचूर तालूक में स्थित है।

मंज् साधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, वंगलूर

तारीख: 29-2-1984.

भाहर:

प्रक्रप बाई. टी. एन. एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भावकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेजि, बेगल्र

बंगलर, दिनांक 29 फरवरी 1984

निर्देश मं० 718-यत: मुझे, श्रीमनी मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-सू के अधीन मधम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

घौर जिसकी संख्या सर्वे नं० 455 है तथा जो कनमंडी ग्राम, बीनापुर तालुक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाक्षद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्स्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बीनापुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक 18-7-1983

कां पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दरयमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिकृत सं एसे दरयमान प्रतिकृत से एसे दरयमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिकृत से अध्यक्ष है और यह कि अनुरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निविवत उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नित में दास्त्रिक रूप सं किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायिस्व में कसी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (इ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोना चाहिए था छिपाने मो मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपध्यस (1) के अधीन, निम्नानिसिन व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) 1. श्रीमती शिवलिगप्पा पत्नी मडीवालप्पा गुमशेट्टी निवामी कनकेरी ग्राम साराम मींडगी.
 - श्रीमती रत्नावा पत्नी नीलप्या मालमेली निवामी बंदल ग्राम पी०ए०यू० श्री शिवष्या तेजप्या श्रल्लोल्ली निवामी कोट्याल तालुक जिला बीजापुर ।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री बराणा सतप्पा मुंजण
 - श्री मरेष्पा निगण्या भ्यामगोल, नित्रामी कनमंडी ग्राम तालुक ग्रीर जिला बीजापुर।

(ग्रन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ने 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पा मुखना की तामीज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस न 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक् निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमीं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिय गया हैं।

सरमर्च

(दस्तायंज संख्या 1057/83-84 दिनांक 18-7-83) शेतकी जमीन जिसका सर्वे नं० है 455 जमीन कनमंडी ग्राम, बीजापुर तालुक में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, बंगल्र

नारीख : 29-2-1984

मो**हर**ः

प्रस्प आई. टी. एन. एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत संरक्षार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगल्र, दिनांक 29 फरवरी 1984

निर्देश स० 719---ग्रनः मुझे. श्रीमती मंजु माधवन आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

र्यार जिसंकी संख्या सर्वे नं० 159 है तथा जो मसली ग्राम, इडी तालुक में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंडी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 11-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से काम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 19% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्ला अता जाहिए धा, छिपान में स्विधा के लिए।

(1) श्री गुरुष्पा शिवलिंगप्पा विरादार निवासी मसली ग्राम, तालुक ईंडी जिला बीजापुर ।

(,ग्रन्तरक) :

2. श्री विट्ठल शंकरप्पा नंदयाल निवासी मसली वि० के० तालुक इंडी जिला बीजागूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह**ू**।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस न 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस्त अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

(दस्तावेज सं∘ 477/83-84 दिनांक 11-7-83) शतकी जमीन जिसका सर्वे नं∘ 159, अभीन मसली ग्राम, इंडी तालक में स्थित है।

> मंजु माधयन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, बंगलुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी उबन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक 29-2-1984 मोहर

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 फरवर्रः 1984

निर्देश सं० 720-यतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का, कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या सर्वे नं० 159 है तथा जो मसाली ग्राम, तालुक इंडी में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंडी में रजिस्ट्रीकर्तण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 8~7-1983

का पूर्विकत संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिबित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के सिए; बार/भा
- (क) ऐसी किसी आयं वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्या धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिया के लिए;

.1. श्री गुरप्पा णिर्वालगप्पा बिरादार निवासी मसाली ग्राम, तालुक इंडी जिला बीजापुर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री विट्ठल मंकरप्पा नंदयाल निवासी मसाली बी० के० तालुक इंडी जिला बीजापुर ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्राँकत संपत्ति के वर्जन के सिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेष : ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्कीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों आदि पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गरा ही।

अन्स्**ची**

(दस्तावेज सं० 474/83-84 दिनांक 8-7-1983) मेतफी जमीन जिसका सर्वे नं० है० 159, जमीन, मसाली ग्राम, इंडी तालुक बीजापुर जिले में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रेंज, बंगलुर

अंत: अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनसरण में ,र्म, 'उक्त' प्रीथिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) चुं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :——

तारीख: 29-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चरा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगर्लार

बंगलार, दिनाक 29 फरवरी 1984

नोटिस नं० 721-यतः मुझे, ख़ीमती मंजु माधवन,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के नजीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

ग्रॉर जिसकी संख्या सर्वे नं० 212/1 है तथा जो ऐनोली ग्राम, तालुक चिचोली में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, चिचौली में रिनस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 25-7-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीन एमें अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) कन्तरण संहुक्षं किसी श्राय की बाबछ, उक्त किसिनियम के अभीन कर दोने के श्रन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आसित्याँ को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में गृतिया के लिए;

नतः नव, उनतः अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मों उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, सर्थात् :---- (1) श्री बसावंतराव नेरसप्पा नीलगार.रेसिडेंट ग्राफ चिचोली.जिला गुलवर्गा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गुंडम्माः वाइक श्राफ बसवण्णेष्पा बजारः, र्रासडेंट श्राफ ऐनोली ग्रामः तालुक चिचोलीः, जिला गुलबर्गाः।

(भ्रन्तरिनी)

का यह सूचना चारी करके पूर्वां केत सम्मात्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के कर्णन के संबंध में कोई भी बाधांप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पथ्यीकरणः — इसमी प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय मी दिया गया है।

अमुस्ची

(दस्तावेज स० 5683 तारीख 25-7-83) खेतकी जमीन जिसका सर्वे न० है 212/1 जमीन ऐनोली ग्राम चिचोली तालुक गुलबर्गा जिले में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, बंगलीर

नारीख: 29-2-1984

प्रकृप आई ्टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

,भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 फरवरी 1984

नाटस त० 722—श्रतः, मुझे, श्रीमती मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हुः से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे न० 212/1 ग्रौर 210/1 है, तथा जो एनोली ग्राम, तालूक चिचोली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चिचोली में भारतीय रजिस्ट्री करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के [ग्रधीन, तारीख 25-7-83

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्तर प्रनिश्त में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबता अधिनियम, या धन-कर स्थिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरर में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों. अर्थात् ु—

(1) श्री बसवंतराव नरसप्पा नीलगार, निवासी—-चिचोली, तालूक चिचोली, जिला गुलवर्गा, ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गंगम्मा,
पत्नी श्री बसवण्णेप्पा बजार,
निवासी—एनोली ग्राम,
तालूक चिचोली,
जिला गुलबर्गा, ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस। से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 5621 तारीख 25-7-1983) जो जमीन जिमका सर्वे नं० 212/1 और 210/1, है जमी; एनोली ग्राम, चिवोली तालूक, गुलवर्गा जिले में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 29-2-1984.

मोहर 👙

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बंगलूर

वंगलूर, दिनांबः । मार्च 1984

नोटिस नं० 723/83-84—प्रतः, मुझे, श्रीमती मंजु माधवन

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा ₹69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. सं अधिक है

भौर भिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 2036 है, तथा तथा जो कोरे गली णडापुर बेलगांव में स्थित है (भीर इससे उपावड अनुगुत्ती में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीविकारी के कार्यालय, बेलगांव में रिजरट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख 11-8-1983

को पूर्वोचा गंपीता के उचित बाजार मूल्य में कम के श्रद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त भम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रद्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में दास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्कल अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी कारने या उसमें बचने में गृतिका के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) सा उन्ति अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरियो देवारा प्रकृष्ट नहीं किया गया भा या किया जानी नाडिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) 1. श्री किल्पाक्षणा ग्रंडानीत्पा उनराणी,
 - 2. श्रीमती नागरत्न विन्याक्षय्पा उमराणी,
 - श्री श्रंदानीच्या विद्याक्षणा उमराणी,
 - 4. श्री स्रेश विख्याक्षया उमराणी,
 - श्री विन्द्रशेशर विमयाभ्रष्या उमराणी,
 - क्षी गोमग्रेखर विस्वाक्षया उत्तराणी.
 निवासी—गदग-बेटागरी नालूक,
 गदग जिला श्राखाड । (ग्रम्सरक
- (2) 1. श्री चंद्रशेखर हुलयप्पा हत्तरकी,
 - 2. श्री मल्लीकार्जुन हुलयप्पा हुलरकी, निवासी-- घर नं० 2036, कोरे गली, शहापुर तालूक, जिला बेलगांव।

(भ्रनारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की गविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी के सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पष्ट सिक्षित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनसची

(दम्तावेज मं० 1368/83-84 ता० 11-8-1983)

पुराना बिल्डिंग जिसका सी० टी० एगर्० नं० 2036 हैं, (1/3 शेयर) सम्पति कोरे गली, अहापुर तालुक, बेलगांव में स्थित है।

> मंजु माधवन नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राधकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख: 1-3-1994.

मोहर

प्ररूप आई, टी. एन. एस.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, वंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 मार्च 1984

नोटिस नं० 724/83-84--ग्रत, मुझे, श्रीमती मंजु माधवन

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त' अधिनियम' कहा गयां हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

र्थार जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 2036 है, तथा जो कोरे गली, शहापुर, बेलगांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बेलगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीम, तारीख 11-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्नितिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (का) जन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत उक्त श्रीध-नियम के बधीन कर दोने के बजारक के बीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; शीर/या
- (क) एसी विक्ती बाय हा किसी धन या बन्ध अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंदारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधी निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री विख्पाक्षपा ग्रंदानीपा उमराणी,
 - 2. श्रीमती नागरत्न विरुपाक्षप्पा उमराणी,
 - 3. श्री ग्रंदानीप्पा विष्पाक्षप्पा उमराणी,
 - 4. श्री सुरेश विरुपाक्षप्पा उमराणी,
 - श्री चंद्रशेखर विरुपाक्षपा उमराणी,
 - श्री सोमशेखर विक्पाक्षच्या उमराणी, निवासी- गदग-बेटगेरी, ताल्क गदग, जिला धारवाडा

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री चंद्रशेखर हुलयप्पा हत्तरकी,

 श्री मल्लीकार्जुन हुलयप्पा हत्तरकी, निवासी- घर नं० 2036, कोरे गली, शहापूर, बेलगांव,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कर के पूर्वोक्त संपर्तित के वर्जन के लिए! कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा है।

अनुसूची

(दस्तावेज स० 1369/83-84 तारीख 11-8-83) पुराना बिल्डिंग जिसका सी० टी० एस० नं० 2036 है (1/3 शेयर) सम्पत्ति कोरे गली, शहापुर, बेलगांव में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, बंगलर

तारीख: 1-3-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन् रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 मार्च 1984

नोटिस नं० 725/83-84--भ्रतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 2036 है, तथा जो कोरे गली शहापुर, बेलगांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बेलगांव में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 11-8-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सृ हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए: और/ण
- कि एंशी किसी काथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अध्यक्तर हो अनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था. विकास में सरिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — 13—6GI/84

- (1) 1. श्री विरुपाक्षप्पा ग्रंपानेप्पा उमराणी,
 - 2. श्रीमती नागरत्न विरुपाक्षप्पा उमराणी,
 - श्री ग्रंदानेप्पा विरुपाक्षप्पा उमराणी,
 - 4. श्री सूरेश विरुपाक्षप्पा उमराणी,
 - 5. श्री चन्द्रशेखर विरुपाक्षणा उमराणी,
 - 6. श्री सोमशेखर विख्याक्षप्पा उमराणी, रेसिडेंट म्राफ गदग-बेटगेरी, तालुक गदग, जिला धाराड,

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री चंद्रशेखर हुलयप्पा हत्तरकी,
 - '2. श्री मल्लीकार्जुन हुलयप्पा हत्तरकी, रेसिडेंट ग्राफ घर नं० 2036, कोरे गली, शहापुर, तालुक, जिला बेलगांव

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

(दस्तावेज सं० 1370/83-84 तारीख 11-8-83) पुराना बिल्डिंग जिसका सी० टी० एस० नं० है 2036 (1/3 शेर) सम्पत्ति कोरे गली शहापुर, तालुक बेलगांव में स्थित है।

मंजु **माधवन** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 1-3-1984.

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 1 मार्च 1984

नोटिस नं० 726/83-84--ग्रत: मुझै, श्रीमती मंजु माधवन,

षायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 769-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/-रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० सर्वे नं० 6, 21, 22, 23, 185, और 188 है तथा जो कोगारवल्ली ग्राम, सकलेशपुर तालूक जिला हासन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में श्रौर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सकलेशपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन ता० 5-7-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिसित में शास्त्रीय क्या से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंदरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—-

(1) श्री धाई० एस० मस्करन्हास, सन ध्राफ डी० जे० पी० मस्करन्हास, रेसिडेंट घ्राफ कोगारवल्ली ग्राम, सकलेशपुर तालुक, जिला हासन,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बी० श्रीनिवासन, वेनसन हाऊस,33 राज भवन रोड, बंगल्र-560001,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख र 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भे अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बिद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपस्यीक्षरण:---हरमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया-गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 344/83-84 ता० 5 7-83) काफी लैंडस जिनका सर्वे नं० है 6, 22, 21, 23, 185 स्पौर 188 सम्पत्ति कोगारवल्ली ग्राम, सक्लेशपुर तालुक, हासन जिले में स्थित है।

> मृंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बंगलूर

तारीखा: 1—3—1984

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अपर 269-च (1) के अधीन स्थान

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 फरवरी 1984

ोटिस नं०-727/83-84-ग्रन: मुझे, श्रीमती मंजु माधवन, अर्थिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् उनक अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/न्तः से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 479 है तथा जो क्लब रोड हुबली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रंनुमूची में ग्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हुबली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रंधीन ता० 25-8-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल सं, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी श्राय की वाब्द, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वक्ते में सूविभा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) श्रीमती लीलाबाई पी० चिटगुष्पी, केअर/ग्राफ बी० एन० बालाजी, बालाजी मंदिर, कपडा बाजार, नासिक-422001,

(धन्तरक)

- (2) 1. श्री पी० बी० बेलमकर,
 - श्री एस० वी० बेलमकर,
 - 3. श्री जी० बी० बेलमकर,
 - 4. भार० हो० बेलमकर,
 - 5. श्री पी० टी० बेलमकर,
 - वाई० एन० बेलमकर,
 - श्री एम० एन० बेलमकर, रेलिडेंट श्राफ क्लब रोड, हुबली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्त्र्यी

(दस्तावेज सं० 1234/83~84 ता० 25-8-1983) खुल्ला जगह जिसका सी० टी० एस० नं० है 479 सम्पत्ति क्लब रोड हुबली में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन ^{ऐं}ज, बंगलूर

तारीख: 20-2-1984

मोहुदु 🛭

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, बंगलीर

बंगनार, दिनांक 23 फरवरी 1984

निर्देण सं० मी० भ्रार० 62/श्रार०-561/83-84 रजिसे-ट्रेशन नं० 377—श्रत: मुझे, मंजु माधवन,

नायकर जिंबिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस् ष्यम इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की निरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रापय से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या चालता न० 72 है तथा जो कासाडेमोराडा कौरवा, पनजी, गोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बगलीर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 29-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तारत को गई है और मूम यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरज लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को भयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ कि उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों, मुर्थात :— श्री फर्मा वस्सुदेव ग्रार० पाय धुनगट, ग्रान्टावो नरोन्हा रोड, जपनजी, गोवा ।

(ग्रन्तरक)

2 मरिया पैडाडे ग्रेगोरिन्हा फरनाडीस डेमेलो, मार्फत ब्रान्टोनियो बेटेलहो, बैरो सेंट, अगसटिन्ह, सेट कुरज, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बंर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस स् 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अओहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

<mark>मनुस्</mark>चीः

(दस्तावेज सं० 377/83-84 दिनांक 29-7-83) सम्पत्ति है जिसका सं० 61 से 72 के पी० टी० शीट न० 60 जो "कासा डे मोराडा कारैवा, पनजी, गोवा, में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक 23-2-84 **मोहर**ः प्ररूप आई.टो.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

ध्रायांत्वय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलीर बंगलीर, दिनांक 2 मार्च 84

निर्देश सं $^{\circ}$ सी $^{\circ}$ ग्रार $^{\circ}$ 62/ग्रार $^{\circ}$ 672/83-84 — ग्रत: मुझे, मंजु माधवन,

स्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राणिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रहा से जीवहारी

ग्रौर जिसकी संख्या 13 ग्रौर 14, है तथा जो सकरदन्डे ग्रपार्टमेंट्स दादा, वैद्या रोड, पंजिम गोवा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनु - सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्या-लय, बंगलौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 27-8-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उपयमान प्रतिफल में एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्नरण से हुँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिप्रानं में मूर्विधा के लिए।

अतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— ग्रालकन रियल एसटेट्स प्राइवेट लिमिटेड, वेल्हो बिल्डिंग, पनजी, गोवा

(ग्रन्तरक)

 सुभाष चन्द्रा, श्रीपाद नायक रैंकर श्रीर
 श्री जयन्त श्रीपाद नायक रैंकर, मर-गोवा, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंभी व्यक्तियों सर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के रामपत्र, में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ हनेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

, अनुसूची

(दस्तावेज सं० 499/83-84 दिनांक 27-8-83) - ग्राफिस प्रिमिसिस नं० 13 ग्रौर 14 जो ''सकरदान्डे ग्रपार्ट-मेंट्स'', दादा वैद्या रोड, पंजिम गोवा में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रोयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख: 2-3-84

प्रकाश नार्धः दी . रुष् . रुष् ., ------

अत्यक्तर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अभीत सुचना

ं भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवर 84

निर्देण सं० 7 जुलाई, 83--यतः मुझे, आर० पी० पिल्लैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख ने अधीन सदान अधिकारी को यह विख्यास करने का भारण है कि स्थानर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसको संख्या आए० एस० सं० 3, है जो ए० ए० नगर कर्माणयल प्लाट, ए० ए० नगर तल्लाकुलम, मदुरै में स्थित है (भ्रीर इसमे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्यालय तल्लाकुलम, मदुरै दस्तावेज सं० 2934/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृत्रोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकारें) और बंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिक्त निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निखत में बास्त-

- (क) मन्तरभ सं शुद्ध किसी आय की बावस, उनसे, अभिनियम के अभीन कर धन के जनस्य के दायिस्य में कमी करने या अकसे बचने में सायिश के आए; और/या
- (ध) एसी किसी बाय या किसी भने या जन्य बास्तियाँ करें, जिन्हों भारतीय जाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया निया था किया जाना चाहिए था छिपार संस्थिभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अदे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६── (1) एडविन जयराज

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० के० ए० कलियाप्पनाडार एन्ड कंं

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्स सन्दरित के जर्जन को लिए कार्यत्राहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

भूमि ग्रारः एस० सं ० ३, ए० ए० ग्रन्ना नगर, कर्माणयल प्लाट, ए० ए० नगर तल्लाकुलम, मदुरै (वस्तावेज सं ० २ १ ३ ४ / ४३)।

म्रार० पी० पिल्नै सक्षम प्राधिकार सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, मद्रास

तारीख: 2-2-1984

मोह्रर :

प्ररूप बाईं.टी.एन.एसं. -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2. फरवरी 1984

निदेश सं० 28/जुलाई/1983—यतः मुझे, आरं० पी० पिल्लै.

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० 8, नागेन्द्र अय्यर लेन, रासीपुरम है, जो सेलम

आर जिसका स० 8, नागन्द्र अय्यर लन, रासापुरम ह, जो सलम जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णक्य में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, रासीपुरम दस्तावेज संव 1358/83 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभारण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रा वं ा० पी० जयपाल

(अन्तरक)

(2) डाक्टर के० राजरित्तनम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के वर्जर के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संवंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरो।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगेर जो उस अध्याय में दिया गया है।

अ़नुसुची

भूमि और निर्माण सं० 8, नागेन्द्र अय्यर लेन, रासापुरम टौन, सेलम (दस्तावेज सं० 1358/83)

> आर० पी० पिल्लै -सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांवः : 2-2-1984

मंहर:

प्रकृप आई टी. एन. एस. - - -

अस्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

(1) श्रीः लक्ष्मी नरसैयप

(अन्तरक)

(2) श्री पोन्नणन

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेण सं० 30/जुलाई/1983—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं एम । एम । ये 212/2 है, जो वेंकट गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णक्य से विणित है), र्राजस्ट्रीधर्मा अधिकारी के कार्यालय, वेलूर (अलम) दस्तावेज सं 952/ 83 में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक ज्लाई 1983,

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने रूप कारण है कि यथापृत्रों कत संपत्ति का उप्तित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भें कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 की 11) या उक्त जीविनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रमोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविभा के सिए;

का यह भूषना बारी करके प्वाँक्त सम्मित्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी म्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकित म्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मृस हैं।

अमुस्ची

ब्यात्रसाधि ह भूमि एस० सं० 212/21 वेंस्तटै गांव, (बस्तावे ज सं० 952/83)

आर० पी**० पिल्लै** ःज्ञम प्राप्तिका**री** सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन पेंज—1, मद्रास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 2-2-1984

मोहरू :

r o como en el colo de secondaciones qualitats el culciul que cual a la colo con les combinados de combinados

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस्.------(1) श्री अरठन और अन्यो

(अन्तरक)

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-म (1) के नभीन सुचना

(2) श्री मी० मेलबराज

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक नायकर नायुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश मं० 36/जुलाई/83---वनः मुझे, आर० पी० पिल्लै, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० मं० 106/। है, जो लट्ट बाई। गांव नामक्कल में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसाणी में और पूर्णक्य से वर्णितहै),रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर महास-II दस्तावेज सं० 1021/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सें, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्परिय से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप में अधिक नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरभ से हुई किसी बाद की बादत्, मधिनियम के भधीत कर देने के भन्तरक दाबित्व में कमी करने वा उससे वचने में सविधा के बिए; बरि/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनिय4, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा केलिए ।

अत: ,अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🕾 — 14-6GY/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधः, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया ह^।

ब्यवसायिक भूमि एस० सं० 106/1, लट्टवाडी गांव, नामकल तालका (दस्तावेज सं० 1021/83)

> आर० पी० पिल्ली सक्षमं प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 2-2-1984

मोद्वर:

प्ररूपे आई. टी. एन. एस.-----

नायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में विभीन सुपना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देक्षण)

अर्थेन रेंज-1, मब्रास मब्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं० 39/जुलाई/83—यतः मुझे, आर० पी० पिल्ली, आयकर निपित्यमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधानयमः' कहा गया हैं), की धारा 269-च के, अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निध्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रहः से अधिक हैं

और जिसकी सं० एस० सं० 122/1नी है, जो तिरुवेन्गोड गांव में स्थित है (और इससे उपायक में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, तिरुवेन्गोड दस्तावेज सं० 1445/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त संस्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के सिए जम्तरित की नई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिवात से जिथक है और जंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे जंतरण के सिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नसिचित उद्देश्य से उच्त जन्तरण निचित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाब की बाब्त, उसत बिधिविद्य के अधीन कर दोने के बन्तरक के द्वित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नत:, नन, उपत विधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उसत विधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के सभीन, निम्मीनियत व्यक्तियों, अर्थात् हि— (1) श्री एम० एन० रागालिंगम

(अन्तरक)

(2) श्री पेरियन्न गौण्डर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपरिस के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी वक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उनस स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्वी

भूमि और निर्माण एस सं० 122/1बी, तिरुचेन्गोडु गांव, (बस्तावेज सं० 1445/83) ।

आर० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

विनांक : 2-2-1984

माहरु 🖫

प्रकृप कार्यः टी. एन. एस.-----

जायकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायां स्थान आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास मद्रास, विनाक 2 फरवरी 1984

निदेश् सं० 55/जुलाई/1983—यतः मुझे। आर० पी० पिल्लै,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2, रेलवे स्टेशन रोड, पिन्जा गांध, रानिपेट है, जो थालाजा नगर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बालाजा नगर दस्तावेज मं० 1913/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आव की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; झीर/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ... (1) श्रीपी० श्री • महीनाय

(अन्तरक)

(2) श्री अहमद बाणा

(अग्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्ज पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षत के लिए कार्यवाहियां करता हुं.

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी माक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्वविश्व सुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित हैं, नहीं क्षेद्रोगा जो उस अध्याय में दिया गया है!

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 2, रेलवे स्टेशन रोड; पिन्जी गांव, . रानीपेट, वालाजा नगर, (वस्तावेज सं० 1913/83)

आरं पी विस्तै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेज-1, मजस

विनांक : 2-2-198**4**

मोहर ॥

अरूप आहु . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, मब्रास
मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं० 61/जुलाई/1983-यतः मुझे, म्रार० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० वार्ड सं० 1, है, जो बाजार स्ट्रीट, फस्ट स्ट्रीट, पोस्ट ग्राफिस स्ट्रीट समीप, कंडयनलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूकी में ग्रौर पूर्णक्प से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कंडयनलूर दस्तावेज सं० 1338/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 1 जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उच्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिस्तित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निकालिकित क्यांकितयों, अर्थात् :--

(1) श्री वेम्बैय्यर धर्म सभा सासनम

(अन्तरक)

(2) डाक्टर सी० एम० मूर्ती

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकती व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्ने 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकान।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

भूमि ग्रौर निर्माण वार्ड सं० 1, बाजार स्ट्रीट, फस्ट स्ट्रीट, पोस्ट ग्राफिस स्ट्रीट समीप, कडयनलूर (दस्तावेज सं० 1338/83)

> न्नार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 2-2-1984

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं० $64/\sqrt[4]{$ जुलाई/1983—यतः मुझे, भ्रार० पी० पिल्लै.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं एस रास्त के 101, है, जो बोडिनायक मन पट्टी गांव सेलम जिला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से जिला है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सैवापेट दस्तावेज सं 2448/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक जुलाई, 1983 को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गमा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधील, निम्निनिष्ठित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री एम० मोहम्मव कमाललुद्दीन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भार० चिन्नस्यामी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्धन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपरित में हिसबद्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्हीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[‡] वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ह[‡]।

नन्सूची

भूमि एस० सं- 101, बोदिनायकनपट्टी गांव, सेलम जिला-, दस्तावेज सं० 2448/83 ।

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

विनांक : 2-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आइ. दी. एन . एस . -----

श्री पार्तसारंथी घीर प्रन्यः

(अन्तरक)

2) श्रीमती निर्मला सन्तानम

(भ्रन्तरिती)

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निवेश सं० 65/जुलाई/83—यत: मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 32 है, जो कोडैकानल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्ष अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सैदापेट दस्तावेज सं० 2373/83 में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जुलाई 1983,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथांपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पायां गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उच्चोदय से उक्त अन्तरण बिलिस में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किती जाय की बाबत, खक्त विधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससी ज्वाने में सूबिधा के जिए; बॉट्/बा
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी अन या अन्य अपित्यों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हो।

उन्तर संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थक्तियों में से किसी स्थक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

भूमि एस० सं० 32, कोडैक्कानल (दस्तावेज सं० 2373/83)।

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–1, मद्रास

दिनांक : 2-2-1984

मोहर 🗄

प्रकार नार्वा हो । एवं । एस . ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का.4ू3) की भारत 269-भ (1) के अभीन सुभना "

भाइत बुडकाड

कार्यातयः, सहायक नायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं० 79/जुलाई/83-यतः मुझे, म्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 734, टी० एच० रोड, है, जो नया वाषरमैन पेट मद्रास-81 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राय पुरम दस्तावेज सं० 1254, 1255/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई, 1983.

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूख्य से कम के स्वयमानें प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूख्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त वीधीणबस के जभीन कर दोने के जन्तरक के वाधिरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विष्यु: बार्डिंगा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया चाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निस्निधित अधिकतयों, कक्की स्— (1) श्री सी० मोहन चैट्टियार

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जानकी ग्रौर ग्रार० चेल्लकनी नाडार (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूजाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत् सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्येप रू--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (खं)। इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकारी

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वहा है।

नगुसूची

भूमि श्रौर निर्माण सं० 734, टी० एव० रोड, नया बाषरमैन पेट (दस्तावेज सं० 1254, 1255/83)

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 2-2-1984

भोहरु 🛭

प्ररूप नाइ. टी. एन्. एस. ----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

(1) श्री ़राघवा रामानुज दासर चारिटीस

(भ्रन्तरक)

(2) हन्सारीमाल एस० दोशी

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

269-घ (1) के अधीन सुचना

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं० 82/जुलाई/83—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राप्तिकारों को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 13, नम्बुलिग्रय्यर स्ट्रीट है, जो जार्ज टौन
मद्रास—1 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से
विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सौकारपेट
दस्तावेज सं० 32 /83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जुलाई, 1983,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्ध्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने
का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नीलीखत अध्ववेषयों से उक्त बन्तरण सिचित
वे वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः बद् उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह स्चना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

भूमि भ्रौर निर्माण सं० 13, नम्बुलि भ्रय्यर स्ट्रीट, जार्ज टौन, मद्रास—1 (वस्तावेज सं० 32/83)

> ग्रार० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–1, मद्रास

विनांक : 2-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

(1) श्री एम० वेनुगोपाल

(2) श्री जीं० अ० वन्दार

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं० 83/जुलाई/83—अतः मुझे, आर० पी० पिल्ले, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १८69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० 38, वेंकटाचल मुदली स्ट्रीट, पार्क टौन है, जो मद्रास-3में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सौकारपेट दस्तावेज सं० 328/83में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983

त्रिक का 16) के अधान, दिनाक जुलाइ, 1983
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
गन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- ांक) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम का धार्य 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात :—

15--6GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः ्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विजया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 38, वेंकटाचल मुदली स्ट्रीट, पार्क टौन, मद्रास-3 (दस्तावेज सं० 328/83)।

> आर० पी० पिल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 2-2-1984

प्रकृष बाइं. टी. एन. एस्.-----

भारा क्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं० 84/जुलाई/83—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह चिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नयी सं० 27 है, जो कुप्पैय्यर स्ट्रीट, मद्रास-I में स्थित है (और इससे उपाबद्ध नुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सौकारपेट दस्तावेज सं० 331/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पृथिकत संपत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिक ल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिल का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिपियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे दबने प्रेम्विधा के तिए: आर्/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय काय-बर किमीन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती, द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

. बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा १६९-घ की एणधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात हु—

- (1) श्रीमती आर० मरस्वती और अन्य (अन्तरक)
- (2) श्री एल० ई० मोहम्मद सुल्तान और 5 अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्यांक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पन् सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथ हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

अनुसची

भूमि और निर्माण नयी सं० 27, कुप्पैय्यर स्ट्रीट, मद्रास-1 (दस्तावेज सं० 331/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 2-2-1984

प्ररूप आर्थः दी. एत्. एस्.-----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निर**ीक्षण**) अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं० 85/जुलाई/83—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, क्षायकर लिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसदा उचित याजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 9, है, जो बं रम्मन स्ट्रीट, मद्रास-3 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और र्णक्ष्प से विणित है), रिजस्ट्री-कार्त अधिकारी के कार्यालय, सींकारपेट दस्तावेज सं० 339/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरिक्ष की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, भिम्निलिसित उद्देश्य एं उस्त अन्तरण सिवित् भे वास्तरिक अप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आम की वाबत, इक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्याने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अतः, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सुधीन, निम्निस्थिक न्यक्तियों सुधीन, निम्निस्थिक न्यक्तियों सुधीन,

(1) श्री ए० पलानी चेट्टी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वीरबाला आर० दुवे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अयिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यंक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं का से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिश्वित में किए जा सकांगे।

स्पस्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शुक्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हांगर, जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

भूमि और निर्माण सं० 9, बन्गारम्मन स्ट्रीट, मद्रास-3 (दस्सावेज सं० 339/83) ।

आर०पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-I, मद्रास

दिनांक : 2-2-1984

शंहर 🗧

प्रकप बाई . दी . एन . एख . ------

भायकड अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-ा, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 फरवर्ग 1984

निर्देश सं० 93/जुलाई/83—अत: मुझे, आर.० पी० पिरूलें, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 34, सीयाल मुदली स्ट्रीट है, जो पुद्धेट मद्रास-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय,, पेरियामेट (दस्तावेज सं० 797/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अर्धत्न, दिनावा जुलाई, 1983 को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्बेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की एसे दश्यमान प्रतिफल का

पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती

(अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथ पाणा गया प्रति-

काल, निम्नलिक्ति उद्देशय में उपन अन्तरण जिस्ति यो यास्तिविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं**हुई** किसी आय की बाबत, उत्कत्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचारे मों सविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री एम० एच० दुरस्वामी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती संगिली बालम्माल अमलदास

(अन्तरिती)

क्षों यह सूचना आरी करके पृत्रों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारांस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, यही अर्थ होशा जो उस शख्याय में दिला गया है।

अनुसुची

भूमि और निर्माण म० 34, सायाल भुदर्भा स्ट्रोट, पुदुपेट, भद्रास-2 (दस्तावेज सं० 797/83)

आर० पी० पिल्लैं, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मतः अर्था, उक्त अधिनियम की धारा 269-म कं अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) भी जधीन, निम्नीलिखिय व्यिवित्यों, अर्थात् :- ~

दिनांक : 2-2-19**8**4

महिर :

प्ररूप हार्दे टी० एन० एस०~~~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

(1) श्री एस० जैयम श्रीनिवासन

(अन्त रक)

(2) श्रीमर्ना एस० शाकुन्तले

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कायीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-6, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984 . निदंश सं 96/जुलाई/83-यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हो

और जिसकी मं० आर० एस० मं० 207, तिरुमन्मलम है, जो अन्ता नगर, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अन्तानगर, मद्रास दस्तावेज सं० 2284/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्सिबक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्य मों कमी करने या उससे अधने मों स्विधा को लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाग या किसी भन या बस्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गदा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अवः, उत्तरं अधिनियम क्षी धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्निलिखित व्यापितयों, अधीत :--- कां यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त 'अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

भूमि निर्माण आर॰ एस० सं० 207, तिरुमन्गलम्, अन्ना नगर, मद्रास (दस्तावेज सं० 2284/83)

> आर० पों० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, मधास

दिनांक : 2-2-1984

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.-----

(1) श्री एच० अहमद तम्बी

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सूजना

(2) श्री पीर्ण सेंकोटुवेलु गौन्छर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्राम

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं० 98/जुलाई/1983--यतः मुझे आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं। और जिसकी संबदीय एसाय संब 96, है, तथा जोअना नगर, मद्रास में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) ,रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ता नगर, मद्रास दस्तावेज सं २ 2303/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983, को पूर्वक्ति सम्भत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रशतिफल निम्नलिखित उक्कारेग से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिविक रूप से कथित नहीं िकया गया है:---

- (क) अंतरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बामित्व में कभी करने या उससे मचने में श्रीचित्रा क लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिणने में स्विधा खे लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण टी॰ एस॰ सं॰ 96, अन्ना नगर, मद्रास (दस्तावेज सं॰ 2303/83)

> आर० पी॰ पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज न रेंज--1,मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिचित् व्यक्तितालें, अधीत् [---

दिनांक : 2-2-1984

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस. ------

(1) भी केंच बीच ग्रष्णान कदी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहना द्राष्णस्वामीi

(अन्त(रत्री)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन गेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं० 99/जलाई/1983-यन: मुझे, आर० पी०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- रत. से अधिक है

औय जिसकी सं ० प्लाट सं ० 4094 है, तथा जो मुल्लम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी। के कार्यालय, अन्ता नगर, मदास दस्तावेज सं० 2326/83 में रिजस्द्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक धायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी या किसी धन या अन्य को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: उब, टक्त अधिनियम की धाग 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिट व्यक्तियों, अर्थातु :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस, से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिपबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जो सकरो।

स्पष्टीक १ण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्करत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा,, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स ची

भिम और निर्माण प्लाट सं० ४०९४, मुल्लम गांव (दस्तावेज मं० 2326/83)

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 2-2-1984

प्रकथ. बाइ. डी. एन. एस. ----

(1) श्रीमती आर० जानकी

ं(अन्तरक)

(2) वी० एस० सरोजा

(अन्तरिती)

• आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-6, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं 0 100/जुलाई/83—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, बायकर विधिनियम, 1964 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

अौर जिसकी सं 3, III कास स्ट्रीट, है, जो यूनाइटेड इण्डिया नगर, अयनावरम मद्रास-23 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्नानगर, मद्रास दस्तावेज सं 2417/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय, की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था एकिट में स्विधा के लिए;

जतः जब उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भा, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मैं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में पर्भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गसा है।

अनुसूची

> .आर०पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 2-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आर्द्धः टी. एत. एड्र. -------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ा, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं० 104/जुलाई/83— यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, शायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्लैके परवात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की भारा 269- है के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 3655, है, जो मुल्लम गांव में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्य से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ता नगर, मद्रास दस्तावेज सं० 2535/83 में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983,

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रितिक्रल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तय पावा गया प्रतिक्रक कि निम्नीसित उद्देश्य से उच्ते अंतरण निम्नीसित में बास्तीयक एए हे किया नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण ते हुई किची नाम की बाबत इक्त निभ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के सायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए बीए/का
- (ब) इसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के मिन्;

यतः अब उनत अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण मों, मौं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— 16---6GI/84 (1) श्री आर० के० पलनी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपच में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अभाह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें त्रयुक्त सन्धों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बर संस्थि

भिम और निर्माण प्लाट मं० 3655, मुल्लम गांव, (दस्तावेज गं० 2535/83)

> ग्रार०पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज—I, मद्रास

दिनांक: 2-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं० 105/जुलाई/83-यतः मुझे, आरं०पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ?69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुत. से अधिक हैं और जिसकी सं० प्लाट सं० 1382/आर्रजन अन्ना नगर है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर, मद्रासं दस्तावेज सं० 2547/83 में भारतीय रजिस्ट्री क रण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983, को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सृविधा के लिए; बौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिराने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती एम० एस० लक्ष्मी अम्माल

(अन्तरक)

(2) श्री पी० के० राधाकृष्णन

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वीक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति-द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए डा स्टॉर्ग ।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

भूमि और निर्माण प्लाट सं० 1382, अरिजन अन्ना नगर, मद्रास (दस्तावेज सं० 2547/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 2-2-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत त्रकार

कार्याल्य, सहायक आयकर लायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं ० 106/जुलाई/83-यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्राक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा थ269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी संब प्लाट संव 3362, है, जो अन्ना नगर, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर, मद्रास दस्तावेज सं० 2607/83 में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, - 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाँक जुलाई, 1983, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिली (अंतरितियाँ) के दीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री ए० सन्तानाम

(अन्तरक)

(2) श्री के० पी० गनेसन और अन्य

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

्उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निधित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण प्लाट सं० 3362-आई, अन्ना नगर; मद्रास (दस्तावेज सं० 2607/83)

> आर० पी० पिल्ल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 2-2-1984

मोहर 🗈

प्ररूप जाई. टी. एम. एस. ------

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्बाग्य, सहायक भायकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी, 1984

निदेश सं० 116/जुलाई/83—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269 के बाधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 1. क्रेसेण्ड रोड, शेनाई नगर, है, जो मदास-30 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में विणत है,) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मदास-11 दस्तावेज सं० 2371/83 भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का बद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुए किसी बाय की वायत, उक्त जीभनियस के वभीन कर दोनें के अस्तरक के दायित्व में कजी करने क उससे बचने में सुविधा के सिए; जीर/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा का किया जाना चाहिए था, 'डिपान में मूर्विधा के सिए;

(1) कुमारी जीव पार्वती

(अन्तरक)

(2) श्री कें पादवन

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सू से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारम;
- (ख) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

भूमि और निर्माण सं० 10, क्रेसेण्ड रोड, णनाई नगुर, मद्रास-30 (दस्तावेज सं० 2371/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, मन्नास

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांकः : 2-2-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांकः 2 फरवरी 1984

निदेश सं० 117/जुलाई/83-अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं 3, हतुमन्तटायन कोडल स्ट्रीट, मद्रास-3 है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उत्तर मद्रास-II, मद्रास दस्तावेज सं 2529/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई. 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य के उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

(1) श्री भागीरधी नारारण राष

(अन्तरंक)

(2) श्रीमती चेल्लाथायी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य न्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्ध होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भिम और निर्माण सं० 3, हनुमन्तरायन कोइल स्ट्रीट, भन्नास-3 (दस्तावेज सं० 2529/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-6.मद्रास

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 2-2-1984

मोहर ः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना (1) श्री जे॰ ज्ञानसिंगामनी डाक्टर जयकर पाल (अन्तरक)

(2) श्री ए० चिन्तामनी और मुस्गेसन

(अन्सरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मदास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश मं० 126/जुलाई/1983-अतः मुझे, आए० पी० पिल्लै,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 1434 है, जो नागरकोधिल गांव : स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागरकोधिल दरतावेज सं० 1485, 1511/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 18) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983.

को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और एक गह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत गम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देष्यों से उन्त अन्तरण निस्ति मे नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करु देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्वन में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंमे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्परित के वजन के लिए कार्यवाही शुरू कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तहसंबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में स कि ही व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपा में प्रकाशन की सारांश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेगी।

न्यस्टीकरण: ----इस्स प्रयूपत शब्दी और पदा का, जो उदस अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित हरैं, वहीं अर्थ हाया जो उस अध्याम से दिस्मा गया हैं।

अभूस्ची

.भूमि एस० सं० 1434, नागरकोयिल गांव, (दस्तावेज र्सं० 1485, 1511/83)

आर० पा० पिल्लै मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-6, मद्रास

अतः अ्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित ज्यक्तियों, अर्थात .--

विनाम : 2-2-1984

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं० 136/जुलाई/1983——यतः मुझे, आर० पी पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नयी सं० 6, कडप्पा, रंगैय्या चेट्टी स्ट्रीट, है, जो पेरियमेरट, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुचूर्च। में और पूर्णरूप से विणत है), रज़िस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-II दस्तावेज सं० 2579/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983,

की पूर्वीक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणादनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिणाने से स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री एम० के० माधव राव

(अन्तरक)

(2) श्री वी० एम० फासु रहमान

(अन्तरिती)

को .यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भूमि और निर्माण नयी सं० 6, कडप्पा रंगैय्य चेट्टी स्ट्रीट, पेटियमेट, मद्रास दस्तावेज सं० 2579/83।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयर्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 2-2-1984

प्रस्प बाई.टी.एव.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना (1) श्री एम० रामस्यामी चेड्रियार

(अन्तरकः)

(2) श्री एम० कुलन्तैस्वामी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा, मन्नास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं० 137/जुलाई/1983—-यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रमके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी मं० एस० मं० 58/2, है, जो जिन्ताल वहम्पट्टी गांव पलती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पलती—। दस्तावेज सं० 1184/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, दिनांक जुलाई, 1983,

को पूर्णेक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हूँ और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित ने सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के किए; बीर/बा
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अैनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अधीतः :— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपक में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्त्री

भूमि और निर्माण एस० मं० 58/2, चिन्मालवश्रम्पट्टी गाँव, पलनी (सस्मावेज सं० 1184/83)

आर० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकाती सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

धिनांक: 2-2-1984

भोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजि-1, मद्रास मद्रास, दिनांक ३ फरवरी 1984

निदेण सं० 139/जुलाई/1973-अयतः मुझे, आ४० पी० पिल्ली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं ० प्लाट सं ० 1839 है, जो विह्लिवायकम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अमूसूची में और पूर्णस्प मे वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ता नगर, मद्रास दस्तावेज सं ० 2405/83 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जलाई 1983.

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983, को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का जिन्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निक्निलिखित उद्शेष्ट में उक्त अन्तरण लिखित है हाम्नुविक रूप में क्षिय नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दार्थित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ जन्तरिती द्वारा पक्ट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थास् :---- 17--661/84

(1) श्री के० एम० चाको

(अन्तरक)

(2) श्री पुदुग्रामम बालकृष्ण दान्नी

(अन्तरिती)

को **यह मुखना जारी कारके पृथीव**स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, षो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

नगराची

भूमि और निर्माण प्लाट सं० 1839, विल्लिखाक्कम, अन्ता नगर, मब्रास (दस्तावेज सं० 2405/83)

> आर० पी० पिल्सै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 2-2-1984

अरूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मदास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं० 60/अगस्त/1983-यतः मुझे, आर० पी० पिल्ली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

और जिसकी मं० आर० एम० सं० 4317/8 और 4319/8, है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद अनूसूची में न्और पूर्णरूप से विणित है), रिजट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुरम दस्ताबेजसं० 1435/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1983, को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से एसे खर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में याम्नविक रूप से किथा गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्रीमती एन० सत्यवामा और अन्य ੵ
 - (अन्तरितीरक)
- (2) श्री उमेष नारायण सिंग

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि आए० एस० सं० 4317/8 और 4319/8, मब्रास वस्तावेज सं० 1435/83 ।

> आर० पी० पिरुप्तै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 2-2-1984

प्रास्तप अरहाँ. टी. एन. एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, महास

मद्रास, दिनांग 2 फरवरी 1984

निवेश सं० 67/ग्रगस्त/1983-यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० नयी सं० 21, राजाबादर स्ट्रीट, पेरम्बूर, है, जो मद्रास-11 में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-11 दस्तावेज सं० 2729/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक प्रगस्त 1983,

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, या धन-(1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जनः, उक्त अधिनियम काँधारा 269-ग क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ह—— (1) श्री एस॰ कोवण्डरामम

(अन्तरक)

(2) श्री एन० सुक्रमणि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि और निर्माण नयी सं० 21, राजाबादर स्ट्रीट पेरम्बूर भद्रास-II (दस्तावेज सं० 2729/83)

> आर० पी० पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास

विनोम : 2-2-1984

भातुर 🛭

ं प्रकृषः आहुः. टी. एम. एस. ------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-भ (1) के अभीन सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्वायक गायकर गायुक्त (निरक्षिण)

. अर्जन रेंज-1⁻ मद्रास

मद्रासः; दिनांकः 2 फरवरी 1984

निवेश सं० 77/ग्रगस्त/1983—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

कायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 7, है, जो केन्नमें लेन, एग्मोर, मद्रास-8 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं (रिजस्ट्रोनर्सा अधिकारों के कार्यालय पेरियमेट दस्तावेज मं० 847/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे मंतरण के निए तय पाया यमा प्रतिफल निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अंतरण निध्नित में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते. हुई किसी बाय की बाबता, उक्त बीधीनयम के बधीन कर दोने के बंतरक के बायित्य में कामी करने या उससे बचने में मिषधा के लिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूबिधा के सिए;

जतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-म के जन्सरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (।) के जभीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, जमित् :-- (1) श्रीमती अलगु लक्ष्मी

(अन्तरम)

(2) श्री एन० पी० वी० रामस्वामी उडेयार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

जनत संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ंक में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 7, केन्तमे लेन, एग्मोर, मद्रास-8 (दस्तावेज सं० 847/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी 'सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--1, मद्रास

दिनांक : 2-2-1984

महिर:

प्ररूप बार्ड , दी., एव . एस ., -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

'भारता सद्धकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं० . 93/अगस्त/1983-यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह पिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० प्लाट सं० 4462, ओय- 99 है, जो अरिमट अन्ना नगर, मद्रास-40 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यान्त्य अन्नानगर, मद्रास दस्तावेज सं० 2654/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय करी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या जससे अपने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंगी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात् :—

(1) श्री के० कृष्ण कूर्प

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एन० सिवप्रसाद

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकारी।

स्पष्टोकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वपुस्ची

भूमि और निर्माण सं० ओर 99, प्लाट सं० 4462, अरिमट अन्ना नगर, मद्रास-40 (दस्तावेण सं० 2654/83)

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहाययः भायकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास

दिशांक : 2-2-1984

माहर :

प्ररूप बाह्र . टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

(1) श्री चम्पालाल जैन और जन्य

(अन्तरक)

(2) सेण्ट्रल होटस्स प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

भारत बुरकार

कार्यात्तय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मब्रास, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं० 114/जुलाई/1983-यतः मुझे, आर० पी० पिल्ली,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 26 औय 27, पूनमल्ली हाई रोड है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजात है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-1 दस्तावेज सं० 2476/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983 को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्ववेश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है इन्य

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी कर्षने या उससे अधने में सुविधा के बिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आरितयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम बा धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सें सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को वह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन् के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के शंजपण में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थानितयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थानितयों में से किसी स्थानित दुवारा;
- (क) इस सुष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पर्व्याकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूमी

भूमि और निर्माण सं० 26 और 27, पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास (दस्तावेण सं० 2476/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अजैन रेंज-1, महास

विनांपा: 2-2-1984

मोहर 🖫

प्रक्म भार .टी.एन.एस.-----

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निर्दीक्षण) अर्जन रोज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 187817—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं० टी० एस०-13, है, जो कोठमबाकम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायीलय, कोठमबाखम (डाक्य्मेंटस 2029/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिमित्रम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; जरि/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिसी द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, कियाने में सुविधा की लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के सर्थान, निम्नीकिका व्यक्तियों अर्थात् क्र— (1) श्रीमती जयलक्ष्मी और अदर्स

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० लीलावती

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि—सर्वे 13, कोठमबाखम (डाक्यूमेंट 2029/83))

आर॰ पी॰ पिल्सैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-बो, महास

दिनांक : 13-2-1984

मोहर 🕄

प्रकृप बाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज दो, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निवेश सं० 18999-यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रापये से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 6994, मद्रास-17 है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तियागराय नगर दस्तावेज सं० 935/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जलाई, 1983,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वादय से उक्त अन्तरण जिल्लित में नाम्निलिख रूप में किया नहीं किया गया है :--

- (का) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी फरने वा उससे वचने में स्विधा के सिए; और/वा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिल्हें भारतीय अाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

(1) श्री ए० एन० वेन्कट्रांमण

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० जानकी और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, त्रों भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्यो

भूमि और निर्माण टी॰ एस॰ सं॰ 6994, मद्रास---17। (दस्तावेण सं॰ 935/83)

> आर० पी पिल्लै संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-दो, मद्रास

अतः अवः उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में.. अगत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

दिनांका : 13-2-1984

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज थो, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेण सं० 13111 - यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 3065/1भी2, 3065/2भी है, जो ऊठी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊठी दस्सावेज सं० 550/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—18—6GI/84

(1) मेंसर्स सुदर्शन इण्टरनेशनल लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) लिजु तोमस ट्रस्ट

(अन्तरिती)

को यह संचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० एस० सं० 3065/1भी 72, 3065/ भी 2, ऊठी ।

(दस्तावेज सं० 550/83) ।

आरः पी० पिल्ली सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज दो, मद्रास

दिनांक : 13-2-1984

माहर:

प्रक्ष बाह् दी .पन्.पर .-----

श्रायकर प्रविनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

काश्चासिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-दो, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 13041-यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर प्रितियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व॰ से अधिक है

और जिसकी सं० एस० मं० 1358/1ए, 1 सी, कुन्नूर है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कुन्नूर (दस्तावेज सं० 926/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983,

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृत्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृत्यमान प्रतिफल का पण्डल प्रतिक्षत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तविक स्था में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से तुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के किए; और/श
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य प्रन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृशिक्षा के लिए।

ं अप्तः क्षवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिवित व्यृक्तियों, अर्थात :— (1) डाक्टर स्टीफन

(अन्सरक)

(2) श्री अब्रहाम वर्गीस

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्यां सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

वक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब खें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भीक अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ब्राविस के किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्वकटीक रणः --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को अक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण एस० सं० 1358/1ए, 1सी कून्नूर (यस्तावेज सं० 926/83) ।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-दो, मद्रास

दिनांक : 13-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप मार्ड .टी .एन .एस . -----

मायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (पिर्टीक्षण) अर्जन रेंज-बो, मद्रास

मद्रास, विनांक 13 फरवरी 1984

निवेश सं 18744-यतः मुझे, आरः पीः, पिल्ले, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उच्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राभिकारी की वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रांसे अधिक हैं

25,000/- र. स अविक हु
और जिसकों सं० आर० एस० 3901/बी है, जो बोट क्लब रोड

II एवेन्यू मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णक्ष्प से बीणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय तौसनटकेंटस (डाक्यूमेट 642/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जुलाई 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानां चाहिए था, डिप्पाने में सुविभा के किए;

वतः जब उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नतिविद्य व्यक्तियों, अधीत् ∷— (1) पुनलूर पेपर मिल्स

(अन्तरक)

(2) रूप सूठ

(अन्सरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळ्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—आर० एस० 3901/8, बोट क्लब रोड, ।। एवेन्यू, मद्रास । (डाक्यूमेंट 642/83)

> आर० पी० पिरुतै सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-दो, मद्रास

दिनांक : 13-2-1984

मोहर 🤌

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरक्षिण) अर्जन रेंज, II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं 18964-यतः मुझे, आर० पी पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

औय जिसकी सं० टी० एस० 3837/5, सीसम्मा एक्सटेनशन है, जो मैलापुर मद्रास में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में प्रोर पूर्ण रूप से विज्ञत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेण्ट्रल (डाक्यूमेंट 15/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनोक जुलाई 1983

कों पूर्वीक्त सम्पत्ति के शिखत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ग्रुयित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उत्थल अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री एस चेल्लम्माला

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी समता रेड्डी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से, 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रण. — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि और निर्माण— टी॰ एस॰ 3837/5 सीतम्मा एक्सटेंन्शन, मैलापूर, मद्रास । (डाक्युमेंट 15/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज दो, मद्रास

दिनांक : 13-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज II, मजास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निवेण सं० 18853—अयतः मुझे, आर० पी० पिल्लं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुठ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 24, है, जो प्रकाश मुदली स्ट्रीट मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ध्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोका सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, इसके दृश्यमान प्रतिकार से, ऐस दृश्यमान प्रतिकार का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्नलिखित स्देश्य से अन्त बन्तरण विखात में बास्तिक कप से कथित नहीं किया क्या है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के ब्न्तुरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा स्रो निए; श्रीट्र/या
- (क) एसी किसी आयु या किसी धनु या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाउतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सव, उनन विधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा ((1)) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

- (1) श्रीमती इन्दिरा रंगाचारी और अदर्स (अन्तरक)
- (2) कुमारी सकुन्तला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसनी

भूमि—-24, प्रकाश मुदली स्ट्रीट मद्रास । (डाक्यूमेंट 717/83)

> आर० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , मद्रास

विनोक है: 13-2-1984

मोप्तर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज दो, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेण सं० 18741-यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उंचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० 44, है, जो स्ट्रीट, जियलक्षमीपुरम मद्रास-I 34 में स्थित है और इससे उपाबद्ध और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजच्द्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, थाऊजेंडलाईटस (डाक्यूमेंटस 624/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरण सं हुन्हैं किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती मंजुला गौयल

(अन्तरक)

(2) श्री सरफूद्दीन फजल अली भगत और एनअदर्से (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्तिः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकी।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नमुस्ची

भूमि और निर्माण--44, I स्ट्रीट जयलकक्मीपुरम, मद्रास -34 (डाक्यू मेंट--624/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 13-2-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आइ .टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सःरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज—II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 18876——यतः मुझे, झार० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुठ से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 64, है, जो लस चर्च रोड मद्रास-4 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णस्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय मैलापूर (डाक्यूमेंट 858/83) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री जानकी मोहन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कमल हासन श्रीर वानी कमल हासन (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

·भूमि-64, लस वर्च रोड, मद्रास—4 । (डाक्यूमेंट 8581/83)

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जुन रेंज–II, मद्रास

दिनांक : 13-2-1984

मोहर ः

प्ररूप मार्ड.टी.एम.एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 18842—यतः मुझे, श्रार०ेपी, पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रीधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं:

श्रौर जिसकी सं ० टी० एस० 8641/5, है, जो बी एन० रेड्डी रोड, मब्रास—17 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मब्रास नाथ (डाक्युमेंट 2298, 2307, 2308/83) में रिजस्ट्रीक श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दशमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती यमुना श्रौर श्रदर्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती नगवंती महबूबनी श्रौर श्रदर्स (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- . (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
 - (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पन्छ किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ शोगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्वी

भूमि—टी० एस—8641/2, बी० एन० रेड्डी रोड—मद्रास—17 (डाक्यूमेंट 2298, 2307, 2308/83)

> म्रार० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अ,र्जन रेंज—II, मद्रास

दिनांक : 13-2-1984

मोहरू 🥹

प्ररूप बाइं : टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती उदयचन्द्रिका

(ग्रन्तरक)

आयकर आधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

(2) एच० एम० ग्रहमदा

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास. दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं ० 18998—यतः मुझे, स्रार० पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इइसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य · 25,000/- रु. से अधिक है ग्रौर जिसकी सं ० 2, रामनाथन स्ट्रीट है, जो महालिंगपुरम मदास् इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर में स्थित है (ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय थाऊसेंडलाईटस (डाक्यूमेंट 57/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जुलाई 1983, को पर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपीति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और

अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए । तय

पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक : के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)। के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए!

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—2, रामनाथन स्ट्रीट, महालिंगमपुरम, मद्रास (डाक्यूमेंट 57/83)

श्रार० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थातः : - 19—6GI/84

दिनांक : 13-2-1984

मोहर ः

प्रस्य आहें, टी. एन. एस.,-----

(1) श्रीमती रजाक

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

(2) श्री धनराज, मिना

(भ्रन्त(रती)

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 18985— यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 93 है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कोडमबाकम (डाक्यूमेंट 2124/ए3) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जुलाई, 1983

का अवान, विनास जुनाइ, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीन ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त जंतरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अझ्य या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सुविधा के लिए;

वतः वद, उक्त मधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, क्यांत् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं. 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति च्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

भिम और निर्माण--93. IV एवेन्यु मद्राय--83 । (डाक्युमेंट 2124/83)

> स्नार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-II, मद्राम

दिनांक : 13-2-1984

मोचर 🦠

शरूप शाइ. टी. एन. एस.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

ग्रर्जन रेंज-11, मद्रास मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 18597---यतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० श्रार० एस० 58/9, है, जो सेंटार्ज कैंथे ड्रल . रोड मद्रास 86 में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णस्प मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मद्रास सेण्ट्रल (डाक्यूमेंट 34/83) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16 के ग्रधीन दिनांक जुलाई 1983, को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मृक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विचित्त में वास्तिथक एप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) असरण सं हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे वभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

नतः सन, उनत अधिनियम की धारा 269-न के, अनुसरण में, में उनत अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रामकंटना, उदयाणा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनिलाल बापालाल फैमिली बेनीफिट ट्रस्ट (अन्तरिक्षी)

को यह स्थाना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के पुष्प कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किमी जन्म व्यक्ति इवारा अभोहम्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रार० एस 58/9, सेंट जार्ज कथे दूस रोड, मब्रास-8 (श्राक्य्मेंट 34/83)

श्रार० पी० पिल्लै सक्षमं प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज–II, मद्रास

विनांक: 13-2-1984

मोहर 🖟

प्ररूप नाइरे. टी., एन., इस. - - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्पालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मन्नास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निवेश सं 18870-यतः मुझे, श्रार० गी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-छ के अगीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 26, डाक्टर राधाकृष्णन रोड है, जो मद्रास-4 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मैंलापूर (डाक्यूमेंट 879/83) में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक जुलाई, 1983,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरंण संहुद्धं किसी आय की बासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) एसी किसी आय गा किसी अन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत हैं--- (1) श्री चटनसबा पती

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती इन्दिरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्षा के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिझ की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दिकरण — इसमी प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मी दिया गया है।

अम्सूची

भूमि श्रोर निर्माण---26, डाक्टर राधाकृष्णन रोड; मद्रास-4 (डाक्यूमेंट 879/83)

श्राप्तः पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 11, मद्रास

दिनांक : 13-2-1984

महिर 🥫

प्ररूप बाइ ैं टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भ.रत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 18844— यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० टी० एस० 10/4 बी को डंडारममन को इल स्ट्रीट है, जो मद्रास-33 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णस्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय टी० नगर (डाक्यूमेंट 710/83) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिप्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गवा है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) के० कमला

(श्रन्तरक)

(2) एन के राजामनी

(श्रन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

भूमि टी० एस०-10/4 बी, को**ड**ण्डारा**मयस कोयिल स्ट्री**ट, मद्रास-33 । (डाक्यूमेंट -710/83)

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज , मद्रास

दिनांक : 13-2-1984

मोहार 🔞

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

(1) गोविन्दन नायर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राममूर्ती

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज Il, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निवेश सं० 19795-यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे 394/1 है, जो कोडमबाकम में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, कोडमबाकम (डाक्यूमेंट 1949/83) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित न्हीं किया गया है:——

- (वा) जन्तरण से हुई किसी जार्य की बाबत, उक्त जिसीनयम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-त के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों अर्थात् ः— को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत में व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जन्नत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

नम्स्ची

भूमि --सर्वे 394/1, कांडमबाकम (डाक्यूमेंट 1949/83)

श्चार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 13-2-1984

महिर 🖫

प्रकार बाहु . टी . एन . एस . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

अप्यनिय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज II, मन्नास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निवेश सं० 18790—यतः मुझे, आर० पी० पिहलै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 91, है, जो तिरुवल्लुवरपुरम I स्ट्रीट, मद्रास— 94 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोडमवाकम (डाक्यूमेंट 1978/83) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक इस से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण में हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के निए; और/मा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी भन या नन्य नास्तियाँ करें, जिन्हीं भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा जक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सविधा के सिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) क्रे अधीन निम्नलिखित व्यक्तिसमें अथिह :--- (1) श्री समिलरमी

(ग्रन्गर क)

(2) श्री गोविन्दराजन

(श्रन्त रिवी)

को गृह सूचना बारी कार के पूर्वांक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पृतित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जगत्त भी

भूमि श्रौर निर्माण---91, तिरुवल्ल् बरपुरम । स्ट्रीट मद्रास-94 । (डाक्युमेंट 1978/83)

> श्चार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज Ц, मद्रास

दिनांक : 13-2-1984

माहर:

प्रकृष बाद् . ट्री. एन. एस.....

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मब्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 13114—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसप्रे इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्री विनय नगर राइस श्रीर श्रायल मिल है, जो सिवगिरी में स्थित है (श्रीर इससे उपावछ में अनुसूची श्रीर पूर्णरूप सेवणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सिवगिरी (डाक्यूमेंट 691/83) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक जुलाई 1983 को - धॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान प्रति ... के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों ते सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी भाय की नामत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अखने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, श्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती पी० अरुनाचला गौंडर और पोंगियण्म गोडर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कुमारस्वामी ग्रौर भ्रदर्म

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण—श्री विनयनगर राइस श्रौर श्रायल मिल, सिवगिरी (डाक्यूमेंट 641/83)

> श्रार० पी० पिल्लै मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊋ मद्रास

दिनांक : 13-2-1984

मोहर:

प्रकृप बाह् , टौ., एन., एस.,-----

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 1312—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लं श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

धौर जिसकी सं० सर्वे नं० 773/2 बी० 1 ए० 1 ए० है, जो ऊट्टी में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ऊट्टी (डाकुमेंट 587/83) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16)

के प्रधीन दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पन्द्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्ट्य से उक्त अन्तरण निस्तित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरे अचने में सुविधा के लिए; जोड़/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या भरा-कार अधिनियम, या भरा-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित ३---20—6GI/84 1. श्री गिल

(ग्रन्सरक)

2. श्री रामू

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब खें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यप्रशिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे 773/2 बी 1 ए 1 ए, ऊट्टी, (डाकुमेंट नं० 587/83)।

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-, मद्रास

तारी**ख 13-2-19**84 मो**हर** 🛭 प्ररूप बाह्रं.टी.एव.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

म्रौर जिसकी सं० 18/59 है, जो बवानी में स्थित है (म्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बवानी में (डाकुमेंट नं० 1363/ 83) में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के म्रधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अंतरण लिखिन में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अंतरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, व्यिपाने में सुविधा के सिए;

1. श्री एन शनमुद्धम,

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० एस० करुप्पनन, घोंडर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पूर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकी थे।

स्पव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

भूमि] ग्रीर निर्माण 18/59, बवानी (शकुमेंट नं० व

मार० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, मद्रास

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात :---

तारीख: 13-2-1984

मोहर 🖫

प्रथम नाहौ हो पुन् पुर्ध =======

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ज (1) के मुभीन सुचुना

भारत सूहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परेचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है, की भार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 30, है तथा जो हनुमनतरायम कोयल स्ट्रीट मद्रास-5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय द्रिपिलकेन (डाकुमेंट 51/8/83) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिन नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक, जुलाई 1983 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तरिक रूप से कांवत नहीं किया गया है :—

- (कं)। अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के तिए; और्/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तिया का, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती चुवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के निए;

जतः, जद, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण कों, मीं, उक्त जिभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को जभीन, निम्नसिचित् स्विचित्रों∤, जभीत् क्र— श्री तिस्नारायन

(मन्तरक)

2. श्री नारायन स्वामी नायखर,

(श्रन्तरिती)

को यह सुपना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्ष 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार्य;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याय व्यक्ति के पास सिकित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण 39, हनुमनतमरायन, कोयिल स्ट्रीट, मद्रास-5 (डाकुमेंट नं ० 518/83)।

> ग्नार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-^{II}, मद्रास

तारीख: 13-2-1984

मोहर 🔅

प्ररूप बार्ष: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 18847—-ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 54 है, तथा जो तिरुमलै, पिल्लै रो,ड मद्रास-17 में स्थित है (श्रौर इससे उपाद्यद्व धनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रुप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्टकारी के कार्यालय टी॰ नगर, (डाकुमेंट सं० 689/83) में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठि- नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन? जुलाई 1983 को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार म्स्य से कम के उत्थमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का

पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती

(अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है ः—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व धायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; औड़/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सूबिधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धाय 269-ग के अभूतरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धार 269-ज की उपधार (1) के अधीन, निम्नितिकित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. श्रो विनायकम

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुन्नमनियम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो मी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण : इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि और निर्माण 54, तिष्मल, पिल्ल, रोड, मद्रास-17 (ज्ञाकुमेंट सं॰ 689/83)।

श्चार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-ं, मद्रास

सारीख: 13-2-1984

मोहर 🛭

प्रकप आहें.टी. एन . एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, मन्राम

गद्रास, दिनाक 13 फरवरी 1984

निवंश सं० 18959—स्तः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 46 है, तथा जो कालेज रोड, मद्रास-6 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से अणित है) र्जिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय मद्रास सेंट्रल, (डाकुमेंट 31/83) में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन विनांक जुलाई, 1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुभं यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए एक पाया गया प्रतिफल निश्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तिम में बास्तविक स्प से किथात नहीं किया नया है

- (क) अन्तर्भ से शुरू किसी अप की बाबत, क्वत विधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय वा किसी धन वा बन्य जारितकों को जिन्हों भारतीय आयकर जीवनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याद्य प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए;

श्री शिव शतकर श्रीर अन्य

(भन्तरक)

 पावरसेट एसेम्बलसं, पावर सप्लायसं

(थ्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तस्यम्बन्धी व्यक्तियों .पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अध्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्याद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

मन्स्पी

भूमि फ्रांर निर्माण 46, कालेज, रोड, मद्रास 6 (डाकुमेंट 31/83)।

म्रार० पी० पिरुले मक्सम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्वास

जत शक्त अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त किथिनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तिसमों, अधीत्:—

तारीख: 13-2-1984

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-व(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास , दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं 18989—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तं अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट 24, के० के० नगर, विल्लिवानकम है, जो मद्रास-49 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमबट्टूर, (डाकुमेंट नं० 3906/83) में रिजस्ट्री-करण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ही:——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--- श्री कन्नम्माल विष्णखेलु

(ग्रन्तरक)

2. जान जोसफ

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ग्रनुसूधी

भूमि ग्रॉर निर्माण-24, के० के० नगर, विल्लिवास्कम, मद्रास-49 (डाकुमेंट 3906/83)।

> भ्रार० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , मद्रास

विन कि : 13-2-1984

मोहर .

प्रस्प बाड . टी. एस. एस. -----

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणे)

श्रर्जन रेज-II. मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 18954--- प्रतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाचार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 10 है, जो बेगम साहिब स्ट्रीट, मौंट रोड, मद्रास-2 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय द्रिपलिकेन, (बाक् मेंट नं० 551/83) में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक ही और मंतरक (मंत्रकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित भें बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बावत, उक्त निधानयम के नधीन कर देने के मृत्तरक के इसिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को. जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थअन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए।

अत: शब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, जक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

1 श्री पहिलाजिराय बालाजी

(ग्रम्तरक)

श्रीपी० ग्रणोक

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां स्रक्ष करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुचवा के राथपत्र में प्रकाशन की तारीबासे 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर प्रोंक्त व्यक्तियाँ भें से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में **हितबद्**ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकुरेंगे ।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गुवा 🗗 ।

नन्स्वी

भूमि और निर्माण 10, बेगम साहिब स्ट्रीट, मौंट रोड, मद्रास-2 (डाकुर्मेंट 551/83) ।

> श्रार० पी० पिरुलै. सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II, मदास

तारीख: 13-2-1984

माहर:

प्रकल. आई. टी. एन. एस. - - - -

नायकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीत स्थता

भारत सरकार

कार्यानयः, सहायक भायकर भायकः (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 18900— अतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,0007- से आधक है

शौर जिसकी सं 152 है, तथा जो सेनतोम है रोड है जो

मन्नास-4 में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध झनुसूची में भौर जो

पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय

मैलापूर में (डाकुमेंट नं 912/83) में रिजस्ट्रीकरण अधि
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनाक जुलाई, 83
को पूर्व क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान
अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्व क्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान अतिफल से, एसे इत्यमान अतिफल का
पंद्रह अतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
अतिफल, निम्नीलिंबत उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिंबत में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया इ

- '(क) अन्तरण से हुक् किसी आय की बाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और√या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभ्योरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना के हिएँ था, रिल्पान में स्थिन के लिए;

जतः जभा, उत्पत्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्पात् :—- 1. श्री कानठलिंगम

(ग्रन्तरक)

2. श्री जायस पोन्नैया

(भ्रन्सरिती)

भो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां, करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोड् भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

भूमि 152, सेनतोम है रोड, मब्रास-4 (डाकुमेंट 912/83)

श्रार० पी० पिल्ली, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

नारीख: 13-2-1984

मोहर:

भूकपुर नाइं, टी. एन्. एस., ----

1. श्री जलाल ग्रौर ग्रन्य

(भ्रन्तरक)

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के अधीन सुचना 2. श्री जनत गनी

(मन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 18892—यतः मुझे, प्रार० पी० पिल्लं नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 13, है, जो श्रानगेरी, मट रोझ, मद्राम-28 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मैलापूर (डाकुमेंट 934/83) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिशित उद्देश्य में उक्त अंतरण निवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था-या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण

में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

को अधीन,, निम्नसिखित व्यक्तियों, वर्षात् ः---

को यह सुवना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण 13, श्री नगेरी, मट रोड, मद्रास-28 (डाकुमेंट 934/83)।

श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 13-2-1984

मोहर /

21 -6GI/84

प्रकथ बार्च टी.एन.एस.-----

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व(1) के नधीन सुपता

भारत मरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निवेश सं० 18821— यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लैं बायकर किंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सरवे नं० 275/2, 276/2, 278/1, 278/2, 273/1/82, 280, 284/1 288, 289/1 है, जो नोलमबूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमबद्दूर (डाकुमेंट 3715/83) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्यों क्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य . उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नितिश्वत उद्देष्य से उक्त अन्तरण निश्वति में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया यया है:---

- (क) जनतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स जिथानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया जाना चाहिए जा, कियाने में सुविधा के विदः

अतः उब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्

1. श्री वासुवेवन

(भ्रन्तरक)

2. श्री सोमसुन्दरम

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्पित्यों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जबधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्पित्यों में से किसी स्पित्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बृह्म किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बभोइस्ताक्षरी केंक्ष्र पास लिखित में किए या सकोंगे।

स्थळतीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्वों का, जो उक्त विविविद्या की अध्याद 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस व्यास में द्विता गया है।

मनुसूची

भूमि सरवे 275/2, 273/1, 2, 276/2, 278/1 278/2, 280, 281/1, 288, 289/1, नोलमबूर , (डाकुमेंट 3715/83') ।

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 13-2-1984

मोहर :

प्ररूप नार्द्रा. टी. एन. एस. - - - --

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 18786—अतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक्ने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 4 है, 57 सी स्ट्रीट, 10सी एवेन्यू, है, जो मद्रास-83 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कोठमवाखम, (श्राकुमेंट 2041/83), में रिजस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिकित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया थाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1. बालु

(ग्रन्तरक)

2. चन्द्र मौली

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण 4, (सी 631), 57 सी स्ट्रीट, 10 सी एवेन्यू, मद्रास-83 (डाकुमेंट 2041/83) ।

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजडी, मद्रास

जतः जल, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उच्चारा (1) के अधीत्र जिल्लीकिस्ति व्यक्तिस्त्यों जिल्लीकि स्लब्स

तारीख : 13-2-1984

मोहर 🖫

प्रकृष बाह्य । दी , एवं , एवं ,-:::::::::::

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 18748—अतः मुझे, आंर० पी० पिल्ली बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवातः 'उक्त बिधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रापये से बिधिक हैं

और जिसकी सं० 88 है, जो साउथ वेस्ट बाग रोड, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूध) में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्राकर्ता, प्रधिकारी के कार्यालय टी० नगर, (डाकुमेंट 768/83) रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनौंक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित भाषार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आहु/बा
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए।

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है— 1. श्री हबीर रहमान

(अन्तरक)

2. गौतम कन्स्ट्रक्शन

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्विक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी वाक्षेप :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उकत 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्तु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

भुमि श्रीर निर्माण-88 सौत वेस्ट बोग रोड मद्रास-17 (डाकुमेंट नं० 768/83),

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 13-2-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहें, टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मदास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निर्देश सं 18739—यतः मुझे आर पि पिल्ली बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

औय जिसकी सं० 5 है, जो अडयार बोट क्लब रोड, मद्रास-28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय तौसन टलाइट्रम डाक्सेंट 641/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी बाय या किसी धून या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती बुवाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

नतः जन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण मैं, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्निमित्तिक स्थानितयों, अर्थात् हिन्स (1) मैं० पुनसूत्र पेपर मिल्स

(अन्तरक)

(2) मैं ॰ इंडिया फोरज और ड्राप स्टेमपिंग लिमिटेड (अन्तरिती)

का यह सूचना कारी करके पूर्वीक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया॰ गवा है।

मन्स्ची

भूमि और निर्माण--- 5, अडयार बोट क्लब रोड, मद्रास-28 (डाक्मेंट 641/83)

आर० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 13-2-1984

मोहर 🖫

प्रक्ष कार्ड, टी, एन, एस..-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निवेंग सं० 13110-यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी संज्ञारण शर्म है स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय ऊट्टी (डाक्सेंट 572, 573/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेस्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किया जाय की भावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीह/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः श्रव, ज्ञत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण औं, मैं, ज्ञनत अधिनियम की धारा 269-ग की उपागरा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पिनतयों, अधित् क्र— (1) श्री रिव कुमार

(अन्तरक)

(2) श्री सैघल, काकामस्लन,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनः की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्यी

भूमी---आर॰ एस॰ 1672/1, ऊट्टी। (डाम्पट 572, 573/83)

> आर० पी० पिल्ज़ें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-2, मन्नास

तारी**ज**: 13-2-1984

मोहर ध

प्रकष् भाषां । टर्ने , एम , एस , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2. मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फर्बरी 1984

निवेश सं० 18953—-यतः मुझे, आए० पी० पिल्लै बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 48, अन्ना साले है, जो मद्रास 2 में स्थित है (और इससे उपाबद अनसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिपलिकेन (डाक्सेंट 560, 561/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1983

को प्वों वत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के कश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वें वित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जनसरण से हुई किसी जाय की वायस, उच्छ निर्माणम में सभीन कर दोने के अभारक के दायित्व में कभी करने वा उच्छे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या फिसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के निय;

जतः जब, उक्त जीभनियम की भारा 269-ग के जन्त्रण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, जर्भात् ह— (1) मैं० मीको बिलडर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सीमा हरिचन्द और अदसं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी स्थितता पर स्थान की तासील से 30 दिन की जबिंध, जो भी कविंध बाद में समाप्त होती हो, ले भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, यही अर्थ होगा यो उस अध्याय में विका यवा इं।

अन्स्ची

भूमि---48, अन्ना सालै मद्रास-2। (डाक्मेंट 560, 561/83)

> आर० पी० पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 13-2-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय', सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं 13003/13004—यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 1013, 13/19/2, 18, 23, 17/1, 17/2, 21/1 है, जो 23, 24/1, 70/4 नडुहट्टी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटिंगरी (डाक्सेंट नं० 660-663/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उपयमान प्रतिफल से एसे उपयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:-- (1) श्री नंजप्या चेट्टियार और रामानुजम

(अन्तरक)-

(2) श्री कीडीस्वरत और अदर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—आर॰ एस॰ 10/3, 13, 19/2, 18, 23, 17/1, 17/2, 21/1, 23, 24/1 और 70/4, नजुह्दी

(डाक्मेंट नं० 660---663/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 13-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

. (1) श्री ग्रप्पाव चेट्टियार

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीहज्जा सरदार जेहान

(भ्रन्सरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- घ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984 निर्वेश सं० 18846 यतः मुझे ग्रार० पी० पिल्लै,

ेबायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है^{*}

श्रीर जिसकी मं० 20 है, जो सौत बोग रोड, मद्रास-17 में स्थित है (भौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी नगर (डाक्सेंट नं० 688, 687/83) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जुलाई, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) केबीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदुदोह्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, जीधीनयम के अधीन कर दोने के अस्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के सिए; बौर/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्ही भारतीयं आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उप्ततः अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिएः

को यह सूचना भारी कारके पूर्वोक्त सम्पह्लिके अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

अन्स्थी

भूमी---20, सौत बोग रोड, मद्रास-17 । (डाक्मेंटन० 687, 688/83)

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),. ग्रर्जन रेंज-2, मब्रास

अन्तः अव, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

भारीख: 13-2-198**4**

. मोहर :

22 -6GI/84

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

स्नायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का र् 3) की धारा 269-प (1) के अधीन स्पना

भारत सूरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्राम

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

'निदेश सं० 10424-- यहः मुझे, ऋार० पी० पिल्लै,

बायकर अधिनियम, 196 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधि म' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सरवे 19/20 है, जो कोट्टपट्ट दिनी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूनी में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिनी (डाब्सेंट नं० 5128, 5447/83) में रिजस्ट्रीकरण ग्रंधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्त्र में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री रामकृष्नं

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद इलियास और ग्राठमशो

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 कि दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस का 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि—प्रखे 19/2 कोट्टपट्ट ट्रिची । (डाक्मेंट 4128, 5447/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 13-2-84

माहर :

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस. ------

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रयोग सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, मद्राभ

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निर्देश सं०. 13005---यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर प्रिक्षित्मम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख की अर्थान सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है जिस्सावर समाति, जिल्ला उनित बाजार पूष्य 25,000/- दे स्रिक्षक है

श्रीर जिसकी सं असर्वे \$38, है, जो जें अं के कोलनल्ली इरोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कोठुमुठी (डाक्समेंट 619--621/83) में र्राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बीर मूके यह विश्वास करने का कारण है कि संधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के लीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के-अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सूविधा के लिए;

(1) श्री नंजम्माल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुनदरम ग्रीर ग्रदर्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को वर्जन को सम्बन्ध में कोष्ठ भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी सं से 45 ज़न की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिया पर मूचना की नामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में ने किसी क्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचा ह राज्यवाचे कालान को तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य कावित द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

ण्यकीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दा श्रीर पदों का, जो उकत श्रविनियन के प्रश्नाय 20-क में परिभाषित है, बही श्रवे होगा, जो उस अध्याप में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—-थर्वे 138, नजैकोलानल्ली । (डाक्मेंट 619, 620, 621/83)

> ग्रार० पी० पिल्नै सझम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज÷2, मन्नास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उप-धारा (1) कें अधीन, निम्नलि**वित व्यक्तियों, अर्थात्**ः—

तारीख: 13-2∎1984

मोहर 🚁

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस. ----

भायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यां स्वयं, सहायक नायकर नायुक्तं (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984 निदेश सं० 18642---यतः मुझे, न्नार० पी० पिल्लै,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु ।, की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० 3/5 है, जो वेलचेरी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्री-कर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, सैदापिट (डाक्सेंट 1433, 1434, 1435/83) में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई, 1983

को प्राेंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त- भिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उकत अधि-िन्यम के बधीन कर बोने के अन्तरक के धाँयत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उदल अधिनियम की धारा 269-ण उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिबत व्यक्तियों अर्थात् हरू

(1) श्रीबी० एल० वस

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रर्मानक लाल कलयानजी, श्रीराम, दाकशायनी चंडिलया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पात्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन को तारीच से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के सध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया स्या हैं।

श्रनुसूची

भूमी—टी० एस० 3/5, बेलचेरी । (डाक्सेंट 1433, 1434, 1435/83)

> आर० पी० पिल्लै ृसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंब-2, मद्रास

दिनांक 13-2-1984

मोहर 🕹

त्ररूप बाई . टौ., एन., एस., -----

1. श्री आर० एस० वासन और अन्य

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

2. श्री लक्ष्मी और जगन्नाथन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवर्र। 1984

निदेश सं० 18849—पतः मुझे, आरं० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसका सं 18 है तथा जो चारी स्ट्रीट मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और जो पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी नगर (डाकुमेंट 739, 740/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खिए तमें वास्तीवक हुए से कथित नहीं किया गया है.:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करणे वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अय या किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था था किया जाना चाहिए था, जिनार्थ स्विधा के निए;

जत: जब उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- का यह सूचभा जारी करके प्वाँक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की नविध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तिसाँ प्र सूचना की तामील से 30 दिन को नविध, जो भी नविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, वो उकत् विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

बम्स्ची

भूमि और निर्माण 18, चारी स्ट्रीट, मद्रास-17 (डाकुमेंट 739, 740/83)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 13-2-1984

मोहर:

प्रस्प वाइ . टी. एन. एस. - - - ----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्राम, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेण सं 18987--अतः मुझे, आर० पी० पिल्लं शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी प्लाट 11, 16, 20, बीं व जीं व पीं व, गोल्डन सी है जो वियू, पार्ट 1, II, III, पालवाकम, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय में अडयार (डाकूमेंट 1893/1896/ 83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विफल, निम्न्तिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 वी० जी० पी० इन्वेस्टमेंटस अल्फीन्स; बेताबट: चन्द्र मूरती। वी० जो० पी० स्कवेयर मद्रास-13।

(अन्तरक)

2. श्री ज्ञानमशा वैशानवी, संत्यमूर्ती

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सं , 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकींगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसम् प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम क्षे अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया ग्या हैं।

नग्तरी

भूमि लाट 11, 16, 20, 67, बी॰ जी॰ पी॰ गोल्डन, सी॰ वियू, $I_{\rm e}, I_{\rm e},$

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶2, मद्रास

तारीख : 13-2-1984

मोहर 😉

प्रस्प. आई. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्राम

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी, 1984

ृ निदेश मं० 18781-यतः मुझे आर० पी० पिल्लै, बैायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्ष्मिक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहः से बिधिक है

25,000/- के से बायक है और जिसकी संवर्ध के निर्मात है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्राप्त (डाकुमेंट 1218, 1219/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का निष्त बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का निष्त बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का निष्त का अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक हम में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइं िकती आयं की बाबत, जक्त अभिनियम के अधीन कर रोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे अघने मों स्विधा के लिए; आदि/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिगों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के स्विधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनसरण में, में अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अधीतः :— 1. श्री वरलक्ष्मी, सरस्वती,

(अन्सरक)

 श्री मुक्कृत कुमार, मुधीर कुमार

(अन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त</mark> सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता **ह**ूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्यिक्तयों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहेस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रची

म्मि— सर्वे 641, 647, 643/83 बेलनेरी (डाक्सेंट 1218, 1219/83)।

आर० पी० पिल्लै मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

नारीखा : 13-2-1984

मोहर:

प्ररूप. जाइ. टी. एन. एस. -----

अध्यक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 7, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फ रवरी, 1984

निदेश मं० 18909—अयतः मुझे आर० पी० पिल्लै बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का छाएण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

औप जिसकी मं० है, जो मप्रास में स्थित है (अ2ज इसमे उपाह्मद्व अनुसूची में और जत पूर्ण रुवे से विजत है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्या य मद्रास सौत (डाक्कुमेंट ग2407 83) में रिजिच्ट्रीकरअ अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के दिनांक जुलातू, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात :→ श्री कीवराज मोटर्स लिमिटेड,

(अन्तरक)

2. कीयराज चोरिङया ट्रस्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि और निर्मणि मद्रास (डाकूमेंट 2407/83)।

आर० पी०, पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायवा आयवार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 2, मद्रास

तारीख: 13-2-1984

मोहर:

प्ररूप आर्द्धः टी. एन. एसः - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-च (1) के अधीन स्थना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज. 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी, 1984

निदेश सं 18922—अतः मुझे आर् पी पिल्लै भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा \$69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 115/3ए, है, जो तिस्वानिम रेंज में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णस्प में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय मद्रास मौत (डाक्सेंट 2207/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अबीत दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दरगमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मृत्य उसको दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक हुए से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित क्यिस्तर्यों, अर्थात् :--- 23---6GI/84

1. श्री राम लिंगम,

(अन्तरक)

2. गंगाधरनः

(अन्तं रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक से 45. दिन की अविध या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पार लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सूची

भूमि — आर० एस० 115/3ए तिस्वानमियूर (खाकूमेंट 2207/83)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−2, मद्रास

दिनांग : 13-2-1984

मोहर :

प्रकप् वादः, टी., एन्, एस्,=-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984 निदेश सं० 18782--यस: मुझे आप०पी० पिल्लै

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० सर्वे नं० 316/1है, जो वेलचेरी में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैदापेट (डाक्सेंट 1325/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उयुवर्ष से उक्त अन्तरण लिखित् में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की बाबत, उक्छ अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)। को सभीन निम्निलाचत व्यक्तियों, अर्थात् के

1. सेलवराज मुदलियार और अदरस

(भ्रन्तरक)

2. श्री वेनुगोपाल

(अन्तरिती)

सर्वे यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविशत में किए का सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं.⊪

ननुसूची

भूमि-सरवे 316/1, वेलचेरी (डाक्मेंट 1325/83)

आरः पी० पिरुलं गक्षम प्राधिकारी सहामक शायकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 13-2-1984

मोहर

प्रकृप भार्षः टी. एन. एस. - - - ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेण सं० 18586—अतः मुझे आर० पी० पिल्लै आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 42 है, जो अन्ता साले, मद्राम-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप न वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिपितकेन, (डाक्मेंट 498/83) में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण शिसित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बागत; उक्त अभिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायाचा मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एगी किसो आय या किसी अन या अन्य आस्तिया का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. हीराल कन्स्ट्रमणस्म,

(अन्तरक)

2. भी आनन्द

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृथिकत संपत्ति के अर्जन की हिलाए कार्यशाहियां कपता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्विक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीच में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरण --इसमे पयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्त्र्वी

· भूमि---42; अन्ता सालै, महास-2 (डाकमेंट 498/83)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

सारीख: 13-2-1984

मोहर :

अरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेण सं० 18901---यतः मुझे, आर्० पी० पिल्सै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक 🐔 और जिसकी सं० सर्वे नं० 3660/29 है, जो सेयंट मैरीस रोड, मद्रास-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापुर (डाकुमेंट 909/83) में राजिम्हीकरण अधिनिधम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एंसे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय

पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूजिश के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियी को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपान से स्विधा के लिए।

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— 1. श्री वैनकट चेरिटीज

(अन्तरक)

2. श्रं। वैद्यनाथन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से, 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिपबच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरणः —— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

भूमि और निर्माण सर्वे नं० 3660/29, नेयन्ट मैरीस रोड, मदास-18 (डाक्मेंट 909/83 ।

आर० पी० पिल्लै मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तार[ी]खाः 13-2-1984

मोहर :

प्ररूप बाह्रं, टी. एन एसं, -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2,मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं 18750— - यतः मुझे आप्र परि फिल्लें सायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संज सर्वे नंज 630, 625/2. 629 है, जो वेलचेरी, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सैदापेट (डाकुमेंट 1257, 1214, 1227/83), में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को प्वांबत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्वश्य से उचत अन्तरण लिखिम मे वाम्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर,रक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय जा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 260-च के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निस्निनिक्त व्यक्तियों, अर्थात — 1. श्री दसरतन, सेतगम्माल, नागलक्ष्मी,

(अन्तरक)

2. दि तमिलनाडु, ए०जी० आफिस स्टाफ को-आपरेटिब बिल्डिंग, सोसायटी लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्ष्मत सम्मास्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षंप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि सर्वे 630, 625/2, 629, वेलचेरी सेदापेट (ज्ञाक्मेंट 1257, 1214, 1227/83) ।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, मद्रास

दिनांक: 13-2-1984

प्ररूप बार्च. टी. रून. एस. - - - ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2. मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 18894—श्रतः मुझे श्रारं० भी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 44 है, जो सैनतोम हाई रोड, मद्रास-4 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मैलापूर में (डाकुमेंट 928/83) में रंजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे मधने में सुविधा के सिए; और/या
- (वा) एसे किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिये;

1. श्री पाप्प गनपती

(श्रन्तरक)

2. ग्रब्दुल उम्माल बगीरल

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रतिक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

नगत्त्वी

भूमि श्रीर निर्माण 44, सनतीम हाई रोड, भद्रास-4 (डाकुमेन्ट 928/83) ।

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, मब्रास

अतः अवः, उवःत अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

तारीख: 13-2-1984

प्ररूप जाई. टी. एन. एस. ----

श्री श्रानन्द भास्करन शिवमनीः

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अभीन स्वना

2. पलनी जी० घेरिस्थामी. श्रीर विभालक्ष्मी पेरियास्वामी

(श्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निषेण सं० 18742-यतः मुझे प्रार ० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसको परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० 552/2 है, जो नुंगमबाखम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रन्सूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से र्वाणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय थासन्टलैट्स, (डाकूमेंट 622/83) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वकित सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिशल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :→

- (क) बन्तरण से हुए किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसे किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली वृकारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए 🖫

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित को अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, अे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वेक्ति व्यक्तियों में में विसी व्यक्ति दवादा
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-का में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा पया है ।

अनुसूची

भूमि ग्रार० एस० 552/2, नुंगमबाखम, (डाक्सेंट 622/83) 1

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, मद्रास

नारीख: 13-2-1984

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज,-2, मद्राम

मद्राम, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं 18899—श्रतः मुझे श्रार० पी० पिल्ले भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 14, बालाजी नगर II, स्ट्रीट है, जो मद्राम-14 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापूर (डाक्सेंट 913/83), में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक जुलाई, 83

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्य अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उनत निर्मानसम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे सचने में सुविधा के लिए: और/वा
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. ए० लक्ष्मी

(म्रन्तरकः)

2. श्री सैयद बनीर श्रहमद

(श्रन्तरिती)

क्षां यह स्वाना घारी करके पृशांक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जक्त सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धा व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ववित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निकाम में किए जा नकेंगे।

(पष्टीकरण—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रवी

भूमि 14, बालाजी नगर II, स्ट्रीट, मिरसाहिब पेट, मद्रास-14 (डाकुमेंट 813/83)।

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 13-2-1984

1. श्री टी० एस० कुमारगुरुनवरन, प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस. -----

(भ्रन्तरक)

2. शा० एस० जी० शिवाचियम्बरम्,

(ग्रन्सरिती)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बाय्क्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2. मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 18869-श्रतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. में आधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 44/1 है, जो वेस्ट सरकूलर रोड, मद्रास-28 में स्थित है (श्रींर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण मप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मैलापुर (डाकुमेंट 883/83) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक जुलाई, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह विद्यास कारने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रनिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिसी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रतिकल निम्नलिसित उब्दोरम से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्दे किसी अराय को बाबत, उपक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत निभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) और प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अत्र अक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--24--6GI/84

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस समना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्रध किसी अन्य अयन्ति दवारा अथोडस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्प्रकोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस मध्याय में विमा न्या है ।

भूमि श्रोर निर्माण 44/1, वेस्ट सरकुलर रोड. मद्रास-28 (डाक्ट्मेंट 883/83)।

> म्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सङ्गामक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 13-2-1984

मोहर 🖫

प्रस्प वार्ष*े द*ी_{ल (रन}ु एत_ान्नानाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मब्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 18836-ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० 13/1, है जो ईकाटूर तिरुपोरुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मद्रास नार्थ (डाकुमेंट 2305/83) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा गया है:—

- '(क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिक्ति व्यक्तियों, अर्थाहः—— ईस्ट कोस्ट लेदर्स (प्रा०) लिमिटेड , 14, हालस मद्रोड, मद्राम-10

(श्रन्तरक)

 श्रायशा मुक्रिम ट्रस्ट-29 खादर नवाजखा रोड; मद्रास-34

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीक रण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि श्रार० एस० 13/1, ईकाट्टूर तिरुपोरुर, (डाकुमेंट 2305/83)।

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 13-2-1984

मोहर 🖫

एक्य आहोल कील एक् एक्------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

बारा 269-व (1) के ब्भीन क्वना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 18921-ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० पिस्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्षेक्र पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रु. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० सरवे 142/1 है, जो तिरुवानिमयूर में स्थित हैं (भ्रौर इससें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मद्रास सांत (डाकुमेंट 2304/83) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जुलाई, 1983

को प्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री बी० ग्रार० बीराप्पन

(श्रन्तरक)

2. श्री डी० ग्रार० वसन्ती रंगाराजन,

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्परित के कर्जन के लिध् कार्यवाहियां करता हों।

चक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सै 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बर्घ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिचित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया स्या है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 142/1 ग्र तिख्वानमियूर, (डाकुमेंट 2304/83)।

ग्रार० पो० पिल्लै; मक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म

विनांक: 13-2-1984

मोहर 🛭

प्रकृष बाद् । स्या एष् . ---

मायुकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सुचना

बारव बुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 18948--अतः मुझे, श्राप्त० पी० पिल्ले,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इस्में इसके वश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित् बाबार मृत्यु 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 54/4 है जो मेन रोड सेयन्ट गमम मीट, मद्राम में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है),रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, श्रालनठूर (डाकू-मेन्ट 2545/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिवात से जिथक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक क्य से करित नहीं किया नवा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाव की वायत उकत अधि-हैंनुव्य के स्थीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्हें ब्यमें में सुविधा के निए; आर्/या
- (क) एंसी किसी नाय पा किसी भन या कथा नास्तिकों को, जिन्ह नारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सुविधा के हिए;

ा. श्रीपी० चेल्ला√न्नु

(अन्सरक)

2. श्री टी॰ एल॰ सीताराम

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के नुर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के धर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप्ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वनिध या तत्सम्थन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की वनिध, जो भी अविध बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कुत स्थितयों में से किसी स्थानित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र भी प्रकाशन की तारीस सं क्ष्य 45 दिन की भीतर सकत स्थावर संपरित मी हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का स्कींगे।

स्पक्टोक रूग: — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगस्ची

भूमि और निर्माण-54, मन रोड, सैयनट तामसमौट, मद्रास-16 (डाकुमेंट 2545/83)।

आर० पी० पिरूलं सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, मन्नास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिस्त व्यक्तियों, अधीक् :---

विनांक: 13-2-1984

मोहर 🏖

अक्ष प्राई • टी • एन • सं o---

सम्पत
 अञ्बासबायसं यक्दीन,

(अन्तरक)

मायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) को मारा 269+च (1) के प्रधीन सुचना

2. श्री मिलवाला आर अन्य

(अन्तरिती)

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मदास

मब्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 18958—ग्रतः मुझे, ग्रार०पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) फिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं । 13 है, जो व्यासरपाठी, षंषादर, मुदली स्ट्रीट, मब्रास-34में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सट्टल (डाकुमेंट 33/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 सा 16) के अधीन दिनांक जलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को निए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निम्नलिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) कुलरण ते हुई किसी बाद की बादत सकत जीध-नियम के बधीन कर दीने के बन्तरक के दायित्व में कमी कुरने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बीद/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया आना चाहिए आ, कियाने में सुविधा है सिए;

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगी।

श्राब्दीकर गर्च च्हममें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अग्निनयम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो उस वध्याय में दिया गया है।

सन्स्ची

भूमि और निर्माण 13, ज्यासरपारी, घंशावर, मुदली स्ट्रीट, मद्रास-34 (डाकुमेंट 33/83)।

आर० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मेद्रास

वतः वधः, उक्त विधिनियमः, कौ धारा 269-त के बन्तरण वों, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिचित स्याः यों, अर्थात् ॥——

नारीख: 13-2-1984

मोहर 🗵

अरूप आर्ड.टी.एन.एस. ------

नायकर् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन समना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश मं० 13032--- थनः मुझे आर० पी० पिल्ली गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया ह°), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी मं० 164सो, 9ए, कास, तिल्ल नगर, दिची में स्थित है (और इससे उपाब इसमें और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजम्दोकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्विमें (डाक्मेंट 1982

जुलाई, 1983 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तिधिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

83) में रजिस्टीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्यत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--

1. श्रो अनन्त कुष्न, मतिवान

(अन्तरक)

2. श्रीकन्नप्पन चेड्रियार

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की शामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ववारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यया है।

मनसूची

भूमि और निर्माण 164-सी, 9 ए, कास, तिल्लनगर, द्रिची (डाक्समेंट 1982/83)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, मद्रास

सारीखा: 13-2-1984

मोहर 🖫

प्रकप आहीत दीत एगात एस जनगर-----

1. श्री बैतीस्वर अय्यर

(अन्तरक)

नायक<u>र</u> निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना 2. सिवकामिसुनदरी,

(अन्तरिती)

भारत सहकार

कार्यालय, बहायक आयक्त आयुक्त (निर्शिक्षण)

अर्जनरेंज, 2; महास

भद्राम, दिनांक 13 फरवरी 1984

निवेश सं० 13014—यतः मृक्षे आर० पी० पिल्ले भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० री० एस० 6/33 है, जो कोमारपालयम, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयभ्बट्र (डाकुमेंट 2922/83') में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेष्यों से उक्त अंतरण लिखित में पास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुमरण बाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म् की उपभारा (1) के अधीन, निम्मिलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (श) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिशित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि सं टी० एम० 6/33, कोमारपालयम, (डाकुमेंट 2922/83) :

> आर० पी० पिङ्लै सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन स्रेंग 2, मद्रास

तारीख: 13-2-1984

मोहर 🛭

प्रक्ष बाइं.टी.एन.एक.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुभाग

हारत ब्रकार

कार्पालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, मद्रास

मद्राम, दिनांक 13 फ़रवरी 1984

निदेश सं० 18962-यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-रः. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 26, डाक्टर रादा कृष्ण न रोड, है, जो मदास-4 में स्थित है (औय इसमे उपावद अनुमूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास मेन्ट्रल दस्तावेज मं० 24/83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृख्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार भृस्य, उसके दरयमान प्रतिफल से ऐसे दरयमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में बृविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया भूग वा वा किया धाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

नतः अथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की, अनुसरण मी, मी उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निकान व्यक्तियों अधीत् ह— 1 श्रीके० श्रार० अहमदशा

(अन्तरक)

2 श्रोमती पी०पी० एन. कतीनाभोबी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीज के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्म स्थानत स्थारा, अभोहस्ताकारी के पास किसिक में किए का सकेंगे।

स्वक्षीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत जिथ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गय। है।

वन्स्यरे

भूमि और निर्माण सं० 25, डाक्टर राघा कृष्णन रोड मद्रास-4 (दस्तावेज सं० 24/83)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर धायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंण 2, मद्रास

तारीचा: 13-2-1984

मोहर 🦼

प्ररूप वार्ड . टी . एन . एस . -----

बायकर क्षिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्िक्षण) अर्जन रेंज \mathbf{I}_{I} , मद्राम

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 18963—अतः मुझे आर० पी० पिल्लैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा छैं69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 12, II स्ट्रीट, मब्रास -86 में स्थित हैं (और इसमें उराबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता कुधिकारी के ार्यालय मद्रास मेन्ट्रल (दस्तावेज मं० 16-8-83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908(1908 का 16 के अधीन 16 ज्लाई 1983 ...

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति चिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, डक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्य में कमी करने या उसमें दवने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में भ्विधा के लिए;

प्रत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क व्योन, निम्नतिषित व्यक्तियों, अर्थात् ;—— ए 5 ——6GI/84 1. श्री एस० महादेयन

(अन्तरक)

2. एम० एम० एक० दुस्ट

(अन्तरिती)

को यह नृजना जारी करके पृतांकत सम्परित है अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपरित में हिन्बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 12, स्ट्रीट, मद्रास-86 (दस्तावेज सं० 16/83)।

> आर० पी० पिन्सें सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, II, मद्रास

तारीख 13-2-1984 मोहर ः

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, महास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निवेश सं० 18740—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० 162, ग्रीमस रोड है, जो मद्रास-6 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय तीसन्डलैटेंस (दस्तावेज सं० 625/83 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983 को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापवाँकत संपत्ति का उचित बाजार मुल्य से कम के स्थान

उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह

प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित

में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन फर दोने के बन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तियधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीम, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. | यासीन मुद्दैदा एउटेर्स (प्रा०) हिरिटेड.
 - (अन्तरक)
- 2. राजपारिस मिविल कन्स्ट्रमशन्स,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सू 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी¹ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आहेर पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

बन्स्ची

भूमि स॰ 162, ग्रीमस रोड, मद्रास-6 (दस्तावेज सं० 625/83)।

> म्राप्य पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, मब्रास

तारीख 13-2-1984 मोहर 👙

प्रकथ नावह हैं... पुरु, वृद्ध ह ल ≥ - ----

नायकर मिनियन, 1961 (1961 का 43) की याज 269-म (1) को नभीन खुवना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फ़रवरी 1984

निवेश सं० 18851——अत: मुझे आर० पी० पिल्लै भायकर बाधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त बाधानयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से बाधिक हैं और जिसकी सं 11, पदमनाम चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-17 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णात हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तियागराज नगर दस्तावेज सं० 736/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यस करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से ऐसे द्र्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण किचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है अ---

- (क) बन्तरण से हुई किली बाब की बाबल, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्वनी करने वा उक्क बचने में सृविधा के तिए जीरू/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अधिकरणों, वर्षात् हैं— 1. श्रीटी० मीला

(अस)रक)

श्री के० आर० सोलैमुतु,

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के बिह कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बक्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वास्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खिकित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया भवा है।

मन्स्ची

भूमि और निर्माण सं 11, पद्मनाभ चेट्टी, स्ट्रीट, मद्रास-17 दास्तावेज सं० 736/83 ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- | मद्रास

नारोख 13-2-1984 मोहर ॥ प्रकृष बाई', टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मं (1) के बधीन सुवना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज ,-2, मदास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984 निदेश सं० 18929-यत: मुझे आर० पी० पिरले आयकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- २३. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 868, 869, पुनमल्ली हाई रोड, मद्रास-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुरस्वावय म दस्तावेज सं० 298/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रुश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नालिक उद्देश्य में उक्त अन्तरण निकात में रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म कास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सम्विधा के लिए;

शत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् ≔— 1. श्रीमती सरोजा और अन्य

(अन्तरक)

2. मैसर्स कुमारन इल्लम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिश्की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीक्यु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजधन में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बंद्ध किसी बन्य अपित ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीक रणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ततसरी

भूमि सं० 868, 869 पूनमल्ली, हाई रोड, मद्रास-10 दस्तावेज सं० 298/83) ।

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज 2, मद्रास

तारी**ख** 13-2-1984 मो**ह**ुइ ३ प्रकृप अरहा. टी. एन. एस.----

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

1. मैसर्स फैन होटल्स (प्रा०) लिमिटेड

(अन्तरक)

2. श्री बी० एस० लक्ष्मणन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2. मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 18883—अतः मुझे आर० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 25, 26, 27, 3/4 किलफ़टन, अन्तु स्ट्रीट है जो सान्नोम, मद्रास में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनमूची म और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यामय मैलापूर दस्तावेज सं० 841/83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिंखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई जिसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 25, 26, 27, 3/4 किलफटन अन्तुस्ट्रीट,सान्तोम, मद्रास (दस्ताबेज सं० 841/83)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

कतः त्रस उक्त विभिन्यम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीलक्ति व्यक्तियों, अभित्:—

क्षारीख 13-2-1984 मोहर ः प्ररूप बार्ड. टी. एन्. एस.------

जायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज् (1) के अभीन सुजना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, मत स मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984.

निदेश सं० 18882—अतः मुझे आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3/4, अन्तु स्ट्रीट, मद्रास-4 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापूर दस्तावेज सं० 842/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

नतः। अन उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ने, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, नुर्भात्ः— 1. श्री एम० ए० पार्थसारणी

(अन्सरक)

2. श्री आर० राजू

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि, सं० 3/4, अन्तु स्ट्रीट, मन्नास-4 (वस्तावेज सं० 842/83) ।

आए० पी० पिस्सै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेज-2, महास

तारीख 13-2-1984 बोहर 🖰 प्ररूप मार्ड, टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर काय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, महास-600006

मद्रास, विनांक 13 फरवरी 1984

निवेश मं० 18881——अतः मुझे आर० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 3/4 है अन्तु स्ट्रीट, सान्तोम है, जो मक्रास-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापूर (वस्तावेष सं० 845/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स बिधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के प्रियत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्√या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स फाईन होटल्स (प्रा०) लिमिटेड

(अन्तरक)

2. श्री एस० राधाञ्चल्पन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि सं० 3/4, अन्तु स्ट्रीट, सान्तोम, मद्रास-4 (दस्तावेज सं० 845/83)।

आर० पी० पिल्लै गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 13-2-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, महास-600006

मद्रास,दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० 18880— यतः मुझे, आर०पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 3/4, अन्तु स्ट्रीट, सान्तोम , मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में ।प्रदस्ताये ज सं० 844, 843/83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्ज जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में नृविभा के निष्ट:

शतः जन, उन्त निधिनियम की भारा 269-न के जन्मरण ने, ने उन्त निधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निध्नलिखित व्यक्तिमों, नर्भात् ध— 1. श्री एम० ए० पार्थं लारपी

(अन्तरक)

2. श्री पी० ज्ञान शकरन और एस० राजगोपालन,

(अन्तरिती)

को यह स्वान जारी करके पृथीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (कं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्पी

भिम 3/4, अन्तु स्ट्रीट, सान्तोम, मद्रास-4 (दस्तावेष साँ० 844, 843/83)।

आर**ोपी० पिल्लै** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, मद्रास

तारीख 13-2-1984 मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन गुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज 2, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निवेश सं० 18837---अत: मुझे, आर० पी० पिल्लै नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें 🜪 द्रमके पक्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० मं० 388/282, है, जो पल्लावरम, कन्टोन्मेन्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उत्तरम द्रास दस्तावेज सं० 2593/83 में राजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, इसके ख्यमान प्रतिफाल से, एसे ख्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में मास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक क दायित्व में कामी कारने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नही किया गयाथा याकिया जानाचाहिए थाछि पते में मविधा के लिए;

अत: अब,, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्हलिकित व्यक्तियों, अर्थातः :---24 -- 6GI /84

1. श्रीमती मिक्या शरफल्ली,

(अन्तरक)

2. दि हिन्दूस्तान इंजीनियरिंग ट्रेनिंग सेन्टर (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ब पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो एक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

भूमि आर० एस० सं० 388/282, पल्लाबरम कन्टोन्मेन्ट (क्स्तावेज सं० 2593/83) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2. मद्रास

तारीख: 13-2-1984

मोहर 🛭

प्ररूप माई.टी एन.एस.------

1. डेनियल सेल्लवुरें

(अन्तरका)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मुचना

2. श्री वी० यज्ञस्वामी

(अन्सरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश मं० 18794-यतः मुझे, आर्० पी० पिल्ले शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथन अधिनियम' कहा गया है), यी धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का बारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक हैं और जिसकी सं० टें० एम० सं० 7 है, जो कोडम्बाक्कम में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में विणित है) राजिन्हीकार्ता अधिकारी के कार्यालय कोडम्बाक्कम

(1908का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दस्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंत-रिनी (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में

बाम्निविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

दस्तावेज सं० 1958/83 में. राजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

- (क) अंतरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अंतरक के दायित्व मो कामी कारने या उसमें बचने माँ स्विधा के निए; और था
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एटा था या किया जाना चीहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 मतः अद्दं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभाग (1) के अधीन, निस्नितिकृत व्यक्तियों, अधीत : को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्मबंधी व्यक्तियों पर मृथना की क्षामील मं 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्च्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्त्रभी

भृमि सं० टी० एस० सं० 7, कोन्डम्बाक्कम (दस्तावेष मं० 1958/83)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 2, मद्रास

तारीख 1 3-2-1984 मोहर: प्रभ्य राष्ट्रं, टो. १२. **५स**्च======

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 4८) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, महास-600006

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1

निदेशं सं० 18967-यतः मुझे, आर० पी० पिरुले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हो

और जिसकी सं आर एस अं 46/1, रणीय मान्यान है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मेंऔर जो पूर्ण क्या में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सेन्ट्रल दस्तावेज सं 10/83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर्रिया
- (प) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में मृतिधा के लिए;

बतः कव, उक्त किभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्रो एस ए० अब्दुल रगीद

(अन्तरक)

2. श्री एम० ए० जनीर गा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (थ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमी प्रयुक्त शुन्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया है।

अमुस्ची

भूमि और निर्माण आर० एस० सं० 46/1, रशीह | मान्यान , मुद्रास ।

> आर० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, मद्रास

सारीख 13-2-1984 मोहर : प्ररूप आई. टी. एने. एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं 18968-यतः मुझे आर पी पिल्ले बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 25000/- दे से प्रधिक है

और जिसकी सं० 11. विजयलक्ष्मी स्ट्रीट है, जो महालिन्ग पुरम, मद्रास-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सेन्द्रस, दस्तावेज सं० 7/83 में राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जलाई, 1983

का पूर्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है बीर अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनिसम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृत्रिधा के सिए;

श्री एम० कृष्णामूर्ति

(अन्तरक)

2. श्री जी० गोविन्द स्वामी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भीठ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्यब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

भूमि और निर्माण सं० 11, विजयलक्ष्मी स्ट्रीट, महालिगम-पुरम, मद्रास-34 (दस्तावेज सं० 7/83)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिनगरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, मद्रास

जतः अस, उक्त निधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त निधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के मुधीन, निध्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारी**ज** 13-2-1984

प्ररूपः आई. टी. एनः एसः - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मदास-600006

मद्रास, दिनांक 13 फ रवरी,1

निवेण सं० 18969—स्तः मुझे, आर०पी० पित्लं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें , इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस्की सं० 12. कामराज सालाई, मद्रास-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास मेन्द्रल दग्हा है। सं० 2/83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1983

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं तम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पाइह प्रतिश्वत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रीयत्त्र में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (च) ऐसी फिसो भाय या किसी मन या भ्रेस्त श्राहितयों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर भणिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पश्चितियम, या धन-कर भश्चितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सम्मारिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्थिधों के लिए;

जतः जन, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के जगुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती मीनाक्षी और अन्य

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती पी० नीलावर्ती

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षय :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राख से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियाँ में में जिस्सी व्यक्तियाँ;
- (१) ज्यान्यचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यष्ट्रीकरण: --इसमे प्रमुक्त शब्दी और पदो का, पी उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

संस्थातीं

भूमि और निर्माण सं० 12, कामराज साल, मद्रास-18 (दस्तायेज सं० 2/83)।

आर० पी० पिब्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

पारीच 13-2-1984 मोहर :

प्रकृष नाहर् हों पुरु एस् एस् -----

नायुकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायुक् आयकार् आयुक्त (निरुक्षिण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रांस दिनांक 13 फरवरी, 1984

निद्दश सं० 10447-अतः मुझे आर० पी० पिल्लै बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' क्रहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं मेलगपनामपट्ट, वाडालूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजच्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय वाडालूर दस्तावेज सं 1006/83 में रिजच्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वेक्सि संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कार्ण है कि यभापूर्वेक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ्भाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः अब उपत अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उपत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पॉन्तमों, अश्रीत् :— 1. श्री जानादिकम

(अन्तरक)

2. श्री करुपुरवामी

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारों कारके पूज का सुम्<mark>यात के अर्जन के लिए</mark> कार्यकारह्या करता हा।

उकत सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति स्वारा, अधोहस्साक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उबत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगेर जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भ्मि मेलापापनामपेट्टु, वङालूर (दस्तावेज सं० 1006/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन 2रेंज मद्रास

तारीय 13-2-1984 मो**हर**ः प्ररूप आहुरे. टी. एन. एम.. ------

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

(अन्यतक)

2. क्षो सी० सामुयल मौन्टनिवयू

(अलरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13फरवरी, 1984

निदेण मं० 13002-अतः मुझे आर० पी० पिरुले आपसर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें दिस्सी पश्चारा 'उस्त अधितियम' कहा गया है), नति धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- म० से अधिक है

और जिसकी मं० दिनी टी० फैक्टगी, किलन्डा, है, जो ऊटी में स्थित है (और इसमे उपावद अनुसूची में और जो पूर्ण स्वे मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्या य ऊर्ट। में दस्तावेज मं० 526/83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके एर्यमान प्रतिफल से, एसे एर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्नितिशित उद्देश्य में उकत अन्तरण निश्चित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा अ. अस्त्राम, और/मा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

को यह सृष्यना चारी करके पृषोंकत सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाद में चनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से ''कसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरि।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण टैनी टी० फैक्टरी, किल कुन्छा, ऊटी (दस्तावेज मं० 526/83) ।

> आरं० ती० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी महायक अध्यक्षर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेज II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) ने अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

नारीख 13-2-1984 माहर ७

प्ररूप आर्द्धः टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की भारा 269-प (1) के अपीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी, 1984ज

निदेश सं० 13121-अतः मुझे आर० पी० पिरुसै भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्कत मधिनियम' कहा गया है), की 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 / - रत. से अधिक हैं

और जिसकी मं० सर्वे 1405, है, जो ईरीड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय ईरोड (डाक् मेंट सं० 2656/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को गुर्वेक्सि संपर्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से., एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय णया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसित में वास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की गानत, उनत विधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (वा) ऐसी किसी जाय या किसी धन जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, याधन-**कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ अन्तरिती खुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

वतः वन, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण 👫 , उन्कत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सर्थान, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् :--

1. श्री राम लिंगम

(अन्तरक)

2. श्री पूसवपन,

(अन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशम को तारीचा में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अर्थां अर्थ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पथ्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

जन्स्ची

भूमि सरवे 1405 ईरोड (डाक्नमेंट सं० 2656/83)।

आए० पी० पिरुली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्का (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, मद्राक्ष

तारोख 13-2-1984 मोहर:

प्ररूप आहे, टी. एस. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज U, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मार्चे, 1984

निदेश सं० 19084-अतः मुझे आर० पी० पिल्लै अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदबात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,060/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 11/1, है जो प्रकाश मुदली रोड, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और जो पूर्ण रूप म वीणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाकुमेंट सं० 840/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की **या**ब्त, अधिपियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एेसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से मिविभा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

ा. श्रीकानवराज खान

(नैअन्तरक)

2. श्री वास्देवन

(अन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्याक्तयो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्वारा;
- (ब) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी जन्य व्यक्ति द्वारा अभात्स्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 11/1, प्रकाण म्दालियररोड, मद्रास-17 (डाक्मेंट 840/83)।

> आर० पो० पिल्लै सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 🗓, मद्रास

शारीखा 1-3-1984 मोहर :

प्रकप ग्राई• डी• एस• एस• '

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बक्षीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मार्चे, 1984

निदेश सं० 19000 अतः मुझी आर०पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रुपए से अधिक है

और हजसकी सं० 11, 15, हैं जो सरवन मुदली स्ट्रीट, मब्रास-17 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनस्वित में और जो पूर्ण रुप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यां वर्य टी० नगर (डाकुमेंट सं० 1419/83) म रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रुपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रुपमान प्रतिफल से एसे रुपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अनतीरितयों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व के कमी करने या उससे अधने में सृविधा के चिए; बौद्र/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री बी० रविन्द्रत

(अन्तरक)

2. श्री पद्मिनी

(अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति व अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्परेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अम्स्यी

भूमि और निर्माण 11, 15, सरवन मुदली च्ट्रीट, मद्रास-17 (डाकुमेंट सं० 1419/83)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

तारी खा 1-3-1984 मोहर् प्ररूप आइं.टी.एन.एस. - - --

1. श्री राम राज रेड्डी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

2. श्री राजामल

(अन्तरिती)

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मार्च, 1984

निदेश सं० 10428-अयतः मुझे आर० पी- पिल्ल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सरवे 19/2 रा, है, जो कोट्टापट्ट, ट्रिजी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिची में (डाकुमेंट 1679, 1680/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983 है

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की बानत्, उन्तर व्यक्तियम् के अभीन कर देने के जन्तरक के व्यक्तियम् में कमी करने या उससे बचने में 'सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमूस्ची

भूमि सरवे 19/2 रा, कोट्टापट्टु, ट्रिची (डाकुमेंट 1679, में 1680/83)।

आर० पी० पिल्सै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्योक्तियों, अर्थात् र—

ता**रीखा 1-3**>84 महिर : प्ररूप बाइ². टी. एत. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

1. श्री जनेश मास्त्री और अन्य

(अन्तरक)

2. सेलवराज

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निर्धिक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

भद्रास, दिनांक 1 भार्च 1984

निदेण सं० 10430—यतः सुझे, आर० पी० पिरुलं भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पिस, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे ने० 113/1 ए, 2, 113/ई, , जो

और जिसकी सं सर्वे नं 113/1 ए, 2, 113/ई, , जो मुधालैंपट्टी में स्थित है (और इससे उपाबत अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्विची में (डाक्मेंट 1623; 1624/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिलांक जुलाई, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथिस नहीं किया गया है

- (क) अंतरण से हुन्द किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य असित्यों को जिन्ह आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

भूमि—सर्वे 113/1ए, 2, 113/ई, मुदलैपट्टी (डाक्सेट <math>1623, 1624/83)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजी1, मद्रास

अत: आव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) सुधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्ः—

तारीखा-3-1984 गोत्र**र**ा प्ररूप मार्च, टी. एप. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1984

निदेश सं० 18845--यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित गाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी संग्री में अधिक हैं कि स्थावर अपुत्ति में और जो पूर्ण रूप से विश्वत हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विश्वत हैं) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्याक्य टी॰ नगर

(डाकुमेंट 708, 709/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1983
को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, गिम्नैलिसित उद्देश्यों से उदत अन्तरण लिखित में
वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वयने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित स्थिनतथों, अधीन हिन्स

1. श्रीमती नागमस्लेखरी

(अन्तरक)

2. श्री मोतिलःल बोहरा

(अन्तरितीः)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण।

स्पस्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 19,राजगोपालन, स्ट्रीट, भद्रास-र-33 'डाकुमेंट 708, 709/83'।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरं आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज 11, मद्रास

तारीख 1-3-1984 भोहर 🕾

प्रंरूप बाइ. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ख (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरें ज , मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1984

निदेश मं० 13134—यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं टी एस० 10/597, 10/593/3, 10/595, 10/597/1-2 है, जो कृष्णनाथपुरम, कोयम्बदूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बदूर (डाकू मेंट सं 3412 से 3414/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

का पूर्वोक्स सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत्, उक्त अधिनियम् के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

श्रतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् ३-- 1. विजयलक्ष्मी और अन्य

(अन्तरक)

2. अनगम्माल, मनी, रिवचन्द्रन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विये जा सकरी।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, शही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया हैं।

मनसर्ची

भूमि टी॰ एस॰ 10/597, 593/3, 595, 597/1-2, कुल्णरायपुरम, कोयम्बट्र (डाकुमेंट 3412-3414/83)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी ्सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2,मास

तारीख 1-3-1984 मोहर ः प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मार्च, 1984

निदेश सं० 13127—अतः मुझे, आर० पी० पिल्ले भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव टीव एसव 21, चेयर मैंन कनकराजन रोड, कनकमपालयम, है, जो ऊड्मलपेट में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ऊड्मलपेट (डाकुमेंट 1481/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जिदनोंक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कैबिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- ा. श्रीमती सेमफ्स बीर्ब!

(अन्तरक)

2. श्री वीर सौदिरराजन और उदरस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यिक्सके पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जी भी अविध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त घटवाँ और पदाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

भूमि दी० एस० 21 और 22, चेयरमन कनकराजन, रोड, कनखमपालयम, ऊडूमलपेट, (डाकुमेंट 1481/83)।

> आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I^I, मद्रास

तारी**ज** 1-3-84 मोक्षर : प्रकार बाह्र . ही. एन्. एस.

कायतम्य अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269 (1) के वधीन स्थ**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास-600006 -मद्रास. दिनांक 1 मार्च 1984

निदेश सं० 10440-यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले बायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है.

और जिसकी सं० 14 ए. /2, 14/1, 14/ए. 14/एम. पेरतदराई है, जो राजा स्ट्रीट, पेरनदराई में स्थित है (और इसने उपाबद अनुसूची में और जत पूर्त रूप से बणित है) रिजर्ट्रीवर्ता अधिकार के कार्यालय इरोड (डाकुमेंट 776/83) में रिजर्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक जुलाई,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एमे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फत निम्नलिसित इद्देश्य से उत्त अन्तरण सिचित में बास्तिबक हम से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिन्यिम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः तब, उथत अधिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण मों, मों, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) वे सधीन निम्नीलिखत व्यक्तियों, वर्षात १--- 1. भी ऋष्णस्थामी और अवस्य

(अन्तरक)

2. चेन्ति घौडर

(अन्तरितीं)

का यह सुषका जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवासत्त÷ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (य) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 धिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित- स्यूप किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

मनुसूची

भूमि और निर्माण $14[v,/2,14/1,-14/v,-14/v\pi]$ राजा स्ट्रीट. पेरुनतुरै (डाकुमेंट 776/83)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

नारीख 1-3-84 मोहर: - 14 812 . c) . 41. 48

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 2, मद्रास-600006

मद्रास, विनांक 1 मार्च 1984 🗸

निवेश सं० 10436—यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'तक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० सरवे 77/3 ए, 3 ए, 73 बीबी 136/1, 136/2 बीहै, जो गुनटूर, दिजी में स्थित है (और इससे उपाबर्ध अनुसूची में थ्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिचो में स्थित है (और इससे उपाबर अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार्यालय दिचो में (डाकुमेंट 329/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 83 को पूर्वीक्स सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के बिए तब पाया नया प्रतिफल, निम्मलिकित उद्युविषय से उक्त बंतरण सिकित में बास्सिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण ते हुई किसी आब की बावल, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उचये बचने में सुनिभा के सिए; और/बा
- (क) एमी किसी बाय या किसी धन या कन्य कास्तियों की किसी कार्याय का धिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त लिखिनयम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि किया जाना चाहिए मा स्थिमाने में महिला के लिए,

1. पालसन पाईपर्स जौर प्लास्टिम्स, इन्स्ट्रीज

(अन्तरक)

2. पाडियराजन पी०वी० सी० पाईप सम्रोर प्लास्टिक्स कम्पनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यविक्षियों करता हुं।

उक्त सुम्पृत्ति के सर्पनु के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु :---

- (क) इस सूचना के राज्यात में प्रकाशन की तारीस धे 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की व्यक्ति को भी विश्व में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति इतारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर जक्त स्थात्वर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी शन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें पास निवित में किए जा सकींचे ।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त घट्टों और पर्दों का, थो उक्त जीध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदः गवा है।

वन्स्वी

भूमि और निर्माण सप्ते 77/3ए, 3ए, 76/3 नी 3 की, 136/1, 136/2 की, गुन्दूर , ट्रिकी (कानुमेंट 329/83)।

आर० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 11, मद्रास

अतः अब, उक्त जीधनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थुत् क्र—

28--6GI/84

तारीख 1-3-1984 मोहर् प्रस्प , बाई , टी , एन एस , ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंच-II, मद्रास-600006 मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1984

निदेश सं क 10427—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० लासनस रोड, है, जो ट्रिची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में औ जोर प्रूर्ण रूप से विणत है) रिजच्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिची में (डाकुमेंट 1715/83) में रिजस्ट्र करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सें उक्त अन्तरण निस्तर में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया बया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने। या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिल्दान में सविधा के किए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग जिम्मिलिया व्यक्तियों i. श्री रामलक्षी

(अन्तरक)

2. कले जेलवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में किई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पढ़ सूचना की तामींन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकंगे।

• स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[‡], वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया • गया है।

वगस्यी

भूमि और निर्माण 4 जी लासनस रोड, ट्रिजी (डाक्मेंट 1715/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख 1-3-1984 मोहर्गः प्रकृष् जाइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-च** (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायांसथ, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज - , महास

मद्रास, विनांक 1 मार्च 1984

ानदेण सं० 19083—यतः मुझे आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 14 है, जो अशोक रोड, मब्रास-18 में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित

है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापूर (डाकुमेंट 1060/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गीई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का जन्द्रष्ट प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किती साथ की बायत, उक्त सीधीनवृक्षे अधीत कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे ब्याने में सुनिधा के सिए; और√या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अस्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः सतः, उक्त जीभीन्यमं कौ भारा 269-ण के सनुसरण में, में, उक्त सभिनियमं की भारा 269-ण की उपभागः (1) के सभीन्, निस्मीसीवतं स्मिक्तमों, जर्भात् ः—— 1. भी के॰ एस0 मनी

(अन्तरक)

2 श्री पी 0ए स 0 नारायनी अम्मास और अन्य (अन्त रिती)

को यह स्थाना जारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किये जा सर्कोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रमुवत शब्धों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गगसङ्ग

भूमि और निर्माण 14, अशोक रोड, मद्रास-18 (डाक्मेंट 1060/83)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज्ना, मद्रास

तारीचे 1-3-1984 मो**हर** ॥ प्ररूप आह. टी. एन ५स. -----

भायकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशण) श्रर्जन रेंज-दो, मद्रास मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1984

निदेश सं० 19087-यतः मुझे, ब्रार० पी० पिल्लै, ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

भीर जिसकी सं० 15, है, जो बोग रोड, मद्रास-17 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण-

रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाक्यूमेंट 879/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकर अधिनियम,, 1908 (1908 का 16क) के अधीन, दिनांक जुलाई 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य से कम के इध्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ;—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ए'सी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा आहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अभ. उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधृति :--- (1) श्री नारण उन्नितान और एन० जी 0

(ग्रन्तरक)

(2) श्री उन्तितान

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर पृचना की तामील से 30 दिन की अपिध, जो भी अपिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वोजित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र भा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति माँ हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोगे।

स्यष्टीकरण: ---ध्रभमी प्रयुक्त शब्ध जोर पदा ता, का उत्तत अधिनियम, को अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मा दिया गया हैं।

अम्सूची

भूमि-15, बोग, रोड मद्रास-17 (डाक्युमेंट 879/83)

श्वार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-दो, मद्रास

विमांकः 1−3−84 मो**ह**र⊲ प्रस्प आहें, टी. एन. एस.-----

मायकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-दो, मद्रास गद्रास, दिनांक 1 मार्च 1984 निदेश सं० 13096-थतः मुझे शारण पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उभत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 71, है, जो बल्लालार स्ट्रीट, वेनकटेसा कालोनी, पोल्लाची में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचि में ग्रौर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पोल्लाची (डाक्यूमेंट सं० 1604/83)में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल स, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्बल्धित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में प्रस्तिथिक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) मृत्यूरण से हुद किसी जाय की वाबत, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; और/या
- (च) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जारा शिहए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण मो, मो, तक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वर्धीन, निम्मिस्टित व्यक्तियों, वसित्।— (1) श्री ग्रराथील वरियाता मुन्निवारियार

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कै० वेल्लैस्वामी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास तिखित में किए जा सकी

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जी उस अध्याय में दिया गया हैं।

मगुसूची

भूमि भीर निर्माण---71 लवल्लालर स्ट्रीट, वेनक्टेसा कालोनी पोल्लाची (डाक्यूमेंट 1604/83)

> श्रा० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-दो, मद्रास

दिनांकः।- 3-- 1984

मोहर ः

प्ररूप भाषी, दी, एस, एस, ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयंकर आयंक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1984

निदेश सं० 10431—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० सर्वे 19/2 ए, है, जो कोट्टापट्ट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ट्रिची (डाक्यूमेंट 1524/1523/83) में रजिस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक जुलाई 1983,

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्ति गितियों) के कीण एसे अन्तरण के लिए तय नामा गया प्रतिफल, निम्नसिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (स) अन्तरण ते हुइं किसी जाव की वाबतः, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बाँगु/वा
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुमरण भे, भे, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रंगराजू रेड्डी

(भ्रन्तरक)

(2) पयनीर इण्डस्ट्रीज ग्रौर बाबा साहिब

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप ा---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

बन्स्की

भूमि कोट्टापट्टू, द्रिषी । (डाक्यूमेंट 1523, 1524/83)

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मन्नास

विनांक : 1--3-1984

मोहर 🛭

प्रारूप बाह् . दी . एन : एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 1 मार्च 1984

निवेश सं० 10429-यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्भात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० सर्वे 19/2ए, है, जो कोट्टापट्ट में स्थित है (और इससे उपाबद में भीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ट्रिची (डाक्यूमेंट 4694, 4692/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई 1983, को

पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रित्मल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मूक्ते यह जिश्याम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफ क में, एमें दश्यमान प्रतिफ क के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण निश्वत में अन्तरिक रूप में कथिन नहीं किया गया है

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय सायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रंगराजु रेही मौर रंगस्वामी

(श्रन्सरक)

(2) पयनीर इण्डस्ट्रील ग्रीर बावा साहिब (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वेंक्त संपन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के शीपर प्रोजा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

म्बर्ध्योकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

भूमि-सर्वे 19/2ए, कोट्टापट्टू। (डाक्यूमेंट 4692, 4694/83)

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्राचीन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 1-3-1984

मोहर 🔅

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1984

निर्देश सं० 116/जुलाई/83—यतः मुझे, स्नारं पी० पिल्लै, आयकरें अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं फ्लाट, सं सी -2, नयी सं 3, 10 वां एवेन्यू है, जो हारिन्गटन रोड, मद्रास-31 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचि में ग्री पूर्णरूप से विंत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-II, दस्तावेज सं 2371/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जुलाई 1983,

कां पृथींक्त संपति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रा गया प्रतिक केल निक्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उकत अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सबिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिनित व्यक्तियों, अर्थात (1) कुमारी जी० पार्वती

(अन्तरक)

(2) श्री के मादवन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 'से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिर्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ज़न्स् ची

भूमि और निर्माण सं० प्लाट सं० सी०-2, तयी सं०-3; दसवां एवेन्यू, हारिन्गटन रोङ, मद्रास-31 दस्तावेजं सं० 2371/83)

श्रार० पी० पिल्लै संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 7-3-1984 मोहर : प्ररूप बार्ष: दी. एन. एस्. ------

भागकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के नुधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (गिरीकन)

भ्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 20 फरवरी

निर्वेण सं० सी० ए० 5/37 ईई/350/83-84-ग्रयतः मुझे, णिशकांत कूलकर्णी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० श्राफीस नं० 7 पहला मंजिल श्ररोरा टावर्स-9, मोलेंदीना रोड, पुण--1 (क्षेत्र 450 स्क्कें० फीट) है तथा जो पूना-1 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाग्रत ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णस्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रीधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण ग्रजंन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908)का 16) के ग्रधीन, दिनांक 2265/पूना अक्तूबर 1983,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के धीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ब्न्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आव की बाबत सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे जबने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किमी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा पकट नहीं किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा औं सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात्:——
29—6GI/84

(1) मेसर्स शरद प्रमोर्टेस 2, ईस्ट स्ट्रीट, पुना।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती किरण ए० मरोरा 236 वीर सावरकर मार्ग शिवाजी पार्क दादर बम्बई—28 ।

(ग्रनरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवात में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्षों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

ਰਜ਼ਰ ਵੀ

भ्राफिस नं० 7 पहला मंजिल, भ्ररोरा टावर्स-9. मोलेदीना रोड, पूना---1

(क्षेत्र---450 वर्गफीट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2265/पूना/83-84 प्रक्तूधर 1983 को सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 20-2-1984

मोहर :

प्ररूप आइ^{*}. टी., इन्. एस्.::--:--

नायकर निष्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के न्यीन सूचना

भारत बरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, पुना

पूना, दिनांक 27 दिसम्बर 1983

निदेश मं० सी० ए०-5/37 ईई/387/83-84---यतः

मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- का अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

धौर जिसकी सं० णाप नं० 323, एम० जी० रोड, केनटोनमेंट हाउस पूना-- 1 है तथा जो पुना में स्थित है (ख्रौर इससे उपावड़ धनुसूची में ख्रौर पूर्णस्प से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण च्धिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, दिनांक 3-10-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरिक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) भ्नतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे सक्ते में सूविधा के सिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त किथिनियम, या धनकर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपानं में सुविधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री ह्वी० डी० कापड़े , 4/57 मिरा हार्ज्ञसग सोसायटी, पूना-9।

(श्रन्तरक)

(2) श्री एम० एन० खेमलानी ई-19 गीता सोसायटी सिनेयोग स्ट्रीट, जपुना-1

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां, करता हुं।

उस्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राज्यक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए आ सक्तेंगे।

स्यव्यक्तिरणः इसमें प्रयुक्त काक्यों और पवाँ का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

णाप नं० 323 एम० जी० रोड, केनटोन्मेंट हाउम पूना । (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/1566/पूना जो तारीख 3-10-1983 की सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> णिकांन कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-पूना

दिनांक : 27-12-83

मोहर 🚁

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

आग्क्ड काँधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 22 दिसम्बर 1983

निवेश मं० सी० ए० 5/37ईई/395/83-84-यत:

मुझ गणिकांत कुलकर्णी,

अगुयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निदनास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. सं अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 635/15 सदामिव पेठ पूना---30 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) , रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायकर भ्रायकर (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज पूना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 1983,

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्देश्यों से उन्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तारण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः श्वाबा, उक्त अधिनियम की भाष 269-ग के अन्सरण भीं, मैं उक्त अधिनियम की भाष 269-च की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री डी० एस० खाडीलकर 635/15 संदाशिव पेठ पूना—30 । '(भ्रन्तरक)

(2) मंसर्स पेण्डसे भौर लिमये,37/14 एरंडवना प्रभात रोड,पूना---4

(ब्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्बों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

सर्वे नं० 635/15 सेदाणिव पेठ एफ० पी० नं० 32—बी, पूना ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/1761/83-84 जो तारीख 22-8-1983 को महायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण भ्रजन रेंज पूना के श्राफिस में लिखा है)

> शशिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज–पूना

दिनाक : 22-12-83

मोहर :

प्रस्य बार्ड, टी. एव. एस्.------

नायकर् निधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के स्थीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

द्यर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 फरवरी 1974

निदेश सं० सी० ए०. 5/34 ईई/47.6/83-84—सतः मुझे, शश्चिकांस कांन कुलकर्णी.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सी०-307 श्रशांत श्रपार्टमेंट्स, वसई रोड जिला ठाणा है तथा जो वसई रोड ठाणा में स्थित है (ग्रौर इससे उपा-वद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूं अे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उच्च हेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की भावत उपस्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य मो कभी कारने या उससे थलने मो सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भग या बन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए।

जतः अस, उक्त जीधनियम की भारा 269-ग के जनुब्रस्य में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थोह् :--- श्रीमती शुभागिनी ए० पाटिल, रमेडी पोस्ट श्रीर तालूक वसई जिला-ठाणा ।

(ध्रन्सरक)

(2) श्री ए० टी० सपानी 20/311 सिद्धार्थ नगर एस० वी० रोड, गोपेगांव (वैस्ट), बम्बई-64

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्थित्यों में से किसी स्थित इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा प्योजस् अध्याय में दिया गया है।

जन्स्यी

सी० 307 श्रणांत श्रपार्टमेंट्रम वसई रोड जिला ठाणे। (जैसी कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/1879/83-84 जो तारीख 8 श्रगस्त 1983 को सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शौश कांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्∎ पूना

दिसांक : 20-2-1984

मोहर:

प्ररूप आहें. टी. एत. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा व 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 फरवरी 1984

निदेश सं० सी० ए-5/37 ईई/477/83-84—यतः मृज्ञो, शणिकंगंत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपय से अधिक है

और जिसकी पलैट नं 50 बिल्डिंग मं नं 4 निर्मलजीवन को अो हाउसिंग सीसायटी ठाणा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णकृप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती- अधिकारी के कार्यालक, सहायक आयक्ष्मीआयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रिंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक अगस्त 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; 'अरि/या
- (स) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कहे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री रामचन्द्र कालीदास भर्मा ब्लाक नं० 1156, रूम नं० 3 ऑर 4 पो० ई चौक उल्हास नगर जिला——ठाणा ।

(अन्तरकः)

(2) श्री मनोहर रामचन्द्र कुलकर्णी, निर्मल जीवन को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी ठाणा (ईस्ट)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधिया तत्सवधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क). इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

फ्लैट नं ० 50 तल मंजला इमारत नं ० 4 निर्मल जीवन को ा आ हाउसिंग सोसायटी ठाणा (ईस्ट)

(जैसी कि राजिस्ट्रीकृत नं 932/थाना/जत तारीख अगस्त 83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> णशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 20-2-1984

मोहर:

प्रस्प बाह्र दी. एत . एस . -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का. 42) की थारा 269-पू (1) है ने भीर गुकना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, पूना

पूजा, दिनांक 20 फरवरी 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई/478/83-84—यतः मुझे, शशिकांत जुलकर्णी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्थम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक है

और जिसकी सं० एफ ० पी० नं० 64 सब प्ला नं० 14 एरन्डवना पूना—4 है स्था जो पूना में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची) में और पूर्ण रूप से विणत है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में हिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्वर 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पेद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः कव, उक्त किंधनियम, की धारा 269-ग के अनुसरग में, मैं; उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रो वासुदेव गोपाल जोशी 64/14 श्रोयाद एरण्डवना पूना---4 (अन्तरक)

(2) बिगेडियर यशवन्त वासुदेव जाशी चीफ इंजीनियर, बरेली जोन, बरेली कैंण्ट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45'दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए वा सकोंगें।

स्पध्दोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याप 20-क में पोरभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया मया है।

मन्स्ची

एफ० पी० नं० 64 सब-प्लाट नं. 14 ुएरण्डवना पूना-4 (जैसी कि रजिस्ट्रीइन्त नं० 2260/37 ुईई/पूना /83-84 जो सहायक आयकर आयुक्त (निरीएण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर मैं लिखा है) ।

> शशिकात कुलकर्णी सक्षमं प्राधिकार्री सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,

दनांक : 20-2-1984

मोहरु 🖫

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. - - - --

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनांक 20 फरवरी 1984

निदेण सं० सी० ए० 5/37 ईई/479/83-84-यत-: मझे, णशिकांत कुलकर्णी.

भागियर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी मं० सर्वे नं० 19/2 प्लाट नं० 4 सुनीता को० आ० हाउसिंग सोसायटी अरण्डवना पूना—4 है तथा जो पूना में रिधन है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्य ने विषित्त हैं), रिजिम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयवय आयवत (निरीक्षण) अर्जन रेज पूना में रिजिन्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, दिनांक अगस्त 1983

को प्वांक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रित्तफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूक्यमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन किनिनिष्णि व्यक्तिया, अर्थात्--- (1) श्री एस्ड एमंड क्षकार्णी,
 100/ए/4,अरेडवना,पुना—4

(अन्सगकः)

(2) श्री ए० जी० उदीर वाडकय
 2/6 अरण्ड्यता कर्वे रोड, पूना-4

(अन्तरिती)

्को य**ह सूचना जारी कार**के पूर्वोक्त. सम्पत्ति के <mark>अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हुं।

ं उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (भ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यवित द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतो का, जो उक्त अधितियम के प्रध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अबे होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सर्वे नं० 19/2 प्लाट नं० 4 सुनीया को ः आ० **हाउसिंग** सोसायटी लिमिटेड अरण्डवना पुना—- ।

(जैसी कि राजिस्ट्रीक्स नं 37 ईई/1822/83-84) जो नारीख, अगस्त 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज पूना के दमतय में लिखा है) ।

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : **2**0~2~1984

मोहर:

प्ररूप मार्ड. टी. एल एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयंक्त (निरक्षिणं) अर्जन रेंज. पुना

पूना, दिनांक 30 जनवरी 1984

निदेण मं० मी० ए० 5/37 ईर्ड/481/83-84-यतः मुझे, णणिकांत कूलकर्णी,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 45, प्लाट नं० 10 नार्थ फ्लैंट नं० 2 शिवाजी नगर, सांगली है तथा जो सांगली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजच्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज,पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक 30-8-1983

को पूर्व सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पम्बृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक इप से कथिल नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, अक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मेसर्स श्री एजेंसीण 237, नारायण योठ पूना-30

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एन० शहा सिख त्रिल्डि०, बखार भाग, मांगली । (अन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके पृथोंक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्यों और पूर्वों का, को अक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

सर्वे नं० 45, प्लोट नं० 10 नार्थ फ्लैट शिवाजी नगर सांगली। (जैसी कि रिजिस्ट्रीकृत नं० 2886 जो नारीख 30—8-1983 को सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है) ।

> षणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांग : 30-1-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यावय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कार्यालय, पूना पूना, दिनाँक 21 फरवरी 1984

निदेश सं ० सी ए०-5/37 ईई/483/83-84-यतः मुझे. शिक्षकांत कुलकर्णी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1 बिल्डिंग नं० 'ए, फ्लैंट नं० 3 और 4 है तथा जो पिंपरी पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है (, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-9-1983,

कते पर्वोदित संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कुर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 30—6 GI/84

(1) मेसर्स शारदा अपार्टमेंट्स बी०-ब्लाक, 22/20, पिपरी, पूना-411017 ।

(अन्तरक) 🧸

(2) श्रीमती गुरदीप कौर हरपाल सिंह भाटिया. एच० बी० पिपरी 30/6, पिपरी, पूना-411017 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, बिल्डिंग नं० ए, ग्राउंड फ्लोर, फ्लैंट नं० 3 और 4, पिंपरी कालोनी पूना/क्षेत्र-1810 स्कवे० फीट ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीवृत् नम्बर 37 ईई/1950/पूना/83–84 दिनांक 7–9–1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है) ।

शशिकांत कलकर्णी |सिक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 21-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाहैंटी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर नायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोंज, पूना

पूना, दिनांक 21 फरवरी 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/37 ईई 4.84/83-84--- यतः मुझे, शशिकात कूलकर्णी,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अभिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, नन्दन अपार्टमेंट्स है तथा जो डोंमबिबली में स्थिमे है (औय इससे उपाबद्ध अनुसूर्च में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियय, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ६६०मान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मुक्तिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्रिज्ध के लिए;

अक्षः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) मेसर्स नन्दन विल्डर्स 'प्रेम ऋषा' दूसरी मंजिल, ओक बाग, कल्यान, जिला——थाना।

(अन्तरक)

(2) श्री उदयसिंह आनन्दराव मुर्वे बी० एस० म्हास्ने चाल पिटनू स्मृति, गोग्रसवाडी डोमबिबलः (ईस्ट) जिला थाना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्षेत्र ।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त सख्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्याहाँ।

अनुसूची

फ्लैट नं ० 1, नन्दन अपार्टमेंटस, डोंमबिबली (ईस्ट) जि० थाना/क्षित-51.19 स्कवे ० मीटर्स ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीवृत नम्बर 37 ईई/2011/83-84 थाना। अक्तूबर 1983 की सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> गमिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,पूना

विनांक : 21-2-1984

महिर:

प्रकार कोर्ड , दी., एव., एड) हा साह साहत

नायकर गिपिनयम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के नधीर सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनाम 5 विसम्बर 1983

निवंग सं० सो० ए० 5/37 ईई/1039/83-84--यतः मझे, गशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सि० एस० नं० 2977/ए-1, तथा 2978/ए-2 है तथा जो मौजे चिकघर त० कल्यान (और इससे उपाबद्ध अनुअनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय दुय्यम निबन्धक, कस्यान में रिजिच्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-8-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिवात उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित के बीचत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी अपरने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आज-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती ब्वापा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

जतः अक्षे, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्नीतिवित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

- (1) श्रो एन० आर. नाडपुरोहित, अंजली को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, मौजे चिकनघर, ता० कल्यान जिला ठाने। (अन्तरक)
- (2) श्री ह्वी० आर० वरदराजन, चेययमैन अंजली को० आप० हाउसिंग सोसायढी चिकनघर त० कल्यान जिला ठाने। (अन्तरिती)

को यह सूचना <mark>जारी करके पूर्वीक्त</mark> संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सि० स० नं० 2977/ए-1 और 2978/ए-2, रामकाग लेन, 5, मौजे जिसनधर, नं० सल्यान, जि० ठाने/सेन 12006 वर्गफीट

(जैसे कि दुय्यम निवन्धक कल्यान के वफ्तर में नं० 1782 दिनांक 6-8-1983 को लिखा है)

> शशिकांत कृतकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायकआयकर्आपुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांस : 5~12~1983

मोहर 😘

प्ररूप आहें., टी. एन. एस. - - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज, पूना

पूना, विनांक 6 विसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए-5/37-जी-1040/83-84--यतः मुझे, प्रशिकांत कूलकर्णी,

कायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 'सर्वें नं० 131/1बी, क्षेत्र है-00 आर०-96 मौजे कृपवाड सांगली है तथा जो सांगली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है (, रिजस्ट्रीकर्ता अधि कारी के कार्यालय दुय्यम निवन्धक मिराज सांगली में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29-8-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दशमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचिश्वत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) ऐसी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए प

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्री महाबीर बापू काठेका पोस्ट कुपवाड ता० मिरज जिला—सांगली।

(अन्तरक)

(2) श्री दिलीप कृष्णराव देशपांडे और अन्य 22 पोस्ट---जामभुलनी ता०---अटपाडी, जिला-सांगर्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारीं करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यविहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

सर्वे नं० 131/1बी क्षेत्र हे०आर० ०---96 मौजे कुपवाड जिला-सागली ।

(जैसी कि रिजस्ट्रीकृत नं० 1935/जो तारीख 29-8-1983 को दुय्यम निबन्धक मरीज-। सांगली के दफ्तर में लिखा है।)

> ममिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांबा : 6-12-1983

मोहर:

अरूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 27 दिसम्बरं 1983

निदेश सं० सी० ए 5/37-जी/1053/83-84--यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' क्रहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 40/6/8-0/1 बुधवार पेठ सोलापुर है तथा जो सोलापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुरयम निबन्धक सोलापुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के जीवनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री पटेल रामजी मूल्जी जेठाभाई-भवानी बुधवार पेठ सोलापुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री पटेल प्रेमजी सोमजी जेठाभाई भवानी बुधवार पेठ-सोलापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्तं सम्पन्ति के अर्जन के सबध मा कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 'सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एफ० पी० नं० 40/6/8-v/1 बुधवार पेठ, सोलापुर । (जैसी कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2634 जो तारीख अगस्त 83 को दुय्यम निबन्धक सोलापुर के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षमं प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

दिनांक: 27-12-83

मोहर

प्रकृप आई. दी. एन. एस. -----

बाबफर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणी)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 23 खिसम्बर 1983

निदेण सं० सी० ए 5/ /37 ईई/83-84---यतः मुझे, शशिकोत कुलकर्णी.

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्रलैट नं 2 पहिला माला डी-विल्डिंग 30 बंन्ड गार्डन रोड पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपा- वद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-8-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करक के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- /क) बन्तरक से हुई किसी नाम की बाबता, उक्त बिधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

ब्तः, ज्या, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरक् मों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, वर्षात् :— मोहर व (1) मेसर्स रमेश कंस्ट्रक्शन कं० (इंडिया) 615 साचापीर स्ट्रीट पूना -1

(अन्तरक)

(2) श्री एम० आर० पटेल और सीमम पटेल, डी-2 हरमेश पार्क को० ओ० हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड 30 वंड गार्डन रोड, पना—1

(अन्तरिती)

की यह सूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिय कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों इस सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, खो और अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेशिंद स्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर ग्रेमित में हित- वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लैट नं० 2 पहिला माला, डी-बिल्डिंग 30 बंग्ड गार्डन रोड पूना ।

(जैसी कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/1729/83-84 जो तारीख 22-8-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकाणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 23-12-1983

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रें**ज**, पूना

पुना, दिनांक 23 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए०-5/393/83-84-यतः मुझी, शशिकांत कृलकाणी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3 ग्रीन फील्ड्स अपार्टमेंट्स प्लाट नं० 42 और 43 सर्वे नं० 17-ए बानवरी पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है(, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-9-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गीई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) क्षे अधीन. निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) मेससं वीनशा भौर वीनशा 390/286 बुटी स्ट्रीट पूना-1

(अन्तपक)

(2) हरजींदर सींग अमर सींग 456 नाना पैठ--पूना ।

(अन्तरिती)

कां बहु सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार वाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप .--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सची

फ्लैट नं 3 ग्रीन फिल्ब्स अपार्टमेंट्स सब प्लॉट नं 42 और 43 सर्वे नं 17-ए मौजे वानवरी पूना।

(जैसी कि राजिस्ट्रीष्ट्रत नं० 2114/37 ईई/83-84 जो तारीख 17-9-83 को सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा है।)

> णशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

विनांक: 23-12-1983

मोहर ः

परूप आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आभूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/394/83-84—यतः मुझे, शिक्शित कुलकर्णी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० 5 भक्तवार को० ओ० हाउसिंग सोसायटी 121-बी, सर्वे नं० 103 येरवड़ा-पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्प से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-9-83,

की प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उद्वेद्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत अवल अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत्:---- (1) श्री मेरोल एक भेहता और अन्य, रोणन दोप अपार्टसेंट फ्लैट नं 13 बी, तीसरी मंजिल. 15 खार रोड, खार, बम्बई ।

(अन्तरिती)

(2) डा० जे० सी० फरनांडीस
 ए-1102, सूर्य अपार्टमेंट 15-बी, देसाई रोड,
 बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी-के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ज़क्त अधिनियम्, के रूध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

फ्लैंट नं० 5 भृक्तवार को० हाउभिग सोसायटी 121-बी, सर्वे नं० 103 येरवड़ा 1 पूना ।

(जैसी कि रिजस्ट्रीक्टत नं० 37 ईई/2095/पूना/83-84 जोतारीख 27-9-83 की सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज पूना के दक्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायकआगकरआयुवत (निरीक्षअ) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 22-12-1983

मोहर ः

प्रक्रम आहें, टी. एन, एस -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, विनांक 30 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई/406/83-84-यतः **मुक्ते,** णशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट 362, बंबगार्डन रोड, पूना है तथा जो पूना-1 में स्थित है (और इससे उपाबज अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर,

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमण्य प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इन्य से किया गया है:——

- (क) बस्तरण से क्रुड़" किसी बाव की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर कीने के अस्तरक के क्षायिस्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√ः
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित ब्राबितयों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स ए० बी० सी० प्रमोटर्स और बिल्हर्स 9, लक्ष्मी निवास, पदमजी नम्पाउंण्ड, पूना---2

(अन्तरक)

(2) मेसर्स ए० बी० सी० इंडिया लिमिटेड, बम्बई-पूना रोड, नासिक फाटा पुना-411031 (अन्तरिती)

को शह स्वना भारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के किए कार्यवाहियां कारता हां।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी शक्ति वृदारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की दारी व है 45 जिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वाकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया

प्रन्सूची

प्लाट नं० 362, बडगार्डन रोड, पूना—1। (जैसे कि रिजस्ट्रीशृत नं० 1839/सितम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

ग्रियकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 30-12-1983

मोहर :

31-6GI/84

प्ररूष बाह् .टी . एन् . एस . ------

नावकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 30 विसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई/407/83-84-यतः मुझे, शिक्शांत कूलकर्णी

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० प्लाट ने 4 1092/ए, हरे कृष्ण मन्दिर रोड, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रिफर्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिलांक सगस्त 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार जून्य उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितया) क बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) मेत्र सं भक्तवाना अदर्श और कम्पनी 441. सोमवार पेठ पूना-1

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र श्ली० लखानी न० 5, जैंकी ड्राइव मोरंगनिकले एन० जे० 07751, यू० एस० ए०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्षत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकर्ने।

स्वक्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिवा स्था है।

मनुसुची

पसट नैं० 4, 1092/ए, हरे कृष्ण मन्दिर **रोड, पूना।** (जैसे कि राजिस्ट्रीकृत नं० 1850/सितम्बर 83 को सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायकः कृष्ट्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

अतः अथ उन्ततं अधिनियम मं, में, उन्ततं अधिनियमं की के अधीन, निम्नलिसितं व्यक्तियां, अधीत् :---

विमांक : 30-12-83

मोहर:

प्ररूप बार्दः, टी. एव. एस. ५------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सहरकार

कार्यालय, सहायक आयकर व्यायुक्त (निरीक्षण) अजंत रेंज पूना

पूना, विनांक 30 विसम्बर, 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई/408/83-84-यत: मुझे, शशिकांत कुलकार्गी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्वाम करने का कारण है कि स्थाकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैटनं० 105 पर्वती सहकार नगर पूना-9 है तथा जो पूना-9 में स्थित है (औय इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर् आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रिजस्ट्रीक कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक सितम्बर, 1983

को पूर्योक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिश्वत उद्वरेय से उक्त अंतरण जिल्हा में वास्तविक इन्प से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण वे हूव किसी बाव की बावत उक्त शवि-मित्रक के लभीन कर दोने के लन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य जारितयों को, जिन्हों भारतीय जायकर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभनियम या अन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ ज्नारिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के किए;

अतः अस, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्नीअधित स्वक्तियों, अर्थात् हे— (1) मेसर्स ताह्यणकर डिसा एण्ड एसो०, 1535, सदाशिव पेठ, पूना-30।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० जी० पटवर्धन और अस्य 1002/42, राजेन्द्र नगर । पूना-30 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनी की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 105, पर्वती सहकार नगर, पूना-9 (जैसे कि रिजस्ट्रोक्टत सं० 2106/सितम्बर 83 को सहायक आयशर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पूना के वफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विस्कृति : 30-12-1983

मोहर :

प्रस्प् बाह्री, टीं, एन्., एस्.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई/409/83-84--यतः मुझे शशिकात कुलकर्णी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 11, 82/2 ए, पर्वती मं कर नगर है तथा जो पूना—9 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

दिनांक सितम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यक्षान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अप्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अक्छ जिथितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे ब्यूचने में सुविधा के लिए; अर्रि/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीं व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के सिए;

ज्ञतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के जनसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) से अधीन, जिम्मिलिश्वत स्योचतयों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स ताह्यनकर **डिसा और असो**० 1535, स्वाशिष पेट, पूना—30

(अन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्र एन० कालभाडे प्लाट न० 57, संत नगर, रामदास सोसायटी. पूना--37 ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूबॉक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकी।

स्मध्यीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं । 11, 82/2 ए, पर्वेती पूना---9, (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं । 2107/सितम्बर 83 की सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है ।)

> णशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 30-12-1983

मोहर :

प्रकप आह'. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सुचना

भारत चडकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 जनवरी 1984 निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई/457/83-84---यतः सुझे. शशिकात कुलकर्णी.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० फैक्टरी विल्डिंग, प्लाटनं० 17 एम० आई डीं० मी० इंग्डीस्ट्रियल एरिया है तथा जो कल्यान में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक

को प्वांचित संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वांचत सम्मिल का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण संहुदंकिसी आव की बाबत, उत्तर जिभिनयम् के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के निए; और/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अज, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन हैं स्मिनिसिस स्पितियों, स्थिति हैं—

- (1) मेलसं साँप केमीकल इंडस्टीज प्रा० लिमिटेड 412, मेकर भवन नं० 3, 21 ह्वी० ठाकरसी मार्ग, बम्बई-400020 (अन्तरक)
- (2) मेस्स किमग लिमिटेंड,214, डा० डो० एन० रोड,बम्बई-400001 ।

(अन्दरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध मा काई। भी अंदापः :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीब से 45 दिन की जबीच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औ उक्त स्थिनियम के अध्याय 20-क माँ परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा आ उस अध्याय मीं दिया स्था है।

वन्सूची

फैक्टरी बिल्डिंग जो फ्लैट नं० 17, एम० आई० डी० सी० इंडस्ट्रीयल एरिया में है। क्षेत्र—1820 वर्ग फीट ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नम्बर 37 ईई/थाना/2893 दिनांक 15-9-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> र्शाणकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनार्थः ; 12-1-1984

मोहर 🗄

(अन्तरक)

प्रकृष् वार्षं . टी , एष् , एष् , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चाना

भारत बहुकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनांक 9 दिसम्बर 1983

निदेश स॰ सी॰ ए॰ 5/37 ईई/83-84/458--यतः मुझे, शशिकात कुलकर्णी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का वतरण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पंलैटनं० 19, 6 मंजिल, 247/1 रास्ता पेट है तथा जो पूना-11 में स्थित है (और जो इससे उपायस अनसूची में और पूर्णेरूप से वर्णित है (, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-9-1983,

को पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक क्य से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, ष्टिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- (1) मेसर्स सक्तवाना कंसट्रक्शन कम्पनी
 (एस० एस० डब्ल्यू)
 911-914 सिनेगांग स्ट्रीट , पूना
- (2) श्री किरित कुमार जे॰ मेहता 23-सी, बुधवार पेठ, पूना---2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कांई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब्रु से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास भिर्माण में किए अस्तिस्ता

स्थां क्यां प्राप्त का अस्यों और पतों का, जो उस्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

नन्त्री

फ्लैंट नं ० 19, छठा मंजिल, तृष्ती अपार्टेमेंटस 247/1, रास्ता पेठ, पूना-11, क्षेत्र 800 वर्ग फीट।

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत नम्बर 37 ईई/1938/83-84 सा० 6-9-1983 को सहायश आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विषांक : 9--12-1983

महिर 🖫

ब्रुक्य बाह्रं, टी. एन. एस.

बायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीत सुमता

शारत शरकार

कार्यालय. सहायक कायकर कायक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, पूना

पूना, विशांक 9 विसम्बर 1983

निवेश सं० सी० ए० 5/37 ईई/459/83-84--यतः मुखे, शश्चिमात कुलकर्णी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृल्य 25 000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1 सी० एस० नं० 43 भवानी पेठ है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपायक अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 6—9—1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरक्रें) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिच उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जनारण ते शुद्धं किली शाय की बाबत, उक्त सीधीनयम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा से लिख्; सार/का
- (श) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिति व्यक्तियों अर्थात—:

(1) मेसर्स मकवामा कण्स्ट्रवशम कम्पनी (बी० पी० खर्क्यू०) 43, भवामी पेठ, पूना---2

(अम्लग्क्)

(2) श्री नारायणदास मगनलाल ठक्कर 43. भवानी पेठ, पूना-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज के 45 विनं की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि को भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर स्यक्तियों में से फिसी स्यक्ति व्यक्तिए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिटाबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिबिस में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विया गया है।

जन्सूची

दुकान नं० 1 सि० एस० नं० 43, भवानी पेट, पूना-2, क्षेत्र 578 वर्ग फीट ।

(जैसे कि रिजर्स्ट्राइस नम्बर 37 ईई/1936/83–84 पूना ता० 6-9-1983 को सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 9-12-1983

मोहर:

प्रसम् आहे. टी. एनः एस . ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई/83-84/460—-यतः मुझे, शशिकांत क् \sim \sim

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लट नं० 410, मकान नं० 2416, ईस्ट स्ट्रीट, जनरल थिमाया रोड है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपान्यद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारों के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-9-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिक कप से कथित नहीं कि बा गया है है

- (स) अन्तरण से हुई किसी जान की नामत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उक्तारा (1)ं के अधीन, निम्नीसिंखित व्यक्तियों, वर्णात ः—

- (1) मेसर्स मक्दाना अवसं एण्ड कम्पनी, 441, सोमवार पेठ, पूना---411001 (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जी० एम० श्रजेलिना वाझ 3, कमार अपार्टमेंटंस, 742/बी०/सी०/ भवनी पेठ, पूना---411002 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन के सम्बन्ध में कोह भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधः, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्द्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: --- इसम प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं∘ 410, भकान नं॰ 2416, ईस्ट स्ट्रीट, जनरल थिमाया रोड, पूना/क्षेत्र०--1025 वर्ग फीट ।

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत नम्बर 37 ईई/पूना 2236 दिनांक 28-9-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> ाशिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. पुना

दिनांबः : 9-12-1983

मोहर:

प्रकृप काइ. दी. एम् . एस . ------

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 10 फरवरी 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई/461/83-84-यतः मुझे, शशिकांत कुलमर्णी,

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ,269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हुत से अधिक है

और जिसकी सं० शोप नं० 3, घर नं० 844 स. नं० 390/548 दस्तूर मेहर रोड, पूना~1 (क्षेष्ठ—260 वर्ग फीट) हैं तथा जो पूना—1 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना-1, रिषस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1983 तथा नम्बर 1828

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयभान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतोरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिबक क्य से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुन्दं किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: और/वा
- (व) एंसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) मेसर्स रमेश बिल्डर्स धीरज चेम्बर्स 9 वाळडमाय मार्ग बम्बर्ध---1

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नेझात अब्बुल अजीब 751, भवानी पेठ पूना----1

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथा कत सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवलभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पाक्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

णाप नं० 3, मकान नं० 844 सं० नं० 390/548, दस्तूर मेहर रोड, पूना——1 (क्षेंल०—260 वर्गफीट)

(जैसे कि रिणस्ट्रीकृत नं० 1828/सिनम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दक्तर भें लिखा है।)

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनोका : 10-2-1984

माहर 🖫

प्रकप. आइ. टी. एन. एस. -----

भावकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनोक 3 दिसम्बर 1983

निवेश सं० सी० ए० 5/37ईई/448/83-84--यतः मुक्षे, शशिकातं कुलकर्णी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

कौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4 (रूपा) 158ए/3/2 ए/2/3 खराकवाडी, पूना—18 (क्षेत्र 640 वर्गफीट) है तथा जो पूना—18 में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, बिनांक जून, 1983, नं० 428, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफ स के लिए अंतरित की गई है और मभे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यवेश्य से उसन अन्तरण लिखित में बास्तिकल, निम्नलिखित उद्यवेश्य से उसन अन्तरण लिखित में बास्तिकल, निम्नलिखित उद्यवेश्य से उसन अन्तरण लिखित में बास्तिकल रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिस्व में क्रमी करने या उससे अपने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीर, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत्।:---

(1) मेसर्स कुमार कम्पनी 783 भवानी पेठ, पूना-2

(अन्सरकः)

(2) डा॰ निर्तीत एनम० चोकार, 17, गिरिराज सोसायटी, बाणेर रोड, औंध, पूना-7।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

.स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 4(रूपा) 158 ए/3/2ए/2/3, खराभवाडी, पूना-18 (क्षेत्र०---640 वर्ग फीट)

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत नं० 428/-जून 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है ।)

> षाशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारीः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 3-12-1983

मोहर 🖫

प्रकष् नाहरे, दी. एन्., एव.,-----

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म् (1) के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 7 फरवरी 1984

निदेश सं० सी ० ए० 5/37 ईई/456/83-84---यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त 'अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिस्का उणित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० फाइनल फ्लैंट नं० 70/3 ए, सी टी० एस नं० 47/3-ए है तथा जो एरण्डवना पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 6-8-1983,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा मया प्रतिफल, निम्निविचित उद्वदेश से उक्त अन्तरण निचित में बास्तियक रूप से किशान नहीं किया गया है धन्

- (क) बन्तरण संबुद्ध किसी बाय की बाबत, बच्छ अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दाबित्य में कमी करने ना उससे व्यने में बृष्टिया के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-केंद्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया धाना चाहिये था, कियाने में सुविधा के लिए;

न्तः वयः, उपत निर्धानमन् की भारा 269-नं के नन्तरः वाः, भाः, उसत विभिनियम् की भारा 269-मं की उपभाराः (1) विविद्यानः, निस्तिवित व्यक्तियोः, नर्भातः ॥—— (1) मेसर्स रजी प्रमोटर्स 461, बुधवार पेठ, पूना---411002

(अन्तरक)

(2) मेसर्स बुटाला दाढे एसोणिएट्स, हरजीवन हास्पीटल बिल्डिंग, सारसवाग के सामने पूना—411002,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वीक्त सम्पर्टित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के गुर्जन के संबंध में कोई वाश्रीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में स्पाप्त हाँती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर पूर्वीक्त उक्त स्थावर सम्पित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में हिस्स यस हैं।

वनसूची

फाइनल फ्लैट नं० 70/3-ए, सी० टी० एस० नं० 47/3-ए, एरण्डवना, पूना ।

क्षेत्र-11010 वर्ग फीट (फार्म नं० 37-ईई के अनुसार) 11434 वर्ग फीट (प्रापर्टी रिजस्टर कार्ड के अनुसार)

(जैसे कि रिज़स्ट्रीकृत नम्बर 37 ईई/पूना/1568/83-84 विनांक 6-8-1983 को सहायक आयक्तरप्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 7-2-1984

मोहर 🛭

त्रक्य नाइ , टी. एन. एस. ------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

आरत सुरुधार

कार्यालक, सहायक नायकार नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई/449/83-84--यतः मुझे, शशिकौत कुलकर्णी,

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया ह'), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रह से अभिक है

और जिसकी सं० पलैंट नं० 103 (रूपा) 158/ए/3/2ए/2/3 खरालवाडी पूना—18 (क्षेत्र 640 वर्ग फीट) है तथा जो पूना—18 में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं० 429, दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित नानार मूल्य से कम के ख्यमान प्रिष्फल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत जन्तरण जिचित में बास्तविक रूप से किंवत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की वायत, उचल बिधिनियम के बधीन कर देने के बन्तरक के बायित्य में कमी करने या उत्तसे द्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रदेशिकार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया आना जानिए था, छिपान में सुविधा औं हैं जूड़;

अतः नयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अपृत्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मेसर्स कुमार कम्पनी 783, मवानी पेठ, पूना---2।

(अन्तरकः)

(2) श्री इंद्रजीत रामभाऊ अगरत्राल खरालवाडी, पूना—18 ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से ब 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बवारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारण अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्वष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय '20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नपुस्ची

पलैंट नं∘ 103 (रूपा) 158/ए/3/2ए/3/3, खरालवाडी पूना—18 (क्षेत्र—640 वर्ग फीट) ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं 429/जुलाई 1983 को सहायः आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिख है ।)

> गगिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 3-12-1983

मोहर 🖫

प्रकृष् बाह्ये, टी. एत्., एस. ------

भायकर निधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० सी० ए० 5/37 ईई/328/83-84---यतः मुझे, शिक्षांत कूलकर्णी,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, पटेल अपार्टमेंटस, ह्वि० पी० रोड़ है तथा जो डॉबीविन (ईस्ट) में स्थित है. (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्प से विणत है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरी जेरेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूम्य से कम के दश्यमान प्रतिफस के लिए अन्तरित की गई है बरि मुक्तें यह विश्वास करने कम कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित् बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंन्यह प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिपिधा के लिए;
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या बन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकार विभिन्नयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जना भाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

जतः जब उन्त जिथिनियम की भारा 269-म के जनसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मेसर्स परवन बिल्डर्स प्रा० लि० पटेल अपार्टमेंटस जे० ह्वी० कास रोड, (खोन लेन) घाटकोपर

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल गंजानन रामभउ द्वारा श्री इंदुलकर, न्यू उदेय सहजीवन हाउसिंग, सोसायटी, जंगल-मंगल रोड, भांडुप, बम्बई---78 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

समत् सम्मत्ति को सर्वन को सम्बन्ध में कोई' भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व बे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्थळतीक रणः --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और प्यों का, जो उच्क जिथिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, बही जर्ज होगा जो उस अध्याय में दिया भ्या है।

मनुसूची

फ्लैट नं० 5 फ्लैट अपार्टमेंटस् ह्वि० पी० रोड, डोंगीवली (ईस्ट) , ठाने/क्षेत्र में -- 59-48 वर्ग मीटर ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37-ईई/83-84)/1722/ (निरीक्षण) ठाने मेा० 5-8-/1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> र्णाणकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना ।

विनांक : 6-12-1983

मोहरू 🖫

ं प्ररूप सार्दः टी. **एन**् ए**व**्नन्न---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 कर 43) की भारा 269-**ण (1) के अभीन स्**चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 6 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई/329/83-84—-यतः मुसे, शशिकांत कुशकर्णी,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अभिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 19, तीसरी मंजिल, मनोहर विल, बी-33, तिलक रोड, है तथा जो डोंबीवाली में स्थित है (ग्रींर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णस्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक जुलाई, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल, निम्न्लिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरण निम्न्लिखित में बास्तिबक क्य से किथत नहीं किया ग्या है क्ष

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; बौड/या
- (का) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्री विपीन सदाशिय नांदे, पलैट नं. 19, मनोहर विल, तिलक रोड, डोमिनली (ईस्ट)

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रविनाश रामचन्द्र नारखेडे , ब्लाक नं० 44 लोचना बिल्डिंग श्रार० बी० मेहता, मार्ग, घाटकोपर (ईस्ट) बम्बई-4000077 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (प) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे:

स्पटिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस् अध्याय में दिया गमा है।

वनुसूची

फ्लैट नं 19, तीसरा मंजिल, मनोहर विल; बी०-33, तिलक रोड, डोंबीवाली (ईस्ट)/क्षेत्र 360 वर्ग फीट।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नम्बर 1751/37 ईई/83-84 ता० 6-8-1983 को सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा है)।

> गशिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, पूना

विनांक : 6-12-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आर्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 दिसम्बर 1983

निवेश सं० सी० ए-5/3 7/ईई/33 4/83-84---यतः मझे, शशिकांत लक्कणी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुक्त से अधिक है

पलैट नं० 42 दूसरा माला वानवरी पूना सर्वे मं० 31 है सथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णस्प से विणत है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 9-9-1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियॉ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, न्मिनलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से केथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) महेन्द्र एण्ड विलास कन्स्ट्रनगन कं० (प्रा०) किमिटेड 321 न्यू टिम्बर मारकीट पूना—2 (श्रन्तरक)
- (2) श्री पी० कृष्ण मूर्थी,6 लाडीवासा रोड,जगताप पार्क—पूना—1

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति दूवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यख्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं ० 42 दूसरी मंजिल, प्लाट नं ० 31 सर्वे नं ० 17ए, धानवरी पूना—13

(जैसी कि रिजस्ट्रिशन नं० 1940/जो तारीख 19-9-1983 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज पूना के भ्राफिस में लिखा है।)

> शशिकात कुलकर्णी सक्षम ग्रिधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 6-12-1983

मोहर ः

त्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ----

जायकर जीधनियर, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक मायकर जायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 दिसम्बर 1983

निदेश मं० सी० ए०-5/37 ईई/335/83-84---यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वागत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (ज) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) मेसर्स विजय इण्टरप्राइजेस 515 रेवा चेम्बर्स न्यू मरीन लाइन्स वम्बर्ड ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री एस० एच० धारीवाल, 8 शास्त्री ग्रपार्टमेंट 4 मोलेदीना रोड, पूना----1

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--'

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए पा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयूषत शन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

वनसूची

पलैट नं० 204 ए विंग दूसरी मंजिल, 7 मोले<mark>बीना रोड,</mark> पूना—-1

(जैसी, कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/2139 जो सहायक भ्रायकर स्रायकत (निरीक्षण) सर्जन रेंज, पूना के दक्तर में लिखा है।)

> णशिकांत कुलंकणीं सक्षम श्रविकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रैंज, पूना

दिनांक : 8-12-1983

मोहर 🛭

प्ररूप ,आई' . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 फरवरी 1984

निदेश सं० सी० ए०- 5/37 ईई/347/83-84-यतः पक्के, शिकांत कूलकर्णी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 15 धनलक्ष्मी श्रपार्टमेंट, सेनापती बापट रोड, पूना—(क्षेत्र—1090 स्के० फीट) है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिक्षिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक सितम्बर, 1983 तथा नम्बर 1840,

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान, प्रतिफल के लिए अन्ति रत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आग्न या किसी धन ग्रा अन्य . आस्तियों को , जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था , छिपाने में पश्चिम के लिए;

बत: बब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में ,में उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निकिषित व्यक्तियों, अर्थात्—
33—6 GI/84

(1) मेसर्स गुंजाल फैमिली ट्रस्ट द्वारा हिन्दुस्तान बिल्डर्स 836, सदाशिव पेठ, पूना—30

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुरेश विष्णु मायादेव और श्रीमती ग्राशा सुरेश मायादेव, द्वारा श्री रानडे, 5, शैलेन्द्रा सौसायटी सेनापती बायट रोड, शिवाजी नगर पूना । (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेय ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के एउट निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, का उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

प्लैट नं० 15, धनलक्ष्मी श्रपार्टमेंट सेनापती बाषट रोड, पूना, (क्षेत्र०—1090 स्कवे० फीट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत न० 37 ईई/1840/पूना /1983-84, दिनांक सितम्बर 1983 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है ।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आगक्द आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 20-2-1984

श्रक्य वाड^{*}.टी एन.एस.------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के सभीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 फरवरी 1984

निर्देश सं० सी ०ए ० 5/37 ईई/348/83-84---यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहत से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं 8 डहानू कर कालौनी प्लाट नं 97 सं नं 26-ए, कोयरुड, पूना-29 है तथा जो पूना-29 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नं 1849 अगस्त, 1983 को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ख्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुइं किसी आग्य की आसत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे अचने में मृविधा के लिए और/आ
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य असितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियमें, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्यार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, मीँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मेसर्स प्रसाद कन्स्ट्रक्शन
 438, नाना पेठ. पुना-2

(अन्तरक)

2. श्री श्रीनियास आर० नादरगीकर, 411, शनियार पेठ, पुना 30

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्स सभ्यास्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा
- (क) इस सूचना के रीजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सक्ति।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्त्यी

फ्लैट नं० 8, डहाणूकर कालौनी फ्लैट नं० 97 सं० नं० 28-ए, कोयरुड पूना-29, (क्षेत्र 720 स्क्वेयर फोट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/1849/पूना/अगस्त, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

दिनांक 13-2-1984 मोहर : भक्ष आई.टो.एन.एस 🖯 -----

नायकर निपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासर, प्रक्रमक नायकर नायकत (प्रिरीक्षक्) अर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनांक 14 फरवरी 1984

निर्देश सं० सी॰ए० 5/37ईई/351/83-84--यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

कायकर अधिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सैन्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या ज्याट नं 0 15 बिल्डिंग—ई अणोका को-आपरेटिंब हार्डिंस सोसायटी लोक्टोक्एस वं 3 अगैर 3/1, नेल्लोर रोड, पूना—1 है तथा जो पूना-1 में स्थित हैं (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप सं विणित हैं), रिजर्स्ट्राकर्ती अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्राकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं 2097 दिनांक सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल् निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कि विश्व महीं कि वा पक्ष है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की नानत, उपछ विधिनियम के न्यीन कर बने के मन्तरक के सामित्य में क्रांबी कड़ने या अससे व्यन में सुविधा के सिए; भूडि/बा
- (च) ऐती किसी नाय या किसी धन या अन्य जारिसयों को, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमं, ना धन-कर जिधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए हा, छिपाने में सुनिधा से जिल्ह;

बतः अब, उक्त विभिनियम की भारा 269-म के जनुतरण वी, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीक, निम्निसिक्त व्यक्तियों, शर्मात् क्षान्स

- मेसर्स शरद प्रमोटर्स,
 - 2, ईस्ट स्ट्रीट, पूना-1

(अन्तरक)

 श्री जोधा सिंह साहिबसिंग अडवान्सी 30 अनघर ए-1, साबा बिल्डिंग, फहाद सलेम स्ट्रीट, कुंबेत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उनते स्थावर सम्परित में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, वो उक्ट विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अधं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

पलैट नं० 15 बिल्डिंग नं० ई०, अशोका को-आपरेटिव हार्डीसँग सोसायटी, सी॰टी॰ एस॰ नं० 3 और 3/1, नेल्लोर रोड, पूना-1 (क्षेत्र 1000 स्क्वेयर फीट), (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2097/पूना/सितम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारोख: 14-2-1984

प्ररूप बार्ष हो हो एन् एस् -

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

पूना, दिनांक 20 फरवरी 1984

निर्देश सं० सी ०ए० 5/37ईई/352/83-84--अतः मुझे,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रापये से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लेट नं० बी-4, मायफेयर की-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी पूना-1 (क्षेत्र 1650 स्क्वेयर फीट) है तथा जो पूना-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नं० 2093/सितम्बर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध करतीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थां या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्रीमती कमला के० चंदनानी, फ्लैट बी-4, माय फेयर सोसाटी, ढोले पाटिल रोड, पूना-1

(अन्तरक)

2. श्री प्रकाश कें अथवानी और विनोद कें अथवानी, अथवानी, फ्लैट नं बी ०-1, माय फेअर सोसायटी, ढोले पाटिल रोड, पूना-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किएसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय

बन्सूची .

फ्लैट नं० बी-4, मायफेअर को-आपरेटिव हाउसिंग, सोसायटी पूना-1 (क्षेत्र 1650 स्क्वेयर फीट) . (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/2093/पून

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/2093/पूना 83-84/ सितम्बर 83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 20-2-1984 मोहर : प्ररूप शाइ^र, द्ये. एन , एस_.------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अजन रोज, पूना

पूना, दिनाक 12 सितम्बर 1983

निर्देश मं० मी०ए० 5/37ईई/365/83--84--यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट न०3 चाथा माला पियामा अपार्टमेट, 2002 सेंट विन्सेंट स्ट्रांट पूना-1 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शक्षण) अर्जन रोज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-9-83

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उचित नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कस निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तिक क्य से कथित नहीं किया नवा है:---

- (क) जन्तरण स हुई किसी जाम की बाबत, उस्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

लतः जब, उक्त लिधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री सूरज एस० गोपलानी,
 141/8, मीरा सोसायटी शकर सेठ रोड,
 पूना-1।

(अन्तरक)

 श्री पी० पा० दासवानी ऑर ह्वी० पी० दासवानी, सी--9, गीता सोसायटा, पूना-1।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी कारके पूर्विक्त । सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध भी कांद्र भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वार;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमं प्रयुक्त शब्दों और एवों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० <mark>3 चौथा</mark> माला मियाजी अपार्टमेंट -2002 सेंट विन्सेंट. स्ट्रीट, पूना-1 ।

(जैसा कि र्राजस्ट्राकृत नं०37 ईई/2094/पूना-83-84 जो तारीख 23-9-83 को सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शणिकांत कुलकर्णी संक्रम प्राधिकारी सहायक आयकर ृआयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

ता**रीख**: 12-12-1983

माहर 🕾

प्रसम्य नाकै दी . एव . एस . ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन स्वना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना विनांक 12 विसम्बर 1983

निवेंश सं० सी० ए०-5/37ईई/366/83-84--अतः मुझे, णिशकांत कुलकर्णी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या पलैट नं ए-31, 459 सालीसबरी पार्क, पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, पूना, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-9-83

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एक दश्यमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिशत से अधिक हैं (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीस एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हैं लिखित में बास्तिक अप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) बम्बरण से हुन्दे फिकी बाय की बावत, क्यक अधिनियम के अधीन कर क्षेत्रे के बन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उन्नसे बचने में सुविधा के निए; और/म
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी युवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मृतिभा के लिए;

जतः अव, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिश्चित व्यक्तियों, अभीत्:---

मेसर्स ए० ह्वी ० भट एन्ड कं०,
 1347, सदाशिव पेठ, पूना-30

(अग्तरक)

 श्री एच० पी० नंदवानी और एम० पी० नंदवानी, द्वारा श्रीमती वसंदानी ब्लाक नं० सी/24, चंद्र नगरी, पूना ।

(अन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए एतवब्वारा कार्यवाहियां भूक करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी विध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस मं 45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

पलैट नं ए/31 459-सेलिसबरी पार्क, पूना (जैंसी कि रजिस्ट्रीकृत नं 37 ईई/1954/83-84 जो तारीख 6-9-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के आफिस में लिखा है) ।

> णिक्यांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 12-12-1983

मोहार 🖫

प्ररूप बार्ष: टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्ट्रायक कायकर आयुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनांक 23 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० सी०ए०-5/37ईई/83-84/391--अतः, मृत्ते, शशिकांत कुलकर्णी

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार 'उक्त निधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं ए-1/1, सदाशिय अपार्टमेंट पहला माला. 1145, शिवाजी नगर, तथा जो पूना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं). रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, पूना मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31-8-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल सं, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण थे हुई किसी नाम की बाबत, उक्त श्रीमिथम के अधीन कर दोनाके अन्तरक के शामिका में कमी इससे मानश्र, तनत हो भूगिया के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या का या किया अका जाहिए था. छिपाने में स्विभा के लिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- मेसर्स वेवस्थले करंबीक और एसोसियेट्स, 720/2 नवींपेठ, "जगन्नाय" पूर्ण-30।

(अन्तर्क)

 डा० पुष्पा एन० तुपे, तुपे हास्पिटल, श्रीरामपुर जिला अहमदाबाद नगर।

(अन्परिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की जबिध या तत्संस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ए से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्थी

फ्लैट नं० ए-1/1 सदाशिव अपार्टमेंट, पहिला माला, 1145 णिवाजी नगर, पूना।

(जैमा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/1835/83-84 जो तारीख 31-8-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा है।)

> गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, पून्

तारीख: 23-12-1983

मोक्षर -

त्ररूप आहाँ. टी. एन, एस.------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायीलय, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण) भ्रर्जन रेंश, पूना

पुना, दिनांक 27 दिसम्बर 83

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/397/83-84--श्रत:, मुझे, शशिकांत कुलकर्णी. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

इसको पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स भे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 102 "रामनिवास" छेडा रोड़ डोम्बीवली (ईस्ट) जिला ठाणे है तथा जो डोम्बीवली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पूना में, रजिस्दी-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 27-9-83

को पर्थोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य संकम को इस्यमान प्रिक्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, असको दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत. निम्नसिवित उद्देशक में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर वीने को अन्तरक की शाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा **में सिए; जोर**/या
- (का) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिल् था छिपाने में सविधाके लिए;

मत: मध, उन्तः मिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीनिश्वत व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

(1) मैसर्स के० डी० पटेल अवर्स. मनोरमा विलिंडग, मखर्जी रोड, डोम्बीवसी (ईस्ट), जिला ठाणे.

(ग्रन्तरक)

(2) प्रकाश वालचंद्र लाडे, 11/350, पंतनगर, घाटकोपर (ईस्ट), बम्बई. ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्णन के अन्यन्थ में कोड़ा भी गुरुने :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभियातत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विम की अविभ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत न्यन्तियों में से किसी न्यन्ति दवारा:
- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के शीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य अ्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव लिमित में किए जा सकोंगे।

ल्यव्यक्तिरण :--देसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वाधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित 🗗, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

प्लैट नं० 102 रामनिवास छोडा रोड डोम्बीवली (ईस्ट) जिला ठाणे।

(जैसा की रजिस्ट्रीकृत नं० 2378/ठाणे जो तारीख 27-9-83 सहायक भ्रायकर भ्रायकत निरीक्षण (भ्रर्जन) रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> र्णाणकांत मुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंक्, पूना

नारीख: 27-12-83.

मोहर 🖇

प्रकप बार् , दी. एत्. एस ,

बायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 27 दिसम्बर 83

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/399/83-84—-म्रतः, मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भति, विश्वका जीवत बाबार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 18 बी बिल्डिंग सुनीता को० हाउमिंग सोसायटी नियर नखवा हाईस्कूल ठाणा (ईस्ट) के कार्यालय पूना में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 30-8-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा यूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सृविधा के निए; और/या
- (ख) एसी किसा आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत यधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, टक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-34-6GI/84

(1) श्री सुभाष चंद्र मिश्रा, पलैट गं० 18 वी विल्डिंग, सुनीता को० ग्रा० हाउसिंग सोसायटी, ठाणे (ईस्ट) ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विजय एकनाथ ग्राहेर, फ्लैंट नं० 18 बी बिल्डिंग, सुनीता को० ग्रा० हार्जीसंग सोसायटी, नियर नखवा हाईस्कूले, ठाणे।

(ग्रन्तरिती)

कर यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं 18 बी बिल्डिंग, सुनीता को श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी नजदीक नखवा हाई स्कूल, थाना (ईस्ट)

् (जैसी कि रिजस्ट्रीकृत नं० 2424/थाना/83-84 जो तारीख 30-8-83 को सहायक आयकर आयक्त निरीक्षक अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शिश कान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकौरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनां र : 16-2-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस्. -----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

आर्थालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 10 फरवरी 1984

निवेश सं० सी०झो० 5/37ईई/83-84/462-श्रतः, मुझे, शणिकांत बुलकर्णी,

बावकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- ल सं अधिक हैं

प्राँर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 4 पहिला माला यतीन भ्रपार्टमेंट फ्लैंट नं० 535 ए, एन०डी० पटेल रोड, नासिक है तथा जो नासिक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पूना में रजिस्ट्रीकरण भ्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनां क 29-7-1983

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों क्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तिकों अने, किसी भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) हे अधीर, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अधित :---

- (1) 1. श्री इस्द्र प्रकाश पुरी
 - श्री हरीण कुमार सेले,
 णिय दर्शन एन० डी० पटेल रोड,
 नासिक ।

(भ्रन्तरक)

 श्री ग्रानन्य पुर ट्रस्ट, तर्फे भाग चंद ग्रशतराथ खुवानी (चेला श्राफ ट्रस्ट), पंजाब वाड़ी, सायन, ट्राम्बे रोड, देवनार डिपो, बम्बई-88।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां कारता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से सिमी व्यक्तित दशरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्याय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म िकए जा सकी।

स्पव्योकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होता जा उस अध्याय मे दिया अभा है।

अन्स्ची -

पलैंट नं० 4 पहिलामाना, गतीन श्रपार्टमेंट प्लाट नं० 535 ए, एन० डी० पटेल रोड, नासिक ।

जैसी कि रजिस्ट्रीकृत नं० 49/83-84/नासिक/जो तारीख 29-7-1983 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

> ाशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्राय्तत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 10-2-1984

प्ररूप आई: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्**चना**

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रजीन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 15 फरवरी 1984

निर्देश सं० सी० श्रो० 5 / 37ईई/83-84/463--- यतः मुझे, शशिकांत कूलकर्णी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं ० ए-2 ग्राणियाना बिल्डिंग, प्लाट नं ० 15 सेक्टर नं ० 17 डी०सी०बी० वासी न्यू वास्बे हैं तथा जो वाशी में स्थितहैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पूना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक 19-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल कित निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाअस, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

जतः वश उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीता, निम्नलिखित व्यक्तियों त वर्षीता वर्षा

- (1) श्री डी० के० भरेजा, श्री सतीश के० भतेजा, 1145 श्रोल्ड हमीदा यमुना नगर, हरियाणा। (भन्तरक)
- (2) श्री के० डी० मानकताला, श्री हरदित्त सिंह मानकतला, बी-3, टाइप 3/2: 3सेक्टर-2, वासी न्यू मुंबई। (अन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा. जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए-2 भ्राशियाना बिल्डिंग फ्लैट नं० 15 सैक्टर नं० 17 डी० बी० सी० वाशी न्यु बंबई।

िंगैसी कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2419/ठाणे/83-84णो तारीख 19-9-83 सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (मिरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

तारीख: 15-2-1984.

भोद्धर 🛭

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना-4, दिनांक 15 फरवरी 84

निर्देश सं० सं० ए० 5/37ईई/464/83-84--- ऋतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी मं० फ्लैंट मं० 7 रामबाग कालोनी, सर्वे नं० 120, 121 श्रीर 122 का हिस्सा है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है(, रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-9-1983.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अम्तिक रूप से किथा गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रवाधन या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिंत न्यक्तियों, अभीत है—— (1) श्री जगदीश नारायण काले, 538/ए/2, शनियार पेठ, पूना--411030।

(अन्तरक)

(2) भैंसर्स रेकसन एन्टरप्राइजेस, 261/62, बुधवार पेठ, पूना,।

(अन्तर्रिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किस्सा का प्रकार ।

रपष्टीकरण:-- इसगा प्रयूक्त शब्द और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यात 20-क मी परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया है।

अनुस्धी

फ्लैंट नं० 71, रामबाग कालोनी, सर्वे नं० 120, 121 और 122 का हिस्सा, कोथरुड, पूना-411029। क्षेत्र-1000 स्कवं० मीटर्स।

(जैसे को रिजस्ट्रीकृत नं० 37—ई/पूना/1842/83—84 तारीख $2_{\overline{r}}9$ —83 को सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख: 15--2-1984

भाइर 🏗

इस्य आईं.ती.एस.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

राह्य दशकार

कार्यालय, सहायक **आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 15 फरवरी 84

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/466/83-84--यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

औय जिसकी सं० सी० टी० एम० नं० 4055 प्लाट नं० 14 संगमनेर जिला अहमदनगर है तथा जो संगमनेर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प से विणित हैं(, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-8-83.

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेदिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सूर्विधा के सिए; बीर/या
- (का) एंसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, क्रियाने में सविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपवारा (1) को अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री लक्ष्मण गजानन जोगी,9/98 लोकमान्य नगर,पूना-30,

(अन्तरमः)

(2) डा॰ कल्याण मोतीलाल गंगवाल, 586, सदाशिव पेठ, पूना-30,

(अन्तरिती)

का यह सूचना वारी करके पृत्रोंक्स सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

चयुत्त सम्पत्ति के अजंग के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, या भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से निक्सी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीष्ट से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य त्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभामित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुस्ची

सी० टी० एस० नं० 4055 प्लाट नं० 14 संगमनेर जिला अहमदनगर।

(जैसी रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई|6|83-84|अहमदनगर जो तारीख 18-8-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख: 15-2-1984

मोहर 🛭

प्ररूप वार्षं.टी. एन . एस . ------

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, पूना पूना, दिनांक जनवरी 1684

निर्देश सं० सी०ए० 5/37-ईई/468/83-84--यतः मुझे,

मिमिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसको संख्या फ्लैट नं० 5 है तथा जो डोबीवलि जिला थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिक है) रजिस्दोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में राजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके उक्ष्यमान प्रतिफल से, एसे इक्ष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मुसा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित र्जे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है..---

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, अभिनियम को अधीन कार दोने को अंतरक को दामिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा .कोलिए; और√या
- (आ) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उप्धारा (३) 💰 अभीष, निभ्रतिवृद्धित अविक्तयाँ, 🗥र्शत् 🖫 🛶

 मेससं शाह कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, उस्मान मं जिल पहली, अग्यारी लेन, बम्बई-400003 L

(अन्तरक)

2. श्री सुग्रता चत्रवर्ती, 17/18 जोबानी बिल्डिंग, 61 ठाकुर्सी, तहसील कल्याण, जिला थाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप ∴--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगै।

स्पर्वक्रीकरण ः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वही कर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

सन्**स्त**ी

फ्लैट नं० 5, आशिष अपार्टमेंट, सारस्वत नगर, डोंबी बली (ईस्ट)। क्षेत्र---51.83 स्क्वेयर मीटर ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नंबर 37-ईई/याना 2340/83-84/ नवम्बर 1983को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम अधिकारी सहायक आयक्य आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रेज, पूना

तारीख: 16-1-84 महिर 🕾

प्रस्प आहुर , शी , एन , एस , ----

भायकर मीधनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीम स्वना

शास्त्र बडकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 फरवरी 84

निर्देश सं० सी०ए० 5/37 ईई/469/83-84---अतः मुझे, शश्चिमात क्लकर्णी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य, 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं ० 407, चौथी मंजिल दिवा श्रंबाडी रोड वसई (वेस्ट) है तथा जो वसई (वेस्ट) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, दिनांस अगस्त 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय नय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उथत अन्तरण मिश्रित में बास्तिक रूप से मिश्रित नहीं किया गया है:--

- (म्म) असरण से हुई फिसी हाथ की नाबस, उक्त जिथितियम के जभीन कर दोने के अन्तरण के दारिस्य में कमी करने या उसमे बचने में सुनिशा के सिष्; वीस्/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विक्ष की निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मो, उल्ल अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीत, निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैसर्स जास्मंत बिल्डर्स,

 मैसर्स जास्मंत बिल्डर्स,
 नंविद्या नंव 3,
 नंमिगटन रोइ,
 बंबई-400003,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हेमा पांडुरंग रायकर, मी/ओ बैंक आफ महाराष्ट्र, ठाकुरहार क्रांच. वंवर्ड-

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थान्त में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्ध व्यक्ति इसाम क्यांक्रिताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकींगे हैं।

स्युक्तिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं,, यही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

फ्लैट नं० 407 चौथी मंजिल दिवा अंशाङी रोड, फ्लैट नं० 15/16, बसई (वेस्ट)। क्षेत्र-380 स्केवे० फीट।

(जैसा कि राजिस्ट्रोकृत नंबर 37 ईई/1737/याना/83-84 तारीख 6-8-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

णशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकरण्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख: 7-2-84.

प्ररूप काइं.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेज, पूना

पुना, दिनांक 3 फरवरी 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/83-84/470—श्रत : मुझे, शशिकांत कुलकर्णी;

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 201, दिवा अंबाटी रोड़, है तथा जो वसई (वेस्ट) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूणंरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सर्विधा के सिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :→

मैनर्सं जस्मिन विरुडर्स, ्रा/10, नघजीवन सोसायटी बिल्डिंग, लमीगटन रोड़, क्रेंबई⊶400003 |

(अन्तरक)

(2) फ्रेस्टो थॉमस काश्मीरा,
हाजी ह्वीब बिल्डिंग,
पहली मंजिल,
प्ले हाऊस,
ग्रांट रोड़,
बंबई-400007

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथे कित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबत्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पव्डीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित कुँ, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं [1]

अनुसूची

प्लैट नंबर 206, पहली मंजिल, दिवा अंबार्डी रोह, वसई (वेस्ट) क्षेत्र 330 स्क्वें फीट।

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत नंबर 37ईई/4741/83-84/अगस्त 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निर्शक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

णणिकांत कलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारी**ख**: 3-2-84

मोहर 🕄

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्धालय, सहायक बायकर काय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना-4, दिनांक 4 फरवरी 1984

निर्देश : सं० सी० ए० 5/37ईई/83-84/471--अत:

मझे, शशिकांत कुलकणी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट सर्वे नं० 108 फ्लैंट नं० 15/16, दिवा अंबाडी रोड़ है तथा जो वसई (वेस्ट) में स्थित है (और इससे उपवाद अनुसूची में और पूर्णंरूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाडिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिरियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--5-6GI/84

(1) मैसर्स जस्मिन बिल्डर्स, 4/10,नवजोवन सोसायटी, लमिंगटन रोड. बंबई--3 ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० बी० श्राफ, 79/85, न्य हनुमान लेन, मिमराज बिल्डिंग, कालका देवी रोड, बंबई-2 ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ं व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिखत में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

फ्लैट नं 108, पहली मंजिल, फ्लैट सर्वे नं 15/16, दिवा अंबाडी रोड़, वसई (वेस्ट) जिला थाना क्षेत्र-565 स्क्वे० फीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नंबर 37ईई/4740/83-84/ अगस्त 1983 को सहायक आरकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकय आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज, पूना

तारीख: 4-2-84

प्ररूप आहें, टी. एन. एस.------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना-4, दिनाक 6 फरवरी 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/472/83-84-अत: मुझे, गशिकांत कुलकर्णी,

भायकर शिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

औप जिसकी सं० फ्लैट नं० 402 फ्लैट बी० एस० नं० 15/16, दिवा अंबाड़ी रोड़ है तथा जो वसई (बेस्ट) में स्थित है (और इससे उपबाद अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके श्व्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/गा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधी न, निम्निलिस व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) भैंसर्स जिल्ल्फ्न,
 4/10,
 नवजीवन सोसायटी,
 नमिंगटन रोड़,
 बंबई~400003 ।

(अन्तरक)

(2) श्री कमलाकर शंबार निश्से,
सहजीवन बिल्डिंग,
गणेश नगर,
लाल बाग,
बंबई-400012 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपरित में हितबब्ध किसी। अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्यो।

स्पट्टोक रण: --- इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदों का, भो उसर अधिनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 402 चौथी मं जिल, फ्लैट नंबर बी० एस० 15/16, दिवा अंबाडी रोड़, वसई (वेस्ट) जि० थाना। क्षेत्र-330 स्कवे० फीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नंबर 37ईई/1738/याना/83-84 अगस्त 1983 को सहायश आयशर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

णियांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 6-2-84

मोहर 🏅

प्ररूप बाह्र हो. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना-4, दिनांक 20 फरवरी 84

निर्देश सं० सी० ए० 5/37६ई/473/83-84—अस: मुझें, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रू. से अधिक हैं:

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नंबर 24 है तथा जो पूना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफस के लिए अन्तरित की गई है, और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित् बाजार मृत्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशास से अधिक हो और अन्सरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के भीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शतिकल, निम्नुशिक्ति उद्देष्य से उपस मन्तरण लिकित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण तं हुई किसी नाम की नावत उक्त मिंध-जियम के मधीन कर दोने के जन्तरक के सामित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यवित्यों, अधीर ु— (1) श्री यशवंत नारायण भिडे,
 17, मीलन सोसायटी,
 133 कोथरूड,
 पूना-411029।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश मुरलीधर पवार,
 फ्लैट नं० एच-24, 308,
 सोमवार पेठ,
 पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं मुर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गुद्धा हैं।

नग्स्ची

फ्लैंट नंबर एष-24, पहली मंजिल, सुंदर नगरी को-आप्रेटिव हार्डीसग सोसायटी, 308 सोमवार पेठ, पूना-11 (जैसे की रजिस्ट्रीकृत नंबर 925/83-84/पूना/जुलाई 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> गशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

सारीख: 20-2-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पुना, दिनांक 15 फरवरी 84

पूना, ादनाक 15 फरवरा 84 निर्देश सं० सी० ए० 5/1076/83-84--अत: मुझें, शशिकांत कुलकर्णी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बागर मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव सीव टीव एसव नंव 1627 ग्रीर 1628-ईव-बार्ड राजाराम पूरी कोल्हापुर है तथा जो कोल्हापुर स्थित है (ग्रीर इससे उपांबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विज्ञ है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक करिवर कोल्हापुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 21-7-83 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम से कम के दूध्यमान प्रतिफल के निए धन्तरित की मई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कियथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रीवक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधिन उद्देश्य से उक्त प्रत्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधिन उद्देश्य से उक्त प्रत्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधिन

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तुनिभा के लिए; आर्/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन गा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भग-कर प्रविभियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, िष्टपाने में सूर्विधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कें अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अधीत ६ श्री मद्दनलाल हुकमीचंद सारडा, राहागार,
 826; डी० वार्ड, कोल्हापुर ।

(अन्तरक)

(2) लक्ष्मीनारायण हुकमीचंद सारङा, 1972/73, सी० वार्ड, कोल्हापुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मैम्पित में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

सी० टी० एस० नं० 1627 श्रौर 1628 ई० वार्ड, कोल्हापुर राजाराम पूरी; कोल्हापुर।

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत नं० 3561 जो तारीख 21 जुलाई 1983 को बुय्यम निबंधक करविर जिला कोल्हापुर के बफ्तर में लिखा है।)

> गशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 15-2-1984

प्ररूप आद्दे. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सुच्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना
पूना-4, दिनांक 14 फरवरी 84
निर्देश सं० सी० ए० 5/1077/376/83-84--अतः
मुझे, शणिकांत कुलकर्णी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 392/1 से 392/13 सी० वार्ड, कोल्हापुर है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक कर्रावर कोल्हापुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-7-83

को पृथोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृयोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-चिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्त अधि-भिन्न के अधीज कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कभी करने वा उससे क्यूने में सूहिशा के सिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग की उपभाग (1) अभ्याधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु—— (1) श्री लक्ष्मीनारायण हुकमीचंद सारडा,
 1972/73,
 सी० वार्ड, कोल्हापूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मदनलाल हुकमीचंद सारडा, 826, डी० वार्ड. कोल्हापुर ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारा करके पृथायत संपरित के अर्चन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांस्तयों में हो किसो व्यक्ति धूनारा;
- (स) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

र्सा॰ टी॰ एस॰ नं॰ 392/1 स 392/13 तक सी॰ बार्ड, कोल्हापुर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 3563 जो तारीख 21-7-83 को दुस्यम निबंधक करिवर के दफ्तर में लिखा है।)

> ग्रशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारी**ख**: 14-2-84

मोहर 🛭

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 13 फरवरी 84

निर्वेश सं० सी० ए० 5/1078/37-जी/83-84--अतः मुझें, शशिकांत कुलकर्णी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 392/1 से 392/13 सी० वार्ड कोल्हापुर है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (ग्रौर इससे जपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णेरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक करविर कौल्हापुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 83

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वरतिविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए;

जसः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंजिक व्यक्तिसामें अधीत ि— (1) श्री गिरिधर हुकमीचंद सारडा,
 ए० 1972/73,
 सीं० वार्ड, कोल्हापुर।

(अन्सरकः)

(2) श्रीमती शिवधारी मदनलाल सारहा, राहगार 826, डी० वार्ड कोल्हापूर ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरिता के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से सृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंग ।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

STUE

सी० टी० एस० नं० 392/1 से 392/13 तक सी० वार्ड कोल्ह्यपुर ।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 3562 जो तारीख 21-7-83 दुय्यम निबंधक करविर के दफ्तर में लिखा है.।)

> गशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-2-84 मोहुरु ⊌

प्रक्रम बाह्री, दी. एन. एस. *****

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

भारत खरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पुना दिनांक 14 फरवरी 1984

निर्देश सं० सी॰ ए॰ 5/1079/83-84-अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

शायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000√-रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० सी—19 एम० आई० डी मी० सोलापुर है तथा जो सोल पुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरा अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक सोलापूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम् के अवस्तान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके श्रव्यमान प्रतिफल से, एसे द्रव्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्यों से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से काँगत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आम का बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अकः, उत्कर अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भी, अक्षत अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मैसर्र गोविवदाण इंबस्ट्रीण (फर्ग),
 - ाः राभदाराः
 - अांबांजी,
 - 3. साईबाबा,
 - 4. नारायण वडील-रामदास दुवास, 205-22 तेलंगी पाच्छापेट, सोलापूर,

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स गोविंदराज एण्ड सन्स (फर्म), भागीदार श्री सत्यय्या विश्वनाथ येलदी, 1288, भद्रावती पेठ सोलापुर,

(अन्सरिती)

को यह सुमना बारी करके पूर्वोक्त सभ्यक्ति को अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों क्षर सूचना की दामील से 30 दिन की अविध; जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पन्नीक रण: — इसमें प्रयावता शक्यों और पर्यों का, जो जकता अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

. प्लाट नं० सी'-19 एम० आई० डी'० सी० सोलापूर। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2591/83 जो तारीख अगस्त 1983 को दुय्यम निबंधक सोलापूर के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 14-2-84.

मोहर 🕹

प्ररूप आई.टी.एन.एस . -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरर। 269-व (1) के ब्राधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना
पूना, दिनांक 14 फरवरी 1984
निर्देश सं० सी०ए० 5/1080/83-84--अतः मुझे, शशिकांत
कुलकर्णी

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या सी०एस० नं० 2945/के० ग्रीर तीन मंजिला इमारत कोल्हापुर है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुग्यम निबंधक करिवर, कोल्हापुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3388/8-7-83

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरका के बायित्व में अभी अपने बा असरे अवने में सुविका के ज़िए, और/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय मा किसी घन या अन्य स्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय घर स्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रिधिनयम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था द्विपान में सुविधा के लिए।

जतः जन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनसरूष्मां, माँ, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः →

- श्री शंकर राव परगुराम पाटिल और अन्य सी० एस० नं० 1182/85, ई-वार्ड, कोल्हापूर। (अन्तरक)
- 2. (1) श्री किशन लाल मोहन लाल हेडा
 - (2) श्री नंदलाल देव किशन हेडा, 1466, लक्ष्मी पुरी सी० बार्ड कोल्ह्रपूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजरत ने प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी प्रविक्ता पर सूचना की तापील ने 35 दिन की प्रविधः जो भी प्रविध बाद में नमाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्त क्योंक्तयों में से जिसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वम्स्यी

सी० एस० नं० 2945/के० और तीन मंजिला खड़ी इमारत, कोल्हापुर ।

(जैसी कि रजिस्ट्रीकृत नं० 3388 जो तारीख 8-7-1983 को दुय्यम निबंधक करविर जिला कोल्हापुर के दफ्तर में लिखा है।)

मिशि कांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

तारीख: 14~2-1984

प्ररूप बाह टी एन एस .---

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ें अर्जन रेंज, पूना नियंक 12 एउटारी 1

पूना, दिनांक 13 फरवरी 1984

निर्देश सं० 37 जी०/185/जुलाई,83/1081—अतः मुझे, शशिकांत कूलकर्णी;

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या महान जे० सी० ए० न० 80 (पार्ट) टीका नंबर 16, घंटाली देवी रोड़ है तथा जो याना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक, थाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोंका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोन के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सृविभा को लिए: करि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय, या जिल्हा की सा अधिन यो अधिन के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 36—875H&FW/83

(1) श्री तिवसः दत्तातय सरवटे ग्रीर अन्य शरवटे वाडी, राम मार्ग्ता रोड, नौपाडा । थाना-400602।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स शुभदा एन्टरप्राईसेस, श्रद्धा बिल्डिंग संभाजी रोड, नौपाडा, थाना-400602।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान जो सी ०एस० नं० 80 (पार्ट) टीका नंबर 16, घंटाली देवी रोड, थाना में है। क्षेत्र---149.9 स्क्वेयर मीटर्स, बिल्ट अप एरिया।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नंबर 37 जी/930 7 जुलाई 1983 को दुट्यम निबंधक, थाना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-2-1984

प्ररूप् काइं ः टी. श्रन्ः। एस.-----

सायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, महाएक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 16 फरधरी 1984

निर्देश मं० सी०ए० 5/1082/83-84---यतः मृक्षे, णणिकान कुलकर्णी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पर्धात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या विलेज श्रंचोले सर्वे नं० 101 हिस्सा नं० 7 एरिया 5285.9 स्क्वेयर यार्डस सर्वे नं० 103 हिस्सा नं० 1 एरिया 6321.00 स्क्वेयर यार्डस है तथा जो श्रंचोले ताः बसई जिला थाना में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकप्री के कार्यालय, दुय्यम निबंधक बंबई में, रजिस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21-10-1983

को प्वेंक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएवेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उपक्ष अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या ग्राममे अपने में पितिशा के लिए; और/या
- (बा) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तिएएं का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए

कत अन, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1),श्री शंकर रामा पाटिल ग्रंचोले वेस्ट गोकीवरे तालुका बसई जिला थाना। (अन्तरक)
- (2) मेसर्म चंदन कन्स्ट्रवणन कं०, ए-8 नेमीनाथ अपार्टमेंट्स सिमपोली रोड, बोरीवली (नेस्ट), बम्बई-92।

(अन्परती)

को यह सूचना जारी करके पृता वित सम्पत्ति के अर्चन के लिए फार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध भें कोई भी ग्राक्षेप ई----

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख दें 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पृवाक्ति व्यक्तियों में से फिली व्यक्ति द्वारा;
- (ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीं स * 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोक्तस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीने।

स्पद्धिकरणः—-इसमें प्रयुक्त सब्दां और पदाें का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अधि होगा जो करा अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची:

विलेज ग्रंचोले, ताः वसई जिला थाने/स्क्वेयर यार्ड्स सर्वे नं० 101 हिस्सा नं० 7 एरिया 5285, 19 सर्वे नं० 103 हिस्सा नं० 1 एरिया 6321,00।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० ग्राए० 204/82 जो तारीख 21-10-1983 को द्य्यम निवंधक बंबई के दफतर में लिखा है।)

> श्राणिकांत कुलकर्णी सक्षप प्राधिकारी सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्पन रेंग, पूना

नारीख: 16-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 2-1-1984

निर्देश सं० सी०ए० 5/37ईई/413/83-84--अतः मुझे,

श्रशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

द्विश्रीर जिसकी संख्या दुकान नं० 6, स्मरूती मेघना को० आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि० प्लाट नं० 1एस० नं० 1/बी० है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिास्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानर चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

्र अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरणः में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री बाबूलाल मोतीलाल ग्रोसवाल, 81, भवानी पेठ, पूना-2।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार साधीराम शॉ ग्रौर महेन्द्र कुमार माघीराम शॉ , 1258, भवानी पेठ, पूना-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची :

दुकान नं 6, स्मरूति मेघना को अपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि , प्लाट नं 1, एस । नं 82/1—बी । पार्वती, पूना-411009/क्षेत्र 362 स्ववेयर फीट।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नंबर 37 ईई/पूना/1553/83-84 दिनांक 11-7-1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में मिला है।

शशिकाँत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

तारीख: 2-1-1984

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

बावकर अभिनियम, - 1961 (1961 का 43) की भाग 263-य (1) के अभीन मुनता

शाउप च्डकाड

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 3-2-1984

निर्देश सं० सी॰ए० 5/37 ईई/83-84/486—अतः मुझे शशिकांत कुलकर्णी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० ए-3, मधुबन को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी थाने, एक्सप्रेस, हाईवे है तथा जो थाने में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरंयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरंयमान प्रतिफल से, एसे इरंयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती. (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीप कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

जतः जब, उच्न अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में उज्जत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जभीन, निमासिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६1. बिल्डिंग कन्स्ट्रक्शन एंड फाईनेन्स लि०, 78-ए, डा० ग्रॅनी बेसेंट रोड, वरली, बम्बई-400018।

(अन्तरक)

थ्र. श्रीमती हेमलता एम० सुनता लिया, मार्फत श्रीमती डी० जी० कलंत्री, 46, बेल कोर्ट नं० 2, कोलाबा, कॉजवे, बम्बई-400003।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर प्रमुख्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकन।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त बिधनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं ० ए-3, मधुबन को आपरेटिव हाउसिंग सोक्षायटी थाना एक्सप्रेस हाइवे, थाने। क्षेत्र 490 स्कवे फीट। (जैसे की रिजस्ट्रीकृत नंबर 37ईई/1995/83-84/थाना तारीख 17-10-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

∤तारीख: 3-2-84 `

मोहर 🔞 🌣

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर निभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 23 फरवरी 1984 निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/487/83-84---अत: मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

सत्यकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक **ह**

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, अश्विनी अपार्टमेंटस्, प्लाट नं० 5 है तथा जो कोथरूड, पूना में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, र**िजस्ट्रीकरण अधिनियम**, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददोश्य से उथत अन्तरण लिखित में यास्तिविक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (a) अन्तरण स हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोनं को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (स) एेसी किसी आरु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्सरिटी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

(1) मैसर्स अश्विनी बिल्डर्स, 1488. सदाशिव पंट, पूना-30 ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप मोरेश्वर पटवर्धन, कलानिकेतन सोसायटी, कलानगर, पुना-9 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचवा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं ०, अध्विनी अपार्टमेटम, प्लाट नंबर 5, हैपी कालीला, कोथरूड, पूना । क्षेत्र-1142 स्क्लेयर फीट ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नंबर 37-ईई 239/पूना/83-84. जुलाई, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> णशिकांत कुलकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

अत: अब,, उत्वत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण 🗗 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1)

和民工 6

तारीख: 23-2-1984

🗓 ःपीतः, निम्नलिखित व्यक्तियों 🖯 वर्थात् 🖫 💳

प्ररूप बाई .टी.एन.एस.-----

भाय हर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 फरवरी 1984

निर्देश सं० सी०ए० 5/37-ईई/488/83-84---यतः मुझे, शशिकात कुलकर्णी,

प्रायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित कारार मूल्य 25,000/- क्यमें से अधिक है और जिसकी संख्या फ्लेट नं० 304 दूसरा माला सर्वे नं० 95/1, रेलवे लाइन्स, शोलापुर में है तथा जो शोलापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन'रेंज,पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का.16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983 को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के

को पूर्वीक्तं सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पद्धह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) प्रीर प्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाता गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी केसी आज या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के) प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव; उक्त प्रधिनियम की धारा 269 में के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269 में की उपशारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—— श्री श्रीराम चंद्रय्या बचुवार मार्फत मैससं श्रीराम एस्टेट एजेन्ट एंड डेवलपसं 12,सिविल लाइन्स,शोलापुर।

(अन्तरक)

श्री सुरेश रमिनकलाल पारीखः
 105, रेलवे लाइन्स, शोलापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुबना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की जामील में 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समापन होतो हो, के बीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ख) इस सुवता के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख में, 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितवक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास लिखि। में किये जा सकेंगे।

स्थब्दोक्तरणः ---इसमें प्र**युक्त श**ब्दों झोर पदा का, जा उक्त श्रवि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहा जब हाना, जो उा जधाव में दिया गा है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 304

सी॰टी॰एस॰, नं ॰ 8338/ए-5, 8339/ए-3 म्युनिसिपल हाउस नं॰ 95/ए, रेलवे लाइन्स, शोलापुर।

(जैसेनि रिजिस्ट्रे) पतनं 37 ईई/7/83-84पूने/जो तारीख जुलाई, 1983को सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज,पूना

तारीख: 23-2-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना

पूना, दिनांक 25 जनवरी 84

निर्देश नं॰ सी॰ए॰ 5/37-ईई/496/83-84--अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्तृ अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिन वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं ० 10, प्लाट नं ० 42, गोकुल नगर है तथा जो भिवंडी, जिला थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु रूचे में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रिजर्ट्रें करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिनांक 22-8-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जन्ति (जन्तिरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्नियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जलारण से हुई किसी बाव की नाब्त, सबस शिधिनियम के अधीन फार योने के जन्सरक की दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में स्थिधा ले निए; बीप/था
- (न) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज- नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में स्तिथा के लिए?

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा 💯 भी अधीरः, निम्नितिषित व्यक्तियों, अधीरः ः~~ भेसर्स संतक्ष्या एन्टरप्राइजेस प्लाट नं ० ४२, गोकृत नगर, भिजंडी, जिला—भाना

(अन्तरक)

श्री उत्यचंद दीपचंद गाह (अविभक्त कुटुम्ब)
 273, चौथा निजामपुरा, जैन कालोनी,
 आगरा रोड, जि० थाना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों अदि पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 10, प्लाट नं० 42, गोक्कृल नगर, भिवंडी, जिला थाना । क्षेत्र→851 स्ववेयर फीट ।

(जैसा कि रजिस्द्रीकृत नंबर 37-ईई/1894 थाना/83-84 दिनांक 22-8-83 को सहायक अयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

गणिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी यहायक अप्यक्त (तिरीक्षण) अर्जन रोज, पूना

तारी**ख**: 25-1-84

मोद्रगः :

१फ्य शाह टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

जार्यानय, महायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज,पूना

पूता, दिनांक 25 जनवरी 1984

निर्देश नं० सी०ए० 5/37-ईई/497/83-84-- यतः मुझे. गशिकांत कुलकर्गी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है.

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 6, प्लाट नं० 42 गो हुलनगर है तथा जो भिवंडी, जिला थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1983

को पृश्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृश्वींक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त्रितिशों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण् से हुई किसी आय की बागत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने से सविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नसिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :— मैंसर्भ संत्राम भ्रष्टरणाङ्ग्रेस, प्राट तंत्र १३, गाकुल नगर, भिवंद्रा, जिला थाना।

(अन्तर्क)

श्रीमती भूरी घेवरचन्द जैन,
 273, चौथा निजामपुरा, जैन कालोनी,
 आगरा रोड, भित्रंडी, जिला थाना।

(अन्तरिनी)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी काश्चंप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दृशास;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

पचट नं० 6, प्लाट नं० 42, गोक्ज नगर, भिवंडी, जिला थाना । क्षेत्र 907 स्पर्वेयर फीट ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नंबर 37-ईई/1893/83-84/ थानादिनांक 22-8-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक यायकर प्राय्वत (निरीक्षण) अर्जंग रेंज, पूना

नारीख: 25-1-84

मोहर 🖫

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

प्रायकर विश्विसम, 1981 (1981 के 43) की गर्छ 289-ध(1) के धरीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनाक 24 फरवरी 84

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/498/83-.84---अत: मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

हायकर लिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं • फ्लैट नं ॰ बी ॰ 37 आदीनाथ हाउसिंग सोसायटी पूने—37 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० सितम्बर 83 करें पूर्वों करा सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐस द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क, निम्बिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृदिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, गः धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियः गया वा वा बाला वाहिए वा. छिपाने ये स्विथा के लिए;

ब्रहः अन्त्र, , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 37—6 GI/84 (1) श्री बाबुभाई (डायाभाई) हेमचंद शाह, 816 भवानी पेठ, पूने-2 ।

(अन्तरक)

(2) मदनमोहन ओमप्रकाश अग्रवाल, टी-396, आदीनाथ सोसायटी, पूर्व-37 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त ,सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिश या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख़्स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभी कुल्लाकरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सवा है।

अनुसुधी

फ्लैंट नं० बी० 37 आदीनाथ हाउसिंग मोस।यटी पुना—37।

(जैसी की रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2235/पूना/83-84 जो तारीख सितम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूमा

तारीख: 24-2-84

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना भारत सरकार

> कायसिय , सहायक आयक्तर कायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पुना

> > पूना, दिनांक 24 फरवरी 84

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/499/83-84--यतः मुझे, शशिकान्त कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धमके परचात् 'उम्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का आरण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृज्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी संव पर्लंट नंव 2, चौथा भाग एवं वींग सर्थें नंव 10 (ए) हाउस नंव 8, 139 और 140 बंबई पूना रोड़ मुंबा जिला ठाणा है तथा जो मुंबा ठाणा में स्थित है (और इससे उपायब अनुसूची है और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; श्रीद्र/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रजट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में मृतिधा के निष्

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) मैससेरोझवी इस्टेट्स और होटल प्राइवेट लिमिटेड, प्रथम माला, रीझवी हाउस, हिल रोड़, बांद्रा, बंबई

(अन्तरक)

(2) श्री सवीओं रमजान अली, त्रिनाडे साइफी को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी रूम नं० 3. जल मंजला, नियर डेडी कालोनी, मुंबा, जिला ठाणे,

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि कार्यनिहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख : 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भ अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पंत्रि मों हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्हाअरी के पाम लिसित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्लैट नं० 2 चौथा माला ए० विग सर्वे नं० 100 हिस्सा नं० 8 सर्वे नं० 139 और 140 विलेज मुंबा जिला ठाणे।

(जैसी की रिजस्ट्रीशृत नं० 2205/37ईई/ठाणे/83-84 जो तारीख सितम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)

गणिकांत कुलकणी मक्षम प्राधिकार्र सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूक

तारीख: 24-2-84

प्ररूप. आहूर. टी. एन. एस. -----

नायकर अधितियम्, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना पूना, दिनांक 28 जनवरी 84

निर्देश सं०्सी० ए० 5/37-ईई/500/83-84--यतः मुझे, शश्चिकांत कुलकर्णी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० सी० टी० एस० नंबर 1156/1, है तथा जो औंध पूना में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-9-83

को पूर्वेक्ति संपत्ति को उचित नाजार मृल्य से कम के एक्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित नाजार मृल्य उसके एर्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूक्यमान प्रतिफल का पत्त्रह गतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तथु पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त गणिनियम की शाग 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती मोहिनी मोहनलाल जैन, अलेन टाऊन, यू० एस० ए०, कांस्टीचूएटिड अटर्नी होल्डर सी० एस० केरिंग, टिम्बर मार्किट, पूना।

(अन्तरक)

(2) श्री अशित विपिनचंद्रासंघवी, 32/19, चतुरसिधीरोड, पूना-411016।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्नोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

् उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट जो सी० टी० एस० नंबर 1156/1, औध, पूना में है। क्षेत्र 5667 स्क्वे० फोट।

(जैसे की रिजस्ट्रीयृत नंबर 2238/पूना/37-ईई/83-84 तारीख 28-9-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख: 28-1-84

प्राक्य वार्<u>ट हो पुन् पुर</u>्नान

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-घ (1) के बाधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 फरवरी 1984

निर्देण सं० सी० ए० 5/37ईई/501/83-84—यत: मुझे, प्रशिकात कुलकर्णी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पहचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि रथावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैंट नं० 32 सुख सागर बिल्डिंग, सर्वे नं० 261/2ए, गांव ठाणे रोड़ है तथा जो विरार, तथा वसई जिला थाने में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-9-1983

को प्रवेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण दिश्वित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक जी दासित्व में कमी करने या लगम बजने में मृद्धिका के लिए; और/या
- एसी किसी आय था किसी धन या अन्य बोस्तियों को जिन्हों भगरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन गिम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्रीमती लिल्ता बेन क्राजेश ठाकोरे, मार्फत गोविंद भाई शाह, 14, न्यु पोपट निवास, मथुरादास रोड़, कांदिवली (वेस्ट), बंबई∼67 ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० जी० रायते, 32, सुख सागर बिल्डिंग, सं० नं० 261/2ए, गांवठांने रोड़, विरार, (बेस्ट), जिला थाना ।

(अन्तरिती)

को <mark>बहु सुचना पारी करके पुर्वोचित सम्पत्ति को वर्षन के जिए</mark> कार्यवाहियां करता ह[ू]।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकों गे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्ची

फ्लट नं० 32, सुख सागर बिल्डिंग, सर्वे नं० 261/ 2ए, गावठाने रोड़, विरार (बेस्ट), तह० वसई, जिला धाने।

(जैसे की रजिस्ट्रोकृत नंबर 37ईई/1'371/83-84 तारीख 15-9-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के वफ्तर में लिखा है।)

> णशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीखा: 3-2-84

प्रकृष आर्घ . टी . एन . एस . ------

भायकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च(1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना; दिनांक 24 फरवरी 1984

ानर्देण सं० सी० ए० 5/1083/83-84---यत: मुझे, शाणिकांत क्लकणीं,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 118 (पार्ट) और 119 (पार्ट) पोलहर विलेज, तहसील बसई जिला ठाणा है तथा जो ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुव्यम निबंधक बंबई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ना० अगस्त 83

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तीवय, रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुइं किसी नाम की वाबत,, उक्त् श्रीपनियम् के अभीत कर बने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुनिधा के लिए; जौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जन, उसत विभिन्नियम् की भारा 269-ग की बनुसरण में, में, उसन अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अर्थान, निम्नोसियत व्यक्तियों, अर्थान् .—— (1) मसर्स गणपत डाइग और प्रिटींग वर्क्स, 113-115, पहला माला, ओल्ड हनुमान गली, बंबई-2।

(अन्तरक)

(2) मौसर्स आरती प्रिन्टर्स,
 22क, भवेरी बाजार,
 दूसरा माला,
 बंबई-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकिड व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी, अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्ची

सर्वे नं० 118 (भाग) और 119 (भाग) पोलहर विलेज तहसील बसई-जिला ठाणा।

(जैसी की रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 1952/82-83 जो अगस्त 1983 को दुय्यम निबन्धक बंबई के आफिस में लिखा है।)

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 24--2-**8**4

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस्.------

मायकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन मुबना

मार्त्य सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 फरवरी 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37जी/1084/83-84—अत: मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित गाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 30, 33, 36, 37, टीका नं; 24 है तथा जो खेदनी जिला थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक थाना में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख सितम्बर 83

को पूर्वीक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बायत उक्त विधिन निवस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निये; वरि/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियमों, अधित्:— (1) श्रीमती पुष्पावेन दयाशंकर पांडया और अन्य 3, भोईवाडा, पिपलवाला चाल, मोता मंदिर के नजवीक, बंबई-2,

(अन्तरक)

(2) श्री रतन डायालाल शाह और अन्य, पटवर्बन वाडा, जोशीवाडा के सामने, 7 रहट कुएं के पास, चरई, जिला थाना,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बय्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों ने।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में दिया गवा हैं।!

मनसर्वी

जमीन जो सर्वे नं० 30, 33, 36, 37 और टीका नंबर 24, है जियाजी पाथ, मौजे चेंदनी सालुका और जिला थाना में है।) क्षेत्र 523-40 स्क्वे० मीटर्स।

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत नंबर 1489/83 की दुय्यम निबंधक थाना के दफ्तर में लिखा है)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

तारीद : 7-2-1984.

मोहर 1

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 27 जनवरी 1984

निर्देण सं० सी० ए० 5/37ईई/495/83-84---अत: मुझे, शशिवांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पर्लंट नं० 15

है तथा जत भिवंछी, जिला थाना में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्प में विणत है, (रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयक्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 22-8-83 का पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के रहयमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मूभो यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिकल से, एसे रव्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिसित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उपल अभिनियम के अभीन कार दीने के अन्तरक के दायित्व में कामी कारने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/बा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्यरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की छपधारा (1) के त्रधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— मैसर्स संतक्ता एउटरप्राइजेस, पलैट नं० 42, गोकुल नगर, भिवंडी, जिला थाना.,

(अन्तरक्)

(2) 1 श्री बाबुलास 2 अबेरघंद जैन, श्रीमनी उपा बाबुलाल जैन, 17/19, णामसेठ स्ट्रीट, धावलीवाला बिल्डिंग, बंबई-400002,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुभना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ननसूची

फ्लैट नं० 15, दुसरी मंजिल, धावलीवाला बिहिंड \circ , बंबर्ड-400002। क्षेत्र-851 स्कवे० फीट।)

(जैसे की राजस्ट्रीकृत नंबर 37ईई/1895/83-84 ता० 22-8-83 की सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारी**ख**: 27-1-84.

प्रारम् आर्डः, टी. एत. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पूना; दिनांक 31 जनवरी 1984

निर्देश सं० सी० ए० 15 37ईई 494,83-84/--अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

25,000/- र. न जावन ह
और जिसकी संब प्लाट नंव 17, फ्लैट नंव 42 है तथा
जो गो कुलनगर भिवंडी जिला थाना में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-8-83
को पूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तियक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के िलए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, अक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं सर्म संतक्षा एन्टरप्राइजेस, प्लाट नं० 42, गोकुलनगर, भिवंडी, जिला थाना

(अन्तरक)

(2) मैसर्म धनपतराज एण्ड कम्पनी, 69/75, शेख मेमन स्ट्रीट, बठबई-400002,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुन्नो

फ्लैंट नं० 17, प्लाट नं० 42, गोकुलतगर, भिवंडी, जिला थाना क्षेत्र-880 स्क्वै० फीट।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नंबर 3.7ईई,थाना,1896,83-84 भारीख 22-8-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दण्टार में लिखा है।)

> गशिकत कुलकर्णी सजन प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैत रेंज, पूना

तारीख: 31-1-84,

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज, पूना पूना; दिनांक 24 फरवरी 1984

निर्देण सं० सी० ए० 5,37ईई/83-84/493-अत: मुझे, शणिकांत कुलकर्णी,

बुआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के गथीन शक्षम प्रतिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मम्पसि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रन, से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1 नलमंजला महाबीर सदम को० आ० हार्जिस सोतायटी विनायक मंदिर रोड़, भाइदर (बेस्ट) जिला ठाणे हैं तथा जो भाईंबर ठाणे में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख सितम्बर 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एोमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या
- (का) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों को, जिल्हों भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या लक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विज्या जाना नाजिए था छिपाने सें स्विधा के निया:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 38—6GI/84

(1) ज्योप्ति मोती रामानी,
फ्लैट नं० 1,
तलमंजला,
महावीर की० आ० हाउसिंग सोसायटी,
विनायक मंदिर रोड़,
भाइंदर जिला ठाणे,

(अन्तरक)

(2) श्री के० एन० तिवेदी, 126/1ए, आरे रोड़, प्रमीला सदन तिलक नगर, गौरेगांव (ईस्ट), बंबई,

(अन्सरिती)

को यह सुभना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए. कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनस्यी

फ्लैट नं० 1 तलमंजला महावीर को० आ० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड विनायक मंदिर रोड़ भाईंदर जिला ठाणे।

(जैसी की रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई,2417,83-84 जो तारीख सितम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 24-2-1984.

मोहर ३

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानयः, महायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 31 जनवरी 1984 निर्देश सं० सी० ए० 5,37ईई/83-84/492-अतः मुझे, शशिकात कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी सं फ्लैंट नं 2, तीसरी मंजिल तुलसीदास अपार्टमेंटस् बिल्डिंग नं 3, 826-बी, दस्तूर मेहेर रोड़ हैं तथा जो पूना—411001 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में , रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-9-83

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के सिए तय पाया गय प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जुनत अन्तरण विखित में वास्ति विक छप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के काबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए। और या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः जबः, उर्वत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, कर्मात:— अतुर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, अतुर फाउंडेशन हाउस,
 जे० अम्बेडकर रोड़, पूना-411001,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वीना सी० दादलानी, पलैट नं० 5, कृष्णा कुंज,
 2393, जनरल थिमय्या रोड़, पुना-411001,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लि कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4. दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसम अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट- नं० 2, तीसरी मंजिल तुलसीदास अपार्टमेंटस् बिल्डिंग नू० 3, 826-बी, दस्तूर मेहेर रोड़, पूना-411001 (जैसे की रजिस्ट्रीकृत नंबर 37ईई,पूना। 2078। 83-84 तारीख 12-9-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के देंप्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहाय ह आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 31-1-84.

मुक्त नार्षः, डी. स्तृ, युवः ---

नायकर नीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांत्रय, सहायक मायकर जायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना
पूना दिनांक 5 फरवरी 1984
निर्देश सं० सी० ए० 5,37ईई 491,83-84,—अत:

मुझें, शशिकांत कुलकर्णी,

नायकर निधिनयम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् उक्त मधिनयम कहा गया हैं) की बाख 269-व के नधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विसका उचित बाबार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जमीन जिसका गेट नं० 139, पुराना सं० नं० 49,2 और 49,5 है तथा जो धानोरी ता० खेड जिला पूना में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 1-10-83,

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरजमान प्रतिफल से, एसे दूरमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्त निम्ननिवित उद्वेदय से उन्त अन्तरण मिकित में बास्त-

- (क) नृत्युरण वे हुई किसी बाव की बावत बन्ध निवन जिनम के नशीन कर दोने की नत्यरक के शायित्व में कती बहुने वा कबने नुपने के बुचिया के जिये; जीर/या
- (क) एति किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मैं, मैं, उक्त सिमियम की भारा 269-म का उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, संधीत् ः— (1) श्री बाबुराव लक्षमन गावडे, धानोरी, ता० खेड, जिला पूना,

(अन्तरक)

(2) सतीश दशरथ काफडे, ग्रीन्डवेल नार्टन लि० के लिये, आर्मी और नेवो बिल्डिंग, 148 एम० जी० रोड़, बंबई-23,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप ह---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की जनिय जा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 विन की अविध, जांभी अविध बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वोक्स स्थितियों में किसी स्थिति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मी जिल्ला गार्मिंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रमुक्त शख्यां लीर पदों का जो उवत अधिनिया, की अध्याय 20 ा में पीरभाषिक ही, धही अभी होगा लें। उसा अध्याय में दिया समा है।

वन्स्ची

जमीन जिसका गेट नंबर 139/ए, पुराना सर्वे मं० 49/2 और 49/5 हैं। यह जमीन धानीरी, तारीख खेड जि॰ पूना में है। क्षेत्र-3.68 एकर्स।

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत नंबर 37ईई/2016/पूना/83-84 ता॰ 1-10-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

ता**रीख**: 5-2-1984.

मोहर 🏦

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन स्थना

भारत ग्रहकार

कार्यास्त्, सङ्खानक भाषकर नामुक्त (रिनरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 7 फरवरी 84

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/83-84/490---थतः मुक्को, गणिकांत कुलकर्णी,

नायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स मिधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- हुउ. से बिधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 53, बिल्डिंग नं० 4, दौलत नगर को० ओ० हार्डीसंग सोसायटी है तथा जो थाना (इस्ट) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अंसरक (अंसरकों) और अंतरिती (अंसरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल फल निम्निसिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर धेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; बीडः/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

नतः नय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ननुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के नभीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्री मोहननाल सुपुत्र अमरनाथ गुण्ता, बी०-15, सेंट मीरा को० ओ० हार्जीसंग सोसायटी, थाना (ईस्ट),

(अन्तरक)

(2) श्री रामेश्वरलाल भैरूदान तापरिया, पलैट न ० 53, दूसरी मंजिल, दौलतनगर, को० श्रो० हाउसिंग सोसायटी, थाना (ईस्ट),

(अन्तुरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर अकत स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्वक्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का आपी उक्त अधिनियम के अजाब 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया समा है।

अनुस्ची

फ्लैट नं० 53, बिल्डिंग नं् 4, दूसरी मंजिल दौलत नगर कौ० भ्रो० हार्जीसंग सोसायटी थाना (ईस्ट)। क्षेत्र 824 स्कवे० फीट।

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत नंबर 37ईई/1093/थाना/83-84/ अगस्त 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> यायिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आ<mark>युक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन **रें**ज, पूना

तारीखा: 7-2-84

मोहर 🥫

प्ररूप आई, टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की -भारा 269-ध (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 5 फरवरी 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/83-84/489--अत. मझे, शशिकांत कुलकर्णी.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जमीन गेट नं 119 में हैं। तथा जो धानोरी ता खेड जिला पूना में स्थित हैं (और उसमें उपाबद्ध अनुसूची में ऑर पूर्ण रूप से विणित हैं,) रिजस्ट्री- कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता 18-9-83 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्मे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उन्त अन्तरण निम्नलिखत उद्देष्य से उन्त अन्तरण निम्नलिखत संपत्ति किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण संहुइं किसी आय की आधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्य में कमी करने या उससे अधने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, कर्मात् ः— (1) श्री दानोबा भीषनी गावडे, धानोरी, मा० खेड, जिला पूना,

(अन्तरक)

(2) श्री सतीण दणरथ काकडे, प्राजेक्ट आफिसर ग्रींडवेल नार्टन के लिये, आर्मी और नेवी बिल्डिंग, 148 एम० जी० रोड़, बंबई-23,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ana di

जमीन जो नं गेट 119, धानीरी; मो० खेड जिला पूना में है। क्षेत्र-2एच-35 आर०।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नंबर 37ईई/1934/83-84.1 मा० 19-9-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

> र्शाशकां**त कुलका**र्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आ<mark>युक्त (निरोक्</mark>षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 5-2-84.

मोहर 🕹

श्रुक्ष मार्चः टी. एन. एस.------

नामकर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 जनवरी 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/83-84/475—ग्रत: मुझे, गणिकांत कुलकर्णी,

अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह मिश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, प्लाट नं० 2, गोकुल नगर है तथा जो भिवंडी जिला थाना में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्णेख्प से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख स्रक्ष्यूबर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित वाजार गूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिम्नत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण निश्चित के वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धार 269-भ के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धार 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीत हि—

(1) मैससं संतक्ष्या एम्टरप्राइजेस, फ्लैट नं० 42, गोकुलनगर, भिषंडी, जिला थाना

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती भनवरी शांतीलाल जैन, 273, बौधा निजामपूरा, जैन कालोनी श्रगरा रोड़, भिवंडी जिला थाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्यष्टीकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

मन्स्ची

प्लैट नं० 11, प्लाट नं० 2, गोकुलनगर भिवंडी, जिला थाना। क्षेत्र-907 स्कवे० फीट।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नंबर 37ईई/1892/थाना/83-84 अक्तूबर 1983 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, पूना के वक्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, पूना

तारीख: 25-1-84.

मोहर 🛭

प्रकप बाइं.टो. एत. एस. ------

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 30 जनवरी 1984

निर्धेश सं० सी० ए० 5/37ईई/83-84/480-यतः मुझे, शशीकान्त कुलकणी

नायकर निर्मियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 46 प्लाट नं० 10 नार्थ पर्लैट नं० 1 है तथा जो सोलापुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में ग्रौर पूर्णरूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, ता० ग्रगस्त 83

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे क्रिथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिभियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सृष्टिधा के लिए:

ल्ल: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैंसर्स श्री भ्रजेन्सीज,237 नारायणम पेठ,पूना-30 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किशोर खालचंद गाह, 334 शिंद बिस्धिंग, सांगली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

ाक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्स में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्काकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों अरे पदों का, जो उसक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

मग्स्थी

सर्वे नं० 46 प्लाट नं० 10 नार्ध फ्लैट नं० 1 श्री श्रपार्टमेंट णिवाजी नगर सांगली।

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत नं० 2884/37ईई/जो तारीख, 30-8-1983 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुना

नारीख: 30-1-84

प्ररूप आहे. थी. एन. एस. ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनांक 1 फरवरी 84

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7-बी, पहली मंजिल मनीषा अपार्टमेंटस् 2-ए मोलेदिनां रोड़ है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9-8-83.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित वाजार मूल्य., उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में भारतीवक रूप से अधित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानी में भविभा के निगः;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं श्रस्तुर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 'ग्रसुर फाउंडेशन हाउस,' 4 डा० ग्रम्बेडकर रोड, पूना।

(ध्रन्तरक)

(2) श्री रिवंद्रनाथ भागुजी सावले, पो० ग्रा०—श्राले तानुक जुनर, जिला—पुना।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना बादी अध्यक्ष प्रवीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तर संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिमां पर सूचना की धामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और क्वौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लैंट नंबर 7-भी, पहली मंजिल मनीला श्रपार्टमेंटस् 2- ए मोलेदिना रोड़, पूना। क्षेत्र-370 स्कवे० फीट। (जैसा कि रिजस्ट्रीकृत नंबर 37ईई/पूना/2063/83-84 तारीख 9-8-1983 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना के टफ्तर में लिखा है।)

णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, पना

तारीख: 1-2-1984.

मुक्य बाह् दी ्एम् एस् _----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बुधीन स्वाता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 विसम्बर 1983

कायकर किपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 8, तृष्ती ग्रपार्टमेंटस् राम्ता पेठ है तथा जो पूना में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6-9-83.

को पूर्धिक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्तत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निक्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखितों में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिस्तियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट महीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

39---6 GI/84

(1) मैसर्स मकवाना कंस्ट्रवशन कम्पनी, 911-914, भिनेगांप स्ट्रीट । पूना,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कांतिलाल पी वोरा श्रौर ध्रन्य, 532, बुधवार पेठ, पूना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जार्री करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सभ्यत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप े---

- (क) इस स्वान की राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से
 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के एस लिखित में किए जा सब्बेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं० 8, तृष्ती श्रपार्टमेंटस् 247/1, रास्ता पेठ, पूना, क्षेत्र∸705 स्कवे० फीट।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नंबर 1937/37ईई/83-84 नारीख 6-9-1983 को महायक सायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, पूना के दफ्तर में निखा है।)

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पुना

तारीख: 9-12-1983

मोहर 💰

प्ररूप जाई.टी.एन.एस. -----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अथीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर**क्षिण)** श्रर्जन रेंज, पुना

पूना, दिनांक 1 मार्च 1984

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अधिक पश्चात् 'जन्म अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 15, सर्वे नं० 25/1, 26 है तथा जो लेनावल जिसा पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक मावल में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख 8-7-1983.

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्बमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाबा ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बायत, उन्तर मिपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए;
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स प्रधान हिल रिसार्टस्, पार्टनर श्री बद्गद्दीन श्रहमद प्रधान, 11, जेल रोड (ईस्ट), डोंगरी बंबई,।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गौतम भगवान मिरचंदानी, साई निवासी, 9 गोड़, जे० बी० डी० एस० स्कीम, जुह, बंबई-400054।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यचाहियां करता हुं।

उयत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो मी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अशहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्लची

फ्लैंट नं० 15, सर्वे नं० 25/1, 26 लेनाबल ता० पूना। क्षेत्र-539.66 **प**र्वे मोटर्स ।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नंबर 87-जी/335 ता० 7-8-83 को बुख्यम निबंधक मावल के दफ्तर में लिखा है)

> विधिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना

तारीख: 1−3−84

मोहर 🤢

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 1 मार्च 1984

निर्देश स० सी० ए० 5/37-जी/83-84/1086--भ्रत : मुझे, शणिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बोजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लॉट नं० 23 श्रार० एस० नं० 251, श्रौर 26 है तथा जो लोनावल तहसील मावल जिला पूना में स्थित है (श्रौर इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णस्प में विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक मावल में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीचन, ता० 8-7-83

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इक्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दागित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; बौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित क्यिंक्तियों अर्थात् हि— (1) मैसर्स प्रधान हील रिसॉलर्टस्, पार्टनर श्री शिराज बदुद्दीन ग्रहमद प्रधान, 41-जेल रोड़, डोंगरी, बंबई-400009।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भंबरलाल सूरजमल राठोड़ श्रौर श्रन्य, 34-श्री० वार्ड, लोनावल ता० माबल, जिला पूना ।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सर्म्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्स्यम्बनी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में विचा गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 23, श्रार० एस० नं० 25/1 श्रीर 26, लोनावल, ता० मांबल जिला पूना। क्षेत्र-604.67 स्कवे० मीटर्स।)

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नंबर 37जी/468 तारीख 8~7~83 को दुय्यम निबंधक, मावल के दफ्तर में लिखा है।

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, पूना

तारीख : 1-3-84

मोहर 🗄

प्ररूप नाई. टी. एन. एस. - - - -

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 1 मार्च 84

निदेश सं० सी० ए० 5/37-जी०/83-84/1087---म्रतः, मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 36, ग्रार० एस० नं० 25/1 ग्रौर 26 है तथा जो लोनावल जिला पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णम्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निवंधक मावल में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ता० 8-7-1983

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम् के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के निए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मसर्स प्रधान हिल रिसार्टेस्, पार्टनर श्री शिरेक्स बहुद्दीन अहमद प्रधान, 41-जेल रोड़, डोंगरी, बंबई 400 009 ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विलियम कोरडेरिय्रों सुपुत्र मथाईस कोरडेरिओ ग्रीर श्रीमती अहिरा फकरूढ़ीन दाहोदवाल, दोनी निवासी जी० वार्ड, लोनावल, ता०—मावल, जिला—पूना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सं मंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह²।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 36, सर्वे नं० 25/1 ग्रौर 26, लेनावल ता० मावल, जिला—पूना। क्षेत्र-585 स्कवे० मीटर्स।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नंबर 470 तारीख 8-7-83 को दुय्यम निबंधक, मावल के दफ्तर में लिखा है)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 1-3-84

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 29 फरवरी 84

निदम स० मी० ए० 5/37-जी०/1089/83-84--ग्रत: मझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

अौर जिसकी मं० सर्वे नं० 90 श्रीर 91 विलेज अंवरवेट, एरिया— 2 हेक्टर और 40 श्रार० हे तथा जो अंबरवेट जिला पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण ह्य से विजित है) रिजस्ट्रोक्ति अधिकारी के कार्यालय दुर्यम निबंधक, मावल में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, ता० जलाई 83

को पूर्वोक्त संपित्त के उच्लि बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों करो जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्क्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

जतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियां, अर्थात् :---

- (1) 1 मारूती यणवंत मान्ने,
 - 2 तुकाराम यशवंत मास्ने,
 - सखाराम यशवंत मात्रे,
 - ढोंडीबा यशवंत माले,
 - 5. श्रीमती मुक्ता सोपान गोडांबे,
 - 6. श्री सकाराम मारू चिच बड़े, घोलबड़े, ता० मुलशी, जिला पूना ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुधीर यग्नवत मांडके,श्रमोल 86/1, श्ररंडवना,पूना-4 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनकत जिथानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जे उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुस्धी

जमीन सर्वे नं० 90 ग्रीर 91 विलेज श्रंबरवेट सा० मुलक्षी जिला पूना। एरिया 2 हेक्टर 40 आर।

(जैमा कि रिजिस्ट्रीकृत नं० 1038 जो तारीख जुलाई 1983 को दुय्यम निबंधक मात्रल के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी शक्षम प्राधिकारी महाय्क्य ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 29-2-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 1 मार्च 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37 जी/83-84--पतः मुझे, ग्रशिकात कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,जि सका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं ज्योच वार ए ए० नम्बर 16, एच० नं 1 है तथा जो गांबतुंगार्ली तथा जो लेनावल में स्थित है (भ्रौर इससे उपा-बढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक, मावल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-7-1983, को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्यिधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्ध अंतिरती द्वारा प्रदेश नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृषिधा के लिए।

अतः अबः, उत्रतः अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गंगाराम सावसा मावकर ग्रीर अन्य तुंगार्ली, त० मावल, जिला--पूना ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

(2) श्री अनिल कुमार गुलाबचन्द गादिया और अन्य सिद्धेण्यर को० आप० हाउसिंग सोसायटी, लेनावल, जिला—पूना ।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सुम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

अनुसूची

जमीन आर० एस० नं० 46, एच० नं० 1, गांव तुंगाली, त० लेनाबल, जिला-पूना । क्षेत्र--- 4 एक्स ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37 जी/993/विनांक 8-7-1983 को दुय्यम निबन्धक, मायल के दफ्तर में लिखा है।)

> णिशकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 1-3-1984

मोहर 🛭

प्ररूप कार्र. टी. एत. एस..---

नायकर म्भिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक बायकार वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 1 मार्च 19843

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/502-83-84---यतः मुझे, ग्राशिकांत कुलकर्णी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससें इसकें पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० डी-4, पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० डी, हर्मीस पार्क को० आप० हाऊसिंग मोसायटी लि० है तथा जो पूना 411001 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक ज्लाई 1983,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मं कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य असके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिमिनयम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; जीर/या
- (स) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मयुरावास नानजी ठक्कर, 793, फैंभिली हाउम, जेम जमशेद रोड, माटुंगा, बम्बर्ड-400019।

(अन्तरक)

(2) मेसर्म अफेट्रानिनम जि० प्लाट नं० 105, भोगरी इंडस्ट्रियल एरिया, भोसरी, पूना—411026 ।

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हिसब्ध्रंभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा न्धोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

पत्रैट नं बी-4, पहली मंजिल, बिल्डिंग नं बी, हर्मीस पार्क को आपरेटिव हार्ऊसिंग सोसायटी लि 30 बंडगार्डन रोड, पूना--411001 ।

क्षेत्र --- 1165 स्केव० फीट ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नम्बर 37 ईई/388/83-84 तारीख 24-5-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 1-3-1984

मोहर 🖫

प्रकृष शहि. टी. एत . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 1 मार्च 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/503/83-84--यतः मुझे, शशिकांत कूलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं पलैट नम्बर डी०-8 दूसरी मंजिल,, बिल्डिंग नम्बर डी, हमिस पार्क को० आप० हार्झिंग सोसायटी लि० बंड गार्डन रोड, है तथा जो पूना-411001 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत से वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के तथीन कर दोने के बातरक के शियरव में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; बरि/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-केर अधिनियंम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियंम, या धन-कर विधिनियंम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— (1) श्रीनती जानकी रनेश ठक्कर, भूपेन्द्र विल, जेम जमशेद रोड, माटुंगा, बम्बई—400019

(अन्तरक)

(2) मेसर्स अफेट्रानिक्स लिमिटेड, प्लाट नं० 105, भोसरी, इंडस्ट्रियल एरिया, भोसरी, पूना—411026।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोंह' भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतक उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे :

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम<u>ुस्</u>ची

प्लैट नम्बर डी-8, दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 'डी', हॉमिस पार्क को० आप० हार्जिसंग सोसायटी लि० 30, बंड गार्डन रोड, पूना-411001 ।

क्षेत्र—1165 वर्ग फीट।
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 27 ईई/390/83-84
दिनांक जुलाई 1983को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 1-3-1984

मोहर 🛭

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 1st March 1984

No. F.6/84-SCA(I).—Shri B. M. Chandwani, Officiating Deputy Registrar (Permanent Assistant Registrar), has retired from the service of the Registry of the Supreme Court of India with effect from the afternoon of February 29, 1984.

H. S. MUNJRAL, Dy. Registrar (Admn. J.) Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION New Delhi-11, the 16th February 1984 CORRIGENDUM

No. A.19017/1/78-Admn.I.—The words "on ad-hoc basis" appearing in the third line of this office notification of even number dated 31st January, 1984 may please be omitted.

The 7th March 1984

No. A. 32014/1/84-Admn.III (2).—The President is pleased to appoint the following Section Officers of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the Office of Union Public Service Commission for the periods indicated against each, or until further orders, whichever is earlier:—

			Period
	•		
•	,	•	12-1-84 until further orders
			12-1-84 until further orders
			13-2-84 to 29-2-84
			14-2-84 to 29-3-84
			14-2-84 to 29-3-84
	•		14-2-84 to 29-3-84
٠,	•		14-2-84 to 7-3-84

The above officers shall draw Special Pay @ 75/- p.m. in terms of D.O.P.&A.R. O.M. No. 12/1/74-CS(I) dt. 11th Dec. 1975.

M. P. JAIN Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DFPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 13th March 1984

No. S-124/66-AD.V.—Shri Sat Parkash, Sr. Public Prosecutor on attaining the age of superannuation retired from Government service with effect from the afternoon of 29th February 1984.

No. V.46/68-AD.V.—Shri V. T. Venkutesan, D.I.A. (Ad-hoc) CBI on attaining the age of superannuation retired from Government service with effect from the afternoon of 29th February 1984.

No. V.46/68-AD.V...In continuation of notification of even number dated 15-11-83, the President is pleased to appoint Shri V. T. Venkatesan to officiate as Dy. Legal Adviser on ad-hoc basis in C.B.I. upto 29-2-84.

No. A-19021/5/78-AD.V.—The services of Shri L C. Amarnathan, IPS (Orissa: 1967) Superintendent of Police. Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Bhubneshwar Branch, on repatriation, are placed at the odisposal of Government of Orissa with effect from the afternoon of 29th February, 1984.

No. A.20023/6/79-AD.V.—The services of Shri K. S. Deshmukh. Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation on GOW Bombay are placed back at the disposal of 40—6GI/84

the Government of Maharashtra with effect from the afternoon of 29-2-84, on repatriation.

The 14th March 1984

No. H-38/65-AD.V.—Shri H. Seshappaya, relinquished the charge of Office Superintendent/CBI; New Delhi with effect from the afternoon of 29th February. 1984, on superannuation.

The 15th March 1984

No. J-14/65-AD.V.—In continuation of notification of even number dated 15-11-83, the President is pleased to appoint Shri J. C. Ojha to officiate as Dy. Legal Adviser in C.B.I. upto 30-4-1984 on ad-hoc basis.

No. J-46/66-AD.V.—In continuation of notification of even number, dated 15-11-83, the President is pleased to appoint Shri J. L. Sarin to officiate as Dy Legal Adviser on ad-hoc basis in CBI upto 30-4-1984.

No. A-1/73-AD.V.—In continuation of notification of even number dated 18-11-83, the President is pleased to appoint Shrl A. K. Dutt to officiate as Senior Public Prosecutor on ad-hoc basis upto 31-3-1984.

No. B-1/73-AD.V.—In continuation of notification of even number dated 20-1-84, the President is pleased to appoint Shri Baliit Singh to officiate as Senior Public Prosecutor on ad-hoc basis upto 31-3-1984.

No. C.5/73-AD.V.-In continuation of notification of even number dated 16-9-83, the President is pleased to appoint Shri C. S. Sharma to officiate as Senior Public Prosecutor on ad-hoc basis in CBI for a further period upto 31-3-1984.

No. M-6/73-AD-V.—In continuation of notification of even number dated 11-1-84, the President is pleased to appoint Shri M. Imaduddin to officiate as Senior Public Prosecutor on ad-hoc basis upto 31-3-1984.

No. S-8/73-AD.V.- In continuation of notification of even number dated 28-9-83, the President is pleased to appoint Shri Shiv Prasad Mishra to officiate as Senior Public Prosecutor on ad-hoc basis in CBI for a further period upto 31-3-1984.

No. A-20023/15/83-AD,V.- The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Pstablishment, hereby appoints Shri Thakur Dass as Public Prosecutor, C.B.I. with effect from the forenoon of 28th February, 1984 in a temporary gapacity.

No. A-19014/2/84-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri U. S. Mishra. IPS (Orissa: 1968) as Superintendent of Police on deputation basis in the Central Bureau of Investigation. Special Police Establishment with effect from the forenoon of 4th March, 1984 until further orders.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E)

DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi-3, the 13th March 1984

No. A. 12012/1/81-Admn.—Consequent upon their appointment to the post of Extra Assistant Director vide this Directorate's office order Part-II (No. 63/84) dated the 25th January, 1984, the following officers assumed the charge of the post of Extra Assistant Director (Group 'B' Gazetted) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/on the dates and stations indicated against each in-

		Station
1. Shri LB. Chakravarty .	27-1-84 (F.N.)	N. Delhi
2. Shri P.R. Gangopadhaya	8-2-84 (F.N.)	N. Delhi
3. Shri N.C. Das	24-2-84 (F.N.)	Madras
4. Shri J.S. Thaker	27-2-84 (F.N.)	Imphal -

B. K. DUBE Director Police Telecommunications

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110003, the 14th March 1984

No. O.II-458/69-Estt.-I.—Consequent upon appointment to the rank of Commandant Selection Grade, Shri S. P. Singh presently on deputation with ITDC has been given proforma promotion as Commandant Selection Grade wef 27-10-83.

2. This issues with the approval of MHA vide their U.O. note No. 2210/JSP/84 dated 1-3-84.

No. O.II-1036/872-Estt.I.—Consequent on his appointment as Assistant Director (Law) in NPA on ad-hoc basis on deputation basis for a period of six months or till regular selection is made through UPSC whichever is earlier, Shri R. D. Sharma relinquished the charge of the post of Assistant Comdt in the Dtc General, CRPF New Delhi on the afternoon of 29-2-84.

A. K. SURI Asst. Director (Estl.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 13th March 1984

No. 11/88/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Ardaman Singh. Deputy Director, Regional Data Entry Centre in the Office of the Registrar General, India, Chandigarh as ex-officio Director of Census Operations, Chandigath with effect from the 6th February, 1980 until further orders.

2. The headquarters of Shri Ardaman Singh will be at Chandigarh.

V. S. VERMA Registrar General, India.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi-110002, the 1st March 1984

No. Admn.I/O.O. No. 503.—The Director of Audit, Central Revenues is pleased to appoint the undermentioned Section Officers as Asstt. Audit Officers (Group 'B' Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 with effect from 1st March 1984 F.N. until further orders:—

Sr. No, and Name

S/Shrl

- 1. Tilak Raj Sawhney
- 2. Ripu Daman Bali
- 3. Devender Kishore foshi
- 4. Radha Mohan Gautam
- 5. Ramesh Chand Kaushik-I
- 6. Srl Krishan Jain
- 7. Jatinder Nath Trikha
- 8. Jagir Singh
- 9. Inder Singh Ratra
- 10. Gajai Singh Negi
- 11. Avinash Chand Kapur
- 12. Madan Lal Narula
- 13; Pritam Singh
- 14, Pran Nath School
- 15. Roshan Lal Chopra
- 16. Madan Mohan Gupta-III
- 17. Gokula Nand Pant
- 18. Lakhbir Singh
- 19. Hari Saran Saraswat
- 20. Satya Prakash Madan
- 21. Intinder Parshad Mathur
- 22. Lakhpat Ram Sharma
- 23. Ved Parkash Sharma
- 24. Amlendu Chakravarty
- 25. Rajesh Chandra
- 26. Ram Narain, Lakhanpal

S/Shri

- 27. Jawahar Lal Gupta
- 28. Rai Kishore Mander
- 29. Gorakh Nath Sharma
- 30. K. Rai Rastogi
- 31, Smt. Prem Kanta
- 32. Sudarshan Kumar Babbar
- 33. Harbans Lal Sadana
- 34. Hari Mohan Gupta
- 35. Umesh Chander Gupta
- 36. Satinder Kumar Sharma
- 37. Rajinder Pal Singh
- 38. Radhey Sham Gupta
- 39. Onkar Nath Saksena
- 40. Muni Lal Jain
- 41. Surender Nath Girotra
- 42. Shiam Sunder
- 43. Smt. Lila Agnihotri
- 44. Om Beharl
- 45. Jagdish Chander
- 46. Sumat Parkash Jain
- 47. Ramesh Chandra Kapoor
- 48. Mahesh Puri Goswami
- 49. Mahender Parshad Mathur
- 50. Joginder Singh Gandhi
- 51. Jetha Nand
- 52. Surender Mohan Kapoor
- 53. Ram Lal Khurana
- 54. Deep Mehra
- 55. Som Parkash Seth
- 56. Ravish Chander
- 57. Rajender Kumar Agarwal
- 58. Har Sharan Singh
- 59. Om Parkash Madan
- 60. Ganga Ram Sharma
- 61. Gauri Shankar Bansal
- 62. Asha Ram Garg
- 63. Vimal Prasad Jain
- 64. N. K. Uchila
- .65. Narinder Sain
- 66. Chunni Lal Dhingra
- 67. Nanak Chand Mangla
- 68, Amar Nath I
- 69. Lekh Raj
- 70. Rajinder Nath Bhargava
- 71. Krishan Lal Kapoor
- 72. Subhash Chand Behl
- 73, Ram Niwas Gupta
- 74. Arjun Dass
- 75. Bhoi Prakash
- 76. Sant Lal Mittal.
- 77. Subhash Chander Bhatia
- 78. Radha Krishan Saluja
- 79. Vas Dev
- 80. Hari Krishan Khurana
- 81. Ishwar Das Madan
- 82. Harpal Singh Kapur
- 83. Nand Kumar Malhotra-JI
- 84. Yashpal Chandra
- 85. Ravinder Nath Verma
- 86. Smt. Usha Goel
- 87. Metha Ram
- 88. Narinder Pal Singh Gulati
- 89. Pawan Dev Devedi
- 90. Arvinder Singh Gambhir
- 91. Abhimannyu Verma
- 92. Santosh Krishna
- 93. Dinesh Chander Pant
- 94. Ratish Mohan Gupta

S/Shri 95. Pritam Sood

- 96. Bhagwan Saran Gupta
- 97. Krishan Chander Kataria
- 98. Om Narain Mehra
- 99. Inder Pal Singh Sahai
- 100. Baldev Rai-III
- 101. Shyam Sunder Verma
- 102. Guru Datt Lal
- 103. Ram Kishan Jain
- 104. Anand Ram
- 105. Ranjit Singh Maken
- 106. Harbhajan Singh
- 107. Tooki Ram
- 108. Shiv Kumar Gupta
- 109. Gulshan Rai
- 110. Km. Prabha Negi
- 111. Ashwani Kumar Jhingan
- 112. Avinash Chander Bhanot
- 113. Daljit Singh Sehmbi
- 114. Ram Kumar Sehrawat
- 115. Ram Parvesh Singh
- 116. Krishan Sahai Sharma
- 117. Hoti Lal Jatav (SC)
- 118. Raj Kumar Dua
- 119. Satish Chand Singhal
- 120. Tilak Raj
- 121. Rameshwar Singh
- 122. Ram Swarup (SC)
- 123. M. P. Saxena
- 124. Nand Lal Mata
- 125. Pritam Singh Gaba
- 126. Om Parkash Sharma
- 127. Kultar Singh Punni
- 128. Madan Mohan
- 129. Devinder Mohan
- 130. Madan Mohan Bakshi
- 131. Rameshwar Dutt
- 132. Krishan Lal
- 133. Vinod Kumar Jerath
- 134. Madan Lal Jain
- 135. Hola Ram Chandani
- 136. Ram Kishan Dass Gupta
- 137. Jai Gopal Dass Puri
- 138. Gian Chand (SC)
- 139. Shri Niwas Goyal
- 140. Umrao Singh (SC)
- 141. Chander Shekhar Tyagi
- 142. Baldev Raj Π
- 143. Ramesh Chander Kaushik III
- 144. P. K. Mishra
- 145. Ishwar Parshad Mathur
- 146. Chander Lai Virmani
- 147. Jagdish Chandra
- 148. Ramesh Kumar Bagga
- 149, Anup Singh Lakra
- 150. Smt. Kamla Dhingra
- 151. Pramodesh Saxena
- 152. Puran Chand Katyal
- 153. Smt. Prabha Malhotra
- 154. Yad Ram (SC)
- 155. Anil Kumar Sehgal
- 156. Smt. Shashi Prabha

S/Shri

- 157. Shri Ram
- 158. Smt. Kamlesh Bakshi
- 159. Shyam Sunder Kapur
- 160. Man Mohan Singh
- 161. Ram Prakash II
- 762. Vinod Kumar
- 163. Harnam Singh (SC)
- 164, Prem Lal Chawla
- 165, Devi Niwas Gupta
- 166. Smt. Charanjit Kaur
- 167. Smt. Surender Chopra
- 168. Hans Raj Dudeja
- 169. Sarvendra Kumar Rastogi
- 170. Kuldip Kumar Khanna
- 171. Desh Raj Chopra
- 172. P. S. Saxena
- 173. Bhajna Nand Jayal
- 174. J. T. Abraham

New Delhi, the 13th March 1984

No. Admn.I/O.O No. 525.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri R. K. Shaima, a permanent Audit Officer of this office will be retiring from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 31-3-84. His date of birth is 5th March, 1926.

The 20th March 1984

No. Admn.I/O.O. No. 526,—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri R. S. Joshi, an officiating Audit Officer of this office will be retiring from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 31-3-84. His date of birth is 2nd March, 1926.

The 21st March 1984

No. Admi.I/O.O. No. 510.—The Director of Audit, Central Revenues is pleased to appoint the undermentioned Section Officers to officiate as Assistant Audit Officers (Group 'B' Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-1040 with effect from 2nd March, 1984 F.N.—

Sr. No. Name

- 1. Sh. Ashok Kumar
- Sh. Vijay Kumar Verma
- 3. Sh. K. K. Maharishi
- 4. Sh. Mahender Pal Jain
- 5. Sh. K. N. Aggarwal
- 6. Sh. D. R. Raja
- 7. Sh. S. P. Gupta
- 8. Sh. S. P. Mehta
- 9. Sh. Balbir Singh Sharma.

No. Admn.I/O.O. No. 521. - The Director of Audit, Central Revenues, New Delhi has ordered under 2nd proviso to the Officers of this office to the grade of Assistant Audit Officers (Group 'B' Gazetted) in the time-scale of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-1049 with effect from 1-3-1984 F.N. until further orders :--

Sr. No. Name

-- --

S/Shri

- Viwaswar Kumar Garg
- 2. Charanjit Lal Gulati

Sr. No. & Name

S/Shri

- 3. Om Prakash Batra
- 4. Sardari Lal
- 5. Waryam Singh
- 6. Som Nath Mehta
- 7. Rameshwar Dayal Gautam

- 8. Ram Nath Atora
- 9. Pran Nath Lamba
- 10. Vasdev M. Ahuja
- 11. Om Ptakash Vatsa
- 12. Mohinder Nath Kadar-II
- 13. Subhas Chander Gupta
- 14. Saroja Venngopal (Smt.)
- 15: Saroop Singh
- 16. Manjit Singh Sachdeva
- 17. Girdhari Lal Uppal
- 18. Ratan Ptakash Gupta
- 19. O. P. Malhotra
- 20. Ram Sahai Mathur
- 21. Pradyuman Prasad
- 22. Mahender Kumar Pathak
- 23. Mahender Nath Uppal
- 24. Rang Nand Gupta
- 25 Vijendra Nath Sharma
- 26. Chhathu Prasad
- 27. Samir Chandra Ghosh
- 28. Manohar Lal
- 29. Kuldip Prakash Sood
- 30. Krishan I.al Arora
- 31. Amarjit Singli
- 32. Modh. Yunas
- 33. Ramesh Chander Kaushik-II
- 34. Babu Lal Srivastava
- 35. Satish Kumar Aggarwal
- 36. Rajender Kumar Jain-III
- 37. Manmohan Lal Verma
- 38. Om Prakash-IV 39. Sohan Lal Sharma
- 40. Riazuddin
- 41. Harish Kumar
- 42. Rameshwar Das Gupta
- 43. Suresh Chand Srivastava
- 44. Satish Chander Pant
- 45. Satya Narain Bhardwaj
- 46. Raj Kumar Arya
- 47. Tulsi Dass Varyani
- 48. Rajendra Prasad
- 49. Krishan Mohan Mahrishi
- 50. Din Dayal Sharma
- 51. Prem Nath Bhatia
- 52. Ravinder Nath Biswas
- 53. Şatish Kumar Shatma
- 54. Madan Lal Malhotra
- 55. Biplab Mazumdar
- 56. Rajesh Kumar (SC)
- 57. Pran Duft Pandey
- 58. Raghubir Singh 59.
- Vimal Kumar Verma Inder Mohan Johan
- 61. Shiv Kumar Azad
- 62. Kuldip Singh Illamawadi
- 63. Bhushan Parkash Jain
- 64. Daya Nand Sharma
- Pradaman Singh Daman 65, -- , --

Sr. No. & Name

S/Shri

- 66. Basant Kumar
- 67. K. N. K. R. Poderwal
- 68. Sher Singh
- 69. Shri Niwas
- 70. Sukhdev Singh Negi.

Shankar Narayan

Dy. Director of Audti (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I. MADHYA PRADESH

Gwalior, the 24th February 1984

promotion 480.—The OE-I/G.Os Accountant General I, Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to accord proforma promotion to the undermentioned permanent Section Officer as Accounts Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 until further orders with effect from the date noted against him i.e. the date from which his next junior Shri V. D. Gupta was promated in this office.

St. No., Name, Pertt. No. and Date from which promoted

1. Shri U. C. Bhargava. 02/307, 19-9-1983 F.N.

(Authority: Accountant General-I, orders dated 21-9-83.)

Sd./- ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (A).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENFRAL, SIKKIM

Gangtok, the 13th March 1984

No. Admn.-PF/AAO/MDP/150.—Kumari Maiya Devi Pradhan, Section Officer, of the office of the Accountant General, Sikkim is appointed to officiate as Assistant Audit Officer in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-1040/in the office of the Accountant General (Audit) Sikkim with effect from the forenoon of 1st March, 1984 until further orders.

> A, K. DEB Accountant General (Audit) Sikkim, Gangtok

MINISTRY OF DEFENCE DGOF HORS CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 12th March 1984

No. 10/G/84.—On attaining the age of superannuntion, Shri S. P. Goswami, Offg. S.O. (Subst. & Permt. Assistant) retired from service w.e.f. 29th February 1984 (AN).

V. K. MEHTA Director

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS

AND EXPORTS

New Delhi, the 6th March 1984

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No /1/2/84-ADMN (G) /1738.—The President is pleased to appoint Shri S. Kujur, (CSS Grade I) Under Secretary in the Ministry of Commerce, as Deputy Chief Controller of

Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from 8th Imports and Exports, February, 1984 until further orders.

SHANKAR CHAND

Dy. Chief Controller of Imports and Exports For Chief Controller of Imports and Exports

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 16th April 1984

No. 1806B/A-19012-(BMC)/84-19A,—Shri B. M. Chatterjee Senior Technical Assistant (DO), Geological Survey of India has been appointed as Artist on promotion by the Director General, Geological Survey of India in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 8th February, 1984, until further orders.

> A. KUSHARI Director (Personnel) Geological Survey of India.

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 13th March, 1984

No. A. 19011(342)/83-Estt.A.—The President is pleased to promote on the recommendations of the Departmental Promotion Committee, Shri M. Y. Faza, Assistant Ore Dressing Officer to the post of Assistant Ore Dressing Officer in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 21st February, 1984.

> A. R. KASHAV Senior Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines.

DIRECTOR GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 3rd March 1984

No. 3/138/60-S. II.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri P. R. Sharma, Accountant, Inspection Unit. Directorate General, All India Radio, New Delhi to officiate as Administrative Officer on ad hoc basis at Upgrah Doordarshan Kendra, Mandi House, New Delhi with "ect from 17-2-84.

> SMT. RUKMINI DAS GUPTA Deputy Director Administration for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 13th March 1984

No. A, 32013/4/81 (HQ) Admn. I.—The President is pleased to appoint the following persons to the post of Senior Architect in the Directorate General of Health Services New Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 4th January, 1984 until further orders.

- 1. Shri B. C. Mistry
- 2. Shri S. D. Matange
- 3. Shri B. B. Panchal

Deputy Director Administration (C&B)

P. N. THAKUR

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION)

DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION QUARANTINE AND STORAGE

Faridabad, the 14th March 1984

No. 7-3/83-Adm.I.(B).—Shri D. V. Narasinga Babu, Surveillance Officer of this Directorate is hereby appointed as Assistant Plant Pathologist at Plant Quarantine Fumigation Station, Bombay in the pay-scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of 13th February, 1984 until further orders,

2. Shri Babu has relinquished the charge of the post of Surveillance Officer at Central Surveillance Station, Gauhati on the afternoon of 28th January, 1984.

> K. D. PAHARIA Plant Protection Adviser

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DTE. OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 13th March 1984.

No. A. 19025/5/79,A-III.—Shri M. P. George, Assistant Marketing Officer of this Directorate at Calcutta has retired voluntarily from Govt. Service with effect from 3-11-82 (F.N.) in terms of the provisions under Rule 48-A of C-C-S (Pension) Rules, 1972.

The 16th March 1984

No. A.19025/6/84-A.III.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri Pitambar Singh hus been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (group II) in this Directorate at Bombay with effect from 17-2-84 (FN), until further orders.

> G. S. SHUKLA Agricultural Marketing Advisor to the Government of India

FOREST SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 12th March 1984

No. 4-8/79-Adm.—Services of Shri J. N. Bhattacharya, W. B.-IFS (Offg.) who was working as Assistant Director (formerly designated as Assistant Conservator of Forest) in Forest Survey of India, Eastern Zone, Calcutta on deputation basis, have been replaced at the disposal of the Govt, of West Barnel with effect from the foreneous of 5th December. West Bengal with effect from the forenoon of 5th December,

> N. K. AGRAWALA Director.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 14th March 1984

No. D/243/FRD/Estt.947.—It is regretfully notified that Shri Shashikant Ganesh Deo, permanent D'man 'C and officiating Scientific Officer/Engineer Grade SB of this Research Centre expired on 3-12-1983.

> R. L. BATKA Dy. Establishment Officer

workers in the control of the contro

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTOR OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 12th March 1984

Ref: DPS/2-1-(26)/83-Adm./5912.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri N. Rapagopalan. a permanent Purchase Assistant to officiate as an Asstt. Purchase Officer on a regular basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 3-2-84 (FN) until further orders in the same Directorate.

P. GOPAL Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560058, the 12th March 1984

No. 020/3(061)/A034. Director ISRO SATELLITE CENT-RE is pleased to accept the resignations from the services of following persons, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore, of the Department of Space with effect from the dates indicated against each:—

SI. Name No.	Designation	Date
1. Smt. B.M. Shylaja .	Sci/Engineer-'SB'	17-01-1984 05-01-1984
 Shri B. Ramesh Shri K. Karthikeyan 	Sci/Engineer-'SB' Sci/Engincer-'SB'	30-11-1983

H. S. RAMADAS Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 19th March 1984

No. A-32014/7/82-EC (.).—In continuation of this Department's Notification No. A.32014/7/82-EC, dated the 23rd May 1983, the Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of Shri M. C. Dev Bhowmick in the grade of Assistant Technical Officer for a further period upto 30-9-1983.

Assistant Director of Administration for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 14th March 1984

No. A.32013/13/82-EI.—The President is pleased to appoint Shri R. I. Singh, Controller of Aerodromes to the post of Director of Aerodromes at Palam on an ad hoc basis for a period of six months from 8th March 1984 (FN) to 7th September 1984 (AN) or till the post is filled on a regular basis whichever, is earlier.

MANJIT SINGH Director of Admn.

New Delhi, the 22nd February 1984

No. A.19011/8/83-E.I.—On attaining the age of superannuation Shri J. C. Parti, Assistant Director of Air Safety in the Office of the Director General of Civil Aviation retired from Government service on the afternoon of 31st January 1984.

The 8th March 1984

No. A.35014/1/81-E.I.—On attaining the age of superannuation Shri B. N. Sharma, Accounts Officer in the Office of the Director General of Civil Aviation, New Delhi retired from Government service on the afternoon of 29th February 1984.

The 9th March 1984

No. A.31013/1/83-E.I.—The President is pleased to appoint Shri Y. P. Bawa in the grade of Senior Scientific Officer in the Office of the Director General of Civil Aviation in a substantive capacity with effect from 4th December 1975.

No. A.32013/7/83-E.I.—In continuation of this Office Notification No. A.32013/7/83-EI, dated the 30th June 1983 the President is pleased to continue the ad hoc appointment of Shrimati Nanki Asnani in the grade of Senior Scientific Officer for the period from 3rd December 1983 to 4th April 1984.

The 12th March 1984

No. A.12025/3/71-E.I.—In continuation of this Office Notification No. A.12025/3/71-E.I., dated the 20th January 1984 the Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad hoc appointment of Shri K. K. Sharma as Hindi Officer in the Civil Aviation Department upto 30th June 1984 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

J. C. GARG Dy. Director of Administration

New Delhi, the 13th March 1984

No. A.11019/1/77-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad hoc appointment of undermentioned officers in the grade of Hindi Officer for a further period of 3 months (three months) with effect from 1st February 1984, or till the regular appointments to the grade are made, whichever, is earlier, on usual terms and conditions:—

- 1. Shri B. R. Rajput.
- 2. Shri Brij Raj
- 3. Shri S. P. Sharma.
- 4. Shri G. Mani.

Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 15th March 1984

No. A-32013/3/83-EC(.).—In continuation of this Department's Notification No. A-32013/3/82-EC dated the 4th Jan., 1984, the President is placed to appoint the following eight Technical Officers to the analysis Senior Technical Officer on a regular basis w.e.f. 11-1-108; and to 11 arther orders:—

Sl. No.	Name			Station of posting
S/S	Shri	 	,	الرحيدية الترجيدية الترجيدية ويوجو المستوية والمستوية المستوية المستوية الترجيدية الترجيدية الترجيدية الترجيدي
.1. V.	C. Reddy .	•	,	ACS, Hyderabad
2. Ų.	K. Şinha .			ACS, Calcutta
3. Pr	abhakar Gupta			ACS, Gauhati
4. K.	Chandrachudan			RCDU, New Delhi
5.°° V.	Govartanan			ACS, Silchar
6. N.	R.N. Iyengar	٨.		ACS, Bangalore
7. A.	K. Sangal			ACS, Nagpur
8. C.	L. Malik ,			ACS, Bombay.

G. B. LAL, Assistant Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 14th March 1984

No. 16/416/83-Ests-I.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Dr. Subbash Nautiyal and Research Officer under the Forest Soil Vegetation Survey, Jahalpm under the Forest

Research Institute and Colleges, Dehra Dun, with effect from the forenoon of 23rd January 1984 until further orders.

G. S. GROVER
Dy. Registrar
Forest Research Institute and Colleges

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s The Spun Pipe (C.I.) Limited, Indore

Gwalior-474009, the 23rd February 1984

No. 273/PS/CP/2477.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s The Spun Pipe (C.I.) Limited, Indore has this day been struck-off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Lucknow Power Rickshaw Company Pvt. Ltd.

Gwalior

Gwalior-474009, the 19th March 1984

No. 1381-/PS/CP/2745.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Lucknow Power Rickshaw Company Private Limited, Gwalior unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior

In the matter of Companies Act, 1956 and M/s. Jai Kisan Credit and Investment Company Private Limited

Patna, the 8th March 1984

No. (1150)560/7357.—Notice is here's even present to sub-section (5) of Section 560 of the Computer Vir. 1956, that the name of M/s, Jai Kisan Credit, ad Inv. stm. nt Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and M/s. Magadh Tourist Hotel Private Limited

Patna, the 8th March 1984

No. (1151)560/7360.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Magadh Tourist Hotel Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Nilratan Shaw and Company Private Limited

Patna, the 8th March 1984

No. (1168) 560/7363.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Nilratan Shaw and Company Private

Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

A. W. ANSARI Registrar of Companies, Bihan Patna-1

In the matter of Companies Act, .1956, and of M/s. Vidhi Sewa Publications Private Limited

Taipur, the 12th March 1984

No. STAT/1723.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Vidhi Sewa Publications Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. DIXIT Registrar of Companies Rajasthan, Jaipur

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Navajeevan Printing and Publishing Company Limited

Cochin-62011, the 15th March 1984

No. 2942/Liq/560(3)/2995.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 (5) of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Navajeevan Printing and Publishing Company Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Brothers Chit Funds Private Limited

Cochin, the 15th March 1984

No. 2288/Liq/560(3)/2987.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Brothers Chit Funds Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Suresh Chit Funds Private Limited

Cochin. the 15th March 1984

No. 2030/Liq/560(3)/2992.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 (5) of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Suresh Chit Funds Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Kairali Chit Fund Private Limited

Cochin, the 15th March, 1984

No. 621/Liq/560(3)/2983.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 (5) of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Kairali Chit Funds Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Parur Canning Industries Private Limited

Cochin, the 15th March, 1984

No. 2030/Liq/560(3)/2986.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 (5) of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Parur Canning Industries Private

Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Registrar of Companies Kerala

DEPARTMENT OF SUPPLY NATIONAL TEST HOUSE

Calcutta, the 13th March 1984

No. G-65/S.O.—The Director General, National Test House, Calcutta has been pleased to appoint the following Scientific Assistants (Elec.), National Test House, Calcutta as Scientific Officers (Electrical) in the office of the National

- 'Test House, Alipore, Calcutta with effect from the forenoon of 18-2-1984 on a regular basis until further orders.

 Sl. No. Name
 - 1. Smt. Uma Bhakta,
 - 2. Sri Dhiraj Kr. Dutta,

K. M. BANERJEE Jt. Director National Test House, Calcutta-27

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL Bombay-400 020, the 12th March 1984

No. F.48-Ad(AT)/1984.—On attaining the age of superannuation, Shri R. K. Ghosh, Assistant Registrar, Incometax Appellate Tribunal, Calcutta Benches, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 29th February, 1984.

T. D. SUGLA President

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 15th December 1983

Ref. No. AC-90/ACQ.R-IV/CAL/83-84.—Whereas, J, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. - situated at Domjur, Dt. Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R. Domiur on 8-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reducing or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, is
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

41-6GI/84

 Sri Kalipada Ghosh. Mouja, P.O. & P.S. Domjur, Dt. Howrah.

(Transferor)

(2) Sri Ajoy Kumar Ghosh Sri Ashoke Kumar Ghosh, Mouja, P.O. & P.S. Domjur, Dt. Howrah.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—1/2 share of (1) Pond—4—Kh.and (2) 6 cottahs of land with building
Address—Mouja, P.S. Domjur, Dist. Howrah.
Deed No. 2288 of 1983.

S. K. BANENEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 15-12-1983

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Nand Kishore Choudhary S/o Sri Mahabir Prasad Choudhary, Or Village-Godiapatti, P.S.-Hayaghat, P.O./Dist.-Darbhanga.

(Transferor)

(2) Smt. Rubi Devi W/o Sri Laliteshwar Choudhary, of Village-Makhanpur, P.O. /Dist.-Darbhanga.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 6th March 1984

Ref. No. III-920/Acq/83-84.--Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beauing Khara No. 387 and 76, Khesra No. 2184/39108, 2185/39109 and 488 respectively situated at Balbhadrapur, Laheriasarai, P.O./Dist.-Darbhanga (and more fully described in the schedule appeared bereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of Kishanpur on 6-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 +11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 2. Kathas 17} dhur situated at Balbhadrapur, Laheriasarai. P.O./Dist. Darbhanga and more-fully described in deed No. 4951 to 4956 dated 6-7-1983 registered with S.R. Kishanpur.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 6-3-1984

Seal :

FORM ITNS-

(1) Mr. Chandoomal Ladikmal Vachhani.

(Transferor)

(2) 1. Mr. Arun Das and 2. Mrs. Gita Das.

(3) Tenant Mr. R. P. Mitra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX .

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th February 1984

Ref. No. $\Lambda R-II/37EE.3061/83-84$.—Wheras, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 4. Ground floor, Surya Kiran, Surya Kok Co-op.
Housing Society Ltd., 33rd Road, TPS III, Bandra,

Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Bombay on 12-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Flat No. 4, Ground floor, Surya Kiran, Surya Lok Co-op. Housing Society Ltd., 33rd Road, T.P.S. III, Bandra, Bombay-400050. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37FE.3061/83-84 dated 12-7-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :----

Date: 14-2-1984

Seal:

FORM-ITNS---

(1) In Arbil R. Leekha, 7 2. Malika R. Leekha and 3. Anoj R. Leekha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Fatima Anwar Jetha and Master Murad Anwar Jetha.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay on 15th February 1984

Ref. No. AR-II/37EE/3070/83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 10, Elegant hopping Centre, 26-38 Hill Road, Bandra, Bombay

Shop No. 10, Elegant Ropping
Bandra, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Bombay on 12-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, Elegant Shopping Centre, 26-38 Hill Road, Bandra, Bombay-50. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/ 37EE/3070/83-84 dated 12-7-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authorrity
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 15-2-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Prakash Murthy.

(Transferor)

(2) Smt. Anita Jaggi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Smt. Anita Jaggi, (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 7th January 1984

G.I.R. No. A-131/Acq.-Whereas, I, A. PRASAD being the competent authority under Section 269 D of the mecome-Tax Act, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 2 situated at 3, Gokhale Marg, Lucknow sand more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on: 18-7-1983

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 2 situated at 3, Gokhale Marg, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 8856, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow on 18-7-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 7-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

. (1) Smt. Prakash Murthy.

(Transferor)

(2) Shri Pritam Singh Oberoi.

(Transferce)

(3) Shri Pritam Singh Oberoi. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 7th January 1984

.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 1 situated at 3, Gokhale Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 19-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given to that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 1 (Ground Floor), situated at 3, Gokhale Marg. Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 8857, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow on 19-7-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 7-1-1984

Senl:

(1) Smt. Bina Bahel.

(Transferor)

(2) 1; Smt. Ramvati Devi 2. Smt. Rajeshwari Devi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 5th January 1984

G.I.R No. R.3207/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the licome-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impossible procestly begins a fair market value.

that the immovable property, having a fair market value deceding Ru. 25,000/- and bearing No.

House and shops situated at Mauza-Dilwali, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 7-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property which comprises house and shops, measuring 1000-02 sq. mtrs. situated at Mauza-Dilwali, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4115, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 7-7-1983 (as per 37G Form).

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 5-1-1984

FORM NO. 1 T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 3RD, FLOOR, SARAF CHAMBERS SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 27th January 1983

No. IAC/ACQ/28/13/83-84.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot in No. 18 layout at Mauja Navsaree Total Area—58396 So. ft

58396 Sq. ft.

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amraoti on 30-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Abduliabhai Mozqunali and Nine others, Insides Nagpuri Gate, Amrayati.

Amravati.

(Transferor) (2) Proposed Abbiyanta Subakari Gruh Nirmal Sanstha Through P. C. Wankhede, (Chief Promotor), Radha Nagar,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

18 Nos. of layout converted plots of Mauja Navsaree converted vide SDO, Amt./s Order No. NAP-34/Navsaree/35/79-80 dated 20-9-80 Total area—58396 sq ft.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD. FLOOR, SARAF CHAMBERS SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 27th January 1983

No. IAC/ACQ/29[13]83-84.—Whereas I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereizaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

Building at Badnara constructed area, 1800 sq. ft. plot 17200 sq. ft. Nazul S. No. 31 S. No. 66

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of ...1908) in the office of the Registering Officer at Amravati on 21-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pulsuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

42---6GI/84

(1) Rupchand Luchnam Poptani and 3 others of Amravati.

(Transferor)

(2) Shri Tejumal Chandiram Keshwani of Kanpur Rupchand Luchiram Poptani of Amrayati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Badnora on plot area 17200 sq. ft. Constructed Area 1800 Sq. ft. on Nazul Shect No. 31 S. No. 66.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 27-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3RD. FLOOR, SARAF CHAMBERS
SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 27th January 1984

No. IAC/ACQ/30/13/83-84.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

F.S. No 49/1 Mouza Umari Dist. Akola (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Akola Reg. No. 6170 on 22-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vijay Kumar S. Toshniwal, Murtizapur Road, Akola.

(Transferor)

(2) Proposed Dattatraya Co-op. Housing Society,
Chief Promotor,
Shri Anil Shirangi,
Subhash Chowk,
Akola.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land F.S. No. 49/1 Umari Dist. Akola 2 Acres 26 Gunthas.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date : 27-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD, FLOOR, SARAF CHAMBERS SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 24th January 1983

No. IAC/ACQ/27/83-84.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1941 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

A piece of land with one house in Nazul sheet No. 9, plot No. 3/1 situated at Wardha Distt. Wardha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Wardha on 18-7-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Miss Armaiti J. Cama for self and Firoza R. Marcfeji, R/o Cama House, Sadar Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Bhimson alias Bhimrao alias Bhikari S/o Laxman Beldar R/o Jaulkheda, Post Kheda, Tq Multai Distt. Betal (M.P.) and Smt. Kalabai alias Kamalabai W/o late Shri Bhaiyalal Chawre of Jaulkheda, Tal. Multai, Distt. Betul (M.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land with one house in Nazul Sheet No. 9, Plot No. 3/1 situated at Wardha Distt. Wardha.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 24-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCUME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 6th March 1984

Ref. No. A.P. No./5213.-Whereas I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act) have reason to believe that the immov-uble property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25,000/- and bearing
No. as per schedeulc situated at Kingra
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jalandhar on July 1983
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
tenson to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or 'he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Sohan Singh s/o Bhulla Singh through Mukhtiar Ram Avtar s/o Bhagwan Das r/o 8/19, Jalandhar Cantt. (Transferor)
- (2) Harjit Singh, Jagdish Singh s/o Tarlok Singh r/o V. Latifpura near Model Town, Jalandhar. (Transferee)

(3) as s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 20 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 2335 of July, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jelandhar

Date: 6-3-84. Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, tht 6th March 1984

Ref. No. A.P. No./ 5215.—Whereas I. J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per scheduled situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Harshahar s/o Mehnga Ram, Mukhtiar of Gurtej Singh, E.S.3, Makhdoom Pura, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Tajinder Pal s/o Shadi Ram r/o Mohalla Sudan, Nur Mahal Distt. Jalandhar, (Transferce)
- (3) as s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 14 1/2 Mls. situated in Garden Colony, Kingra and persons as mentioned in the registeration sake deed No. 2452 of July 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jolandhar, the 6th March 1984

Ref. No. A.P. No./5216.-Whereas I, 1. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at V. Boot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

ander the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jala udhar in July 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suin ct, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Secion 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Amar Prit Singh s/o Joginder Singh, 163/8, Bhargo Camp, Jalandhar, Mukhtiar-Khas Subash Chander and Ravi Pal s/o Ram Sarup of Charan Kaur w/o Swaran Singh r/o 11-Link Road, Jalandhar

(Transferor)

(2) Shri Mandip Singh s/o Nirmal Singh of Nirmal Cold Store, Nakodar Road, Jalandhar.

(3) as s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 18 Mis. 152 S. ft. situated in V. Boot and persons as mentioned in the registered sale deed No. 267() of July 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-3-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE JALANDHAR

Julandhar, the 6th March 1984

Ref. No. A.P. No./5218.-Whereas J, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Scheduled annexed herete), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in July 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument, of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act. in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid prperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Haripal Singh s/o Ujjagar Singh r/o Cold Storage, V. Kingra Teh. Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Harbans Dass s/o Bakhshi Dass r/o V. & P.O. Khunkhan, Distt. Jalandhar (Transferee)
- (3) as s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 131 Mls. situated in V. Kingra and persons mentioned in the registered sale deed No. 2738 of July 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-3-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5219.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to beieve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been unly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other arsets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Haripal Singh s/o Ujjagar Singh, r/o Cold Storage, V. Kingra, Teh. Jalandhar. (Transferor)
 - (2) Shriman Chanan Kaur w/o Bhum Raj r o Rameshwar Colony, Nakodar Road, Jalandhar, (Transferee)
 - (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
 - (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 1 Kl., situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2739 of July, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th March 1984

Ref. No. A. P. No. 5220.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedulo situatt dat Jalandhar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforevaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating and concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said persons, namely:-

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 43---6GI/84

(1) Shri Inderjit Passi s/o Bakhsha Singh self & Mukhtair Satwant Kaur Eassi and Baltaj Bassi and Amrit Bassi and Iqbal Bassi, Successors Bakhsha Singh C/o Patel Hospital, Civil Lines, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) M/s. Patel Nursing Home, Civil Lines, Jalandh through Dr. S. K. Sharma and Dr. B. S. Chopra. Islandbar (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
 - (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. BIX-2/2469, Civil Lines, Jalandhar situated behind Sky Lark Hotel, Civil Lines, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2476 of July, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 6-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th March 1984.

Ref. No. A.P. No. 5221.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Basti Pir Dad Khan, Jalandhar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

under the Refgistration Act, 1908 (16 of 1908) in tht Office of the Registering Officer at Jalandhar on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shrimati Harnam Kaur d/o Radha Singh r/o 228, Adarsh Nagar, Jalandhar. (Transferor)

(2) Shrimati Chanchel Rani w/o Jank Raj, r/o 411, Adarsh Nagar, Jalandhur.

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 8000 sq. ft. situated in Basti Pir Dad Khan, Jalandhar & persons as montioned in the registered sale deed No. 2270 of July, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range **Jalandh**ar

Date: 6-3-8

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5222.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. as per schedule situated at Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on July, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sadt Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Yadev Lal s/o Ram Chand r/o Saddar Bazar,

(Transferor)

- (2) Shri Surinder Kumar s/o Roshan Lal and Atri Devi w/o Surinder Kumar r/o 379, Saddar Bazar, Muktsar,
- (3) As S. No. 2 above.

(Transferee)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property 1/2 shop No. 379, situated in Saddar Bazar, Muktsar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1246 of July, 83 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 6-3-84

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5223.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Incorae-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on July, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 Shri Jetha Nand s/o Ram Chand r/o Saddar Bazar, Muktsar.

(2) Shri Jagdish Chander Jagga s/o Harcharn Dass Jagga r/o Near Sub-Jail, Muktsar and Smt. Sunita Jagga.

W/o Jagdish Chander Jagga r/o as above.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/2 shop No. 379, situated in Saddar Bazar, Muktsar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1247 of July, 83 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 6-3-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5224,---Whereas, J. J. L. GIRDHARI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Muktsar on July, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shrimati Lajyawanti alias Lajwanti d/o Gobind Lal (w/o Parkash Chand), 3064, Sector 28-D, Chandi-(Transferor)

(2) Shri Babu Ram s/o Chandu Lal, General Merchants, 3797, Saddar Buzar, Muktsar.
 (3) As S. No. 2 above.

(Transferee) (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Shop No. 3797 situated in Saddar Bazar, Muktsar and persons as mentioned in the registered sale deed. No. 1455 of July, 83 of the Registering Authority, Muktsar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Jalandhar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforese'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-3-84

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th March 1984

Ref No. A.P. No. 5225.—Whereas, J. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. as per schedule situated at and bearing

Mandi Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Abohar on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: -

(1) Shri Shiv Kumar s/o Durga Prasad r/o Gali No. 4, Mandi Abohar.

(Transferor); (2) Sushma Rani w/o Kanwaljit r/o Gali No. 4, Mandi Abohar.

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1423 of July, 1983 of the Registering Authority. Abohar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 8-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5226.—Whereas, I, J. I. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. as per schedule situated at Moh. Jagatpura, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on October, 1983

Hoshiarpur on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-taid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Romesh Kumar 2/0 Vasdev 1/0 314, Jagat pura, Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) Shri Harparkash s/o Vasdev, 314, Jagatpura, Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazcite.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3326 of October, 1983 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date: 8-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5227.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Hoshiarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Ranina w/o Ajit Singh, Mohalla Romesh Nagar, Hoshiarpur.

(Transferor)

 Gurdip Singh 5, o Sohan Singh Basra, r/o Alahabad Mushmula Bajwara Teh. Heshiarpur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3349 of October, 1983 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 8-3-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th March 1984

Ref. No. A.P. No. 5228.—Whereas, 1, J. 1. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at • Dhak Chachoki Teh. Phagwara

(and more uflly describtd in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on July, 1983

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to nay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the conceal tent of any income or any moneys or other ask) which have not been or which ought to be discluded by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the beforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

44---6GT/84

- (1) Shirmati Taro Utf Resham Kaur G.A. Mohan Singh Vill. Khother Teh. Nawanshahr. (Transferor)
- (2) Bhajan Kaur w/o Makhan Singh, Makhan Singh s o Mohan Singh V Khother Teh. Nawanshahr.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1035 of July, 1983 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 8-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ashok Kumar S/o Pratapsingh Bais, Partner and for Sushma Apartments, 16/1, Race Course Road, Indore.

(Transferor)

(2) Dr. Usha Naved W/o Shri Khurshid Naved, R/o B-32, M.I.G. Colony, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th January 1984

Ref. No. IAC/Acqn / Bpl/4285.--Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Part of First floor No. 5, Sushma Apartments constructed on Plot No. 16/1, situated at

Race Course Road, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Indore on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writin to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Part of First floor No. 5 in Sushma Apartments constructed, on Plot No. 16/1 situated at Ruce Course Road, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 28-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th January 1984

L. Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/4286.—Whereas, I. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/aud bearing No.

Part of Ground floor No. 8 in Sushma
Apartments constructed on Plot No. 16/1, situated at
Race Course Road, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 20-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacouse arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ashok Kumar S/o Pratapsinghji Bais, Partner and for Sushma Apartments, 16/1, Race Course Road, Indore, M.P.

(Transferor)

(2) Manoharlal S/o Jadavchandji Jain, R/o 25, Madhu Kunj, Veer Saverkar Marg, Ratlam, M.P.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Ground Floor No. 8 in Sushma Apartments constructed on plot No. 16/1 situated at Race Course Road, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 28-1-1984

(1) Ramial S/o Joramal R/o Uprenganj, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ravi Kiran Co-operative Housing Society, Ltd., 74,-B, Kachiana, Jabalpur,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th January 1984

Ref. No. IAC, Acqn., Bpl/4287.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS. 25,00% and bearing 180,
Property—Open plot of land:
Kh. No. 223/1G₁, 225/1 situated at
Gram Laxmipur, M.P.
and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ja'oalpur on 1st July 1908 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transftr as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property-Open plot of land bearing Kh. No. 223/1-G, 225/ 1 and 306/1, situated at Village Lakshmipur. This is the immovable property of which complete details are furnished in Form No. 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 28-1-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to tht following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th January 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4288.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Open plot—Kh. No. 531/1 situated at Mouja Gada, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer af Jabalpur on 13th July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby intate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Premchand S/o Ramkrishnalal R/o House No. 238, Ward Gada Phatak, Teh. & Distt. Jabalpur.

(Transferor)

(2) Army Personal Resettlement Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit, Jabalpur through President Major R. K. Dwivedi, 14/4, H.R. Verax, Cantt. Jabalpur and Secretary Shri R. P Bajpai, 713, Dikshitpura, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot bearing Kh. No. 531/1, situated at Mouja Gada, Jabalpur. This is the immovable property of which complete details are furnished in Form No. 37-G verified by the transferec.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 28-1-1984

- (1) Tekchand S/o Chuharmal Sindhi Banker R/o Civil Lines, Near Nal Ghar, Raipur. (Transferor)
- (2) Sanjeev S/o T. C. Jain, R/o Kumhari Teh. & Distt. Raipur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn,/Bpl/4289.—Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Land Kh. No. 37/28 situated at

Mouja Khamhardih alias Shanker Nagar, Teh. & Distt. Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raipur on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDUULE

Land bearing Kh. No. 37/28 situated at Mouja Khamhardin alias Shanker Nagar, Block No. 2, Teh. & Distt. Raipur

> D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Date: 16-2-1984

 Harishanker S/o Ramcharanlal,
 Smt. Premwati Wd/o late Shri Anandiprasad,
 Shri Harikrishna S/o Srilal R/o Gram Chomo Pargana Dabra, Distt. Gwalior.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Gram Joniya Porgana Sebra Distt. Datiya (b) Omprakash S/o Nathuram Vaidya, Badanipur.

(2) 1. Basantlal \$/o Bhaiyalal R/o

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th February 1984

Ref. No. JAC/Acqn/Bpl/4293.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Building (Shop) Municipal Ward No. 3,

situated at Subhashgani, Dabra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 198 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at DABRA on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building (Shop) No. Municipal Ward No. 3 situated at Subhashganj, Dabra.

> D. P. PANTA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-thx Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 16-2-1984

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th February 1984

Rcf. No. IAC Acqn/Bpl/4294.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building Municipal Ward No. 3, situated at Subhashgani, Dabra Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Harishankar S/o Ramcharantal, Smt. Premwati Wd/o Anandiprasad Shri Harikrishna S/o Srital R/o Gram Chomo Pargana Dabra, Distt. Gwalior.

(Transferor)

(2) Ashwanikumar (Minor) S'o Shri Chandraprakash Guardian Mother Annapurna W/o Chandraprakash R o Gram Vadoni Pargana & Distt, Datia

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Building—Municipal Ward No. 3 situated at Subhashganj. Dabra Mandi, M.P.

D. P. PANTA
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn /Bpl/4295.-Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building—Municipal Ward No. 3,

situated at Subhashgani, Dabramandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dabra on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—45—6GI/84

(1) Hansbanker S. e Eamcharanlal, Sint. Premwati Wd/o Anandiprasad, Shri Harikrishna S/o Srilal R/o Gram Chomo Pargana Dabra Distt. Gwalior.

(Transferor)

(2) Gomtibui Wd/o late Jwalaprasad R/o Gram Vadani Pargana & Distt, Datia, M.P. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building Municipal Ward No. 3, situated at Subhasgan, Dabramandi, M.P.

> D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 16-2-1984

<u>سين سين بي ب</u>

FORM ITNS-----

 Indirabai Vishnupant Damle, Jamner.
 S. W. Sunandabai W/o Anantrao Sate, Poona, and 3. Shalini W/o Yeshwantrao Joshi, Poona through Shri Chantaman A. Remchand Bapat, Harda,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Avinash S/o Rameshchand Jain, R/o Timarni.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/4296.—Whereas, I, D. P. PANTA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Kh. No. 5/1, 6, 7, 8/2, 9 situated at Village Pipliya, 35/17, Timorni Distt.

Hoshangabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Harda on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 5/1, 6,7,8/2, and 9 situated at village Pipliya, 35/17. Timarni Distt. Hoshangabad,

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th February 1984

Ref. No. 1AC/Acqn./Bpl/4297.—Whereas, 1, D. P. PANTA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land Kh. No. 5/1, 6, 7, 82/2, 9 situated at Village Pipliya, 35/17 Timarni Distt. Hoshangabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Harda on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (e) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Indirabai Vishnupant Damle, Jamner
 S. W. Sunandabai W/o Anantrao Sate, Poona and 3 Shalini W/o Yeshwantrao Joshi, Poona through Mukhtiyare Aum Shri Chantaman S/o Ramchand Bapat R/o Harda.

(Transferor)

(2) Anilkumar S/o Rameshchand Jain, R/o Timarni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 5/1, 6, 7, 8/2 and 9 situated at village Pipliya, 35/17, Timarni Distt. Hoshangabad.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 20-2-1984

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/4298.—Whereas, [, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

bearing No. Land Kh. No. 5/1, situated at Village Pipliya, Teh. Timarni Distt.

Hoshangabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Harda on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Indirabai Vishnupant Damle R/o Jamner
 Smt. Sunanda Bai W/o Anantrao Sate, Poona
 Smt. Sulbha W/o Anantrao Marathe R/o Bombay
 Smt. Shalini W/o Yeshwantrao Joshi R/o
 Poone through Muthayare Aum Shri Chantaman S/o Ramchand Bapat R/o Harda.

(Transferor)

(2) Anilkumar S/o Rameshchandra Jain, R/o Timarni.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 5/1, situated at Village Pipliya Teh. Timarni Distt. Hoshangabad.

> D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 20 2-1984

Scul:

- (1) Shivnarayan S/o Harishanker Raghuvanshi R/o Hathvas, Teh. Pipariya Dist. Hoshangabad. (Transferor)
- (2) Dhaniram S/o Sitaram Raghuvanshi, R/o Hathwas, Tch. Piparia Distt. Hoshangabad. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th February 1984

Ref. No. IAC,/Acqn./Bpl/4299.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

bearing No. Land Kh. No. 159/2 situated at Village

Pipariya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Harda on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 159/2 situated a Hahvas, Piparia Teh. Distt. Hoshangabad.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 20-2-1984

(1) Kashiram S/o Dataram Rathor, R/o Jiwaji Ganj, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhagwandas S/o Fatchchand Malik, R/o Ratan Colony, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL Bhopal, the 20th February 1984

Ref. No. IAC,/Acqn/Bpl/4300.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House No. 26/127 situated at Ratan Colony, Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Gwalior on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been exwhich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and part of House No. 26/127 situated at Ratan Colony, Lashkar, Gwalior.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 20-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 20th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/4301.—Whereas, 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 173-A.C. situated at

Indrapuri, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the gaid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sukhchain Ahuja W/o Shri Y. P. Ahuja, R. o Quarter No. 169-D-2 Sector 'D' Puplani. Bhopal.

(Transferor)

(2) Mohammad Sahib Mansoori S/o Shri Sheikh Vahid R/o D.F. M.P. Vidhyut Mandal, Sarni. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perold of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Plot No. 173 A.C. situated at Indrapuri, Bhopal.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 20-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Sulochanabai Kadam W/o late Sardar Lachhmanrao Kadm, Shri Udaisinghrao and 3. Shri Indnilrao Kadam, R/o Kadam Saheb Ka Bada, Janakganj, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Smt. Kalabai W. o Dhaniram Kannojiya R /o Kadam Saheb Ka Bada, Janakganj, Lashkar, Gwalior.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/4292.-Whereas, I, D. P. PANTA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act), have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. House No. 21/460 (Old) & No. 30/88 (New) situated at Kadam Saheb Ka Bada, Janakgani, Laghkar, Gwalior has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House bearing Municipal Old No. 21/460 and New No. 30/88 situated at Kadam Saheb Ka Bada, Janakgani, Lashkar, Gwallor.

THE SCHEDULE

D. P. PANTA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 16-2-1984 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE_560 001

Bangalore-560 001, the 13th February 1984

C. R. No. 62/38817/83-84/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incoem-Tax, Acquisition Range, Bangalore peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 24, situated at 8th Cross Road, H. Siddaiah Road,

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at
Basavangudi under document No. 1196/83-84 on 1-7-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the reforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Secton 269D of the said Act, to the following persons, namely :-46-6GI/84

(1) Shri J. P. Sangal

s/o Shambunath No. 345, I Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Fransferor)

(2) Shrimati Zainab Bee Hasmath Bee, Zahida Begum, & Sajida Begum, No. 13 Casuriana Street, Bangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per-sons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1196/83-84

Dated 1-7-83]

All that property bearing—No. 24, situa Cross Road, H. Siddaiah Road, Bangalore-27. situated at 8th

> MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 21st February 1984

CC. R. No. 62/38375/83-84/Acq/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No.

1711-1 and 1711-2 (old) New No. 2116

situated at Chikkapet Road, Mandipet, Tumkur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Tumkur under document No. 1534/83-84 on 4-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Shri Nagaraja
 s/o Sri Manmohan alias Manne,
 No. 2, II Main, Gandhinagar, Tumkur Town.

(Transferor)

(2) 1. Shri T. A. Prasanna Kumar

 Smt. T. P. Pramila.
 Sri T. P. Amarnath
 Sri T. P. Kiran Kumar, Partners M/s. Dhonti Agencies Church Square, Tumkur Town.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1534/83-84 Dated 4-7-831 All that property bearing No. 1711-1 & 1711-2 (old) New No. 2116 situated at Chikkapet road, Mandipet, Tumkur.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th February 1984

C. R. No. 62/38866/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of | the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 52 (old No. 94)

situated at Tank Road, Cottonpet, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar under document No. 935/83-84 on July, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati S. Jayamma No. 52 (old No. 94) Cottonpet, Bangalore-53.

(Transferor)

(2) 1. Shrimati Dhaku Bal

Sri Kemraj Patwa
 Sri Bhawarlal

4. Sri Sohanlal

5. Sri S. Shantilal 6. Sri Rajendrakumar,

7. Sri Hemraj 8. Sri Pannalal,

No. 52 (old No. 94) Tank Road, Cottonpet, Bangalore-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 935/83-84 Dated July 83]
All that property bearing No. 52 old No. 94, situated at Tank Road, Cottonpet, Bangalore-53.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 20-2-1984

(1) Shri R. R. Gundu Rao s/o R. Rama Rao, 349, ZA Main Road, Domlur layout, Bangalore-560 071.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimathi Meenakshi Jacob, w/o P. J. Jacob 380, Domlur layout, Bangalore-560 071.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bangalore-560 001, the 18th February 1984

C. R. No. 62/38914/83-84/ACQ/B.—Whereas MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 349, situated Domlur layout (noco Bagath Singhnagar),

Bangalore-71

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of

the registering officer at Shivajinagar under document No. 1112/83-84 on 1-8-1983 Shivajinagar under document No. 1112/83-84 on 1-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1112/83-84 dated 1-8-83] All that property bearing No. 349 situated at Domlur layout (now Bagath Singh Nagar), Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 21st February 1984

C. R. No. 62/38793/83-84/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 408, situated at Matadahalli, I Block, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred. has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Gandhinagar under document No. 1114/83-84 on 15-7-1983
Bombay on 23-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Shrimati Usha V. Rao, No. 793, M.I.G. Building Austin Town, I Stage Layout, P.O. Viveknagar, Bangalore-47.

(Transferor)

(2) Shri Talapadi Prakash Setty, Karkala Town, Karkala Taluk, D. K. Power of attorney holder Sri Ratnakar S. Setty, No. 3302-K, HAL II Stage, 13th A Main Indiranagar, Banyalore-38 Bangalore-38.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1114/83-84 Dated 15-7-83]

All that property bearing No. 408 situated at Mattadbhalli I Block, Bangalore.

MANJU MADHAVAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-2-1984

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 21st February 1984

C. R. No. 62/38989/83-84/ACQ/B.—Whetens 1, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 1319, situated at 24th Cross, 27th Main Banashankari, II Stage, Bangalore-70 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar under document No. 1335/83-84 on 20-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri A. S. Mohan, No. 63, B. S. K. I Stage, 1 Block, 24th Main, Srinagar, Bangalore-50. (Transfero)

(2) Shri Vijaya Kumar Goel,
 Smt. Urmila Goel,
 No. 1319, 24th Cross, 27th Main,
 B. S. K. II Stage, Bangalore-70.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1335/83-84

Dated 20-7-83]

All that property bearing No. 1319 situated at 24th Cross, 27th Main B.S.K. II Stage, Bangalore-70.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Date: 21-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 21st February 1984

C. R. No. 62/38773/83-84/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 'Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

27-2D, 27-2E, situated at Kuthpadi village, Udupi Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Udupi under document No. 196/83-84 on 19-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shrimati Yamuna Shedthi

 - d/o Yelli alias Doddakka Shedthi,
 2. Sri Cedayashankar Shetty,
 3. Rajivi Shetty,
 4. Asha Shetty, Children of No. 1,
 Madambu Hosamane, Inuanji village, Udupi Taluk,

(Transferor)

(2) Shrimathi Muthu Salian d/o Seethu Marakalthi, d/o Seethu Marakalthi Kkadekar village Udupi Taluka.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property bearing No. 27-2D & 27-2E, situated at Kuthpady village, Udupi Taluk, DK.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangaloro

Date: 21-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 14th February 1984

C. R. No. 62/38916/83-84/ACQ/8.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5/2, situated at Wheeler Road, Balaji Layout Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the

office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 1095/83-84 on 31-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating t m or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri A. C. L. Pares,
 Balaji Layout,
 Davis Road, Bangalore-5.

(2) Shri J. M. Rodricks, 5th Mile, Hennur Road, St. Thomas Town, Bangalore-560084.

(Transferee)

(Transferor)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1095/83-84 Dated 31-7-83]

All that property bearing No. 5/2 situated at Wheeler Road. Balaji Layout, Bangalore,

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 15th February 1984

C. R. No. 62/38795/83*84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 189, situated at Sankey road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar under document No. 1150/83-84 on 15-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely — 47—6GI/84

(1) Shri K. K. Naidu, 8/0 G. Krishna Murthy, No. 760, Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferor)

(2) Shrimati Shella Dass & others No. 189 Samkey Road Upper Palace Orchards, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1150/83-84

Dated 15-7-83]

All that property bearing No. 189, situated at Sankey Road, Upper Palace Orchards, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-2-1984

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 15th February 1984

C. R. No. 62/38934/83-84/ACQ/B.—Whereas I, MANIU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing
Old No. 4/12, New No. 4/4, situated at Cresent Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar under document No. 1179/83-84 on 31-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shrimati A. S. Rajeswarl, No. 3, Annapurna, I Cross, Kumaracot layout High Grounds, Bangalore. (Transferor)

 Shri Lakshman Rangappa Kamath C/o Hotel Kamath, Seshadripevram,
 C: Road, Bangalore.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1179/83-84 Dated 31-7-83]
All that property bearing old No. 4/12 New No. 4/4, situated at Cresent Road, Bangalore.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-2-1984

NIDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001 the 27th February 1984

* C.R. No. 62/39034/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority Under Section 269B of the Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3347/C, situated at HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri C. Venu, Chinthamani, Kolar Distt.

(2) Shri B. G. Somashekar, Kataripalya, Kolar. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1362/83-84

Dated 15-7-83]

Property bearing No. 3347/C, situated at HAL II Stage Indiranagar, Bangelore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th February 1984

C. R. No. 62/38915/83-84/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

498, situated at HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 31-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Avinash Mangasulu, No. D-3, Old Township, HAL Colony Vimanapura Post, Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Shri K. Hameed Khan, 89, Armstrong Road, Bangalore.

2. Syed Abdul Latif, No. 48, Benson Cross Road, Benson Town, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1093/83-84 Dated 31-7-83]
Property bearing No. 498, situated at HAL II Stage Indiranagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 24th February 1984

C. R. No. 62/38736/83-84/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

703, situated at HAL II Stage, VII Main, Bangelore, Indiranagar,

(and more fully described in the Schedule annxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 15-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Gowramma
 No. 700, HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri G. Raju, No. 37/7, Meanec Avenuece Road, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 974/83-84

Dated 15-7-831

Property bearing No. 703, situated at HAL II stage, VII Main, Indiranagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-2-1984

Scal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st March 1984

C. R. No. 62/39084/83-84/ACQ/B.—Whereas 1, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 633, situated at Vasanthamahal Road, Nauranbad, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mysore City on 15-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri M. Veeraraj Vrs, I.A.S. (Retd), No. 9, Kingston Road, Richmond Town, Banbalore

(Transferor)

(2) Dr. M. B. Gowda, II Ediga, Pulikeshi Road, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1452/83-84 Dated 15-7-83]
Property bearing No. 633, situated at Vasanthamahal Road, Narzarbad, Mysore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 1-3-1984

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th February 1984

C. R. No. 62/38937/83-84/ACC//B.--Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

135 (Old), New Nos. 8 & 9, situated at III Cross, Nehrunagar, Seshadripuram, Bangalore-20.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the registering officer at

Gandhinagar on 31-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) 1. Shri B. S. Nagendra Prasad, Smt. Pushpa Viswanath, No. 23/1, Adipampa Road, V. V. Mohalla, Mysore.

(Transferor)

(2) Shri Y. C. Rangaswamy, No. 66, Nehrunagar, Seshadripuram, Bangalore- 20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1207/83-84 Dated 31-7-83]
Property bearing No. 135 (old) New No. 8 & 9,
III Cross, Nehrunagar, Seshadripuram, Bangalore.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-2-1984

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th February 1984

C. R. No. 62/38936/83-84/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

135 (Old) New Nos. 8 & 9,

situated at III Cross, Nehrunagar, Sheshadripuram, Bangalore-20,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the registeration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the registering officer at

Gandhinagar on 31-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri B. S. Nagendra Prasad,
 Smt. Pushpa Viswanath,
 No. 23/1, Adipampa Road,
 V. V. Mohalla,
 Mysore.

(Transferor)

(2) Shri Y. C. Puttaraju, No. 66, Nehrunagar, Seshadripuram, Bangalore- 20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1206/83-84 Dated 31-7-83]

Property bearing No. 135 (old) New Nos. 8 & 9,
III Cross, Nehrunagar, Seshadripuram, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Dato: 28-2-1984

FORM LT.N.S.-

(1) Miss Mac Britto, No. 11, Cline Road, Cooke Town, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mrs. Lelitia Britto, No. 11, Cline Road, Cooke Town, Bangalore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 24th February 1984

C. R. No. 62/38918/83-84/ACQ/B.—Whereus I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 9/13, situated at 1 Floor, Lloyds Road, Cooke Town,

Bangalore.

48---6GI/84

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 31-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1030/83-84

Dated 31-7-831

Property bearing No. 9 13, situated at Lloyds Road, Cooke Town, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th February 1984

C. R. No. 62/39007/83-84/ACQ/B.—Whereas, 1. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Rauge, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/~ and bearing No. 73 (Old No. 46)

situated at Charles Campbell Road, Cox Town, Bangalore-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 1122/83-84 on 15-7-1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) 1. Shri A. Ramasastry,

Sri A. R. Srinivasan
 Sri R. Satyanarayanan

4. Sri R. Prabhakar,
5. Sri R. Sridhar,
73, Charles Campbell Road,
Bangalore-5.

(Transferor)

 (2) 1. Shri Syed Farouk Ahmed
 2. Dr. Syed Rafeeq Ahmed,
 8/2, Charles Campbell Road, Bangalore-5.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used here in an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dated 15-7-_ Registered Document No. 1122/83-84 All that property bearing No. 73, situated at Charles Campbhell Road, Cox Town, Bangalore-5.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 20th February 1984

Ref. No. Notice No. 699,--Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN,

'-'-g the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Now Open Plot bearing No. 4 situated at Porvorim, in Bardez 'aluka, Dist: Goa

(nd more fully described in the Schedule annexed hereto),

inder the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

" on 29-8-1983

for an apparent consideration which is less than the ir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

refor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in a said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the inforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Empresa Industrial Chodancar, Porvorim, Alto, Betim, Bardez—Goa, represented by all its partners
 (a) Esvonta Baboni Chodancar
 (b) Shrimati Esvonta Chodancar,

(c) Vikas Esvonta Chodancar.

(Transferor)

(2) Shefali Jayendra Dassani, 'Sonal' Gul Mohar Marg, 64, Vallabh Nagar, Co.Op. Housing Society Ltd., Juhu Vile Parle, Development Scheme, Vile Parle West, Bombay-400056.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 645/83-84, dated 29-8-1983.

Open Plot bearing No. 4 for building construction situated at Porvorim in Bardez Taluka, Dist: Goa.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 20-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 20th February 1984

Ref. No. Notice No. 700.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Open Plot bearing No. 6 situated at Porvorim in Bardez, Taluka. Dist: Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of the registering Office at

Ilhas on 30-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922: (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Empresa Industrial Chodancar, Porvorim, Alto, Betim, Bardez—Goa, represented by all its partners
 - represented by all its partners
 (a) Esvonta Baboni Chodancar,
 (b) Shrimati Esvonta Chodancar,

(c) Vikas Esvonta Chodancar.

(Transferor)

(2) Jayendra Dharsi Dassani, 'Sonal' Gul Mohar Marg, 64, Vallabh Nagar, Co.Op. Housing Society Ltd., Juhu Vile Parle, Development Scheme, Vile Parle West, Bombay-400056.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same nearing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 647/83-84. dated 30-8-1983. Open Plot bearing No. 6 for building construction situated at Porvorim in Bardez Taluka, Dist: Goa.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 20-2-1984

Seal -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 20th February 1984

Ref. No. Notice No. 701.—Whereas, I. MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Open Plot bearing No. 3 situated at Porvorim Tal: Bardez, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas on 27-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Empresa Industrial Chodancar, Porvorim, Alto, Betim, Bardez.—Goa, represented by all the partners
 (a) Esvonta Baboni Chodancar,
 (b) Shrimati Esvonta Chodancar,
 (c) Vikas Esvonta Chodancar,
 R/o Porvorim Alto Betim, Bardez.—Goa.

(Transferor)

(2) Kum Sonali Jayendra Dassani, 'Sonal' Gul Mohar Marg, 64, Vallabh Nagar, Co-op. Housing Society I.td., Juhu Vile Parle, Development Scheme, Vile Parle West, Bombay-400056.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 644/83-84. dated 27-8-1983.

Open plot bearing No. 3 for construction of building measuring 373 Sq. Mts. situated at Porvorim, Tal: Bardez, Dist: Goa.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 20-2-1984

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 20th February 1984

Ref. No. Notice No. 702.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Open Plot bearing No. 5 situated at Porvorim in Bardez, Taluka.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Ilhas on 29-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Empresa Industrial Chodancar, Porvorim Alto, Betim, Bardez—Goa. represented by all its partners.
 Esvonta Baboni Chodancar.
 Shrimati Esvonta Chodancar.

(c) Vikas Esvonta Chodankar.

(Transferor)

(2) Lata Jayendra Dessani, 'Sonal' Gul Mohar Marg, 64, Vallabh Nagar, Co.Op. Housing Society Ltd., Juhu Vile Parle, Development Scheme, Bombay-400056.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter:

THE SCHEDULE

Registered Document No. 646/83-84, dated 29-8-1983.

Open Plot bearing Plot No. 5 situated at Porvorim in Bardez Taluka, Goa, for building construction.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 20-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 20th February 1984

Ref. No. Notice No. 704.--Whereas, I,

MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Open Plot Sub-Plot No.53-B situated at Pilerne Village, Bardez.Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act 1961, in the Office of the Registering Officer at

Ilhas on 6-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

 Sunt. Pervotibai Govencar Alias, Parvotibai Bogvonta Govencar, R/o Pilerne Bardez Taluka, Gou.

(Transferor)

(2) Ronald Jos Menezes Minor by guardian Reinco Domingos Menezes being father R/o S. Matias (Divar), Tal: Tiswadi, Dist: Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 541/83-84, dated 6-8-1983.

Open plot measuring 500 Sw. Mts. bearing sub-Plot No. 53-B for building construction situated at Pilerne village. Bardez Taluka, Goa.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 20-2-1984

 Smt. Parvotibai Govencar Alias, Parvotibai Gogvonta Gaovenkar, R/o Pilerne Bardez Taluka,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Romeo Domingos Menezes and
 Smt. Alda Filomena Cabral Fernandes Menezes, both R/o S. Matias (Divar), Tiswadi Taluka.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 20th February 1984

Ref. No. Notice No. 705.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot Sub-Plot No. 53/A situated at Pirlene Village,

Bardez, Taluka, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas on 10-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 537/83-84, dated 10-8-1983. Open plot measuring 500 Sq. Mts. situated at Bardez Taluka for construction of building.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-2-1984

Goa.

FORM FINS------

(1) 1. Smt. Maria Eufemine Albina Fernandes and 2. Smt. Augelica Augusta Florentina Ismlia Fernandes.

both R/o Dr. Cunba Gonsalves Road, Panji Goa.

(2) Smt. Rita Gomese Vaz, Razavori Ward-Velcao Marmagoa, Taluka,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORF-560001

Bangalore-560001, the 20th February 1984

Ref. No Notice No. 703.-Whereas, I. MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House property bearing Chalta situated at Panji Goa and more fully described in the Schedule annexed hereto), ass been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Offic of the Registering Officer at Jhas on 19-7-1983

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

49-6GL/84

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 501/83-84, dated 19-7-1983. House property bearing Chaha No. 99 situated on Dr. Cunha Gonsalves Road, Panji Gon.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bangalore

Date: 20-2-1984

FORM I.T.N.S.---

(1) Smt. Giddawwa W/o Ramappa, Waddar, Through Shri B. N. Waddar, Torvihakkal, Hubli. (Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hanumanthappa Babanna, Waddar, Hosar, Hubli.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 28th February 1984

Notice No. 706.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reuson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 26,000/- and bearing Sy. No. 155. situated at Unkal Village, Hubli Taluka. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hubli on 3-10-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1542/83-84.

Agricultural land situated in Unkal Village Hubli Taluka, bearing Survey No. 155 measuring 14 Acres and 32 Gunthas.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 28th February 1984

Notice No. 707.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Open Land Survey No. 94/1 situated at Krishnapur Village, Hubli Taluka.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hubli on 2-7-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Bhimavva W/o Tirakappa Divatagi, R/o Divatageri Oni, Ild Hubli, Hubli.

(Transferor)

(2) Jayanagar Co. Op. Housing Society Ltd., Diddi Oni Old Hubli, Represented by Secretary, Shri R. L. Reddy, Diddi Oni, Old Hubli. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 820/83-84. Dated 2-7-1983. Open land situated in Krishnapur Village under Survey No. 94/I, Measuring 4 Acres.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 28-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 28th February 1984

Notice No. 708.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immove-able property having a fair market value exceeding bearing No. Agrl. Land No. R. S. No. 360/1-B-1-C situated at Betageri, Gadag, Taluka (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), have been templayed under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gadag, on 20-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons pages by ing persons, namely :-

(1) 1. Shri Shiyappa Yellappa Kondikoppa, R/o Vakkal-2. Basappa Yellappa Kandikoppa, at present Ugalgol Village Tq: Savadatti, Dist: Belgaum.

(3) Ashok.

(4) Balappa,(5) Kumari Ningavya, M/g Shri Basappa Kondikoppa.

(Transferor)

(2) Smt. Gangabai W/o Yellappa Jadhav,

(2) Ranganath.(3) Parashuram.

(4) Krishnaji. (5) Narayan S/o of Yellappa Jadhav, The transferee at Sl. No. 1 is M/g for 4 & 5. R/o Masari Pinge Chawl Betageri, Tal: Gadag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions and hereoin as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 801/83-84. Dated 20-7-1983.

The agricultural land situated in Betageri, Gadag Taluka and comes under Gudag Taluka bearing R. S. No. C360/1-B+ IC measiving 4 ocres and 35 Gunthas.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 28 4-1984. Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 6th Match 1984

C. R. No. 62/Notice No. 709/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value—exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CTS No. 842 and 844 measuring 27 and 463 sq. yards, situated at Durgad Bail in Ward No. 2 Hubli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubi Under Document No. 960 83-84 on 22-7-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of he liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Krishna Gowda.
 - S.o. (adopted) Sri Krishna Gowda Odugaudar.
 - R/o Ramanagar, Dharwad.

(Transferor)

(2) Mrs. Channavva, W/o Chandrashekharappa Abbigere alias Bendigei R/o. Durgad Bail. Hubli.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 960/83-84 Dated 22-7-1983.] 4 Share of Land and building situated in Hubli in Durgad Boil in Ward No. 2 bearing CTS No. 842 and 844 measuring 27 and 463 Square yards.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 6-3-1984.

FCRM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 2690(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQQUISITION RANGE,

BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 29th February 1984

Notice No. 710.--Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and

bearing No. Agil. Dry land Sy. No. 173/1 and situated at Kallur Village in Tal. Raichur 173/3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act; 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Raichur on 25-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

(1) I. Shri Sayad Abdul Khadar, Khadri

 Shri Sayed Abdul Aziz, Khadri
 Shri Sayed Abdul Hakeem Khadri
 Shri Sayed Abdul Razak Khadri
 All arc sons of Shri Abdul Rahim Khadri All arc R/o. Kadlur Village Tal & Dist. Raichur. (Transferee)

(2) Shri Gangappa Tippanna R/o Kadlur Village, Tal. & Dist. Raichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 5/4/83-84 Dated 25-7-1983. Agricultural Dry lands bearing Sy. No. 173/1 & 173/3 situated at Kadlur Village in Taluka Raichur.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 29-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 29th February 1984

Notice No. 711.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/r and

bearing No. Agrl. Dry Land 173/2 & 173/3 situated at Kadlur village in Raichur Taluka.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Raichur on 25-7-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) I. Shri Sayed Abdul Khader Khadri
 - Sliri Sayed Abdul Azeez Khadri
 Shri Sayed Abdul Hakeem Khadri
 - 4. Shri Sayed Abdul Razak Khadri

All are sons of Shri Sayed Abdul Rahim Khadri are all are R/o Kadlur Village, Tal & District Raichur.

(Transferor)

(2) Smt. Basamma W/o Bassamma R/o Kadlur, Village Tal & District Raichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANITION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 515/83-84 Dated 25-7-1983. Agricultural Dry land bearing Sy. No. 173/2 & 173/3 situated at Kadlur Village, in Tal. Raichur.

> MANJU MADHAVAN, Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 29-2-1984.

Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 29th February 1984

Notice No. 712.—Whereas, J., MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

bearing No. Agrl. land Sy. No. 224/3/A, situated at Gangaveti.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gangavati on 22-7-1983.

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(1) Sint. Venikusai W/o Devisingh 2. Sint. Anantasai W/o Ramsingh Both R/o Gangavati.

(Transferor)

 Shri H. Yamanappa S/o H. Rajappa
 Shri H. Malleshappa S/o H. Hulagappa
 Shri H. Erappa S/o H. Kalingappa All R/o Gangavati District Raichur.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Registered Document No. 899/83-84. Dated 22-7-1983. Irrigated Agricultural land bearing Sy. No. 274/3/A to the Extent of 4-31 Gunthas out or 9-31 Guntas Situated at Gangavati.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 29th February 1984

Notice No. 713.—Whereas, J, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Wo. Agrl, land Sy. No. 224/3/A situated at Gangavati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gangavati on 22-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfet with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

50--6GI/84

3mt. Venkusai W/o Devasingh
 Smt. Anantasai W/o Ramsingh
 Both R/o Gangavati, District Raichur.

(Transferor)

Shri H. Yamanua S/o Rajappa
 Shri H. Malleshappa S/o H. Hulagappa
 Shri H. Erappa S/o H. Kalingappa

All R/o Gangavati, Dist. Raichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 898/83-84 Dated 22-7-1983.

Irrigated Agricultural land situated at Gangavati bearing Survey No. 224/3/A to the Extent or 3-00 Acres out or 9-31 Guntay.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 29-2-1984.

. FORM MNO

BOLDEN TO THE RESIDENCE OF THE PARTY OF THE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

2. Mrs. Nagamma D/o Shiyappa R/o Bevinlal Camp Village Tal Gangayati Dist Raichur.

(1) 1 Shri Basavaraj S/o Shivappa

(2) Shri K. Prashakar Rao S/o Burayya, R/o Bevinlal Camp Village Taluka, Gangavati Dist. Raichur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 29th February 1984

Notice No. 714.—Whereas, I. MRS. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agrl. land Sy. No. 153/A situated at Bevinlal Camp Village in Gangavati Taluka. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at Gangavati and 15 7 983. for an appear of consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration with the object of th

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Registered Document No. 847/83-84. Dated 18-7-1983. Registered land bearing Sv. No. 153/A to the Extent or 3-Acres out-of 11-08 Gunthas situated at Bevinlal Village Camp in Gungavati Taluka.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-2-1984.

FORM HIND---- -

. -....

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAY ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangaloic, the 29th February 1984

No. 715.—Whereas I, Mrs. MANJO MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agrl, land Sy. No. 153-A situated at Bevinhal Camp Village in Gangavati Taluka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the Registering Officer at Gangawati on 18-7-1983

for an apparent consideration which is less than the tail market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) 1. Ohr. Elsa, arat S. t. Shivapan 2. Lats. Nagadina Le/o Shivapa Loth E./o Bevidal Camp Village. Tal: Gangawati Dis: Rachur.

(Transferor)

(ii) 5m., iz. Wahashwati W/o Sambashiya Rao, R/o Bevinhal Camp. Village, Taluka: Gangawati, Dist: Raichur.

(Transferec)

Objections, if may, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the ablication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 845/8364 dated 18-7-1983 Agricultural land bearing Sy. No. 153/A to the extent of 3 Acres out of 11-08 Gunthas situated at Bevinhal Camp, Village in Gangawati Talukas.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Dato: 29-2-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 29th February 1984

No. 716.—Whereas I, Mrs. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and

Agrl. land Sy. No. 153/A situated at Bevinhal Camp, Village in Gangavati Taluka

(and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at

Bangalore on 18-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly etated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Basavaraj S/o Shivapan
 Mrs. Nagamma, D/o Shivappa R/o Bevinhal Camp Village Taluka, Gangawati Dist: Raichur.

(Transferor)

(2) Shri K. Sambashiva Rao, Shri Burayya, R/o Vevinhal Camp Village, Tal: Gangawait, Distt: Riachur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 846/83-84 Dated 18-7-1983. Agricultural land situated at Bevinhal Camp, Village in Gngavati Taluka (Sy. 153/A).

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-2-1984

Scal .

PORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 29th February 1984

No. 717.—Whereas 1, Mrs. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl. land, 173/2 & 173/1 situated at Kadlur Village, in Raichur Taluka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ráichur on 25-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Sayed Abdul Khadar Khadri
 - 2. Shri Sayed Abdul A212, Khadri 3. Shri Sayed Abdul Hakeem Khadri
- (2) Shri Tippanna S/o Basappa R/o Kadlur Village Tal & Dist. Raichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovsble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the gaid act, shall have the same meaning as given a that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 513/83-84 Dated 25-7-1983. Agricultural dry land bearing Sy. No. 173/2 and 173/1 situated at Kadlur Village, Tal: Raichur.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bugloare

Date: 29-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 29th February 1984

No. 718.—Whereas I, Mrs. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl. Land R.S. No. 455 situated at Kanamadi Village, in

Binaupr

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Binpur on 18-7-1983

Binpur on 18-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesa d exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Smt. Shivalingawwa W/o Madiwalappa Gumshetty, R/o Kalakeri Village,
 - Tq; Shindagi.

 2. Smt. Ratnawwa W/o Melappa Yelmeli,
 R/o Bandal Village, Power of
 Attorney Holder Shri Shiyappa Tejappa Alulli R/o Kotyal Tal. & Dist. Bijapur. (Transferor)
- (2) 1. Shri Basappa Sattappa Munjan. Shri Mareppa Ningappa Shyamgol, Both R/o Kanamadi Village, Tal. & Dist. Bijapur.

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1057/83-84 Dated 18-7-1983.

Agricultural land bearing R.S. No. 455 measuring 22 Acres and 30 Gunthes situated at Kanamadi Village in Bijapur Taluka.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-2-1984

Scal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 29th February 1984

No. 719.—Whereas I, Mrs. MANIU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. Land Sy. No. 159 situated at Masali in Tal. Indi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indi, on 11-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri Gurappa Shivalingappa Biradar, R/o Masali Village, Tal: Indi, Distt: Bijapur.

(Transferor)

(2) Vithal Shankarappa Nandyal, R o Masali B, K. Tal: Indi, Dist: Bijapur. (Trønsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 477/83-84 Dated 11-7-1983.

Agricultural land bearing Survey No. 159, si uated at Masali, in Indi Taluka.

MANJU MADHAVA
Competent Authori
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta
Acquisition Range, Bangalos

Date: 29-2-1984

Scal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 29th February 1984

No. 720.—Whereas I, Mrs. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agrl. Land Sy. No. 159 situated at Masali Village Indi Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indi on 8-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incom-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shr. Curappa Shivalingappa Biradar, R/o Masali, Tal: Indi, Dist: Bijapur. (Transferor)

(2) Shri Vithal Shankarappa Nandyal, R/o Masali, B.K. Tal: Indi, Dist: Bijapur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 474/83-84 Dated 8-7 1983

Agricultural land bearing Sy. No. 159 situated at Masali Village, in Indi Taluka.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 29th February 1984

No. 721.—Whereas I, Mrs. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. Land Sy. No. 212/1 situated at Alnoli Village, Tal:

Chincholi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer of

the Registering Officer at Chincholi on 25-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

51—6GT/84

 Shri Basawantrao Narasappa Neelagar, R/o Chincholi Fal. Chincholi, Diai: Gulbargo.

(2) Smt. Gundamma W/o Basawanappa Bajar, R/o Ainoli Village, Tal: Chincholi, Dist: Gulbarga,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Registered Document No. 568/83-84 Dated 25-7-1983.

Agricultural land bearing Survey No. 212/1 situated a Ainoli Village, Tal: Chincholi.

MANJU MADHAVAN
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal
Acquisition Range, Bangalor

Date: 29-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INGOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 29th February 1984

No. 722.-Whereas I, Mrs. MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl. Land Sy. No. 212/1 & 210/1 situated at Ainoli Village, Tal: Chincholi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Chiacholi on 25-7-1983

Chiach on 25-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Basawanitao Narasappa Neelagar, R/o Chincholi, Tal: Chincholi, Dist: Gulbarga. (Transferor)

(2) Smt. Gangamma W/o Baswanappa Bajar, R/o Ainoli Village Tal: Chincholi, Dist: Gulbarga.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 5621/83-84 Dated 25-7-1983, Agricultural land bearing Sv. No. 212/1 and 210/1 situated at Ainoli Village, Tal: Chincholi,

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqueition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 29-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 1st March 1984

No. 723/83-84.—Whereas J, Mrs. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearng No.

CTS., No. 2036 situated at Kore Galli, Shahapur, Belgaum (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Belgaum on 11-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :---

- (1) 1. Shri Virupaxappa Andaniappa Umarani 2. Sm., Nagaratna Virupaxappa Umarani

 - Shri Andaniappa Virupaxappa Umarani
 Shri Suresh Virupaxappa Umarani
 Shri Chandrasekhar Virupaxappa Umarani
 Shri Somashekhar Virupaxappa Umarani
 R/o Gadag Betageri, Tal: Gadag,

Dist: Dharwar.

(2) 1. Shri Chandrashekar Hullayappa Hattarki. 2. Shri Mallikariya H. II. 2. Shri Mallikarjun Hullayyappa Hattarki, House No. 2036, Kore Galli, Shahapur, Tal: & Dist Belgaum.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dato of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1368/83-84 Dated 11-8-1983.

An old building bearing CTS No. 2036 measuring 324-42 Sq. Mts. out of 1/3 share situated at Kore Galli, Shahapur Belgaum.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 1-3-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 1st March 1984

No. 724/83-84.—Whereas I, Mrs. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

CTS. No. 2036 situated at Kore Galli, Shahapur, Belgaum. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Belgaum on 11-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) 1. Shri Virupaxappa Andaniappa Umarani 2. Smt. Nagaratna Virupaxappa Umarani 3. Shri Andaniappa Virupaxappa Umarani 4. Shri Suresh Virupaxappa Umarani
 - 5. Shri Chandrasekhar Virupaxappa Umarani 6. Shri Somasekhar Virupaxappa Umarani, R/o Gadag-Betageri, Tal: Gadag,

Dist: Dharwar.

(Transferor)

(2) 1. Shri Chandrashekhar Hullayappa Hattatki
2. Shri Mallikarjun Hullayappa Hattatki,
Both R/o at H. No. 2036, Kore Galli, Shahapur,
Taluka and Dist: Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1369/83-84 Dated 11-8-1983. An old building bearing CTS. No. 2036 measuring 324-42 Sq. Mtrs. (out of this 1/3 share) situated at Kore Gelli-Shahapur, Belgaum.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 1:3-1984

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 1st March 1984

No. 725/83-84.—Whereas I, Mrs. MANJU MADHAVAN, i cing the Competent Authority under Section 269B of the Inc ome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proper, v. having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bear 'ug

CTS. No. 2036 situated at Kore Galli, Shahapur, Belgaum (and more 1 ully described in the Schedule annexed hereto), has been transa erred

under the Regis, ration Acf, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering V Officer at

Belgaum on 11-8-1. 383 for an apparent co usideration which is les than the fair market value of the a foresaid property, and I have reason to believe that the fair mi wket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of su ch apparent consideration and that the consideration for such t tansfer as agreed to between the parties has not been truly a Med in the said instrument of transfer with the object of :- >>

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Virupaxappa Andaniappa Umarani
 - Smt. Nagaratna Virupaxappa Umarani
 - 3. Shri Andaniappa Virupaxappa Umarani 4 Shri Suresh Virupanappa Umarani
 - 5. Shii Chandrasekhar Virupaxappa Umarani 6. Shii Somashekhar Virunanappa Umarani

R. o Gadag-Betageri, Tal: Gadag, Dist: Dharwar.

(Transferor)

(2) 1. Shri Chandrashekhar Hullayappa Hattarki
 2. Shri Mallikarjun Hullayappa Hattarki
 Both R/o at H. No. 2036, Kore Galli, Shahapur
 Taluka and Dist: Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HAPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1370/83-84 Dated 11-8-1983.

An old building bearing C.T.S. No. 2036 measuring 324-42 Sq. Mtrs. (out of this 1/3 share) situated at Kore Galli, Shahapur, Belgaum.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 1-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 1st March 1984

No. 726/83-84.—Whereas I, Mis. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. No. 6, 21, 23, 185 and 188 situated at Kogarvalli Village, Sakaleshpur Taluka, Hassan Dist.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sakaleshpur on 5-7-1983

for an apparent considedation which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri I. S. Mascerenhas
 S/o D. J. P. Mascerenhas,
 Kogarvalli Village, Hanbal Hobli,
 Sakaleshpur Taluka, Hassan Dist.

(Transferor)

(2) Shri V. Srinivasan, 'Vension' House, 33 Raj Bhavan Road, Bangalore-560001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 344/83-84 Dated 5-7-1983.

Coffee lands bearing Survey No. 6, 22, 21, 23, 185 and 188 situated in Kogarvelli Village, Sakaleshpur Taluka, Hassan Dist.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 1-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 20th February 1984

No. 727/83-84.—Whereas I, Mrs. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

CTS. No. 470 situated at Club Road, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli on 25-8-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the cacealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Leelabai P. Chi:agupi, C/o B. N. Balaji, Balaji, Mar Kupada Bazar, Nasik, 422001.

(Transferor)

- (2) 1. Shri P. V. Belamkar2. Shri S. V. Belamkar3. Shri G. V. Belamkar

 - 4. R. T. Belamkar
 5. Shri P. T. Belamkar
 6. Y. N. Belamkar
 - 7. Shri M. N. Belamkar All R/o Club Road, Hubli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1234/83-84 Dated 25-8-1983. Open land hearing CTS, No. 479 situated on Club Road, Hubli.

> MANJU MADFIAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bringalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269° of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 20-2-1984

and the state of the control of the

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 23rd February 1984

Ref. C.R. No. 62/R-561/83-84/ACQ/B/Regn. No. 377.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing chalta No. 72 situated at "Casa De Morada Correia", Panaji, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bangalore under Document No. 377/83-84 on 29-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Firma Vassudeo P. Poy Dhunget, Antao Noronha Boad, Panati, Goa.

(Transferor)
(2,) Smt. Maria Piedade Gregorinha Fernandes De Melo,
C/o Antonio Betelho
Bairro St. Agostinho,
St. Cruz, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

(Registered Document No. 377/83-84 dt. 29-7-1983).

Property known as "Casa De Morada Correia". bearing Chalta Nos. 61 to 72 of P.T. Sheet No. 60 situated at Panaji Goa

MANJÚ MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rangolore, 560001

Date: 23-2-1984

Senl ;

FORM TINS--

-NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 2nd March 1984

Ref. No. C.R. No. 62/R-672/83-84/ACQ/B-Regn. No. 499.—Whereas, I, MANIU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Office premises No. 13 and 14 "Sakhardande Apartments" situated at Dada Vaidya Road, Panjim, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under document No. 499/83-84 on 27-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the saforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
52—66GI/84

(1) Alcon Real Estates Pvt. Ltd., Velho Building. Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Subash Chandra Shripad Naik Raikar & Mr. Jayant Shripal Naik Raikar, Margao. Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 499/83-84 dt. 27-8-1983).
Office premises No. 13 and 14 at "Sakhardande Apartments", Dada Vaidya Road, Panjim, Goa.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Madras-600 006

Date: 2-3-1984

(1) Shri Thiru Edwin Jeyaraj. Exe. Engineer & Adm. Officer, Madurai Housing Unit, Madurai.

(Transferor)

(2) Shri M. K. A. Kaliappa Nadar & Co., 176, Kamarajar Solni, Madurai-9. NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

(b) by any other person interested in the said immov

Madras, the 2nd February 1984

able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 7/July/83.-Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 39, situated at A. A. Nagar, Commercial Plot A. A. Nagar, Tallakulam, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registration Act 1908 (16 or 1908) in the omice of the Registering Officer at Tallakulam. (Doc. No. 2934/83) in July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason we believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Vacant land at R.S. No. 39, A. A. Nagar, Commercial Plot at A. A. Nagar, Tallakulam, Madurai. Doc. No. 2934/

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act to the following persons, namely :-

Date: 2-2-1984 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 2nd February 1984

Ref. No. 28/July/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8, situated at Nagendraiyer Lane, Rasipuram, Salem Dt. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Office at Rasipuram, (Doc. No. 1358/83 in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri V. P. Jayapal, S/o V. Papaiah, 8, Nagendraiyer Lane, Rasipuram Town, Salem Dist.
- (2) Dr. K. Rajarathinam,S/o. Karuppudaiyar,8-A, Gandhi Salai,Rasipuram Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afóresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 8, Nagendraiver lane, Rasipuram Town, Salem. (Doc. No. 1358/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Madras-600 006

Date: 2-2-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 2nd February 1984

Ref. No. 30/July/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 212/2, situated at Venkarai village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer

at Velur (Salem) (Doc. No. 952/83) in July, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **ad/or*
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Lakshmi Narasaiyer, S/o Appu Rao alias Venkata Narasaiyer, 29, Vyasaraja Nagar, Srirangam, Trichy.

(Transferor)

(2) Ponnappan, S/o Shri Ramaswamy, Gounder, Pappayee, Kannipalayam, Venkarai P.O., Namakkal T.K.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Agricultural Land at S. No. 212/2, Venkarai village, Doc No. 952/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Madras-600 006

Date : 2-2-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADRAS-600 006

Madras, the 2nd February 1984

Ref. No. 36/July/83.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 106/1, situated at Latthuvadi vilinge, Namakkal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Madras North-II, (Doc. No. 1021/83) in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Varadhan, Palani, Kondan, Raman, Nallusamy, Latthuvadi village, Namakkal T, K. .

(Transferor)

(2) Shri C. Selvarai, S/o Shri Chinna Gounder, Latthuvadi village, Latthuvadi, Namakkal T.K.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Agricultural land at S. No. 106 Namakkal T.K. (Doc. No. 1021/83). 106/1, Latthuvadi village,

> R. P. PILLAI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 2-2-1984

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Perianna Gounder, S/o Kalianna Gounder,

 Shri M. N. Ramalingam, S/o Narasaiyer, 6-A, Kurugan Street, Tiruchengode.

S/o Kalianna Gounder,5, Balasubramaniam Colony,Salivan Garden,

Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADRAS-600 006

Madras, the 2nd February 1984

Ref. No. 39/July/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.
S. No. 122/1B situated at Tiruchengode village
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchengode, (Doc. No. 1445/83) in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as sre defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at S. No. 122/1B, Tiruchengode village, Dec. No. 1445/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 55/July/83.—Whereas, I,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

2, situated at Railway Station Road, Pinji

Village (Ranipel, Walaja Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Walaja Nagar, (Doc. No. 1913/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri P. G. Bathirinath S/o P. A. Gopal, Railway Station Road, Pinji village, Ranipet, Walaja Nagar,

(Transferor

(2) Shri Ahmed Basha, S/o Mohamed Ismail, Madarase Mipthashil Ulummin Trustee, Melvisharam, Walaja Nagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 2, Railway Station Road, Pinji village, Ranipet, Walaja Nagar—(Doc. No. 1913/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
MADRAS-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D/(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 61/July/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Ward No. 16, situated at Bazaar Street, 1st Street, Near Post Office St., Kadayanallur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kadayanallur, (Doc. No. 1338/83) on July 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sree Vembaiyer Dharma Sansanam, Trustee,
 V. S. Vemban
 S/o. V. S. Vemban,
 S/o. V. S. Mani lyer,
 Metta Office Street,
 KVrishnapuram.
 Krishnapuram.

(Transferor)

(2) Dr. C. M. Murthy, S/o Chithiraputhira Pillai, Dr. Thangamurthy, 11, Main Road, Kadayanallur-627 751.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said interested in the said interested in the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Ward No. 16, Bazar Street, 1st Street, Near Post Office Street, Kadayanallur—Doc. No. 1338/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 2-2-1984

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M. Mohamed Kumalutheen, 22-A, Kumaraswamy Chetty Street, Sevvaipettai, Salem Town.

(Transferor)

(2) R. Chinnaswamy, 64-A. & 64-B. Dharma Nagar, 2nd Street, Salem-5.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

MaJras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 64/July/83.—Whereas, 1 R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 101, situated at Bodinaickenpatti village, Salem Di. S. No. 101, situated at Boundackenpato vinage, sales and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet, (Doc. No. 2448/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubilcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

53--6GI/84

THE SCHEDULE

(I and at S. No. 101, Bodinaickenpatti village, Salem Dt. Doc. No. 2448/83.

R. P. PILLAl Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-J (i/c) Madras-600 (0)6

Date: 2-2-1984.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No 65/July/83—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 32, situated at Kodaikanal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Saidapet, (Doc. No. 2373/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Parthasarathi, Seethanarasimhan, C. V. Narasimhan, 'Mecrarajagopalan, Seethanarasimhan, 45, 1st Main Road, Gandhi Nagar, Madras-20.

(Transferor)

 Nirmala Santhanam, W/o Santhanam,
 Hindi Prasara Street,
 Nagar,
 Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at S. No. 32, Kodoikanal, Doc. No. 2373/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1 (i/c)
Madras-600 906.

Date: 2-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No 79/July/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

734, T. H. Road, situated at New Washermanpet,

Madras-81

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Royapuram, (Doc. Nos. 1254, 1255/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri C. Mohan Chettiar, 12, Chinnathambi Street, Madras-21.

(Transferor)

(2) Janaki & P. Chellakani Nadar, 755, T. H. Road, New Washermenper, Madras-81.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at building at No. 734, T. H. Road, New Washermenpet, Madras-81) Doc Nos. 1254, 1255/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006.

Date: 2-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 82/July/83.—Whereas, I, R, P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and

bearing No. 13, situated at Nambulier Street, G.T.,

Madaras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Sowcarpet, (Doc. 327/83) on July 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Raghava Romanuja Dasar Charities

Raghava Ramanuja Dasar Charities by its trustees, 1. R. Fthiraja Ramanuja Dassan, 2. P. Narayanswamy Naidu, 3. V. Srinivasulu Naidu, 4. V. P. Damodar Mudalier, 5. A. S. Ethiraja Ramanuja Dasan, 6. C. R. Kothandan, 7. S. R. Lakshmipathy Raju, 27, Mulla Sahib Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Hanzarimal S. Doshi alias Peanlal S. Doshi, No. 31, Reddy Raman Street, Madras-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 13, Nambulier Street, George Town, Madras-1. (Doc. No. 327/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income_tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006.

Date: 2-2-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 83/July/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38, situated at Venkatachala Mudali Street, Park Town, Madras-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowearpet, (Doc. No. 328/83) on Juy 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) o Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri M. Venugopal, S/o Late M. Shenchaiah Chetty, Smt. M. Sathyavathiamma, 190, Govindappa Naick Street, Madras-1.

(Transferor)

Shri G. Alavandar
 S/o K. Gopal Chettiar,
 No. 1, Gosha Saheb Lanc,
 Varadamuthiappan Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 38, Venkatachala Mudali Street, Park Town, Madras-3.

Doc, No. 328/83.

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incorpe-tax,
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006.

Date: 2-2-1984.

 R. Saraswathy & 8 others, No. 3, Kuppler Street, Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 84/July 83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

New No. 27, situated at

Kuppier Street, Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Sowearpet, (Doc. No. 331/83)

on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Modras-1. (Tran

(2) Shri L. E. Mohamed Sultan & 5 others,

15, Madurai Vasal Street,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at New No. 27, Kuppier Street, Madras-1—Doc. No. 331/83.)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang-I (I/c)
Madras-600 006

Date: 2-2-1984

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mt. A. Palani Chetty, 102, Nyniappa Naicken Street, Madras-600 003.

(Transferor)

(2) Mrs. Virbala R. Davey, 191, Mint Street, Madras-600 003.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 85/July/83.—Whereas I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Bangaramman Street, Madras-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet, (Doc. No. 339/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 9, Bangaramman Street, Madras-3.

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (I/C) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 2-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M. H. Duraisami, 58, Shiyala Mudali Street, Pudupet, Madras-600 002.

(2) Sagily Balammal Amaladoss, Kilacheri Village, Thiruvallore T.K. Chingleput Dist.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 93/July/83.—Whereas 1,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 34, situated at

Shiyala Mudali Street, Pudupet, Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

udder the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Periamet, (Doc. No. 797/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 34, Shiyala Mudali Street, Pudupet, Madras-2. Doc No. 797/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (I/C) Madras-600 006

Now, therefore, in pusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-T, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 96/July/83.—Whereas 1, R. P. PH.I.AI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

and caring R. S. No. 207, situated at Thirumangalam, Anna Nagar, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras

(Doc. No. 2284/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
54—6GI/84

 S. Jayam Srinivasan, 19, VI West Cross Street, Shenoy Nagar, Madras-30.

(Transferor)

(2) Smt. S. Shagunthalai, 37, East Park Street, Shenoy Nagar, Madras-30.

(Trausferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at R.S. No. 207, Thirumangalam, Annanagar, Madras.

Doc. No. 2284/83).

R. P. PILLAl
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (I/C) Madras-600 006

Date: 2-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Rcf. No. 98/July/83.—Whereas J, R. P. PILLAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T.S. No. 96, situated at Anna Nagar, Madras

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 2303/83)

on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:----

(1) H. Ahamed Thambi, S/o A. K. Hasan Marikar Thambi, 193, Populanyallee High Road, Madras-10.

(Transferor)

(2) Shri P. Sengottuvelu Gounder, S/o Palanivelu Gounder, Pachal Village, Namakkal T.K., Salem Dist, T. Nadu.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at T.S. No. 96, Anna Nagar, Madras, Doc. No. 2303/83).

R. P. PILLA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (I/C) Madras-600 006

Date: 2-2-1984

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 99/July/83.--Whereas I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Acr'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 4094 situated at Mullam village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Anna Nagar, Madras

(Doc. No. 2326/83) on July 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri K. V. Krishnankutty, Plot No. 4094, Anna Nagar, Madras-600 040.

(Transferor:

(2) Smt. Mohana Krishnaswamy, W/o P. R. Krishnaswamy, No. 12, 14th Avenue. Harrington Road. Madras-31,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 4094, Mullan village, Doc. No. 2326/83.)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 (I/C) Madras-600 006

Date: 2-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 100/July/83.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing No. 3, III Cross Street, situated at United India Nagar, Ayanavaram, Madras-23 tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 2417/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) R. Janaki, No. 3, III Cross Street, United India Nagar, Ayanavaram, Madras-23.

(Transferor)

(2) V. S. Saroja, No. 3, III Cross Street, United India Nagar, Ayanavaram, Madras-23.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter-XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 3, III Cross Street, United Indira Nagar, Ayanavaram, Madras-23. Doc. No. 2417/83).

R. P. PHLA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range-I (1/C) Madras-600 006

Date: 2-2-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 104/July/83.—Whereas 1, R. P. PILLAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 3655, situated at Mullam Village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Annanagar, Madras (Doc. No. 2535/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trans er; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under enfection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. Palani, Plot No. 3655, Arignar Anna Nagar, Madias-102.

(Transferor)

(2) Smi. Usha, Wyo V, G. Prakasam.31. North Cresent Road, Madres-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Plot No. 3655, Mullam village, Doc. No. 2535/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (I/C) Madras-600 006

Date: 2-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I MADRAS-600 006

Madres-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 105/July/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 1382 situated at Atignar Anna Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 2547/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. S. Lakshmi Ammal, Late, M. S. Parthasarathy, 12, Damodara Mudali Street, Madras-10.

(Transferor)

(2) P. K. Radhakrishnan S/o P. K. Raman Kutty, 57, Eighth Cross Street, C. I. T. Colony, Shenoy Nagar, Madras-30.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Plot No. 1382, Arignar Anna Nagar, Doc. No. 2547/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inepecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c).
Madras-600 006.

1-ate: 2-2-1984.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE-1
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 106/July/83.—Whereas, 1, R. P. PJLLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961)

thereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having rain market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3362, situated at Anna Nagar, Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 2607/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 A. Santhanam, S/O A. Aurtharyalinga Mudaliar, Vengidangal Okkur Post, Tanjayoor District.

(Transferor)

 Sh. K. P. Ganesan, Krishna Gounder, R. Marappan,
 S. Rajamani,
 S. Natarajan,
 Pudur,
 Kariampalayam,
 Salom.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and binding at Plot No. 3362-1, Anna Nagar, Madras Doc. No. 2607/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c).
Madras-600 006.

Date: 2-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 116/July/83.-Whereas, I,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10, situated at Cresent Road, Shenoy Nagar, Madras-10 has been transferred.

has been transferred

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North-II, (Doc. No. 2371/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Selvi G. Farvathy, Flat No. C-2, No. 3, 10th Avenue, · Harrington Road, Madras-31.

(Transferor)

(2) Shri K. Madhavan, No. 10, Cresent Road, Shenoynagar, Madras-30.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(I and and biulding at No. 10, Cresent Road, Shenoy-nagar, Madras-30 Doc. No. 2371/83).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I (i/c). Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 2-2-1984.

(1) Sh. Bhagirathi Narayana Rao, Ramesh Rao, No. 3, Hanumantharoyan Koll Street, Madras-3.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Chellathayee,P. Murugesan,13, Kalmandapam Road,Madras-13.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 117/July/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3, situated at Hanumantharoyan Koil Street, Madras-3,

No. 3, situated at Hanumantharoyan Koil Street, Madras-3, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at Madras North-II, Madras (Doc. No. 2529/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 3, Hanumantharoyan Koil Street. Madras-3. Doc. No. 2529/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons. namely: -55—6GI/54

Date: 2-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

Madras-600 006, the 2nd February 1984

MADRAS-600 006

Ref. No. 126/July/83.—Whereas, I,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-S. No. 1434, situated at Nagercoil Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at Nagercoil, (Doc. Nos. 1485, 1511/83) on July 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri J. Gnanasigamani Dr. Jaikar Paul S/o Jesudassan, Vimala Jaikar, 38, Sarguna Street, Ramavarmapuram, Nagercoil T. K.

(Transferor)

(2) A. Chinthamani & Murugesan, S/o Appavu Nadar, Naguran Pilavilai, Dharmapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a perio of 45 days from the date of publication of th notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land S. No. 1434, Nagercoil village, Doc. Nos. 1485, 1511/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c).
Madras-600 006.

Date: 2-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri M. K. Madhava Rao, 41, Kattur Sadayappu Street Periamet. Madras-3.

(2) Shri V. M. Fazhu Rahaman,

29, Kattur Sadayappu Street,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 136/July/83.-Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

New No. 6, situated at Cuddappah Rangaiah Chetty

Street, Periamet, Madras.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North-II, (Doc. No. 2579/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifferent parts of such apparent consideration and that the ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: Periamet, Madras-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) (acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said act, respect of any income arising from the transf

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Land and building at New No. 6, Cuddappah Rangalah Chetty Street, Periamet, Madras. Doc. No. 2379/83).

R. P. PILLAI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c). Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madrate 600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 137/July/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 58/2, situated at Chinthalavadampatty village, Poloni

Palani.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Officer at Palani-I, (Doc. No. 1184/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor bv than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri M. Ramasamy Chettiar, S/o Shri Muthusamy Chettiar, Manjanaickenpatty village · Palani T. K.

(Transferor

(2) Shri M. Kulanthaisamy. S/o Maruthasamy Chettiat, P. S. Shanmugam, S/o M. Subbaian Chettiar, P. S. Chandra Bose, S/o M. Subbaian Chettiar, S. Radhakrishnan, S/o M. Subbaian Chettiar, 30-C, Kalidoss Road, Coimbaotre.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the main Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at S. No. 58/2 Chinthalayadampatty village, Palani, Doc. No. 1184/83).

R, P, PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (î/c). Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 2-2-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Rel. No. 139/July/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 1839, situated at Villivakkam, Annanagar,

Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 2405/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri K, M. Chacko, Power of Attorney P. C. Thomad, C/o. Pudugraman Balakrishna Vanchi, Block 'Y', 233, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

 Pudugraman Balakrishna Vanchi, Block 'Y', 233, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Plot No. 1939, Villivakkam, Anna Nagar, Madras, Doc. No. 2405/83).

> R, P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I (f/c). Madras-600 006.

Date: 2-2-1984.

 N. Sathya Bhama, N. Ramasundaram, N. Ramakrishnan, N. Bhaskaran, K. Mallika, Padma Venkatesan, 329, Thambu Chetty Street, Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Umesh Narayan Singh, 351, S. N. Chetty Street, Madras-81.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 60/August/83.-Whereas, I, R. P. PILLAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. Nos. 4317/8 & 4319/8, situated at Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officre at Royapuram, (Doc. No. 1435/83) on August 1983 believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovwithin 45 days from the date able property, the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

(Vacant land at No. R. S. Nos. 4317/8 & 4319/8, Madras. Doc. No. 1435/83).

> R, P. PILLAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (t/c). Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 2-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 67/August/83.—Whereas, 1, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.
New No. 21. situated at Rajabather Street, Perambur.

Madras-11.

Madras-11.

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 198 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North-II (Doc. No. 2729/83), on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri S. Kothandaraman, 21, Rajabather Street, Perambur. Madras-11.

(Transferor)

(2) Shri N. Subramani, S/o G. Nainakannu, 10, Subash Chandra Bose Road, Perambur, Madras-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at New No. 21, Rajabather Perambur, Madras-11. Doc. No. 2729/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (1/c) Madras-600 606

Date: 2-2-1984.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 77/August/83.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7, situated at Kenneth Lane, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registreing Officer at

Periamet (Doc. No. 847/83) on August 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with he object of:—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Azagu Lakshmi, Mrs. S. Pankajavelli, No. 6, First Main Road, Gaudhi Nagar, Adyar. Madras-600 006.

(Transferor)

(2) Shri N. P. V. Ramasamy Udayar, 25, Sir C. V. Raman Road, Alwarpet, Madray-600 018.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used hereit as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 7, Kenneth Lane, Egmore, Madras-8. Doc. No. 847/83)

R. P. PILI Al
Competent Authority
Inspecting Assistant Cmmissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date: 2-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Thiru K. Krishna Kurup, Y 99. Flot No. 4462, Arignar Anna Nagar, Madras-40.

TTransferor)

(2) Thuy P. N. Sivaprasad, Smt. Naina Latha, No. 1, Balfour Road, Kilpauk. Madras-10.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 93/August/83.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. 4462, Y-99, situated at Arignar Anna Nagar, Madras-40 Madras-40

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

Anna Nagar, Madras (Doc. No. 2654/83) on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; unil/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. Y-99, Plot No. 4462. Arignar Annanagar, Madras-40. Doc. No. 2654/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

56--6GI/84

Date: 2-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1984

Ref. No. 114/July/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961' (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

26 & 27, situated at Poonamallee High Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ween transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North-I. (Dec. No. 2476/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per, cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Champalal Jain,
 S/o Chunilalji Jain,
 Futermal S/o Rajmalji Jain,
 Smt. Vimala Bai,
 S/o B. Kantilal Jain,
 Smt. Leela Bai, W/o Kesarimalji Jain,
 400, Mint Screet,
 Madras-I.
- (2) Central Hotels Private Limited, 703, Mount Road, Madras-600 096.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 26 & 27, Poonamallee High Road, Madras, Doc. No. 2476/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date: 2-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) R. Jayalakshmi & others, 30, 47th St., 9th Avenue Madras-83.

(Transferor).

(2) B. Leelavathy, 35, Murthy St., Madras-33.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984.

Ref. No. 18787.—Whereas, I, R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

TS 13, Dodambakkam situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kodambakkam (Doc. 2029/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 13, Kodambakkam. (Doc. 2029/83)

R. P. PILLAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 13-2-1984. Seal:

seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) A. N. Venkataraman, S. V. Y. Narayanan, 402, II Stage India Nagar, Bangalore-58,

(Transferor)

(2) R. Janaki, Suresh, 32, Thirumalai Pillai Road, Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18999.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS. No. 6994, Madras-17 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T Nagar (Doc. 935/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Land and building at TS 6994, Madras-17. (Doc. 935/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 13-2-1984.

(1) M/a. Sudarsan International Ltd. 14, Whites Road, Madras-14.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Liju Thomas Trust, P. C. Thomas Good Shephard Public School Ooty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 13111.—Whereas, I, R, P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5. No. 3065/1B2, 3065/2B, situated at Ooty (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ooty (Doc. 550/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the inability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 3065/1B2, 3065/2B, Outy. (Doc. No. 550/83)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922.
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1984.

 Dr. John Stephen S/o Rev. G. Stephen Applybe Road, Coonoor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abraham Varghese S/o Verghese Ramanchira Tiruvalla, Kerala.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 13041.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 1358/1AIC, Cooncor situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Cooncor (Doc. 926/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 1358/1A1C Coonoor, (Doc. 926/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
MADRAS-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Punalur Paper Mills Ltd. Punalur,

(2) Mts. Rupa Sood, 5, Adyar Club Gate Road, Madras-28,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18744.—Whereas f, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R.S. No. 3901/B, Bota Club situated at Road II Avenue Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Dec 642/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at RS. No. 3901/8, Boat Club Road, II Avenue, Madras. (Doc. 642/83)

> R. P. PILLAI Competing Assistant Commissioner of Incometax.
> Acquisition Range-Il
> MADRAS-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 13-2-1984

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S. Chellammal, 7, I Main Road, CIT Colony, Madras,

(Transferor)

(2) P. Samatha Reddy, Ashoknagar, Nellore 524 003.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18964.—Wheraes, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. T.S. No. 3837/5, Seethamma Extr. situated at Mylapore

Madras

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. 15/83) on July 1983 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or wny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at TS. No. 3837/5, Seethamma Extn. Mylapore, Madras. (Doc. 15/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II MADRAS-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18853.--Whereas, I. R. P. PILLAI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

24, Prakasa Mudali St., situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T Nagar (Doc. 717/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Indra Rangachari & others 24, Prakasa Mudali St. Madras-17.

(Transferor)

(2) Sakunthala, F 25, Gemini Parsn Apartments, Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) hy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 24. Prakasa Mudali St., Madras-17. (Doc. 717/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II MADRAS-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 13-2-1984

Seal:

57-6GT/84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACOUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18741.—Whreas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

44, I St., Iayalakshmipuram situated at Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 624/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following tersons, namely:—

(1) Manjula Goel, 3B, Sterling Apartments, Sterling Road, Madras-34.

(Transferor)

 Sarfuddin Fazal Ali Bhaghat, Pervez Mohammed Sarjuddin Bhagat, 54, Scembudoss St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to, the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 44, I St., Jayalakshmipuram, Madras-34.
(Doc. 624/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
MADRAS-600 006

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18876.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 64, Luz Church Road, situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 858/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Janaki Mohan, 3-6-275, Himayat Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Kamal Haasan, Vani Kamal Haasan, 172, Eldams Road, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

land at 64, Luz Church Road, Madras-4. (Doc. 858/83)

R. P. PILLA!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
MADRAS-600 006

Date: 13-2-1984

Yamuna, Malathi, J. Raghu,
 R. Jayaraman,
 B. N. Reddy Road, Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 (2) Bhagwauthi R. Mahboobani, Ramchand D. Mahboobani, Bhagwan R. Mahboobani,
 18, Lynwood Avenue, Mahalingpurma, Madras-34.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18842.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

TS 8641/5, B. N. Reddy Road, situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras North (Doc. 2298, 2307, 2308/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 and at TS 8641/2, B. N. Reddy Road, Madras-17, (Doc. 2298, 2307, 2308/83)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-II, Madrag-600 006

Date: 13-2-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18998.—Wheres, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

2, Ramanathan St. Mahalingapuram situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandfights (Doc. 57/83) on July 1983

Thousandights (Doc. 57/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprety and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid receds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A.d., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Udayachandrika, 2, Ramanathan St., Madras-34.

(Transferor)

 H. M. Ahmada, Skylark Apartments
 Rutland Gate V St. IC 1 floor Madras-6,

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 2, Romanathan St. Mahalingapuram, Madias-34. (Doc. 57/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 13-2-84

 S. A. Razak,
 Venkatachala Naicker St. Pudupet, Madras-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S. C. Dhanaraj, Dr. Mitra, 19, Kulandaivelu St. Madras-7.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18985.—Whereas, 1, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Inconic-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 93, IV Avenue Madras-83 situated at (and more fully described in schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Kodambakkam (Doc. 2124/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appaernt consideration therefor by more thing fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 93, 4th Avenue, Madras-83. (Doc. 2124/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-U, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18597.—Whereas, L R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS 58/9, situated at St. George's Cathedral Road.

Madras-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. 34/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) P. V. Ramakrishna Udayana, 24, St. George's Cathedral Road, Madras-86.

(Transferor)

(2) Manilal Bapalal Family Benefit Trust. 29, Rattan Bazaar, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land at RS 58/9, St. George's Cathedral Road, Madras-86. (Doc. 34/83)

> R. P. PILLA! Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-2-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

P. S. Natanasabapathy, 26, Dr. Radhakrishnan Road, Madras-4.

(Transferor)

RM Indira,
 Dr. Radhakrishnan Road,
 Madras-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18870.--Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and 26, Dr. Radhakrishnan Road, situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 879/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, no mely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE '

Land and building at 26, Dr. Radhakrishnan Road, Madras (Doc. 879/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 13-2-84

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) K. Kamala, 12, Barati St., Madras-33.

(Transferon)

(2) N. K. Røjamani, 15 H St. Nehru Colony, Madras-61.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Rel. No. 18844.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

TS 10/4B Kodandaraman Koil St situated at Madras-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar (Doc. 710/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (A) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 10/4B, Kodandaraman Koil St., Madras-33. (Doc. 710/83)

R. P. PfiLA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

58—6GT/84

Date : 13-2-6

7 * 1. RV # 1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

P. Govindan Nair,
 St, Kutchery Road,
 Madras-4.

(Transferor)

(2) S. Ramamurthy, 8, Jubilec Road, Madras-33.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18795.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 394/1 Kodambakkam situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kodambakkam (Doc. 1949/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 394/1, Kodambakkam. (Doc. 1949/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-84

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18790.—Whereas I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 91, Thiruvallumarpuram I situated at St. Madras-94 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 1978/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument

of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Tamilarasi, 91, Thiruvallupuram, I St. Madras-94.

(Transferor)

(2) K. Govindarajan, 94, Thiruvaliuvarpuram, I St. Madras-94.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 91, Thiruvalluvarpuram I St. Madras-94.
(Doc. 1978/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-84

(1) P. Arunachela Gr. Pongappa Gr. C/o Muthappa Gr. Ellalkattupudur Vilakethi Erode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE . INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Kumaraswamy, Arumugham, P. Subramanlan, Palaniswamy, Velswamy, Arumugham, Palaniswamy Gr. Vettuvapalayam, Sivagiri, Erode.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th Februry 1984

Ref. No. 13114.-Whereas, [R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market vaue exceeding Rs. 25,000/anu bearing Sri Vinayagar Rice & Oil Mill situated at Sivaghi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908; in the office

of the Registering Officer at Sivagiri (Doc. 691/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land building etc. Sri Vinayagar Rice & Oil Mill, Civagiri, Erode. (Doc. 641/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 13-2-84 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) S. Gill Rep. by Kuranjit Singh Dilleush Mahal Ooty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) D. Ramu, 397, Odayar St. Coimbatore,

may be made in writing to the undersigned:--

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 13112.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Iucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 773/2B1A1A Ooty situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ooty (Doc. 587/83) bn July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as new defined in Chapter XXA of the said Acc. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in S. No. 773/2B1A1A, Ooty. (Doc. 587/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 13102.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18/59, Bhavan situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavani (Doc. 1363/83) on Juy 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tex under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 N. Shanmugham, S/o Nallathambi Chettiar Palaniandayar Koil St. Bhayani.

(Transferor)

(2) S. S. Karuppanna Gr. S/o Sengoda Gr. Goundanpalayam Bhavani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 18/59, Bhavani. (Doc. 1363/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 13-2-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madias-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18590.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

39, Hanumantharayan Koil St. situated at Madras-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act; 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. 518/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. M. O. Thirunarayanan 463, Kilpauk Garden Road, Madras-10.

(Transferor)

 G. Narayanasyamy Maicker, N. Kannan,
 Peyalwar Koil St., Madras-5.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 39, Hanumantharayan Koil St., Madras-5, (Doc. 518/83)

R. P. PILLA;
Competent Authorny
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 13-2-84

(1) M. K. Vinayakam, 54, Thirumatai Pillai Road, Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. V. Subramaniam, 54, Thirumalai Road, Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18847.—Whereas, 1 R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 54, Thirumalai Pillus situated at Road, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 689/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly, stated in the said instrument of transfer with the object of:—

may be made in writing to the undersigned:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

I and and building at 54, Thirumalai Pillai Road, Madton-17.
(Doc. 689/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Runge-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-84

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18959,—Whereas, I.R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 46, College Road, Madras-6 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. 31/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income and the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
59--6GI/84

(1) K. G. Shiva Shanker, K. G. Jugdish Kumar, Chandmi, E8, Mahadashmi Blats, 5th Avenue Harrlington Road, Madras-31. (Transferor)

(2) Powerset Assemblies, Power Suppliers, 117, Angappa Naicken St., Madras-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writhing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 46, College Road, Madras-6, (Doc. 31/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 13-2-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) John Joseph, 15, Ganapathy Mudali St., Madras-14.

(1) Mrs. Kannammal Vajjiravelu,

Plot 24, KK Nagar, Madras-49.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18989.--Whereas, I.R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot 24, K. K. Nager Villivakkam situated at Madras-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering

Officer at

Ambattur (Doc. 3906/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 24, KK Nagar Villivakkam, Madтая-49. (Doc. 3906/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madrus-600 004

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 13-2-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) R. Pahilajirai Balaji, 33, Thalayari St., Madras-14.

alayarı St., Madras-14. (Transferor)

(2) P. Ashok S/o R. Pahilajirai Balaji 33, Thalayari St. Madras-14.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18954.—Whereas 1 R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. 10, Begum Sahib St. Mount Road situated at Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Triplicane (Doc. 551/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at 10, Begum Sahib St Mount Road. Madras12. (Doc. 551/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the follow-

ing persons, namely:-

Date: 13-2-84

FORM I.T.N.S.-

(1) K. Kandalingam, 24, Ramanathan St., Madras-10,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Joyce Ponniah, 5, Gokulam Colony, Lloyds Road, Madras-5.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Rct. No. 18900. - Whereas, t R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

152, Santhome High Road, situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 912/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitcen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and at 152, Santhome High Road, Madras-4, (Doc. 912/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-2-84

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18892.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13, Sringeri Mutt Road, situated at Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 934/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which oughf to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 A. Jalal, Mrs. Umma Habeeba Beevi, Plot 7. I St., Balaji Nagar, Madras-14.

(Transferor)

(2) Mrs. M. A. Jannath Gani, 265D Beach St., Arangakkudi Tranquebar Tk Tanjore Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 13, Sringeri Mutt Road, Madras-28. (Doc. 934/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the satt Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18821.—Whereas, I,

R. P. PILLAI, being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-As the sale Act y having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 275/2, 276/2, 278/1, 278/2, 273/1, 2, 280, 281/1, 288, 289/1,

situated at Noambur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been

transferred under the Registrtion Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Ambattur (Doc. 3715/83) in July 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) G. Vasudevan, Official Receiver North Arcot Vellore.

(Transferor)

(2) Somasundaram M/s Audilakshmi, Brick Industries 599, Poonamallee High Road, Arumbakkam. Madras-106.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter."

THE SCHEDULE

Land at S. No. 275/2, 273/1, 2, 276/2; 278/1, 278/2, 280, 281/1, 288, 289 Nolambur. (Doc. 3715/83).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S. V. Balu, 4 (C/631) 57th St., X Avenue Madras-83.

(Transferor)

(2) K. Chandramouli, 41 (C448), 48th St., 9th Avenue Madras-83.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION PANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18786.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4, 57th St., 10th Avenue situated at Madras-83,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kodambakkam (Doc. 2041/83) in July 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 4, (C.631) 57th St., 10th Avenue Madras-83. (Doc. 2041/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18748.—Whereas, U.R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 88, South West Bong Road, situated at Madras-17,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering Officer at

T. Nagar (Doc. 768/83) in July 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 A. Habir Rahman, Mrs. M. Arabia Beevi, 88, South West Boag Road, Madias-17.

(Transferor)

(2) Goutham Constructions, 238, R. K. Mutt Road, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Land and building at 88, South West Boag Road, Madras-17. (Doc. 768/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Jucome-tax
Acquisition Runge-II, Madras 600 006

Date: 13-2-1984

FORM ITNS-----

(1) Punalur Paper Mills Ltd. Punalur.

(Transletor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Indore Forge & Drop Stampings Ltd. 103A, Abiramapuram 4th St. Madras-18.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS1600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18739.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5, Advar Boat Club Road, situated at Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 641/83) in July, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 5. Advar Boat Club Road Madras-28. (Doc. 641/83)

> R. P. PHLAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 13-2-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

60---6GI/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS1600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 13110.—Whereas, I R. P. PILLAI.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. RS 1672/1, Ooty situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ooty (Doc. 572, 573/83) in July 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

,(1) Ravikumar S/o EK Mallugan, Stone House Hill, Ooty,

(Transferor)

 (2) K. H. Saighal S/o H. K. Saighal, Kingston Old Ooty Road, Ooty,
 B. Kakkamallan S/o Bellie Gowder, Chamraj Estate, Nilgiris.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoval able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land RS. No. 1672/J, Ooty. (Doc. 572, 573/83).

R. P. PHLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18953.—Whereas I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 48, Anna Salai, Madras-2 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Triplicane (Doc. 560, 561/83) in July 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Meco Builders, 834, Anna Salai, Madras-2.

(Transferor)

(2) Seema Harichand, Sapna Hari Chand, Rep. by Harichand, 1432, Viginia Travil, Youngstown, Ohio, 44505 USA.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 48, Anna Salai Madras-2. (Doc. 560, 561/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Dute: 13-2-1984

C. R. Nanjappa Chettiar, N. Ramanujam, Kotagiri Bazaar Kotagiri.

Kukkalthorai Nilgiris.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 13003/13004,---Whereas, 1 R. P. PILLAL R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and No. RS 10/3, 13, 19/2, 18, 23, 17/1, 17/2 situated at 21/1, 23, 24/1, 70/4, Naduhatty, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as nor deed registered under the has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registering Officer at Kotagiri (Doc. 660 to 663/83) in July 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trunsferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) K. M. Kodeswaran, K. M. Sclai, H. Subramaniam, H. Dhonan, K. M. Selai, K. M. Haldorai, K. M. Mallan, Thaimanlammal K. M. Parpathy, K. M. Dharmalingam, Wildeltheam, Wildelth.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used he rein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at RS 10/3, 13 17/2, 21/1, 23, 24/1, 70/4, Naduhatty. (Doc. 660 to 663/83). 19/2, $18/23 \cdot 17/1$

> R. P. PIT. Competent Author mit: Inspecting Assistant Commissioner of Income -ta: Acquisition Range-II, Madras-600

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18846.—Whereas, I

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 20, South Boag Road, Madras-17 situated at tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at

T. Nagar (Doc. 688, 687/83) in July 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facility thing the reduction or evasion of the liability of the vansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the conveniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Appavoo Chettiar, 6, Dhanasekaran St. Madras-17.

(Transferor)

(2) Hajjah, Dr. (Mrs.) Sardar Jehan,4. Alandur Road, Madras-15.

(Transferee)

Objections, if any ,to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 20, South Boag Road, Madras-17. (Doc. 687, 688/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Date: 13-2-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 10424.-Whereas, I

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. S. No. 19/2A, Kottapattu situated at Trichy, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Trichy (Doc. 5128, 5.147/83) in July 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) M. S. Ramakrishnan, 1, Sait Buildings, Thiruthanthoni, Uraiyur, Trichy.

(Transferor)

 A. Mohd. Ilyas, Bhagat Engineering, Industries, Thuvakudi, Trichy, M. Adamsha, S/o Mohd. Sheriff, Erumaipatti, Namakkal, Salem Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 19/2, Kottapattu, Trichy. (Doc. 5128, 5447/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 13-2-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 13005.—Whereas I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 138, Nanjaikolanalli, Erode situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodumudi (Doc. 619 to 621/83) in July 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Nanjammal W/o Arumugha Mudr, Muthuvelappan St. Fhode 2.

(Transferor)

(2) A. Sundaram, Subramaniam, Ravi, C/o Arumugham Chettiar, Devampalayam, Koluthupalayam, Frode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 138, Nanjaikolanalli. (Doc. 619, 620, 621/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-II. Madras 600 006

Date: 13-2-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18642.—Whereas, I'R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 3/5, Velacherry situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Saidapet (Doc. 1433, 1434, 1435/83) in July 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) V. L. Dutt, 4, Crescent Park Road, Gandbinggar, Madray-20,

(Transferor)

(2) Ramaniklal Kalyanji.
 171. Kodambakkam High Road, Madras-34.
 Sriram, 61, IV Trust Cross St Madras-28.
 S. Dakshayani Chandilya, 61, IV Trust Cross St. Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 3/5, Velacherry, (Doc. 1433, 1434, 1435/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras 600 006

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE/II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18849 .-- Whereas I.

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 18, Chari St., Madras-17 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 739, 740/83) in July 1983, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) R. S. Vasan, Mrs. Saroja Vasan, Mrs. R. Prema Rajagopslan, Mrs. K. Padmini, S. Kannan, S. Raghuna, han, 42, North Chitra St. Srirangam, Trichy-6.

(2) Lakshmi 13, Janakiram Pillai St. Madras-33.

S. Jagannathan. 6. 7th St. Madras-86.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 18, Chari St. Madras-17. (Doc. 739, 740/83).

> R. P. PILLAI
> Competent Authority
> Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Pence (C. Marie Competent) Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-61--6GT/84

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18987.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 11, 16, 20, VGP Golden Sea situated at View Part I, II, III, Palavakkam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Adyar (Doc. 1893 to 1896/83) in July 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ((11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) VGP Investments, VGP Square, Madras-13.

(Transferor)

(2) Alphonse Benoit Apt. Blk. 84
Telok Blangah Height 05.329 Singapore,
Chandramurthy, 1091-11 Block 202, Toa Payoh,
North Singapore-1231.
Ghanamsham Vishnavi, 3-A, Dover Lane Extn.,
Calcutta-700 029.
V. A. Sathvamurthy, 79. Dharmaraja Koil St.
Bangalore-560 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot 11, 16, 20, 67, VGP Golden Sea View I, II, III, Palavakkam. (Doc. 1893, to 1895/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 13-2-1984

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18781.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 641, 642, 643. Velacherry situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Saidaret (Doc. 1218, 1219/83), in July 1983.

Saidapet (Doc. 1218, 1219/83) in July 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection—(1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Varalaksami, A. S. Saraswathi, 14th Avenue Harrington Road, Madras-31. (Transferor)
- (2) T. Sukruth Kumar, 7, 8th Trust, Cross St. Madras-28, D. Sudhrkumar, S/o Subbaraman, Lebur, Nellore, A.P.

(Transferce)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 641, 642, 643/Velacherry. (Doc. 1218, 1219/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 005

Date: 13-2-1984 Seel.

(1) Khivral Motors Ltd. 623, Mount Road, Madras-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Khivraj Chordia Trust,13, General Muthia Mudali St.Madras-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madias-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18909.—Whereas I,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Madras situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras South (Doc. 2407/83) on July 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Madras. (Doc. 2407/83).

R. P. PILLA:
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1984

(1) P. Ramalingam 34, Armenian St. Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. Gangadharan, 21, Sattayapar, South St., Nagapattinam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18922.--Whereas, I,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 369B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that 'the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS 115/3A, Thiruvanmiyur situated at (and more fully described in the Schedule annexed herto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Madras South (Doc. 2207/83) in July 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the affected to the fair market value of the fair market val

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transf

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS 115/3A, Thiruvanniyur. (Doc. 2207/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the adversaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 13-2-1984

FORM I'INS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18782.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 316/1, Velacheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 1325/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri V. Selvaraj Mudr.,

S. Ramadoss. S. Raman,

S. Lakshmanan

S. Shanmugham. 42, Madha Church East,

Rovaouram. Madras-13.

(Transferor)

(2) Shri S. Venugopal, 11, Shanthinagar. Velacheri. Madras-42,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 316/1, Velacheri. (Doc. 1325/83).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :-

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri P. P. Anand.

Pals Restaurant, 42, Mount Road, Madras-2.

839, Mount Road, Madras-2.

(1) Heeral Constructions (P) Ltd..

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18586.—Whereas, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

42. Anna Salai, Madras-2. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officerat Triplicane (Doc. 498/83) on July, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at 42, Anna Salai, Madras-2. (Doc. 498/83).

> R. P. PILLAT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :---

39-526GI/83

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Venkata Charities, 283, Mowbrays Road, Madras-18.

(Fransferor)

(2) Shri G. Vaidyanathan, 277, Mowbravs Road, adras-18.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18901.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 3660/29, St. Mary's Road, situated at Madras-18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mylapore (Doc. 909/83) in July, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- THE SCHEDULE
- Land and building at S. No. 3660/29, St. Mary's Road, Madras-18,
 - R. P. PILLAI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II
 Madray 600 006

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-194

Seal:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18750.-Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 630, 625/2, 629 situated at Velacheri. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 1257, 1214, 1227/83) in July 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :---02 -- 6GI/84

(1) Shri Dasarathan, 31, Gandhi St., Tharamani, Madras-42. Shri R. Sengammal, 5A, Brahmin St., Madras-42. Shri Nagalakshmi, 15, North Boag Road, Madras-17.

(Transferor)

The Tamilnadu A.G.'s office staff Co-op. Bldg. Society Ltd., (2) The 82-C Anna Salai, Madras-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 630, 625/2, 629, Velacheri Saidapet. (Doc. 1257, 1214, 1227/83).

R. P. PILLA Competent Authori Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18824.—Whereas, J. R. P. PILLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter, referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing

No. 44. Santhome High Road, situated at Madras-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 928/3) in July, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ciher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mrs. Pspa Ganapathy,
 Santhome High Road,
 Madras-4,

(2) Mrs. Abdul Ummal Bageeral. 19, Thatha Muthiappa St., Madras-1. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 44, Santhome High Road, Madras-4 (Doc. 928/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 13-2-194

FORM ITNS----

Shi: M. Anandabhaskaran,
 A. Civamani,
 Arabundo St.,
 Pondy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Palani G, Periaswamy,
Visalakshi
Periaswamy,
3, Foothil Court,
Timonium MD 21093 U.S.A.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18742.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
No. RS 552/2, Nungambakkam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Thousandlights (Doc. No. 622/83) in July, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta-Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS. 552/2, Nungambakkam. (Doc. 622/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistan tCommissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 13-2-194

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18899.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedingly Rs. 25,000/- and bearing

No. 14, Balaji Nagar II St., situated at Madras-14.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mylapore (Doc. 913/83 in July, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiative proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri A. Lakshmi, 14, Balaji Nagar Madras-14.

Shri Syed Baseer Ahmed
 4th St., Balaji Nigar,
 Madras-14.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said manaovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 14, Balaji Nagar II St., Mirsahibpet. Madras-14. (Doc. 913/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range-II
Madras-600 006

Date: 13-2-1984*

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18869.—Whereas, J. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 44/1, West Circular Road, situated at Madras-28 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 883/83) in July, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed, to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri T. S. Kumaragrubaran, 44/1, West Circular Road. Madras-28.
- Dr. S. G. Sivachidambaram,
 8th Trust Cross St.
 Madras-28.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 44/1, West Circular Road, Madras-28.
(Doc. 883/83)

R. P. PH.LAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 005

Date: 13-2-1984

(1) East Coast Leathers (P) Ltd., 14, Halls Roud, Madras-10,

(Transferor)

(2) Ayisha Mukrim Trust. 29. Khader Nawazkhan Road, Madras-34.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18836.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. RS. 13/1, Ekattur, Tirupporur situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer

at Madras North (Doc. 2305/83) in July, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS. 13/1 Ekattur, Tirupporur. (Doc. 2305/83).

> R. P. PILLAI · Comeptent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il Madras-600 006 -

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 MADRAS-600 006

Madras-600 00c, the 13th February 1984

Ref. No. 18921.—Whereas, I. R. P. PHLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing S. No. 142/1, Thiruvanmiyur situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Madras South (Doc. 2304/83) in July, 1983,

for an apparent consideration which is less than the their market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mri V. R. Veerappan, Rammad Dt.

(2) Shri D. R. Vasanhi Rangarajan, 828, Poonamallee High Road, Madras-10. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 142/1. Thiruvanmiyur. (Doc. 2304/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition range-II
Madras-000 006

Date: 13/2/84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18948.—Whercus, I, R. P. PILLAI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 54/4. Main Road, St. Thomas situated at Mount Madras-16,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Alandur (Doc. 2545/83) in July, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. Chellakannu, 4, Polwells Road, Madras-16.

(2) Shri T. L. Seetharam-T. S. Lakshmikantha, 38, Pedariar Koil St., Madras-1. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 54, Main Road, St. Thomas Mount Madras-16. (Doc. 2545/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 13/2/84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri T. S. Sampath, 18, Mookathal Street, Madras-7.

(Transferor)

(2) Shri Abbasbhai Saifuddin Millwala, Quide Zohar Saifuddin, Millwala, 94, Broadway, Madras-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18958.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13, Vysarpadi, Gangadhara situated at Mudali St. Madras-34.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), thas been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. 33/83) in July 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds as apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate-proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—63—6GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 13, Vysarpadi Gan, ra Mudali St., Madras-34. (Doc. 33/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 13-2-1984

FORM ITNS-----

(1) Shri A. Ananthakrishnan, A. Mathivanы. 23, Gandhi Road, Thottam, Musiri Trichy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri L. Kannappan Chettiar, Veekaves Structurals, Thuvakudy, Trichy-15.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 13032.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

164-C. 9-A Cross, Thillai Nagar situated at Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 1982/83) on July, 1983, for the apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officers and of the property of such apparent consideration which the fair market of such apparent consideration and the the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tramsfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 164-C, Cross Thlllainagar, Trichy. (Doc. 1982/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13/2/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Rcf. No. 13014.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

TS 6/33, Komararelayam.

TS 6/33, Komarartelayam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 292/83) on July, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri K. Vtheeswara Iyer. Madhurambal, 67. Samy Iyer New St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri Sivakamisundari, Usha, Rajeswari. 16/3A, Romalingan. Ramadoss Lay out. Colmbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 6/33, Komarapalayam. (Doc. 2922/83).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assista t Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 13-2-1984

and bearing

FORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION 'RANGE-II, MADRAS-600 006

Mad105-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18962.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the faild Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. 25, Dr. Radhakrishnan Road, situated at Madras-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. 24/83) on July, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. R. Ahamed Sah, 36, West St., Koothanallur Taniore Dt.

Taniore

(2) Shri P. P. N. Khatheeja Beevi,36, West St.,Koothandlur,

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 25, Dr. Radhakrishpan_Road, Madr. (Dos. 24/83).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 13/2/84

(1) Shri S. Mahadeyan, 12, II St., Madras-86.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. M. F. Trust. 93, Kodambakkam High Road, Madras-34.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II.

MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18963.—Whereas, I. R. P. PILLAI, seeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12, 11 St. Madras-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. 16/83) on July, 1983.

at Madras Central (Doc. 16/83) on July, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property us aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 12. II St., Madras-86. (Doc. 16/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 13/2/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18740.—Whereas, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 162, Greams Road, Madras-6. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer

at Thousandlights (Doc. 625/83) on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :- -

(1) Yassen Zubaida Estates (P) Ltd, 7, Rutland Gate II St., Madras-6.

(2) Rajparis Civil Constructions, 21/12, Neelakanda Metha St., Madras-17.

(Transferee)

(Transferor

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 162, Greams Road, Madras-6, (Doc. 625/83).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 13/2/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri T. Neela, 24, Palat Sankaran. Nair Road, Madhavan Nair Colony, Madras-34.

(Transferor)

(2) Shri K. R. Solaimuthu, 16, Padmanabha Chetty St., Madras-17.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18851.-Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 11, Padmanabha Chetty St. Madras-17.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 736/83) on July, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 11. Padmanabha Chetty St., Mudras-(Doc. 736/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

7730

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18929.—Whereas, I. R. P. PILLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. 868, 869, Poonamallee High situated at Road Madras-10. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam (Doc. 298/83) on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Saroja, Vijaya, Ramaprasad Renuka Devi, Dhanurmathi, Mrs. Lalitha, Matha Prasad. 868, Poonamallee High Road, Madras-10.

(Transferor)

(2) M/s. Kumaran Illam, 98, Secretariat Colony, Madras-10.

(Fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 868, 869, Poonamallee High Road, Madras-10. (Doc. 298/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority In secting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Madras 600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13/2/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18883.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

No. 25, 26, 27, 3/4, Clifton situated at Anthu St., Santhome Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mylapore (Doc. 841/83) on July, 1983.

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

64-6GI/84

(1) Fine Hotels (P) Ltd., Mysore Road. Bangalore-26.

(Transferor)

(2) Shri V. S. Laxmanan, 26, Thirumurthy St., Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat 25, 26, 27, 3/4, Clifton, Anthu St., Santhome Modras (Doc. 841/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 13/2/84

FORM TINS-

(1) M.A. Parthasarathy 1, 12th Cross Rajmbale, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R. Raju, 15, Balaji Avenue Madras, 17.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

Madras-600006, the 13th February 1984

Ref. No. 18882.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3/4, Anthu St., Madras. 4 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Mylapore (Doc. 842/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 3/4, Anthu St., Madras-4 (Doc.; 842/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Fine Hotels (P) Ltd.
1. 12th Cross Raj Mahal, Mysore Road,
Bangalore

(Transferor)

(2) S. Radhakrishan, 58, Thirumalai Pillla Road, Madras-17.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II.

Madras-600006, the 13th February 1984

Fe. No. 18881.—Whereas, I. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3/4 Anthu St., Santhome situated at Madras-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Mylapore (Doc. 845/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metics in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 3/4, Anthu St., Santhoma Madras 4, (Doc. 845/83)

R. P. PILLA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600000

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

Madras-600006, the 13th February 1984

Rer. No. 18880.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3/4, Anthu St., situated at Santhome, Madras-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Mylapore (Doc. 844, 843/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, tamely:—

(1) M. A. Parthasarathy, 1, 12th Cross Rajmahal, Bangalore

(Transferor)

(2) P. Gnansekaran, 80E, Bazullah Road, Madras. 17, S. Rajagopalan, 17, Munuswamy Mudaliar Aevnue Kancheepuram.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a paried of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 3/4 Anthu St Santhome Mudras 4, (Doc. 844, 843/83)

R. P. PILLA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

Madras-600006, the 13th February 1984

Ref. No. 18837.— Whereas, I. R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. RS No. 388/282 situated at Pallavaram Cantonment (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Madras North (Doc. 2593/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objec of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in parsuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Rukiya Sharafally,
 Hussain Maraciar Lane Madras-1.

(Transferor

(2) The Hindustan Engineering Training Centre, 40, North Parade Road St. Thomas Mount Madras-16

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS 388/282, Pallavaram Cantonment, (Doc 2593/83)

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 13-2-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Daniel Selladurai, 65, Nandi

(Transferor)

Durga Road, Extn. Bangalore. 46 V. Yagnaswamy Y Janaki, 14. Postal Colony II St., Madras-33.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period explres later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

(b) by any other person interested in the said immovable

cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

in that Chapter.

from the service of notice on the respective persons,

property, within 45 days from the date of the publi-

Act, shall have the same meaning as given

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 18794.--Whereas, I,

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

TS No. 7, Kodambakkam situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 1958/83) in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

> Land at TS, No. 7, Kodambakkam: (Doc. 1958/83)

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1984

(1) S. A. Abdul Rasheed, 28, Anderson Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) S.A. Zukir Sah, Rop. by Mrs. A. V. M. Tajunissa, 28, Anderson Road, Madras-6

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600006, the 13th February 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 18962.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN. being the Competent Authority under Section 269 B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. RS. No. 46/-, Rasheed Mansion situated at Madras (cod market) when Schedule approved part (cod market). (and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of Registering Officer at Madras Central (Doc. 10/83) in July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

FXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

and Building at RS No. 46/1, Rasheed Mansion, Madras. (Doc. 10/83)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely t-

Date: 13-2-1984

FORM ITNS----

M Krishnamurthy, 11, Vijayalakashmi St., Mahalingapuram, Madras -34

(Transferor)

(2) G. Govindaswamy, 5-9-7577, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 13th February 1984

Ref No. 18968.-Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 11, Vijayalakshmi St., situated at Mahalingapuram,

Madras-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. 7/83) in July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 11, Vijayalakshmi St., Mahalingapuram Madras-34. (Doc. 7/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-2-1984

Seal ·

FORM ITNS ---

(1) Mrs. Meenak hi, S. Dakshinamurthy 12, Kamaraj Salas, Madras-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) P. Neelavathi 5, Poes Road, Madras-18.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 13th February 1984

Ref. No. 18969—Whereas, I

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 12, Kamaraj Salai, Madras 18 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. 2/83) in July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 12, Kamaraj Salai Madras-18, (Doc. 2/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Seal:

65-6GI/84

Date: 13-2-1984

FORM ITNS----

(1) Gnanadikkani Syo Periyanayakam Melaneduvai, Udayarpalayam

(Transferor)

(2) Karuppuswamy, Chinnaswamy 25/B, Dhandavankuppam Autogate Gangaikondan, Vridachalam TK

(Transferee')

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, **MADRAS**

Madras-600006, the 13th February 1984

Re. No. 10447. -- Whereas, I

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immetable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Meliapappanampattu Vadalur situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vadalur (Qoe. 1006/83) in July 1983 for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfers as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

Land at Melapappanampattu, Vadalur (Doc. 1006/83).

(b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-2-1984

 T. Rangiah, Bella Gowder,
 T. Rama Gowder K. T. Bheeman Kothiben, Bengalmattam, Nilgiris

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) C. Samuel Mountainview, Coonoor 1 Cornwall Road, Nilgiris.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

Madras-600 006, the 13th February 1984

Ref. No. 13002.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Tiny Tea Factory, kil Kundah situated at Ooty (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ooty (Doc. 526/83) in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land, building etc. at Tiny Tea Factory, Kil Kundah, Ooty. (Doc. 526/83)

THE SCHEDULE

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely : --

Date: 13-2-1984

(1) Ramalingam Thudiyalur, Erode,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Poosappan, Thudiyalur, Erode.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st March 1984

Ref. No. 13121.—Whereas, I,

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

S. No. 1405, Erode situated at

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Erode (Doc. 2656/83)

in July 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 1405, Erode. (Doc. 2656/83)

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Modras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 1-3-84

FORM ITNS -- ---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st March 1984 . !

Ref. No. 19084.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

11/1, Prakasa Mudaliar Road,

situated at Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at T. Nagar (Doc. 840/83)

in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the puties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or svarion of the facility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; m-1/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this ntice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) H. Shah Nawaz Khan, 11, Mohd. Hussain Sahib St. Narasingapuram, Mount Road, Madras.

(Transferor)

(2) R. Vasudevan, A/13, Indian Bank Officers' Quarters, Luz Avenue Madras-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 11/1, Prakasa Mudaliar Road, Madras-17.
(Duc. 840/84)

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 1-3-84

FORM ITNS----

(1) V. Ravindran, 32, Thirumalai Pillai Lane, Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Padmini, 1. Somasundaram St., Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st March 1984

Ref. No. 19000.—Whereas, J, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11, 15, Şaravana Mudali St.,

situated at Madras-17,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at T. Naagr (Doc. 1419/83)

in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FNPAI ANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 11, 15, Saravana Mudali St., Madras-17.

(Doc. 1419/83)

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-3-84

(1) Ramaraj Reddy Rep. M. S. Ramakrishnon, Sendharapatti, Athur Tk Salem.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) R. Rajammal, R. Selvam, 12. Mullaivadi Avvaiyar, St., Athur, Salem. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st March 1984

Ref. No. 10428.-Whereas, I.

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 19/2A, Kottapattu,

situated at Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Trichy (Doc. 1679, 1680/83)

in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trensfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sale property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 19/2A. Kottapattu, Trichy, (Doc. 1679, 1680/83)

> R. P. PILLAJ, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
> Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 1-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st March 1984

Ref. No. 10430.-Whereas, I.

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

S. No. 113/1A, 2, 113/E,

situated at Mudhalaipatti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Trichy (Doc. 1623, 1624/83)

in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mode than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (2.7 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Ganesa Shastri, Balan, Muralidharan, Sekar, Sankaran, Venkataraman, Sridhar, Sriram, Stinivasan Ponmalaipatti. Trichy.

(Transferor)

(2) Selvaraj Andipalayathan Kadu, Mudhalaipatti.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 113/1A.2, 113/E, Mudhalaipatti, (Doc 1623, 1624/83)

> R. P. PILLAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madrus-600 006

Date: 1-3-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. U. Nagammalleswari U. Chandraprakasam 15, Akbarebad II St. Madras-24.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M. Mothilal Bohra. 82, Gandhi St., Mudras-33.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME, TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st March 1984

Ref. No. 18845.-Whereas, I,

Ref. No. 18845.—Whereas, 1,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. 19, Rajagopalan St., situated at Madras-33

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at T. Nagar (Doc. 708, 709/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 pf 1957);

Land and building at 19, Rajagopalan St., Madras-33, (Doc. 708, 709 /83).

> R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°C of the said Act, to the following persons, namely :---66-6 GI/84

Date: 1-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Modras, the 1st Morch 1984

Ref. No. 13134.--Whereas, I,

R. P. PILLAI, R. P. PHLIAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000,- and bearing No. IS 10/597, 10/593/3, 10/595, situated at 10/597/1-2, Krishnarayapuram, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3412 to 3414/83)

on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M. Vijavalakshmi, M. Rajagopal, M. Sivasubramanian, M. Rajendran, 175/1, Adis St., Coimbatore, P. Sivakumar, P. Mallika, P. Malathi, 34A, Dr. Nanjappa Road, Coimbatore J. Hariharan, 9/33A, Dr. Nanjappa Road, Coimbatore R. Usha, R. Sudha, 175A, Adis St., Coimbatore G. Aruna, G. Deepa, 38A, Dr. Nanjappo Road, Coimbatore. (Transferor)

(2) Angammal, 73, 11th St., Iatabad, Coimbatore-12 R. Mani, 115, Gandhipuram 9th St., Coimbatore-12 L. Ravichondran, 73, Intabad 11th St., Coimbatore-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at JS No. 10/597, 10/593/3, 10/595, 10/597[1-2 Krishnarayapuram, Coimbatore. (Doc. 3412 to 3414/83).

> R. P. PII.LAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 1-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st March 1984

Ref. No. 13127.—Whereas, I,

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

IS 21, Kanakkampalayam

situated at Chairman Kanakarajan Road, Udumalpet has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumalpet (Doc. 1481/83)

on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been well stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Saifoon bibi, 140 R G Rathinammal Lay out Somavarapatti, Pethappampatti Udumalpet.

(Transferor)

(2) V. Soundirarajan, Selvarajan, Shenbagamurthy, 21, RKR St., Udumalpet. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at IS 21 and 22, Chairman Kanakarajan Road, Kanakkampalayam, Udumalpet.
(Doc. 1481/83).

R. P. PILLAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 1-3-84

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) T. V. Krishnaswamy, P. K. Ravichandran P. K. Murugeson, Raja St., Perundurai.

(Transferor)

(2) M. M. Chenni Gounder, Rajendran Old Sandhaipettaithottam, Perundurai.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st March 1984

Ref. No. 10440.—Whereas, J. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. 14A/2, 14/1, 14/A, 14/M, situated at

Raja St., Perundurai

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. 776/83)

in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by morthan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 14A/2, 14/1, 14/A, 14/M Raja St. Perundurai. (Doc. 776/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the vaid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-3-84

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st March 1984

Ref. No. 10436.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 77/3A3A, 77/3B3B, 136/1, situated at 136/2B, Guntur, Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering

Officer at Trichy (Doc. 329/83)

in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been dr which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Worlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Palsan Pipes & Plastics Industries, Guntur, Trichy-7.

(Transferor)

(2) Pandiarajan PVC Pipes & Plastic Co. 11, Abirami Amman Koil St. Dindigul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. .

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 77/3A3A, 77/3B3B 136/1, 136/2B, Guntur, Trichy. (Doc. 329/83).

> R. P. PILLAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 1-3-84

(1) M. Ramalakshmi, 4G Lawsens Road, Trichy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R. Kalaichelvi W/o Raja Chidambaram, Arumbalur Perambalur, Trichy.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st March 1984

Ref. No. 10427.-Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Lawsans Road, Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering

Officer at Trichy (Doc. 1715/83) in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-...

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 4G Lawsans Road, Trichy. (Doc. 1715/83).

> R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 1-3-84

FORM ITNS----

(1) K. S. Mani, 14, Ashek Road Mudras-18.

(Transferor)

P. S. Naciyani Aninal, N. Narasimhan N. Sozaramakrishnan, N. Lakshmanan, N. Raman H. Ashok Road, Madras-18.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st March 1984

Ref. No. 19083.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 14, Ashok Rond, Madras-18

situated at Andheri (W)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Mylapore (Doc. 1060/83) in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 14, Ashok Road, Madras-18, +Doc. 1060/83).

> R. P. PILLAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 1-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME, TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras, the 1st March 1984

Ref. No. 19087.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 15, Boag Road, Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 879/83) in July 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. N. Unnithan, 43, CIT Colony Madras-30
 N. C. George, 4, Khader Nawaz Khan Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) K. N. Unnithan 43, CIT Colony, Madras-30.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 15, Boag Road, Madras-17. (Doc. 879/83).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 1-3-84

(1) Arathil Variyathra Munnivaryar S/o P. K. Sangunni Variyar, Thirukkalain Kode, Malappuram Dt. Kerala.

(Transferor)

(2) K. Velliaiswamy, 117, Udumalai Road Pollachi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st March 1984

Ref. No. 13096.—Whereas, I,

R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25.000/- and bearing
No. 71, Vallalar St., Venkatesa
situated at Colony Pollachi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Pollachi (Doc. 1604/83)

on July 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 71, Vallalar St., Venkatesa Colony Pollachi. (Doc. 1604/83).

R. P. PILLAI.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—67—6 GI/84

Date: 1-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Rangaraju Reddi S76 Nallappa Reddi Raiduswamy, Rep. M. S. Ramakrishnan, Thiruthanthoni, Uraiyur, Trichy.

(Transferor)

(2) Pioneer Industries Cantonment, Trichy Bhava Sahib, S/o Abdul Gani Sahib Edumalai Trichy.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-H, MADRAS-600 006

Madras, the 1st March 1984

Ref. No. 10431.—Whereas, 1,

Ref. No. 10431.—Whereas, 1, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing
No. S. No. 19/2A, Kottapattu situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 1524, 1523/83)

on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-try Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Lands at Kottapattu, Trichy. (Doc. 1523, 1524/83).

> R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 1-3-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006.

SIONER OF INCOME-TAX,

Madras-600 006, the 1st March 1984.

Ref. No. 10429.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding :Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 19/2A, Kottapattu situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 1908) in the office of the Registering officer

at Irichy (Doc. 4692/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any securely or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (||) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

R. P. PILLAI

- (1) Shri Rangarayu Reddi Shri Rangaswamy Rep. by M. S. Ramkrishnan Thiruthanthoni, Uraiyur Irichy, (Transferor)
- (2) M/s Pioneer Industries Cantonment, trichy Bava Sahib, S/o Abdul Gani, Edumalai, Irichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 19/2A Kottapattu (Doc. 4692, 4694/83).

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
MADRAS-600 006.

Date: 1-3-1984. Seal:

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Selvi G. Parvathy, Flut No. C-2, New No. 3, 10th Avenue, Harrington Road, Madras-31.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. Madhavan, No. 10, Cresent Road, Shenovnagar, Madras-30.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th March 1984.

Ref. No. 116/July/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. C-2. New No. 3, situated at 10th Avenue, Harring-

ton Road, Madras-31.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

1908) in the office of the Registering officer at Madras North-II, (Doc. No. 2371/83), on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. Flat No. C-2, New No. 3, 10th Avenue, Harrington Road, Madras-31).
(Doc. No. 2371/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Insecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
MADRAS-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

D.ie: 7-3-1984.

(1) M/s. Sharat Promoters 2, East street, Poona.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN,
60/6 ERANDAVANE, POONA-4.
Pune, the 20th February 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/350/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Office No. 7, 1st floor, Aurora Towers 9 Moledina Road, situated at Poona.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, ACQN. Pune on October 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Mrs. Kiran A. Aurora 236 Veer Sawarkar marg Shivaji, park, Dadar, Bombay-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 7, 1st floor, Aurora Towers, 9 Moledina Road, Poona.

Area-450 sq. ft.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range, under Doc. No. 2265/Pune/83-84 in the month of October, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 20-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6 ERANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, the 22nd December 1983

Ref. No. IAC ACQ//CA-5/37EE/387/83-84.—Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 323 M. G. Road, Cantonment House situated at Poona.

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

IAC., ACQN. Pune on October, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri V D. Kapde 4/57 Mira Hsg. Society Shankarshet Road, Pune-9.

(Transferor)

(2) 1. Mr. Mithu N. Khemlani
2. Mrs. Bharti M. Khemlani
E-10 Gita society Syngogue Station Pune-1.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop on ground floor, H. No. 323 M. G. road, Pune-1. Area-55.75 sq. mtrs.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range Pune under Doc. No. 37EE/1566/Pune in the month of October, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 27-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6 ERANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, the 20th February 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE7395/83-84.--Whereas,

SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

2106 Sadashiv peth (New), F. P. No. 32-B, situated at Pune-30.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC, ACQN. Pune on August 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri D. S. Khadilkar 635/15 Sadashiv Peth Pune-30.

(Transferor)

(2) M/s. Pendse & Limaye 37/14 Erandwane, Prabhat Road, Punc-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at 2106 sadashiv Peth (New), F.P. No. 32-B, Pune-30.

Area-1604 sq. ft.

(Property described in the agreement to sale registered in the office of the IAC. ACQN. Range, Pune under Doc. No. 37EE/1761/83-84 in the month of August, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 22-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION 'RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6 ERANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, the 20th February 1894

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/83-84/476.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

C-307-Ashant Apartments, Vasai Rd., Thane

District situated at Thane,
(and more fully described in the Schedule annexed

hereto),

has ben transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC, ACQN, Range Pune, on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Subhangi A. Patil at Ramedy, P.O. Tal, Vasai District Thane.

(Transferor)

(2) Shri A. T. Sapani, 20/311 Siddharth Nagar, S. V. Road, Goregaon (W).Bombay-64.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at C-307, Ashant Applitments, Vasal Road, Thane Dist.

(Area 455 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1879/83-84 in the month of August, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 20-2-1984.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN,
60/6 ERANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, the 20th February 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/83-84/477.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 50, Building No. 4, ground floor, Nirmal Trwan, Co-Op. Housing Society, situated at Thane,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at IAC. ACQN. Range, Pune. on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—68—6GI/84

(1) Shri Ramchandta Kalidas Sharma, BK, 1156, Room No 3&4 Ulhasnagar-3.

(Transferor)

(1) Shri Manohar Ramchandra Kulkarni, Nirmal Jiwan Co-operative society Ltd., Thane (East) Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- 4(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 50, Ground floor of Bldg. No. 4, Nirmal Jiwan Co-operative society, Thane East.

(Area-570 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C Acquisition Range, Pune under document No. 932/83-84 in the month of August, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomedian
Acquisition Range, Poona.

Date: 20-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN,
60/6 ERANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, the 20th February 1984

Rcf. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/478/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

'Shreyas' Final Plot No. 64, sub-plot No. 14, Erandawana, situated at Pune-4.

transfer with the object of :---

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1.AC. ACQN. Range, Pune in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);*

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Vasudeo Gopal Joshi, 64/14, Shreyad Erandawana, Punc-4.

(Transferor)

(2) Brig. Yeshwant Vasudeo Joshi, Chief Engineer, Bareilly Zone, Bareilly Cantt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the sain Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

'Shreyas", Final Plot No. 64, Sub-plot No. 14, Erandawana, Punc-4.

(Area-Plinth area-1st floor-740 sq. ft. Terrace-714 sq. ft.) I and area-1461 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2260/83-84 in the month of November, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 20-2-1984.

(1) Shri Sharad Madhav Kulkarni, 100/A/4, Erandawana, Prabhat Road, Punc-4 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ashok Govind Undırwadkar, 2/6, Erandawana, 'Vijayimala' Opp. Rescon factory, Opp. Karve Road, Punc-4.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6 FRANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, the 20th February 1984.

Ref. No. IAC ACQ, CA-5/37EE/479/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent' Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

and bearing
No. Plot at S. No. 1972, Plot No. 4, Sunita Co-op
Housing society Ltd., Erandawana, situated at Pune-4,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer
at IAC. ACQN. Range, Pune in August, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
lifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

S. No. 19/2, Plot No. 4, Sunita Co-op. Honsing Society Ltd., Erandawana.

Pune-411 004. (Area-4680 sq. ft).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the J.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1822/83-84 in the month of August, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

PRAPTIKAR SADAN,

60/6 ERANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, 30th January 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/481/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 45, Plot No. 10, North-Flat No. 2, Shree apartments, Shivajinagar, situated at Sangli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering officer

at IAC. ACQN. Range, Pune in August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any ruoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) M/s. Shree Agencies (Firm) 562, Sadashiv Peth, Flat No. 115/237 Narayan Peth, Pune-411 030. (Transferor)
- (2) Shri Monilal Nanji Shah, Shikh Building, Wakhur Bhag, Sangli-416 416.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property and be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 45, Plot No. 10, North, Flat No. 2, Shree apartments, Shivajinagar, Sangli 416 416.

(Area-930 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 2886 in the month of August, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona,

Date: 30-1-1984.

(1) M./s. Sharada Apartments, B-Bloc 22/20, Pimpri, Pune-411 017.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Gurdipkaur Harpal singh Bhatia, H.B. 30/6, Pimpri, Pune-411 017.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6 ERANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, the 21st February 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/483/83-84.—Whereas. 1, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 1, Plot No. 3&4. Pimpri Colony, Rimpri Waghere, Tah. Haveli

Poona

situated at Dist. Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering officer at LAC. ACQN. Range, Pune in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Plot 3&4, Pimpri Colony, Pimpri Waghere, Tal. Haveli, Dist. Pune.

(Area-1810 sq ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1950/83-84 in the month of Sept. 1983.)

SHASHIKANT KUJ.KARNI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 21-2-1984.

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN,
60/6 FRANDAVANE, POONA-4.

Pune, the 1st February 1984

Ref. No. 1AC ACQ/CA-5/37EE/484/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair morket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 1, ground floor, Nandan Apt. survey No. 12, H. No. 2, Gajbandhan Patharli, Manpada Rd., situated at Dombivali (East) Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering officer at IAC. ACQN Range, Pune in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Nandan Builders. 'Prem Kripa' Hnd floor, Oak Baug, Kalyan Dist. Thane.

(Transferor)

 (2) Shri Udaysingh Anandrao Surve.
 B. S. Mhatre Chawl, Pitou Smruti, Gograswadi, Dombivali (East) Dist. Thane. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground floor, S. No. 12, H. No. 2, Gajbandhan Patharli, Manpada Rd., Dombivali. (East) Dist. Thanc.

(Area-51,19 sq. metres).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2011/83-84 in the month of October, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-2-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 5th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1039/83-84.---Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Immovable property bearing C. S. No. 2977/A-1, 2978/A-2, Rambaug Lane, No. 5, Mouje Chikanghai situated at Dist. Thane, Tal. Kalyan (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S. R. Kalyan in August, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Narayan R. Nadpurohit, Flat No. 8, Anjali Co-operative Housing Society Ltd., Rambaug Lane No. 5, Mouje Chikanghar, Kalyan, Dist, Thane.

(Transferor)

(2) Shri V. R. Varadrajan, Chairman, Anjali Co-operative Housing Society Ltd., Kalyan, Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing City survey No. 2977/A-1 and 2978/A-2 Rambaug Lane No. 5, Mouje Chikanghar, Tal. Kalyan, Dist. Thanc.

(Area—12,006 sq. ft.)
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Kalyan under document No. 1782 in the month of August, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 5-12-1983

(1) Shri Mahavir Bapu Kathekar, At & Post, Kupwad,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dilip K. Deshpande and others (22 other mebers) at Jambhulni, Tal. Atpadi. Dist. Sangli.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. PRAPTIKAR SADAN 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 6th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1040/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at S. No. 131/1B, Mauje Kupwad situated at

Sangli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Miraj-I, Sangli in August, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 131/1B, Mauje-Kupwad, Sangli. (Area---

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Miraj-I. Sangliunder document No. 1935 in the month of August, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 27th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-G/1053/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property at T. P. S. No. II, Final Plot No. 40, Sub Plot No. 6/8A/1 Municipal No. 40/6/8A/1, Budhwar peth

situated at Solapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering officer

of the Registering Officer at IAC. ACQN, RANGE, PUNE in Aug. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (B) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons. namely:—69-6 GI/84

 Shri Patel Ramji Mulji Bhawani, at Vyankatesh Saw Mill, Tirupati, Andhra Pradesh.

(Transferor)

(2) Shri Patel Premji Somji Jethabhai Bhawani, 40/6/9-A-1, Budhawar Peth, Solapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Final plot No. 40/6/8A/1 Budhawar Peth, Solapur.

(Area—3040 sq. ft.)
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Solapur under document No. 2634 in the month of August, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 27-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/6, ERANDAVANE, POÓNA-4

Pune, the 23rd December 1983

Ref.No. IAC ACQ/CA-5/37EE/83-84/392.--Whereas, J. SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. D-2, 1st floor Build. D-Hermes Park Co-operative Market Value Section 1989.

Housing Society Ltd., 30 Bundgarden Rd., situated at Punc-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at IAC. ACQN, RANGE, Pune in August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Ramesh Construction Co. (India) 615, Sachapir Street, Punc-411 001. through its partner Shri Mathuradas Nanji Thakkar.

(Transferor)

(2) Mr. Mayank Raman Patel jointly with Mrs. Chawla Mayank Patel, D-2 Hermes Park Co-operative Housing Society Ltd. 30-Bund Garden Road, Punc-411 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-2 on 1st floor, Building D-Hermes park Coperative housing society Ltd., 30, Bund Garden Road, Pune-411 001.

(Area—1165 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1729 in the month of August, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 23-12-1983

(1) M/s. Dinshaw and Dinshaw, 390/286, Bootee Street, Pune-411 001.

(Transferor)

(2) Mr. Harjindar Singh Amar Singh, 456, Nana Peth, Pune-411 002.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 23rd December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/393/88-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

thas been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering officer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

LAC Acqn. Range, Pune in Sept., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejct of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall bave the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3. Green Fields Apartments, on sub-plot No. 42 & 43 out of survey No. 17-A Monje, Wanories, Pune Cantonment.

(Area—575 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2114 in the month of Sept. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 22nd December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/394/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 5, Bakhtavar Co-op. Housing Society 121-B-Survey No. 103, Yerwada situated at Pune tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trunsferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC: ACQN. RANGE, Pune on Sept. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fazilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Mayrose H. Mehta, Mr. Nevilla H. Mehta, Mr. Ronnie H. Mehta, Roshan Deep Apartments, Flat No. 13, 3rd floor, 15, Khar Rd. Khar, Bombay.

(Transferor)

(2) Dr. J. C. Fernandez,A-1102 Surya Apartment,53-B-Desai Road,Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Bakhtawar Co-operative Housing Society, 121-B-Survey No. 103, Yerwada, Pune.

(Area—1050 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2095 in the month of Sept. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 22-12-1983

FORM ITNS-

(1) M/s. ABC Promotors and Builders, 9, Iaxmi Niwas, Padamji Compound, Pune-2.

(Transferor)

(2) M/s. A.B.C. Indian Ltd., Bombay Pune Road, Nasik Phata, Pune-411 031.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN. POONA-4

Poona, the 30th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/406/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Yak and Yeti Apt., Flat No. IIIrd B on 3rd floor, a S. No. 361 H. No. 4, and S. No. 362 H. No. 8, Bund garden

Rd., situated at Pune-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering officer IAC. Acqn. Range, Pune on Sept., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

'Yak and Yeti Apartments' Flat No. IIIrd B on 3rd floor, at S. No. 361 H. No. 4 and S. No. 362 H. No. 8, Bund garden Road, Pune-411 001.

(Area—930 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range. Pune under document No. 1839 in the month of Sept. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 30-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 30th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/407/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

not hearing
No. Flat No. 4, 2nd floor, Bld. II, C.T.S. No. 1092/A Final
plot No. 473/A, Plot No. 3, situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acon, Range

Pune on August, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inference of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Makwana Bros. & Co., 441, Somwar Peth, Pune-411 001.

(Transferor)

(2) Shri Narendra Vanravan Lakhani, No. 5, Jacki Drive Morganville , N.J. 07751, U.S.A.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd floor, Bldg. II. C.T.S. No. 1092/A, Final plot No. 473/A, Plot No. 3, Off. Harl Krishna Mandir, Rd., Pune.

(Area—1212 sq. ft.)

(Property as description the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1850 in the month of August, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 30-12-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 30th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/408/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 105, S. No. 82/2A. Parvati, Sahakar Nagar situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Sept., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Tamhankar Disa and Associates, 1535, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Mrs. U. P. and Mr. P. G. Parwardhan, 1002/42, Rajendra Nagar, Pune-411 030.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105 at S. No. 82/2A Parvati Sahakar Nagar, Pune-411 009.

(Area—675 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2106 in the month of Sept. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Date: 30-12-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 30th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/409/83-84.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No-Flat No. 11, S. No. 82/2A, Parvati, Sahakar Nagar situated at Punc-411 009

(and more fully described in the schedule annexed herto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Sept., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Tamhankar Disa and Associates, 1535, Sadashiv Peth, Pune-30.
- (2) Mr. Ramchandra Narayan Kalbhande, Plot No. 57, Ramdas Society, Sant Nagar, Pune-411 037,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, S. No. 82/2A, Parvati, Sahakari Nagar, Pune-411 009.

(Area-800 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2107 in the month of Sept. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Prona

Date: 30-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE. POONA-4

Pune, the 12th January 1984

IAC ACQ/CA-5/37EE/457|83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Factory Bldg. No. 17, M.I.D.C., Indl. Area, K Bhiwandi Road, Saroli, Kalyan situated at Dist: Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC. ACQN. PUNE on Sept., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—70—6 GI/84

 Sap Chem. Industries Pvt. Ltd., 412, Maker Bhavan No. 3, 21 Sir. V. Thackersey Marg, Bombay-20.

(2) M/s. Chemage Limited, 214, Dr. D. N. Road, Bombay-1,

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory Bidg. Plot No. 17, M.I.D.C. Industrial Area. Kalyan Bhiwandi Road, P. O. Saroli, 421 311 Kalyan, Dist: Industrial Area.

Thane. Area—324 sq. mfrs.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2853 in the month of Sept., 83).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Poona

Date: 12-1-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Makwana Const. Co. (SSW) 'Divine Terrale', Poona Camp, 911—914, Synagogue Street, Poona.

(Transferor) (2) Shri Kiritkumar J. Mehta.

23-C, Budhwar Peth, 3, Laxmi Gopal Estate, Pune-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPITKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 9th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/458/83-84,--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 19, VIth floor, 'Trupti' Apartments. 247/1 Rasta Peth situated at Pune-11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. ACQ. PUNE on Sept., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent comideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, c- the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19, VIth floor, 'Trupti' Apartments, 247/1, Rasta Peth, Pune-11. Area—800 sq. ft.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1938/83-84 in the month of Sept. 83).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 9-12-1983

FORM ITNS ---

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 9th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/459/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

P to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 1, ground floor, C.S. No. 43, Bhavani Peth, Pune-2 situated at Pune-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. ACQN. PUNE on Sept. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax; under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Makwana Construction Co. (BPW) 43 Bhawani Peth, Pune-2.

(Transferor:

(2) Shri Narayandas M. Thakkar, 43, Bhawani Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, ground floor, C. S. No. 43, Bhawani Peth, Pune-2. Area—578 sq. ft.
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C, Acquisition Range, Pune under document No. 1936/83-84 in the month of Sept. 83).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Date: 9-12-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PRAPITKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 9th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/460|83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 410, 4th floor, H. No. 2416, East St., General Thimmaya Road situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JAC. ACQN, PUNE in Sept. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration far such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Makwana Bros. & Co. 441, Somwar Peth, Pune-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Gertrude Mildred Angelina Val. 3, Kamar Apartments, 742/B/C, Bhawani Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 410, 4th floor, H. No. 2416, East Street, General Thimmaya Road, Pune. Area—1025 sq. ft.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 2236/83-84 in the month of Sept. 83).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poople

Date: 9-12-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 10th February 1984

Rof. No. IAC ACQ/CA-5/37EE|461|83-84.—Whereas, I, SIIASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 3, ground floor, H. No. 844, S. No. 390/548, Dastur Meher Road situated at Pune-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

IAC. ACQN, PUNE in Sept. 83

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Ramesh Builders, Dhiraj Chambers, 9 Waudby Road, Bombay-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Nezhat Abdul Aziz, 751 Bhawani Peth, Pune-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, ground floor, H. No. 844, S. No. 390/548, Dastur Meher Road, Pune-1. Area—260 sq. ft. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1828/83-84, in the month of Sept. 83).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Kumar Company, 7831 Bhavani Peth, Pune-411 002.

(Transferor)

(2) Dr. Nitin Manohar Choukkar, 'Akansha' 17, Giriraj Society, Baner Road, Aundh, Pune-411 007.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 3rd December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/448/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 2"9D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. R (Rupa) C.T.S. No. 158A/3/2A/2/3, Kharal-

wadi situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or eav moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 (Rupa) C. T. S. No. 158A/3/2A/2/3, Kharalwadi, Pune-411 018. (Area—640 sq. ft.)
(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 428 in the month of July, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Poons

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-12-1983

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 7th February 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EF/456/83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land & Building at Final Plot No. 70/3-A C.T.S. No. 47/3-A, Erandawana situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

J.A.C. Acqn. Range, Pune in July, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sectin 269D of the said Act, to the following persons manually:—

(1) M/s. Ravi Promoters, 461, Budhwar Peth, Pune-411 002.

(Transferor)

(2) M/s. Butala-Dadhe Associates, Harjivan Hospital Busaling, Opp. Sarasbaug, Punc-411 002.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period existing later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Plot No. Final Plot No. 70/3-A CTS No. 47/3-A Erandawana, Pune.

(Area—11010 sq ft.)—as per form No. 37EE).
(Area—11,434 sq. ft. as per property register Card).
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1568 in the month of August. 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Date: 7-2-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 3rd December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/449/83-84,—Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 103 (Rupa) C.T.S. No. 158/A/3/2A/2/3,
Kharalwadi, Pune-411 018 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at L.A.C., Acun. Range. Pune in July, 1983

I.A.C. Acun. Range, Pune in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s, Kumar Company, 783, Bhavani Peth, Pune-411 002.

(Transferor)

(2) Shri Indrajit Rambabu Agarwal, Kharalwadi, Pune-411 018.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103 (Rupa) C.T.S. No. 158/A/2A/2/3, Kharalwadi. Pune-411018.
(Area—640 sq. ft.)

(Property as described in the sule of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 429 in the month of July, 1983).

SHASHIKANT KUI.KARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Poona

Date: 3-12-1983

Scal:

M/s. Parbat Builders Pvt. Ltd., Patel Apartments, 3 Bungalows, J. V. Cross Road (Khot lane) Ghatkopar (West) Bombay-86.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anil Gajananrao Rambhad, C/o. Mr. Indurkar, New Uday Sahjivan Housing Society. Jangal Mangal Road, Bhandup, Bombay-78.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 6th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/328/83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tag Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 5, first floor, 8-Wing, Patel Apt., S. No. 70/1-A, H. No. 4, G. B. Patharli, V. P. Road, Dombivali (East) situated at Tal. Kalyan Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

71---6 GI/84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, First floor, B-Wing, Patel Apartments, S. No. 70/1-A Patel Apartments S. No. 70/1-A H. No. 4, Part of G. b. Patharli, V. P. Road, Dombivali (East) Tal. Kalvan. Dist. Thane.

(Area---640 sq. ft.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1722 in the month of August, 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Date: 6-12-1983

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN, 60/61, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 6th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/329/83-84.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a four market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Flat No., 19, 3rd floor Manohar villa, B-33, Tilak Rd.
Dombivali (East) situated at Dist. Thane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
IAC. Acqu. Range, Pune in August, 83
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri B. S. Nande, Flat No. 19, 3rd floor, Manohar Villa, Tilak Road, Dombivali (E) Thane Dist.

(Transfer)

(2) Shri A. R. Narkhade, Block No. 44, Lochana Bldg., R. B. Mehta Marg, Ghatkopar (E). Bombay-77.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 19, 3rd floor, Manohar Villa, B-33, Tilak Road, Dombivali (East).

(Area-360 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pu document No. 175 in the month of August, 1983). Pane under

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Poons

Date: 6-12-1983 Seal ;

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 6th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/334/37EE/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 42, 2nd floor in K.P.T. 5, Plot No. 31 S. No. 17A Mouje, Wanowarie situated at Pune-411 013 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Mahindra & Vilas constructions (P) Ltd., 321/3, New Timber Market Rd., Pune-411 002.

(Transferor)

(2) Mr. P. Krishnamurthy, 6. Tadiwalla Rd., Jagtap Park, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 42, 2nd floor, in KPT-5, Plot No. 31, S. No. 17-A. Mouje, Wanowaries, Pune-411 013.

(Area--400 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1940/83-84 in the month of Sept. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Date: 6-12-1983

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/61, ERANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, the 7th December 1983

Ref. No. IAC. ACQ/CA•5/37EE/335/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 204, 2nd floor, A-Wing, Clover centre 7, Moledina

Road, situated at Pune-1.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 3908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. ACQN. RANGE, Pune on Sept. 83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth far Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M./s. Vijay Enterprises, 515, Rewa Chambers, New Marine Lines, Bombay-400 020.

(Transferor)

(2) Mr. Shahir Hakkimuddin Dhariwala,
8, Shastree Apartments.
4, Molidina Road,
Pune-411 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204-A Wing 2nd floor, 7 Moledima Road, Pune. (Area-665 sq. ft.)

(Property as described in the expreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2139/83-84 in the month of Sept., 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 7-12-1983

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. PRAPTIKAR SADAN 60/61, ERANDAVANE, PQONA-4.

Poona-4, the 20th February 1984

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/347/83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 15, Dhanalaxmi Apartment, Senapali situated at Bapat Road, Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune on Sept., 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Gunjal Famy—through M/s. Hindustan Builders. 836, Sadashiv peth, Pune-411 030.

(Transferor)

(2) Mrs. Ashn Suresh Mayadeo and Mr. Suresh Vishnu Mayadeo, C/o. Mr. Ranade, 5, Shailendra Society, Senapati Bapat Road, Shivaji Nagar Pune.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 15 Dhanalaxmi Apartment, Senapati Bapat Road, Pune.

(Area—1090 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1840/83-84 in the month of Sept., 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 20-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/61, ERANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, the 13th February, 1984

Ref. No. IAC. ACQ/CA-5/37EE/348/83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 8, Dahanukar colony, Plut No. 97, S. No. 26-A, Kothrud, situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune, on August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (A) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

(1) M/s. Prasad Constructions. 436, Nana Peth. Pune.

(Transferor)

(2) Shri Shriniwas Ramakant Nandargikan. 411, Shaniwar poth, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 'Dahanukar colony, Plot No. 97, S, No. 26-A, Kothrud, Pune.

(Area - 720 sq. ft.)

(Property as described in the expreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1849/83-84 in the month of Sept., 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 13-2-1984

FORM ITNS-----

(1) M/s. Sharat Promoters, 2, East Street, Poona.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAN SADAN

Poona-4, the 14th February 1984

60/61, ERANDAVANE, POONA-4

Ref. No. IAC. ACQ/CA-5/37EE/351/83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 15, Building-E. Ashoka Co-operative Housing society CTS, 3 & 3/1, Naylor Road, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on September, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Jodhasingh Sahibsingh Advancy, 30, Anwar AL-Saba Bldg., Fahad Salem street, Kuwait.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, Building 'E' Ashoka Co-operative Housing Society C. T. S. 3 & 3/1, Naylor Road, Pune.

(Area—1000 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range. Pune under document No. 2097 in the month of Sept., 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/61, FRANDAVANE, POONA-4.

Poona-4, the 20th February 1984

Ref. No. IAC. ACQ/CA-5/37EE/352/83-84.—Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. B-4, Mayfair Co-operative Housing Society Ltd.,

situated at Pune.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

IAC. Aign. Range, Pune on September 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Kamala Kanyalal Chandnani, Flat No. B-4, Mayfair Society, Dhole Patil Road, Punc-411 001.

(Transfer

(2) Shri Prakash Kishinchand Athwani, Jointly with Shri Vinod Kishinchand Athwani, Flat No. B-1, Mayfair society, Dholc Patil Road, Pune-411 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-4, 2nd floor, Mayfair Co-operative Housing Society Ltd., 4, Dhole Patil Road, Pune-1. (Area--1650 ss. ft.)

(Property as described in the expreement to sale registered in the effice of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2093 in the month of Sept., 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the arquisition of the aforesaid property by the issue for this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 20-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE.
PRAPTIKAR SADAN
60/61, ERANDAVANE, POONA-4.

Poona, the 12th February 1984

Ref. No. IAC. ACQ./CA-5/37EE/365/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 3, 4th floor, Miaami Apartment-II St. Vincent Street, Camp situated at Punc.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—72—6 GI/84

 Mr. Sural S. Gopalani, 141/8. Mira society, Shankar Sheth Road, Pune-411 009.

('ransferor)

Mr. Dayaldas Parsram Daswani,
 Mr. Vinod Dayaldas Daswani,
 C-9. Geeta society,
 Pune-1

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE .SCHEDULE

Flat No. 3, 4th floor, Miammi Apartment, 2002, St. Vincent Street, Pune-1.

(Area-1000 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2094/83-84 in the month of Sept., 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Date: 12-2-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/61, ERANDAVANE, POONA-4.

Poona, the 12th December 1984

· Ref. No. IAC. ACQ/CA-5/37FE/366/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. A/31, 459, Salisbury park situated at Pune. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on September, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following

persons, namely :-

(1) M/s. A, V. Bhat & Co., 1347, Sadashi* peth, Punc-411 030.

(Transferor)

(2) Mrs. Hoor P. Nandwani and Mr. Manesh P. Nandwani, C/o. Mrs. Vusandani Block No. C/24 Chandranagari, Pune-411 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Unit No. A/31 situated at 459 Salisbury park, Gultekadi, Pune.

(Area-1200 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1954/83-84 in the month of Sept., 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 12-2-1984

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-PUNE

Pune, the 23rd December 1983

Ref. No. IAC ACO/CA-5/391/37EE/83-84.— Whereas. I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat A-1/1 Sadashiv apartments, first floor situated at 1145, Shivaji Nagar, F.C. College Road, Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pune on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Deosthale Karandikar and Associates, 720/2, Jagannath Navi Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Pushpa Namdeo Tupe, Tupe Hospital. Shrirampur, Dist. Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. A1/1, Sadashiv apartments, first floor, 1145, Shivajinagar, F.C. College Road, Pune-411016, (Arca-602 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1835 in the month of August, 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 23-12-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-PUNE,

Pune, the 27th December 1983

Ref. No. IAC ACQ CA-5/397/37EE/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 102, Ram Niwas, Cheda Road, Dombivali (E)

situated at Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

IAC Acqn. Range Pune on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) M/s. K. D. Patel Bros., Manorama Bldg., Mukherji Road, Dombivali (E) Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Mr. Prakash B. Lade and Mrs. Shila P. Lade, 11/350, Pant Nagar, Ghatkopar (E) Bombay-77.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, Ram Nivas, Chheda Road, Dombivali (E) Dist. Thane. (Area—668 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 2378 in the month of September, 1983.)

> SHASHIKANT KÚLKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 27-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-PUNE

Pune, the 27th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/399/37EE/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 18, ground floor, Bidg. 'B' Sunita Co-oper. Housing Society Near Nakhwa School, Chandani, situated at

Thane (East)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Subhash Chandra Misra
C/o Harichand Misra,
Flat No. 18, Bldg., No. 'B'
Sunita Co-operative Housing Society Ltd.,
Thane (East).

(Transferor)

(2) Mrs. Vijaya Eknath Aher Flat No. 18, Building No. 'B' Sunita Co-operative Housing Society Ltd., Near Nakhwa School, Thane (East).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 18, ground floor, Building No. B' Sunita Cooperative Housing Society, Near Nakwa School, Chendani, Thane (East). (Area—450 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2424 in the month of August, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-PUNE

Pune, the 10th February 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/462/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ard bearing No.

Flat No. 4, Yatin Apartments, Plot No. 535-A

N.D. Patel Road, Nasik situated at Nasik
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
1AC Acqn. Range, Pune, on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shri Indraprakash Puri and Shri Harish Kumar Sele, 'Shivadarshan' N.D. Patel Road, Nasik.

(Transferor)

(2) Shri Anandpur Trust through Bhagchand Aratrai Khubani (Cela of Trust) Punjab Wndi, Sion Trombay Road, Deonar Depot, Bombay-88.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Yatin Apt., Plot No. 535-A N.D. Patel Road, Nasik (Area—556 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 49/83-84/Nasik in the month of July, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 15th February 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/463/83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000 - and bearing No. Flat No. A-2, Ashiyana Bldg., Plot No. 15 Sector No. 17, D.B.C., Vashi, situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC ACQN. RANGE Pune on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aircresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Shri D. K. Bhateja
 Shri Satish K. Bhateja
 1145 Old Hamida
 Yamuna Nagar, (Hrayana).

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Kaur H. Manaktaia Shri Maniect Singh H. Manaktala B-3 type, 2/2:3, Sector-2, Vashi, New Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-2, Ashiyana Bldg., Plot No. 15, Sector No. 17, D.B.C., Vashi, New Bombay. 1850 sq. mtrs. (Property as described in an agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range Pune, under Doc. No. 37EF/2419/Thane, 83-84 in the month of September 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poonn

Date: 15-2-1994

FORM LT.N.S ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-PUNE

Pune, the 15th Eebruary 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/464/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 71, S. No. 120, 121, 122 Rambaug Colony, Kothrud, situated at Pune-29 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer-at IAC. ACQN. Pune on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jagadish N. Kale 538/A/2, Shaniwar Peth Pune-30,

(Transferor)

(2) M/s, Rekson Enterprises 261/62, Budhwar peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 71, S. No. 120, 121, 122 Rambaug Colony, Kothrud, Pune-29. Area—1000 sq. mtrs.
(Property as described in the agreement to sale registered under Doc. No. 37EE/Pune/1842/83-84 in the office of the I.A.C. Acqn. Range Pune, in the month of September, 1983 1) 1983.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date : 15-2-1934

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX PUNE

Pune, the 15th February 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/466/83-84.—Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 4055 Plot No. 14 Sangamner situated at Dist. Ahmednagar

And more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, ACQN. Punc on August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said 4ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

73---6 GI /84

(1) Shri L. G. Joshi, 9/98. Lokamanya Nagar, Pune-30.

(Transferor)

(2) Dr. Kulyan M. Gangwal, 586, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at C.S. No. 4055 Plot No. 14, Sangamner, Distt. Ahmednagar Area—950 sq. ft.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acqu. Range Pune, under Doc. No. 37FF/6/83-84/Ahmednagar in the month of August 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
Acquisition Range
Poons

Date: 15-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Punc, the 16th January 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EF./468/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 5, ground floor, Ashish Apt., Saraswat Nagar, Dombivali (F) situated at Dist Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. Shah Construction & Co., 6, Usman Manzil, 1st Agiyari Lane, Bombay-3.

(Transferor)

(2) Mr. Subrata Chakraworthy, 17/18, Jiwani Building, 'Thakurli Village, Kalyan Taluka, Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said 'Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Saraswat Colony, Ashish Apt., Dombivali (E) Land bearing S. No. 208(6), village Chole, Dist. Thanc. (Area—51.83 sq. meter).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LAC. Acquisition Range, Pune under document No. 2340/83-84 in the month of November, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inepecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date: 16-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th February 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/469/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-hnd bearing

Flat No. 407, 4th floor, Plot B.S. No. 15/16; Diwa Ambadi Road, Vasai (W), situated at Thane

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC. ACON. Pune on Aug. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Jasmin Builders, 3/410, Navajeevan Associates, Bldg. No. 3, Lamington Road, Bombay-12.

(Transferor)

 Smt. Hema P. Raikar, Bank of Maharashtra, Thakurdwar branch, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 407, 4th floor, Plot No. B.S. No. 15/16, Diwa Ambadi Road, Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC Acqn. Range, Pune, under Doc. No. 1737/83-84, in the month of Aug. 83).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date: 7-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 3rd February 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/470/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 201, 2nd floor, Plot No. B.S. 15/16, Diwa Ambadi Road, Vasai (W), situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registring Officer at

IAC ACQN. Pune on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid baceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Jasmine Builders 4/10 Navjeevan Society Bldg. No. 3, Lamington Road, Bombay-3.

(2) Shri Cresto T. Kashmira Haji Habib Bldg., 1st floor, Play House, Grant Road, Bombay-400 007. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd fioor, Plot No. B.S. No. 15/16, Diwa Ambadi Road, Vasai (W), Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC Acqun. Range, Pune, under Doc. No. 157 in the month of August, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th February 1984

Rcf. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/471/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 108, 1st Floor, Plot B. S. No. 15/16, Diwa Ambadi Road, Vasai (W), situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering officer at 1AC ACQN. Pune on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 46—456GI/83

 M/s. Jasmine Builders 4/10 Navjeevan Society Bldg. No. 3, Lamington Road, Bombay-3.

(Transferor)

(2) Shri S. B. Shroff 79/785 New Hanuman lane, Mimroj Bldg. Kolbaden Road, Bombay-2.

(Transeco)

Objections, if any, to the acquisition of the said prop may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 108, 1st uoor, Plot No B.S. No. 15/16, Diwa Ambadi Road, Vasai (W), Dist. Toane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC Acqun. Range, Pune, under Doc. No. 162 in the month of August, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,

Date: 4-2-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 6th February 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/472/83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Hat No. 402, 4th floor, Plot B.S. No. 15/16,

Diwa Ambadi Road, Vasai (W), situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

IAC ACON. Pune on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of a aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Jasmine Builders 3/410 Navjeevan Society Bldg. No. 3, Lamington Road, Bombay-3,

(Transferor)

(2) Shri K. S. Narse Sanjeevan Bldg, 2nd floor, R. No. 75, Ganesh Nagar, Lalbaug, Bombay-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Plot B.S. No. 15/16, Diwa, Ambadi Road, Vasai, Dist. Thane. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC Acqn. Range, Pune, under Doc. No. 1738/83-84 in the month of August, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Pune

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. **PUNF**

Pune, the 20th February 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/473/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. H-24, 1st floor, Sundar Nagri Co-op. Housing Society, 308, Somwar peth, situated at Pune-411 011. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JAC Acqn Range Pune on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Yeshwant Narayan Bhide, 17, Milan Society, 133, Kothrud, Pune-411 029.

(Transferor)

(2) Shu Ramesh Murlidhar Pawar, Flat No. H-24, 308, Somwar peth, Pune-11.

..(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ou 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. H-24, on 1st floor, Sunder Nagri Co-op. Housing Society, 308, Somwar peth, Pune-411 011, (Area—486 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC Acqui. Range, Punc, under Doc. No. 925/83-84 in the month of July, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Pune

Date: 20-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 15th February 1984

Ref. No. JAC ACQ/CA-5/37G/1076/83-84—Whereas, J, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C.T.S. No. 1627, 1628 and E-Ward, Rajaram Puri situated at Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Karvir, Kolhapur on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the cobject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Madanlal Hukmichand Sarada, at 826-D-Ward, Kolhapur.

(Transferor)

(2) Shri Laxminarayan Hukmichand Sarada, 1972/73, C-Ward, Kolhapur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mimovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 1627 and 1628, E-Ward, Kolhapur, Rajarampuri, Kolhapur. (Area-135 sq. m.)
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Karvir, Dist. Kolhapur under Document No. 3561 in the month of July, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Pune

Date: 15-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 14th February 1984

Ref. No. IAC ACQ/CR-5/37-G/1077/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

bleng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.T.S. No 392/1 to 393/13-C-Ward situated at Kolhapur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Karvir on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 -(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

74-6GT/84

(1) Shri Gridar H. Sarda, 1972/73, C-Ward, Kolbapur,

(Transferor)

(2) Shri M. H. Sarada, 826. D-Ward, Kolhapur.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 392/1 to 13 C.T.S. No. 392/1 to 392/13. C-Ward, Kolhapur. (1/2 share) (Area—507 sq. ft.)
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Karvir under document No. 3563 in the month of July, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rauge,

Date: 14-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 13th February 1984

Ref. No. IAC ACQ/AC-5/37-G/1078/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

C.T.S. No. 392/1 to 392/13, C-Ward, situated at Kothaput (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Karvir on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the traffsferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shri Gridar H. Sarda, 1972/73, C-Ward, Kolhapur.

(Transferor)

(2) Smt. S. M. Sarda, 826, D-Ward, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforessid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 392/1 to 13, C.T.S. No. 392/1 to 392/13, Kolhapur, C-Ward, Shivaji Road, (Area—507 sq. ft.)
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Karvir under document No. 3562 in the month of July, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Pune

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PRATIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 14th February 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-G/83-84/1072.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Plot No. C-10, MIDC. Sholapur situated at Sholapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schsdule annexed nersus), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Solapur on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) M/s. Govindraj Industries, Partner Shri Naryan Ramdas Duas, 205/22, Telangi Pacchapeth, Solapur.

(Transferor)

 M/s. Govindraj and Sons, Partner Shri S. V. Yeldi, 1288, Bhadravati Peth, Solapur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. C-19, Solapur, M.I.D.C. Area Land and building—land area—4000 sq. (Built-up area+2453+1062+1737 sq. ft.) -4000 sq. mt. Factory+Godown shed+Office & stores).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Solapur under Document No. 2591/83 in the month of August, 1983.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 14-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PRAFTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 14th February 1984

Ret. No. IAC ACQ/CA-5/37-G/83-84/1080.—Whereas, I,

SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Land and Building—C.S. No. 2945/K situated at Kolhapur (and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Karvir on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shankarrao Parasuram Patil, and others, C.S. No. 1182/85-E-Ward, Rajarampuri, Kolhapur.

(Transferoi)

(2) Shri Kisan Mohanlal Heda and Shri Nandalal Deokisam Heda, C.S. No. 1466, C-Ward, Laxmipuri, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. .

THE SCHEDULE

Land and building at C.S. No. 2945/K Kolhapur. (Area-1128.9 sq. meters.)

(Property as described in the sale decd registered in the office of the Sub-Registrar, Karvir under Document No. 3388 in the month of July, 1983.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 14-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, FRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pooua-4, the 14th February 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|185|83-84|1081.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beading No. Immovable property bearing city survey No. 80 (Part) Tikka No. 16 Ghantali Devi Road, situated at Thane-400602 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R. Thane on July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration und that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the 3aid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Trimbak Dattatraya Sarawate,
 Shri Shankar Dattatraya Sarawate,
 Smt. Vimalabai Dattatraya Sarawate,
 All are residing at Sarawate-wadi, Cross Road
 No. 1, Rammaruti Road, Naupada,
 Thanc-400602. (Transferor)
- (2) M/s. Shubhada Enterprises,
 Partners—

 1. Shri Subhash Ramchandra Pandit,
 2. Sau. Shaubhada Rajendra Desai,
 'Shraddha' Sambhaji Puth.
 Vishnu Nagar,
 Thane-400602.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property being city survey No. 80 (Part) Tikka No. 16, Ghantali Devi Road, Thane-400602. (Area—149.9 sq. meters)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Thane under Document No. 9307 in the month of July 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 14-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6. ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 14th February 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/83-84/1082.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at S. No. 101, Hissa No. 7, S. No. 103 Hissa No. 1 village Achole, Tal. Vasai, situated at Distt. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shankar Rama Patil, Anchole Post Cokivare, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) M/s. Chandan Construction Co., A/8, Neminath Apartments, Simpoli Road, Borivli (W) Bombay-92.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land lying and being at Village Achole. Tal. Vasai, Dist. Thane bearing survey No. 101, Hissa No. 7 and survey No. 103 Hissa No. 1 and (admeasuring 5285.19 sq. mts. i.e. 6321 sq. yards.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under Document No. R-204 in the month of October, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 14-2-1984

Soal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, FRAPITKAR SADAN, 60/6. FRANDAVANE, POONA-4

> > Poona-4, the 2nd January 1984

Ref. No. JAC ACQ/CA-5/37EF/83-84/413.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 6, Smrut? Meghana Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 1, S. No. 1-B, situated at Pune-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. ACON. Pune on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration thefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of a

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

(1) Babulal M. Oswal, 81, Bhavani Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Ashokkumar S. Shaw, Mahendrakumar M. Shaw, 1258 Bhavani Peth, Pune-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Smurti Meghana Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 1, S. No. 82/1-B, Parwati, Pune-9.

(Area—362 sq. ft.)

(Property as described in the Doc. Register No. 37EE/Pn|
1553/83-84, dated 11-7-1984 in the office of the I.A.C. Acqn.

Range, Pune.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 2-1-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6. FRANDAVANE, POONA-4

Poong-4, the 3rd February 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|83-84|486.—Whereas J, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovunder Section 269B of able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. A-3, Madhuan Co-op. Housing Society, Final Plot No. 297, TPS-1 Opp. Murphy Radio, Thane (West) situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pune in October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Building Construction and Finance Co., 78A, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bomay 400018.

(Transferor)

(2) Mrs. Hemlata M. Suntalia,C/o Mrs. D. G. Kalantri,46, Bela Court, No. 2, Colaba Causewayy, Bombay-400005.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-3, Madhuban Co-operative Housing Society Ltd.,

Opp. Murphy Radio, Thane Express Highway, Thane (West).
(Aren—490 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range Pune under Document No. 1995/83-84 in the month of October, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---

Date: 3-2-1984

(1) M/s. Ashwini Builders, 1488, Sadashiv Peth. Pune-411030,

(Transferor)

(2) Shii Pradeep Moreshwar Patwardhan. Kalaniketan Society Kalanagar, Pune Satara Road, Pune-411009.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6. ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 23rd February 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|371/E|63-84|487.--Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 1, Ashwini Apartments, Plot No. 5, Happy Colony, S. No. 167A/2-6, Kothrud, situated at Pune-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pune in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instr

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Flat No. 1, Ashwini Apartments, Plot No. 5, Happy colony, S. No. 167A/2-6, Kothrud, Pune-411016.

(Area—1142 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 239/83-84 in the month of July, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. pamely:

Date: 23-2-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Shriram Chandrayya Bechuwar, Karta of HUF—Sole propritor, M/s. Shriram Estate Agents and Developers' 12, Civil Lines, Solapur,

(Transferor)

(2) Shri Suresh Ramniklal Parikh, 105, Railway Lines. Solapur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. PRAPTIKAR SADAN, 60/6. FRANDAVANE, POONA-4

Poon-4, the 23rd Feruagy 1984

Ref. No. JAC ACQ|CA-5|37EE|83-84|488.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 304, 2nd floor, 95/1 Railway Lines, situated at Scheme.

situated at Solapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pune in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the falt market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act. 1923 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons painely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, second floor in proposed Building at 95/1, Railway Lines, Solapur.

(Area—565 sq. ft,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC Acquisition Range. Pune under Document No. 37FE/7/83-84 Pune in the month of July, 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authorite Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 23-2-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poon-4, the 25th January 1984

Ret. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/83-84/496.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 10, first floor, 'Santkrupa' Plot No. 42, at Gokulnagar situated at Bhiwandi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering

officer at Pune in August 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Santkrupa Enterprises, Plot No. 42, Gokulnagar, Bhiwandl, Distt. Thene (421302)

(Transferor)

(2) Shri Udaichand Deepchand Shah (HUF), 273, 4th Nizampura, 2nd Floor, Iain Colony, Agra Road, Bhiwandi, Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, First floor, in the building known as 'Sant-krupa' Plot No. 42, at Gokulnagar, Bhiwandi,
(Area—851 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Documents No. 1894|83-84 in the month of August, 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 25-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Eantkrupa Enterprises, Plot No. 42, Gokulnagar, Bhiwandi-421302, Distt. Thane.

(Transferor)

(2) Mrs. Bhuri Ghevarchand Jain, 273, 4th Nizempura, 2nd floor, Jain Colony, Agra Road, Bhiwandi-421302, Distt. Thane.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6. ERANDAVANE, POONA-4

Poon-4, the 25th January 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/83-84/497.—Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herelnafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 6, First floor, 'Santkrupa' Plot No. 42, Gokulnagar, Bhiwandi situated at Bhiwandi, Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Pune in August, 1983

Pune in August, 1983
for an apparent consideration which is less than the falr
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
hetween the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given it that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, first floor, Building 'Santkrupa' Plot No. 42, Gokulnagar, Bhiwandi.

(Area-907 sq. ft.) (Propery as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.S. Acquisition Range, Pune under Document No. 1893/83-84 in the month of August, 1983 1

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Poona.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely :---

Date: 25-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PARTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE POONA-4

Poona, the 24th February 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/894/83-84.—Whereas I. SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. B-37, Adjusth Housing Society, C-Type Block, 2nd floor situated at Pune-37

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Range, Pune on Sept. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay rax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

(1) Shri Babubhai Alias Dahyabhai, Hemchand Shab, 816, Bhavani Peth, Pune-411002.

(Transferor)

(2) Shri Mudan Mohan Omprakash Agarwal,
 T-391, Adinath Society,
 Pune-37.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-37, Adinath Housing Sucrety, Pune-37 C-type Block 2nd floor.

(Area—540 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 2235/83-84 in the month of September, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 24-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE
POONA-4

Poona-4, the 24th February 1983

.Ref. No. IAC ACQ/,CA-5/37EE/499/83-84.—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 2, 4th floor, A-Wing, S. No. 10 (a) Hissa No. 8, and survey Nos. 139 — 140 Bombay Pune Road Mumbra village situation at Thane Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Rango, Pune on Sept. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Rizvi Estates and Hotel Pvt. Ltd. 1st Floor, Rizvi House, Hill Road, Bandra, Bombay-400050.

(Transferor)

(2) Mr. Savio Ramzonali Trinade Saifee Cooperative Housing Society, R. N. 3, Ground floor, Near Dody Colony, Muumbra, Dist. Thane.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, on 4th floor, Wing-A, Plot bearing survey No. 10A Hissa No. 8, and survey Nos. 139 and 140 at Bombay Pune Road, Village Mumbra, Tal and Dist. Thanc...

(Area—360 sq. ft.) 40.93 sq. meter as per V.O.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 2205/83-84 in the month of September, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 24-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE POONA-4

Poona-4, 28th January 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/83-84/500.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable. property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Open plot at Aundh CTS No. 1156/1

situated at Aundh, Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

J.A.C. Acqn. Range, Pune on September, 1983 for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Mrs. Mohini Mohanlal Jam, Allen Town, U.S.A. Through her constituted Attorney Mr. C.S. Kering, 'Suraj' Shantinagar, 321/22, Timber Market Road, Poona-411002.

(Transferor)

(2) Mr. Ashit Vipinchandra Sanghvi, 32/19, Chatursinghi Road, Poona-411006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the! Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot at Aundh C.T.S. 1156/1-Pune Dist. (Area-5667 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acqu Range, Pune under Document No. 2238 in the month of September, 1983)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax . Acquisition Range, Poons

Date: 28-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Lalitaben Vrajesh K. Thakore, C/o Govindbhai Shah, 14, New Fopat Niwas Building No.2, Mathuradas Road Kandivli (W), Bombay-400067.

(Transferor)

(2) Shri Rumesh G. Rayate, 32, Sukh Sagar Building, Gaothan Road, Virar (W), Dist, Thane,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PARUPKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE POONA-4

Poona-4, the 3rd February 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37FF/83-84/501.—Whereas. I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 32. 3rd floor, 'Sukh Sagar' Building Geotham Road,

Virar, situated at Thane Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Pune on Sept, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or;

(b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 3rd floor, 'Sukh Sagar Building' Gaotham Road, Virar, Thane Dist.

(Area—428 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C.Acquisition Range, Pune under Document No. 1371/83-84 in the month of September. 1983.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE POONA-4

Poona-4, the 24th February 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|83-84|1083.—Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 118 (Part) and 119 (Part) Polhar Village,
Bassein Taluka, situated at Dist. Thane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
S. R. Bombay on August, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b. facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

76-6 GI/84

(1) M/s. Shri Ganpat Dying and Printing Works, 113-115 1st floor, Old Hanuman Gally, Bombay-2.

(Transferor)

(2) M/s, Aarati Prints, 227, Zaveri Bazar, 2nd floor, Bombay-2.

(Transferce)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and shed at S. No. 118 (Part) and 119 (Part) Village Polhar Bassein Taluka, Thane District.

(Area—Shed—485.72 sq. mts.)

(Land—3027 Sq. yds.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under Document

No. 1952/82-83 in the month of August. 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 24-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE.

Pune, the 7th February 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|1084|83-84.—Wherens, J. SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Immovable property bearing survey Nos. 30, 33, 36 and 37 Tikka No. 24, Shivaji Peth Mouje Chendani situated at Tal & Dist. Thane

'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at

S.R. Thane on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilifating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Pushpa D. Pandya
 Shri Nitin Dayashankar Pandya
 Shri Shirish D. Pandya
 Bhoiwada, Pipalawala Chawal.
 Near Mota Temple,
 Bombay-2.

`(Transferor)

 Shri Ratan Dayalal Shah
 Shri Jayantilal Jayalal Shah Patwardhan Wada, Ist floor, Opp. Joshiwada, Near 7 Rahrt Well, Charai, Thane.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of N.A. Land of freehold tenure bearing city survey Nos. 30, 33, 36 and 37. Tikka No. 24, admeasuring about 523.40 sq. meters situated at Mouje Chendani, Tal. & Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar., Thane under document No. 1489 '83 in the month of August, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range, Poons

Date: 7-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 27th January 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|495|83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 15, 2nd floor, 'Santkrupa' Plot No. 42, Gokulnagar, Bhiwandi situated at Bhiwandi, Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Range. Punc on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Santkrupa Enterprises Plot No. 42, Gokulnagar, Bhiwandi-421 302, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Babulal Jeverchand Jain and Smt. Usha Babulal Jain 17/19, Shamseth Street. 2nd floor, Dhabliwala Bldg., Bombay-400 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same eaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, Second floor, in the building known as 'Sant-krupa' Plot No. 42, Gokulnagar, Bhiwandi. (Area—851 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1895/83-84 in the month of August. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 31st January 1984

Rcf. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/494/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 17, 3rd floor, Santkrupa Bldg. Plot No. 42, Gokulnagar, Bhiwandi situated at Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Santkrupa Enterprises, Plot No. 42, Gokulnagar, Bhiwandi, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) M/s. Dhanpatraj and Co. 69/75 Shaikh Memon Street, Bombay-400 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- THE SCHEDULE

Flat No. 17, 3rd floor, in building known as Santkrupa, Plot No. 42, Gokulnugar, Bhiwandi.

(Area-880 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1896/83-84 in the month of August, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 31-1-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 24th February 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/493/83-84.—Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1, Ground floor, Mahavir Sadan Co-op. Housing Society Ltd.; Vinayak Mandir Rd., Bhayandar (W) situated at Tal. & Dist. Thana (and more fully described in the Saturday at Tal. & Dist. Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer IAC Acqn. Range, Pune on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Jyoti P. Motiramani Flat No. 1, Gr. Floor, Mahavir Sadan Co-op. Housing Society Ltd., Vinayak Mandir Road Bhayandar (W), Tal. & Dist. Thana.

(2) Shri Haripresad Kantilal Trivedi 126/1-A Arey Road, Pramila Sadan, Tilak Nagar, Goregaon (E), Bombay-23.

(Transferec)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as , are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, Mahavir Sadan Co-operative Housing Society, Vinayak Mander, Rd., Bhayandar (W) Tal. & Dist. Thana, Admeasuring 342 sq. ft. Carpet area. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2417/83-84 in the month of September, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

transfer with object of :-

Date: 24-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 31st January 1984

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/492/83-84,---Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 2, 3rd floor, Tulsidas Apartments, Bldg., No. 3. 826-B, Dastur Meher Rd., situated at Pune-411 001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, ACQN. RANGE, Pune on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Atur India Pvt. Ltd. Atur Foundation House.
 Dr. Ambedkar Road, Pune- 411 001.

(Transferor)

(2) Mrs. Veena C. Dedlani, Fl. No. 5/1st floor, Krishna Kunj 2393, Gen. Thimayya Road, Pune-411 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by say of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 3rd floor, Tulsidas Apartment, Bldg. No. 3, 826-B, Dastur Mehar Rd., Punc-400 001.

(Area-880 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Fune under document No. 2078/83-84 in the month of September, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 31-1-1984

(1) Shrì B. L. Gawade Dhanorie, Tal. Khed, Dist. Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. D. Kakade Project Officer, 'Grindwell Nortan Ltd., Army and Navy Bldg., 148 M. G. Road, Bombay-23.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Pune, the 5th February 1984

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/491/83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land at Gat No. 139/A Old Survey No. 47/2, 49/5 village Dhanori, Tal. Khed situated at Dist. Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

th) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open piece of land bearing Gat No. 139/A, Old survey No. 49/2 and 49/5, village Dhanori, Tal. Khed, Dist. Pune. (Area--3.68 Acres)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2016/83-84 in the month of October, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 5-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

Pune, the 7th February 1984

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/490/83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair murket value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.
Flat No. 53, Bldg. No. 4, 2nd floor, Daulat Nagai Cooperative Housing Society, Kpri Colony situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely ;---

(1) Shri Mohanlal Gupta S/o Late Shri Amarnath Gupta B-15, Saint Meera Co-operative Housing Society. Thane (East).

(Transferor)

(2) Shri Rameshwarlal Bheirudan Toporta Flat No. 53, 2nd floor, Building No. 4, Daulat Nagar Co-operative Housing Society, Thane (East).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing Flat No. 53, Building No. 4, 2nd floor, Daulat Nagar Co-operative Housing Society, Kopri Colony, Thane (East).

(Area-680 sq. ft,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1093, 83-84 in the month of August, 1984).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
Inspecting Assistan: Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 7-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNF

Pune, the 5th February 1984

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/489/83-84.—Whoreas, I, SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. Agril, land at Gat No. 119, Village Dhanori situated at Tal. Khed, Dist. Punc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqu. Range, Pune on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
77—6 GI/84

 Shri Dnyanoba Shreepati Gawade Village Dhanori, Tul. Khed, Dist. Pune.

(rensierar)

(2) Shri S. D. Kukade Project Officer M/s. Grindwell Norton Ltd., Army and Navy building, Mahatma Gandhi Road, Bombay-400 023,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land at Gat No. 119, Dhanori, Tal. Khed. Dist. Pune.

(Area-2H 35R)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1934/83-84 in the month of September 1983).

SHASHIKANT KUJ KARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 3-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. PUNE

Pune, the 25th January 1984

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/475/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 11, 2nd floor, Santkrupa, Plot No. 42, Gokulnagar, Bhiwandi situated at Bhiwandi

(and morefully described in the Schedule annexed hereto). has ben transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Rigistering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on August, 198;

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Santkrupa Enterprises Plot No. 42, Gokulnagar, Bhiwandi, Dist, Thane,

(Transferor)

(2) Mrs. Bhanvari Shantilal Jain 273, 4th Nizampura, 1st floor. Jain Colony, Agra Road, Dist. Thane. Bhiwandi-421 302.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, second floor, Santkrupa, Plot No. 42, Gokulnagar, Bhiwandi. (Area—907 sq. ft.)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune document No. 1892/83-84 in the month of August, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 25-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 30th January 1984

Ret. No IAC/ACQ/CA-5/37EE/480/83-84—Whereas, I. SHASHIKANT KUI KARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Incorae tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs, 25,000/- and bearing S. No. 46, Plot No. 10, North Plot No. 1. Shiee Apartments. Shivamagar situated at Sangli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

IAC. Acqn. Range, Pune, on August, 1984

for an apparent consideration which is ses than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

N_k, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons namely:—

M/s, Shice Agencies (Firm)
 562, Sadashiv Peth,
 Flat No. 115/237-Narayan Peth,
 Pune-411 030.

(2) Shri Kıshoı Khulchand Shah 334, Shind Buildign, Wakhar Bhag, Sangli-416 416. (Transleror)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said 'Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S No. 46, Plot No. 10, North—Flat No. 1, Ground floor, Shice Apartments, Shivaji Nagar, Sangli-416 416, (Area—762 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2884/82-83 in the month of August, 1983).

SIIASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date . 30-1-1984 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

4, Dr. Ambedkar Rd., Pune-411 001.

(1) M/s. Atur India Private 1.td. 'Atur Foundation House'

(Transferor)

(2) Dr. Ravindranath Bhaguji Sable At P. O. Ale, Taluka—Junnar, Dist. Punc.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transfercé)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. PUNE

Pune, the 1st February 1984

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37FF/482/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

shashikant kulkarni, ocing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. Hat No. I-B, 1st floor, Manisha Apartments, No. 2 A Moledina Road, Pune situated at Pune-1 (and more fully described in the Schedule approved hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at 1.A.C. Acqn. Range, Pune on August 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objection, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7-B, 1st floor, Manisha Apartments, No. 2. Moledina Road, Punc-411 001.

(Area-370 Sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale systemed in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Puge under document No. 2063/83-84 in the month of August, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range Poona,

Date: 1-2-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th December 1983

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/485/83-84.—Whereas, 1 SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 8, 1st floor, 247/1 Rasta Peth, Trupti apartment

situated at Pune-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at IAC. Acqn. Range, Pune on September, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- in) facilitating the reduction or evanou of the liability of the transferor to pay tax under the mid Acz, in respect of any racome arising from the transfer; 6/90 / CH
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Makwana Construction Co., (SSW) Divine Terrance, 913-914, Synagorum Street, Punc-411 001.

(Transferor)

(1) Shri Kantilal P. Vora and Smt. Surekha J. Vora, 532, Budhawar Peth, Pune-411 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 1st floor, 247/1. Rasta Peth, Trupti Apartment, Pune-411 011.

(Area-705 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1937/83-84 in the month of September, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 9-12-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE PRAPTIKAR SADAN 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 1st March 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1085/37-G/83-84.—Whereas, 1 SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Non-Agril: land at Plot No. 15 Survey Nos. 25/1 and 26 situated at Lonavala, Dist. Pune, Tal. Maval

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R. Maval on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market_value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect to any income arising from the transferend/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) M/s. Pradhan Hill Resorts - a firm through its Partner-Shri Badruddin Ahmed Pradhan 41-Jail Road, (East) Dongri, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Gautam Bhagwan Mirchandani Residing at Sai Niwas, 9th Road, J.V.D.S. Scheme, Juhu, Bombay-400 054

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land Non-Agril, land at Plot No. 15 survey Nos. 25/1 and 26, Tal. Maval, Lonavala, D.st. Pune.

(Area—539.66 sq. m.)
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 335 in the month of July, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 1-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Partner Shri Ahmed Pradhan, 41-Jail Road, Dongri, Bombay.

(1) M/s. Pradhan Hill Resorts

(Transferor)

(1) 1. Shri Bhavarlal Surajmal Rathod, Shri Abhaykumar Surajmal Jain, both residing at 34-D Ward, Lonavala, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE PRAPTIKAR SADAN 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 1st March 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1086/37G/83-84.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Non-Agril, land, Plot No. 23, R.S. Nos. 25/1 & 26 Maval, ituated at Lonavala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Maval on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to pelieve that the tair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official sazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of non-agril land situated at village Lonavala within the limits of Lonavala Municipal council and in the registration sub-District, of Maval Taluka Dist. Pune bearing Plo: No. 23, R.S. Nos. 25/! and 26 admeasuring 604.67 sq. yards. i.c. 505.56 sq. meters.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 468, in the month of Luly 1983).

in the month of July, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 1-3-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. PRAPTIKAR SADAN 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 1st March 1984

Ref. No IAC ACQ/CA-5/1087/37-g/83-84,—Whereus, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Non-Agril. land, Plot No. 36, R.S. No. 25/1, Tal. Maval. situated at Lonavala, Dist. Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Maval on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

- (1) M/s. Pradhan Hill Resorts-Partner—Shri Shirax Badruddin Ahmed Pradhan 41-Jail Road, Dongri, Bombay.
- (Transferor) (2) 1. Shrı William Corderio s/o Mathaias Corderio 2. Mrs. Zahera Fakriddin Dahodwalla Both residing at 'g' Ward, Lonavala, Tal. Mayal, Dist. Punc.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land situate at Plot No 36, R.S. Nos. 25'1 and 26 Tal. Maval, Lonavala Dist. Pune. (Area—585. sq. meters). (Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under document No 470 in the month of July, 1983)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date 1-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE PRAPTIKAR SADÁN 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 29th February 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1089/37-G/83-84.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land at survey No. 90 & 91, Village Amberwet Tal, Mulshi situated at Dist. Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Maval on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the conceannent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Shri Matuti Yeshwant Matre,
 2. Tukaram Yeshwant Matre,
 3. Shri Sakharam Yeshwant Matre,
 4. Dhondiba Yeshwant Matre,
 residing at Bhare. Tal. Mulshi, Pune.
 5. Smt. Muktabai Sopan Godambe
 - residing at Gholawade, Tal. Mulshi Dist. Pune. 6. Shri S. M. Chinchwade v
 - Chinchwad, Pune-19,

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Yeshwant Mondke, Amol 86/1, Erandawane, Pune-411 004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a. oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this no ce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at survey No. 90 & 91 Village Amberwel, Tal. Mulshi, Dist. Pune.

(Area-2 H 40 R)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 1038 in the month of July, 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 29-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE. PRAPTIKAR SADAN 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 1st March 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1088/37G/83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land at R. S. No. 46, H. No. 1-Village-Tungarli situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Maval in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Shri Gangaram Sawala Maowakar for self and gurdian of Kum. Chandrabhaga, Bhau, Bajirao
 - and Raju Gangamaram Maukar

 2. Shri Baburao Sawala Maukar for self and guardian of Kum. Sunil, Manda, Shahaji and Davandeo Baburao Maukar.

 - Sm. Ramesh Sawaia Maukar
 Smt. Ye hod ibai Sawaia Maukar
 Sou. Sarubai Maruti Phatak
 - 6. Sou. Nanda Shankar Dalviall are residing at Tungarli, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Anilkumar Gulabchand Gadiya,
 - r/o Siddheshwar Co-op. Society, Lonavala.
 Sou. Mangala Ashok Gadiya, r/o as above.
 - 3. Nandkukar Ramnath Khendelwal,
 - T/o Bhangarwadi, Ganesh Temple, Lonavala. 4. Mandanmukar Ramnath Khandelwal-as aboye.
 - Asaram Yamaji Kudale, R/o Tungarli, Lonavala.
 - 6. Dnyandeo Yamaji Kudale R/o Tungarli, Lonavala
 - 7. Hanumanta Yamaji Kudale, R/o Chikodi, Ghira, Tal. Pathardi, Dist .Ahmednagar.
 - 8. Sukhadeo Kisan Gund, R/o Mahalaxmi Diwate, Tal. Newase, Dist. Ahmednagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein 28 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Bearing R.S. No. 46 H. No. 1, admeasuring about 6.50.6 Area assessed at Rs. 2-21 paise out of Acre 4-00 gunthas (H. 1.62 Area) situated at village Tungarli within limits of Lonavala Municipal council, Tal., Maval, dist. Pune.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 993 in the month of July, 1983.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 1-3-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 196) (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 1st March 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EF/502/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. D-4, 1st floor, Bldg. D-Hermes Park Co-operative
Housing Society 1.1d., 30, Bund Garden Road, Pune-1 situated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tex. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Mathuradas Nanji Thakkar, 793, Family House, Jame Jamehed Road, Matunga, Bombay-400 019.

(Transferor)

(2) M/s. Amphetronix Ltd., Plot No. 105, Bhosari Industrial area, Bhosari, Pune-411 026.

(Transferoe)

Objections, if any, to the sequisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three Bedroom Flat No. D-4, 1st floor, Building 'D' Hermes Park, Co-operative Housing Society Ltd., 30 Bund Garden Road, Pune-411 001.

(Area—1165 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 388/83-84 in the month of July, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pagan

Date: 1-3-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

CONTRACTOR OF THE PROPERTY OF A CAMBRIDGE PROPERTY.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN
60/6. FRANDAVANE, POONA-4

Pune, the 1st March 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5, 371-E/503, 83-84.—Whereas. I. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. D-8, 2nd floor. Building 'D' Hermes Park co-operative Housing Society, 30 Bund Garden Road, situated at Pune-411 001

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Janki Ramesh Thakkar, Phup ndra V lla, Jame Jamshed Road, Matunga, Bombay-400 019.

(Transferor)

. :

 M s. Amphetronix I td., Plot No. 105, Bhosari Industrial Area, Bhosari, Pune-411 026,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three Bedroom Flat No. D-8, 2nd floor, Building 'D' 'Hermes Park' Co-operative Housing society Ltd, 30, Bund Garden Road, Pune-411 001.

(Area—1165 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1 A.C. Acquisition Range. Pune under document No. 388/83-84 in the month of July, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Dn'e: 1-3-1984